लेडी इर्विन महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय

92वीं वार्षिक रिपोर्ट
2023-24

वार्षिक रिपोर्ट समिति

प्रो. रविन्दर चढ़डा (संयोजक)
डॉ. मनप्रीत चहल (सह-संयोजक)
प्रो.सिम्मी भगत (अभिकल्प परामर्शदाता)
प्रो. दीपाली रस्तोगी (पूर्व कर्मचारी परिषद सचिव)
डॉ. अपर्णा अग्रवाल
डॉ. आशिमा आनंद
डॉ. दीपा कन्नूर
डॉ. देशम कोदंडाराम रेड्डी
सुश्री गीतिका शर्मा
डॉ. कणिका हजारिका
डॉ.मयंका गुप्ता
सुश्री मसोत जिंगखाइ
डॉ.मिताली यादव
डॉ.नेन्सी रैना
डॉ. नवीना एन
सुश्री पूजा त्रिपाठी
सुश्री प्रियंका पवार
डॉ. रुचि कौशिक
श्री संजीव कुमार
सुश्री सपना कुमारी
डॉ.शीतल चोपड़ा

तस्वीरों का योगदान चित्रिका –फोटोग्राफी एंड फिल्म सोसाइटी, लेडी इर्विन महाविद्यालय

निदेशक की कलम से

प्रो. अर्चना कुमार

“प्रिय सम्मानित अतिथिगण, छात्राओं और संकाय सदस्यों,

अकादमिक उत्कृष्टता, नवाचार और महिला सशक्तिकरण के प्रतीक -लेडी इर्विन महाविद्यालय में आप सभी का स्वागत करना मेरे लिए अत्यंत गौरव की बात है। अपने महाविद्यालय की 92वीं वर्षगांठ मनाते हुए, हम इसकी विकास यात्रा, सफलता और समग्र शिक्षा प्रदान करने की दिशा में इसकी प्रतिबद्धता के बारे में विचार-मंथन कर रहे हैं।

इस वर्ष का विषय ‘विकसित भारत हेतु अपनी विरासत का उपयोग’ विशेष रूप से हमारे महाविद्यालय के मार्गदर्शक दृष्टिकोण की दृष्टि के अनुरूप है, जो भारत के विकास में योगदान देने और भारतीय लोकाचार पर आधारित अत्याधुनिक शिक्षा प्रदान करते हुए अपने देश को न्यायसंगत ज्ञान समाज में रूपांतरित करने पर बल देता है। चूंकि विविध शक्तियां हमारे घरों, समुदायों और जीवन में परिवर्तन का सबब बन रही हैं, ऐसे में गृह विज्ञान की शिक्षा अतीत और वर्तमान; पुरातन और नूतन; निरंतरता और परिवर्तन के बीच नए तालमेल तलाशने के लिए प्रतिबद्ध है।

लेडी इर्विन महाविद्यालय में, हम अकादमिक दृष्टि से मजबूत, सामाजिक दृष्टि से जिम्मेदार और संस्कृति के प्रति गहरी आस्थावान प्रतिभाशाली छात्राएं तैयार करते हैं। हमारे आउटरीच कार्यक्रम, सामुदायिक सहभागिता तथा विशेष रूप से महिलाओं और हाशिए पर पड़े समुदायों के सशक्तिकरण के लिए उठाए गए कदम सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति हमारी संकल्पबद्धता को प्रदर्शित करते हैं।

एनईपी 4-वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम की रूपरेखा ने छात्राओं को महाविद्यालय द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले अंतःविषय ऐच्छिक विषयों की श्रृंखला से चयन करने में सक्षम बनाया है। इसलिए छात्राओं को अपने ज्ञान का विस्तार करने, अपने सीखने के मार्ग को परिभाषित करने और जॉब मार्केट की तेजी से बदलती मांगों के अनुरूप उपयुक्त कौशल विकसित करने के नए अवसर मिल रहे हैं।

हमें गर्व है कि हमारे बहुविध प्रयासों ने हमें गौरवपूर्ण पहचान दिलाई है, जिसमें नैक से A+ रेटिंग और एनआईआरएफ द्वारा समूचे भारत के महाविद्यालयों में 16वीं अखिल भारतीय रैंकिंग शामिल है।

अब, जबकि हम अपने 93वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, तो हम इस महाविद्यालय की विरासत को सम्मिलित रूप से गढ़ने वाले अपने संस्थापकों, शिक्षकों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और छात्राओं की प्रशंसा करते हैं। हम अकादमिक उत्कृष्टता, सामाजिक जिम्मेदारी और सतत विकास के अपने मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

नई छात्राओं का मैं विशेष तौर पर हार्दिक स्वागत करती हूं। मैं आप सभी को अपनी शिक्षा का अधिकतम लाभ उठाने, अपने गुरुओं से जुड़ने और महाविद्यालय द्वारा प्रदत्त अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करती हूं। लेडी इर्विन महाविद्यालय में आपकी शिक्षा आपको नेतृत्व करने, नवाचार करने और दुनिया पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए सशक्त बनाएगी।

इर्विनाइट के रूप में, आप समाज पर अमिट छाप छोड़ने वाली महान महिलाओं की विरासत का हिस्सा हैं। सदैव स्मरण रखिए, आपकी शिक्षा केवल ज्ञान अर्जित करने भर से संबद्ध नहीं है, बल्कि आपके घर, आपके समुदाय और बड़े पैमाने पर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की ताकत बनने के बारे में भी है।

लेडी इर्विन परिवार में आपका स्वागत है! आइए, हम सब मिलकर, कदम-कदम से मिलाकर आगे बढ़ते हुए भविष्य को आकार दें।”

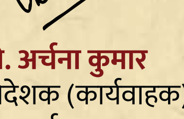

प्रो. अर्चना कुमार
निदेशक (कार्यवाहक), लेडी इर्विन महाविद्यालय
24 मार्च 2025

लेडी इर्विन महाविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट 2023-24

1. विरासत एवं पृष्ठभूमि 3

2. महाविद्यालय से संबद्ध समुदाय 7

3. विभाग 13

    शिक्षा

    खाद्य एवं पोषण और खाद्य प्रौद्योगिकी

    मानव विकास एवं बाल्यावस्था अध्ययन

    वस्त्र एवं परिधान विज्ञान

    विकास संचार एवं विस्तार

    संसाधन प्रबंधन और अभिकल्प अनुप्रयोग विज्ञान

4. राष्ट्रीय शिक्षा नीति का कार्यान्वयन 53

5. परिणाम, सम्मान और पुरस्कार एवं छात्रवृत्तियां 63

6. संकाय की उपलब्धियां 75

7. कर्मचारी परिषद की समितियां (2023-24) 115

8. महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाएं 119

    पुस्तकालय

    कंप्यूटर संसाधन केंद्र

    छात्रावास

    आरएके बाल अध्ययन केंद्र

    कैंटीन

9. प्रमुख परियोजनाएं एवं कार्यकलाप 127

    रोशनी-सीडब्ल्यूसीएसए

    अभिकल्प नवाचार केंद्र

    महाविद्यालय की वेबसाइट

    महिला विकास प्रकोष्ठ

    समान अवसर प्रकोष्ठ

    संस्थागत आचार समिति

10. छात्राओं की गतिविधियां 133

विरासत एवं पृष्ठभूमि

वर्ष 2024 में लेडी इर्विन महाविद्यालय की स्थापना को 92 वर्ष हो गए। वर्ष 1932 के 11वें महीने के 11वें दिन देश भर के नौ अलग-अलग क्षेत्रों से 11 छात्राओं के साथ इस महाविद्यालय का सादगीपूर्ण ढंग से शुभारंभ हुआ था। तभी से यह महाविद्यालय रोजमर्रा के घरेलू और सामुदायिक अनुभवों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जोड़ते हुए महिला शिक्षा की दिशा में अग्रणी भूमिका निभाता आया है। इस संस्था की स्थापना में एनी बेसेंट, सरोजिनी नायडू, राजकुमारी अमृत कौर, कमलादेवी चट्टोपाध्याय, ग्वालियर की महारानी, बड़ौदा की महारानी, मार्गरेट कजिन्स जैसी अग्रणी महिला नेताओं तथा सर गंगा राम कौला ने मार्गदर्शक की भूमिका निभाई। लेडी इर्विन महाविद्यालय को दिल्ली विश्वविद्यालय में स्थानांतरित किए जाने तक अखिल भारतीय महिला शिक्षा कोष संघ ने महिला शिक्षा की मजबूत नींव रखने में मदद की। इस महाविद्यालय की इमारतों को प्रसिद्ध वास्तुकार सर वाल्टर जॉर्ज ने डिजाइन किया था और अब इन्हें विरासत स्थलों के रूप में वर्गीकृत और संरक्षित किया गया है। यह हमारे लिए अत्यंत गौरव की बात है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने इस महाविद्यालय को आदर्श वाक्य "**विद्या हि सेवा**" प्रदान कर धन्य किया। इस आदर्श वाक्य के अनुसार, शैक्षिक प्रयास का उद्देश्य सुविचारित योजनाबद्ध रूप से कक्षा और आउटरीच अनुभवों के माध्यम से "सेवा करने के लिए ज्ञान" की भावना अंतर्निविष्ट करना है। गृह विज्ञान को भारत के शैक्षणिक मानचित्र पर कायम रखने के लिए सेवा की यह भावना दशकों से प्रसारित हो रही है। आवास की सुविधा के साथ यह महाविद्यालय देश और विदेश की छात्राओं को आकर्षित करना जारी रखे हुए है।

बीते नौ दशकों में, महाविद्यालय यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त उच्च स्तरीय अध्ययन केंद्र के रूप में उभरा है। महाविद्यालय ने क्रमशः 1950 और 1952 में स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू किए, और वर्तमान में खाद्य एवं पोषण, खाद्य प्रौद्योगिकी, मानव विकास, वस्त्र एवं परिधान विज्ञान, विकास संचार एवं संसाधन प्रबंधन में विशिष्ट पाठ्यक्रम प्रदान करता है। लेडी इर्विन महाविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रहने के लिए प्रतिबद्ध है, लिहाज़ा वह ज्ञान के क्षेत्र में हो रही प्रगति को प्रतिबिम्बित करने के लिए अपने पाठ्यक्रमों को नियमित रूप से संशोधित करता रहा है। 2015 में, इसने विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस) का रुख किया, बाद में 2019 में लर्निंग आउटकम आधारित पाठ्यक्रम फ्रेमवर्क (एलओसीएफ) को अपनाया और फिर इसने खुद को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2022 फ्रेमवर्क के अनुरूप ढाला । ज्ञान की उत्पत्ति और बोध की प्रक्रियाओं में हुई प्रगति को प्रतिबिंबित करने के लिए नियमित अंतराल पर स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की समीक्षा और उसमें संशोधन किया जाता है।

लेडी इर्विन महाविद्यालय भारत और पड़ोसी देशों में 700 से अधिक संस्थानों के लिए आदर्श रहा है और पाठ्यचर्या, कार्यक्रमों और बुनियादी ढांचे को आकार देता आया है। महाविद्यालय पाठ्यचर्या, अनुसंधान और शैक्षिक सिद्धांतों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, इसके संकाय सदस्य एससीईआरटी, एनसीईआरटी, सीबीएसई जैसे विभिन्न शैक्षिक निकायों और संयुक्त राष्ट्र जैसे संगठनों के साथ सक्रिय रूप से सहभागिता करते हैं। इसके संकाय सदस्य स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल तथा नवीकरणीय ऊर्जा जैसे मंत्रालयों के कार्यक्रमों में भी भाग लेते हैं। इसके संकाय सदस्य शिक्षण और शोध में योगदान के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विख्यात है। वे यूजीसी, आईसीएसएसआर, डब्ल्यूएचओ, यूनिसेफ और

स्थापना दिवस 2024

स्थापना दिवस 2024

अन्य एजेंसियों द्वारा प्रायोजित परियोजनाओं का नेतृत्व कर रहे हैं। लेडी इर्विन महाविद्यालय की पूर्व छात्राएं नीति आयोग, यूनिसेफ और विश्व बैंक जैसे संगठनों के साथ-साथ भारत और विदेश में कला, फैशन और उद्यमिता जैसे शिक्षा और उद्योगों में प्रतिष्ठित पदों पर आसीन हैं। 1955 में स्थापित राजकुमारी अमृत कौर (आरएके) बाल अध्ययन केंद्र उच्च और बुनियादी शिक्षा के बीच महाविद्यालय के प्रभावशाली संबंध को रेखांकित करता है।

इस महाविद्यालय को महात्मा गांधी, पं. जवाहरलाल नेहरू, लॉर्ड माउंटबेटन, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, डॉ. हेलेन केलर, क्वीन सोरया, महामहिम महारानी एलिजाबेथ द्वितीय, सुश्री एलेनोर रूजवेल्ट, हॉलैंड की राजकुमारी बीट्रिक्स, लेडी हैलिफ़ैक्स, श्री राजगोपालाचारी, डॉ. एस. राधाकृष्णन,डॉ. जाकिर हुसैन, श्री. आर वेंकटरमण, श्रीमती इंदिरा गांधी, श्री पी. वी. नरसिम्हा राव, डॉ. मनमोहन सिंह, श्रीमती सोनिया गांधी, डॉ. कर्ण सिंह, श्रीमती शीला दीक्षित, डॉ. किरण बेदी और श्री जावेद अख्तर सहित प्रख्यात आगंतुकों की मेजबानी करने का गौरव हासिल हुआ है।

महाविद्यालय दिल्ली के सांस्कृतिक केंद्र में आदर्श रूप से अनुकूल स्थान पर स्थित है। इसके एक किलोमीटर के दायरे में कला दीर्घाएं, संग्रहालय, प्रदर्शनी स्थल, रंगमंच, संगीत और नृत्य सुविधाएं उपलब्ध हैं। यहाँ पर मेट्रो से आसानी से पहुंचा जा सकता है। हाल ही में, स्नातकोत्तर प्रयोगशालाओं, आईसीटी सक्षम व्याख्यान कक्षों और संगोष्ठी कक्षों के लिए एक अतिरिक्त भवन जोड़ा गया है। आईसीटी कौशल और कंप्यूटर आधारित शिक्षा में निखार लाने की जरूरत महसूस करने वाली छात्राओं को लैपटॉप जारी किए जाते हैं। नए खण्ड में विरासत भवनों के वास्तुशिल्प और संरचित अभिकल्प को बरकरार रखा गया है।

स्नातकोत्तर अध्ययन

वर्ष 2007 में, महाविद्यालय ने अध्ययन के सभी क्षेत्रों में स्नातकोत्तर स्तर तक अधिक उपयुक्त नामावली के साथ अद्यतन पाठ्यक्रम शुरू किए। 2019 में एलओसीएफ प्रारूप को अपनाते हुए इन्हें समकालीन सामग्री के साथ फिर से संशोधित किया

गया। संकाय सदस्यों ने विशेषज्ञों और पूर्व छात्राओं को साथ जोड़कर इस कार्य का नेतृत्व किया। विश्वविद्यालय की मंजूरी से अब गृह विज्ञान के प्रत्येक क्षेत्र में सामाजिक रूप से प्रासंगिक मुद्दों पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करते हुए अद्यतन पाठ्यक्रम पढ़ाए जा रहे हैं।

- बी.एड. गृह विज्ञान
- बी.एड. विशेष शिक्षा
- एम.एससी. खाद्य एवं पोषण
- एम.एससी. विकास संचार एवं विस्तार
- एम.एससी. संसाधन प्रबंधन और अभिकल्प अनुप्रयोग
- एम.एससी. मानव विकास एवं बाल्यावस्था अध्ययन
- एम.एससी. वस्त्र एवं परिधान विज्ञान
- आहार विद्या और सार्वजनिक स्वास्थ्य पोषण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
- गृह विज्ञान के पांच विशेषज्ञता क्षेत्रों में डॉक्टरेट कार्यक्रम

स्थापना दिवस 2024 के अवसर पर छात्राएं प्रस्तुति दे रही हैं

सामुदायिक कार्य के प्रति संकल्पबद्धता

ज्ञान के सृजन और जनता की सेवा करने के महाविद्यालय के मिशन को पूरा करते हुए संकाय सदस्य और छात्राएं विविध और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में लोगों और समुदायों के साथ सक्रिय रूप से सहभागिता करती हैं। यह सहभागिता सभी विशेषज्ञताओं में शैक्षणिक कार्य को समृद्ध करती है, जिससे स्नातक छात्राओं को उन्नत शोध से लाभ मिलता है। स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट कर रही छात्राओं से अपने अध्ययन को स्वास्थ्य, पोषण, मानव विकास, शिक्षा और वस्त्र विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं, बच्चों, परिवारों और सामाजिक संस्थाओं के दैनिक जीवन को प्रभावित करने वाले मुद्दों के अनुरूप बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। महाविद्यालय राजकुमारी अमृत कौर (आरएके) बाल अध्ययन केंद्र का भी संचालन करता है,जो छात्राओं को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है और साथ ही छोटे बच्चों और उनके परिवारों को शुरुआती सहायता प्रदान करता है। सामुदायिक सहभागिता के लिए यह प्रतिबद्धता महाविद्यालय की पहचान का मुख्य पहलू है।

अध्यापन में प्रगति

संकाय सदस्य उन्मुखीकरण और पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों तथा सम्मेलनों और संगोष्ठियों के जरिए अपने-अपने विषय क्षेत्रों में हो रही नवीनतम प्रगति से अवगत रहते हैं। महाविद्यालय क्षमता निर्माण, लैंगिक समानता, राजनीतिक भागीदारी, संसाधन उपयोग और नैतिक अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करते हुए गृह विज्ञान की शिक्षा के माध्यम से युवतियों को सशक्त बनाने के लिए समर्पित है। यह दृष्टिकोण छात्राओं को पेशेवर और जीवन कौशल दोनों से लैस करता है। छात्राओं में मुख्य कौशल विकसित करने के अलावा, महाविद्यालय की शिक्षा प्रत्येक विशेषज्ञता में अनुसंधान में लैंगिक समानता, राजनीतिक भागीदारी, संसाधन उपयोग और नैतिकता के मुद्दों पर भी गौर करती है। इस तरह, युवतियों को पेशेवर और जीवन कौशल दोनों में प्रशिक्षण मिलता है। महाविद्यालय सामाजिक जिम्मेदारी पर ध्यान केंद्रित करते हुए आत्म-विकास और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देता है।

महाविद्यालय से संबद्ध समुदाय

महाविद्यालय से संबद्ध समुदाय

महाविद्यालय से संबद्ध समुदाय मुख्य रूप से युवा छात्राओं की गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा से संबंधित एवं महाविद्यालय के संस्थागत जीवन में सक्रिय रूप से संलग्न लोगों का अविभाज्य समूह है। सह-पाठयक्रम गतिविधियां और परामर्श छात्राओं–शिक्षकों को कक्षा से बाहर संपर्क बनाने का पर्याप्त अवसर प्रदान करते हैं। महाविद्यालय के शासी निकाय में विख्यात और संवेदनशील सदस्य मौजूद हैं, जो इसके कल्याण और प्रगति की देखरेख करते हैं। इसका शिक्षण संकाय सुयोग्य है और महाविद्यालय में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के मानकों के प्रति संकल्पबद्ध है। कार्यालय प्रशासन और गैर-शिक्षण कर्मचारी इस संस्था के सुचारू संचालन में योगदान करते हैं। छात्राएं महाविद्यालय का केंद्र बिंदु हैं। शैक्षिक प्रयासों का उद्देश्य उन्हें सम्पूर्ण शिक्षा प्रदान करना और समुचित कौशलों से लैस करना है । हमारी असाधारण और विशिष्ट पूर्व छात्राएं मौजूदा छात्राओं को प्रोत्साहित करती हैं और महाविद्यालय की भावी प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती हैं।

शासी निकाय के सदस्य

(2023-34)

1. प्रो. अनूपा सिद्धू
2. श्री दिलीप चिनॉय (अध्यक्ष)
3. प्रो. रेखा सक्सेना (डीयू प्रतिनिधि एवं कोषाध्यक्ष)
4. सुश्री अंबिका श्रीवास्तव
5. डॉ. अमिता मुल्ला वट्टल
6. सुश्री रति बावा
7. श्री उमेश चंद गोयल
8. सुश्री इशानी चंद्रा
9. प्रो. नितिन भसीन (डीयू प्रतिनिधि)
10. प्रो. संजय गुप्ता
11. श्री राजेश जैन
12. डॉ. उमेश कपिल
13. डॉ. अपर्णा खन्ना (शिक्षक प्रतिनिधि)
14. डॉ. माधुरी निगम (शिक्षक प्रतिनिधि)
15. श्री धर्मेन्द्र कुमार सिंह (गैर शिक्षण विशेष आमंत्रित सदस्य)
16. सुश्री मधु बाला नाथ

अधिकारीगण

(2023-34)

निदेशक	1
प्रोफेसर	24
एसोसिएट प्रोफेसर	14
सहायक प्रोफेसर	63
शारीरिक शिक्षा	शून्य
पुस्तकालयाध्यक्ष	शून्य
शैक्षणिक सहायक कर्मचारी	102
रखरखाव	20
अस्थायी प्रयोगशाला	2
प्रशासनिक कर्मचारी	14
छात्रावास कर्मचारी	11

प्रशासनिक कर्मचारी

पुस्तकालय के कर्मचारी

गैर शिक्षण कर्मचारी

छात्र संगठन (केंद्रीय कार्यकारी निकाय) 2023-24

अध्यक्ष
सुश्री अनुष्का शर्मा

सांस्कृतिक अध्यक्ष
सुश्री विधि बंसल

वरिष्ठ कल्याण कार्यकारी
सुश्री दिशा भंडारी

आतिथ्य अधिकारी
सुश्री हर्षिका पाल

सचिव
सुश्री अनुष्का शर्मा

कोषाध्यक्ष
सुश्री सिमरन अरोड़ा

कनिष्ठ कल्याण कार्यकारी
सुश्री मेहनूर मंजूर मीर
सुश्री गरिमा श्रीवास्तव

आतिथ्य समन्वयक
सुश्री सेमानी

संयुक्त सचिव
सुश्री मुस्कान सिंघानिया

संयुक्त कोषाध्यक्ष
सुश्री रूपाली यदुवंशी

आतिथ्य अध्यक्ष
सुश्री सौम्या कौशिक

कर्मचारी सलाहकार
सुश्री विशाखा संभव
डॉ. दिव्या मर्तोलिया

अखिल भारतीय महिला शिक्षा कोष संघ (एआईडब्ल्यूईएफए)

साल 1999 में, एआईडब्ल्यूईएफए को "संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद (ईसीओएसओसी) के साथ विशेष परामर्शदात्री दर्जे का एनजीओ" का रुतबा प्रदान किया गया।

एआईडब्ल्यूईएफए कार्यकारी समिति

अध्यक्ष	सुश्री रीता मेनन	**उपाध्यक्ष**	सुश्री चित्रा सरकार
सचिव	डॉ. मोना सूरी	**संयुक्त सचिव**	डॉ. मयंका गुप्ता
कोषाध्यक्ष	श्री उमेश चंद्र गोयल		

अखिल भारतीय महिला शिक्षा कोष संघ (एआईडब्ल्यूईएफए,1929 में स्थापित) समुदाय की सेवा के 95 वर्ष पूर्ण होने का जश्न मना रहा है। एआईडब्ल्यूईएफए 1932 में स्थापित लेडी इर्विन महाविद्यालय, नई दिल्ली का संस्थापक ट्रस्ट निकाय है। समग्र और सतत विकास को बढ़ावा देने वाले एआईडब्ल्यूईएफए के कार्यकलापों में परिवार और बच्चों की देखभाल के लिए महिलाओं की शिक्षा और प्रशिक्षण, पर्यावरणीय स्थिरता, स्वास्थ्य और पोषण, कृषि प्रबंधन के लिए कठिन परिश्रम में कमी लाने वाले उपकरणों की शुरूआत के माध्यम से ग्रामीण परिवारों का विकास, महिलाओं का कौशल विकास, महिलाओं का

राजनीतिक प्रतिनिधित्व और महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा का मुकाबला करने संबंधी कार्यक्रम शामिल हैं। मानव विकास और कमजोर वर्गों की उन्नति के लिए स्थायी दृष्टिकोण बनाने हेतु एआईडब्ल्यूईएफए शैक्षणिक शक्ति को ठोस क्रियान्वयन और प्रशिक्षण रणनीतियों के साथ जोड़ते हुए अपनी फील्ड परियोजनाओं, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, प्रकाशनों और नेटवर्किंग के माध्यम से अपने अभियानों का संचालन और संघटन करता है। सिलसिलेवार गतिविधियों सहित वर्ष 2023-24 एक महत्वपूर्ण वर्ष रहा।

एआईडब्ल्यूईएफए ईसी 2022-25

वार्षिक कार्यक्रम

एआईडब्ल्यूईएफए ने दिव्यांग और वंचित बच्चों की शिक्षा और देखरेख में नवाचारी तरीके अपनाने वाले संगठनों को प्रोत्साहित करने के लिए एआईडब्ल्यूईएफए - नीना सिब्बल स्मृति समारोह का आयोजन किया। 2024 में, संगठन ने नीना सिब्बल स्मृति पुरस्कार की 22वीं वर्षगांठ मनाई। गैर-लाभकारी संगठन 'मिट्टी सोशल इनिशिएटिव फाउंडेशन' को दिव्यांगजनों के रोजगार और आजीविका के लिए प्रतिबद्ध उनके समकालीन, प्रभावशाली और नवोन्मेषी कार्यों के लिए इस पुरस्कार के लिए चुना गया। इस संगठन की आउटरीच पहल समावेशन और दिव्यांगता अधिकारों के बारे में जागरूकता फैलाने में भी मदद करती है। पुरस्कार विजेता संगठन को डॉ. करण सिंह और श्री कपिल सिब्बल ने 10 लाख रुपये का पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र और ट्रॉफी प्रदान की। इसके अलावा, इस वर्ष दो और संगठनों को उनके असाधारण कार्यों के लिए सराहा गया।

टीम मिट्टी फाउंडेशन पुरस्कार ग्रहण करते हुए

संयुक्त राष्ट्र कार्यक्रम

एआईडब्ल्यूईएफए संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय, न्यूयॉर्क में कमिशन ऑन द स्टेटॅस ऑफ वीमन के सत्रों में 2016 से विकास के 2030 के एजेंडे को प्राप्त करने के लिए सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर प्रस्तुतियां देता आया है।

वित्तीय स्वतंत्रता के माध्यम से लैंगिक समानता: संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के साथ साझेदारी में एआईडब्ल्यूईएफए द्वारा यूएन सीएसडब्ल्यू 68 वर्चुअल साइड इवेंट का आयोजन किया गया। 14 मार्च 2024 को आयोजित प्रभावशाली यूएन सीएसडब्ल्यू 68 वर्चुअल साइड इवेंट की मेजबानी एआईडब्ल्यूईएफए ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के साथ साझेदारी में की।

महामहिम राजदूत रुचिरा कंबोज ने स्वागत भाषण दिया, तथा नीति आयोग के पूर्व सीईओ श्री अमिताभ कांत ने मुख्य भाषण

दिया, जिसमें भारत की सांस्कृतिक समृद्धि तथा महिलाओं द्वारा पारंपरिक बाधाओं को तोड़कर समावेशिता और समृद्धि के भविष्य की ओर बढ़ने पर जोर दिया गया। मंत्रियों, संयुक्त राष्ट्र के स्थायी प्रतिनिधियों, राष्ट्रपति के सलाहकार, राजदूतों, महिला-पुरुष समानता के लिए प्रमुख नीतिगत विशेषज्ञों तथा भारत की जी-20 की अध्यक्षता के दौरान एम्पॉवर के अध्यक्ष ने आर्थिक और तकनीकी ज्ञान के साथ महिलाओं की सहायता करने वाले अपने देशों के कार्यक्रमों पर विशेष भाषण दिए।

एआईडब्ल्यूईएफए द्वारा आयोजित सीएसडब्ल्यू 68 के वक्तागण

परियोजनाएं

- **युवाओं और वृद्धों के बीच अंतर-पीढ़ीगत संबंधों को बढ़ावा देना** - एआईडब्ल्यूईएफए ने राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संस्थान (एनआईएसडी) के साथ साझेदारी में दिल्ली/एनसीआर के पांच स्कूलों में "युवाओं और वृद्धों के बीच अंतर-पीढ़ीगत संबंधों को बढ़ावा देना" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इसका उद्देश्य सुदृढ़ समाज के निर्माण में दोनों पीढ़ियों की भूमिका के बारे में जागरूकता फैलाना तथा स्वस्थ युवाओं, मजबूत परिवारों और जिम्मेदार समुदायों को बढ़ावा देने के लिए अंतर-पीढ़ीगत दृष्टिकोण का उपयोग करना था। पांच सफल कार्यशालाएं मई 2023 में आयोजित की गईं, जिनमें से प्रत्येक में 150-350 मिडिल-सेकेंडरी छात्रों ने भाग लिया।

- **दिव्यांग लड़कियों-किशोरियों का नारीत्व की ओर संक्रमण** - एआईडब्ल्यूईएफए ने दृष्टि बाधित, बौद्धिक दिव्यांगता, श्रवण दोष और ऑटिज़्म से पीड़ित लड़कियों पर केंद्रित "दिव्यांग लड़कियों-किशोरियों का नारीत्व की ओर संक्रमण" विषय पर सात कार्यशालाओं का आयोजन किया। इन कार्यशालाओं में गतिविधि-आधारित, प्रतिभागी-केंद्रित प्रशिक्षण का उपयोग किया गया, जिसमें प्रत्येक दिव्यांगता के अनुरूप सामग्री थी। इनके उद्देश्यों में संक्रमण के लिए अनुकूलित आईईसी सामग्री तैयार करना तथा जागरूकता बढ़ाने और नारीत्व के बारे में सवालों के जवाब देने के लिए सत्र आयोजित करना शामिल था। इस परियोजना को सुनील सेठी डिज़ाइन एलायंस द्वारा वित्त पोषित किया गया।

एक स्कूल में आयोजित की गई कार्यशाला

- **डीसी हस्तशिल्प के पास उपलब्ध ए.वी. सामग्री का दस्तावेज़ीकरण और सूचीकरण** - डीसी हस्तशिल्प के पास उपलब्ध शिल्प से संबंधित ऑडियो विजुअल सामग्री (प्रदान की गई ए.वी. सामग्री के आधार पर) को छह महीने की परियोजना में दस्तावेजीकृत किया जाएगा। डिप्टी कमिशनर, हस्तशिल्प के कार्यालय में, विभिन्न शिल्पों (455 सूचीबद्ध शिल्प) के बारे में लिखित दस्तावेजों और ए.वी. सामग्री के रूप में भारी मात्रा में डेटा और जानकारी उपलब्ध है।

लेडी इर्विन महाविद्यालय शासी निकाय

19 सितंबर 2024 को आयोजित एजीएम में 15 जीबी सदस्यों के नाम तय किए गए और 10 का चयन करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय को भेजे गए। विश्वविद्यालय से मिले जवाब के आधार पर शासी निकाय की स्थापना की गई।

सदस्यों के प्रकाशन, कार्यक्रमों की रिपोर्ट और अन्य अपडेट एआईडब्ल्यूईएफए की वेबसाइट www.aiwefa.org पर उपलब्ध हैं।

लेडी इर्विन महाविद्यालय एलुमनाई एसोसिएशन (एलआईसीएए)

लेडी इर्विन महाविद्यालय एलुमनाई एसोसिएशन (एलआईसीएए) महाविद्यालय और उसकी पूर्व छात्राओं के बीच मज़बूत संबंध बरकरार रखे हुए है। इस सक्रिय संगठन में अनेक पूर्व छात्राएं शामिल हैं और इसकी ओर से हर साल विशिष्ट पूर्व छात्रा पुरस्कार (डिस्टिंग्विष्ट एलुमना अवार्ड) प्रदान किया जाता है। 2023 में, यह पुरस्कार 1987 के स्नातक बैच की पूर्व छात्रा डॉ. हम्मारा अज़ीम को उनके असाधारण योगदान के लिए दिया गया। डॉ. अज़ीम, जो वर्तमान में कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर में गृह विज्ञान संस्थान की निदेशक हैं, को विस्तार एवं संचार तथा प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा में 30 से अधिक वर्षों का अनुभव है। उनके सामुदायिक सेवा प्रयासों से 100 स्कूलों का निर्माण, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए सहायता और कश्मीर में चाइल्ड केयर क्रेच की स्थापना हुई। 2023 में, एलआईसीएए ने नए सदस्यों के लिए वार्षिक पूर्व छात्रा मिलन समारोह और एक स्वागत समारोह का आयोजन किया। महाविद्यालय में शामिल होने पर, आजीवन सदस्यता शुल्क का भुगतान करके छात्राएं स्वचालित रूप से लेडी इर्विन महाविद्यालय परिवार का हिस्सा बन जाती हैं।

पदाधिकारी

अध्यक्ष: डॉ. सुषमा शर्मा | **सचिव**: डॉ. डिंपल रंगीला | **कोषाध्यक्ष**: डॉ. वीना गुप्ता

विभाग

शिक्षा विभाग

“अध्यापक शिक्षा” का लेडी इर्विन महाविद्यालय के क्षेत्र में विशिष्ट इतिहास रहा है। 1900 के दशक की शुरुआत तक केवल पुरुषों को ही शिक्षक के रूप में प्रशिक्षित किया जाता था। इसलिए, संभवत: हम न केवल गृह विज्ञान के अग्रणी महाविद्यालय थे, अपितु उन कुछ शुरुआती महाविद्यालयों में से भी थे, जिन्होंने महिला शिक्षकों को प्रशिक्षित किया। शुरुआती दौर में प्रमाणपत्रों में “लाइसेंसिएट इन टीचिंग” (एलटी) लिखा होता था। 1952 में स्थापित बी.एड. कार्यक्रम ने शिक्षकों को शिक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है एवम 2007 में शुरू किए गए बी.एड. (विशेष शिक्षा - बौद्धिक दिव्यांगता) कार्यक्रम ने समावेशी शिक्षा पद्धतियों को मजबूती प्रदान की। बी.एड कार्यक्रम, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) और बी.एड., विशेष शिक्षा - बौद्धिक दिव्यांगता, भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) द्वारा मान्यता प्राप्त हैं।

कार्यक्रम के भविष्य का दृष्टिकोण

शिक्षा विभाग मानवीय, प्रगतिशील और लोकतांत्रिक समाज के लिए चिंतनशील, कुशल और सजग शिक्षक तैयार करता है। इसके फोकस में- शिक्षण से संबंधित कौशलों में प्रशिक्षण, कक्षा प्रबंधन, तकनीकी शिक्षा में निपुणता, दिव्यांग बच्चों को संभालने की क्षमता, कक्षा के भीतर छात्रों के साथ मधुर पारस्परिक संबंध स्थापित करने की क्षमता, संचार कौशलों का विकास, चिंतनशील सोच कौशल । गृह विज्ञान और विज्ञान से संबंधित विभिन्न कार्य अनुभवों में प्रशिक्षण, सामुदायिक आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशीलता, विभिन्न मूल्यांकन विधियो की जानकारी और विभिन्न मूल्यांकन उपकरणों के मूल्यांकन की कौशलता, और शिक्षण अधिगम सामग्री के विकास की कौशलता शामिल हैं। छात्राओं और शिक्षकों के बीच घनिष्ठसंपर्क और कार्यक्रम की सहभागिता ही छात्राओं में आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता पैदा करती है, जिससे छात्राएं लोक तांत्रिक लोकाचार में अपने कार्यों का प्रबंधन स्वयं करने के प्रोत्साहित रहती हैं। 2015 से लागू, **दो वर्षीय बी.एड. कार्यक्रम**, सशक्त, सक्षम और योग्य शिक्षकों को तैयार करने में अपनी दीर्घकालिक विरासत को बरकरार रखे हुए है।

Row 1 (L-R) : Dr. Prasenjit Roy, Dr. Richa Malhotra, Ms. Mousumi Ghosh, Ms. Puja Tripathi, Dr. Ravi K.M.
Row 2 (L-R) : Dr. Chetna Arora, Ms. Geetika Sharma, Dr. Priya Khurana, Prof. Neelima Asthana, Prof. Archna Kumar, Prof. Renu Malaviya, Prof. Mani Bhasin Kalra, Dr. Deepika Ahlawat, Dr. Nazli

शिक्षा विभाग के संकाय सदस्य

व्यावसायिक प्लेसमेंट और अवसर

विभाग की छात्राओं को विविध व्यावसायिक भूमिकाएं प्राप्त होती हैं, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- सरकारी और निजी स्कूलों में गृह विज्ञान, विज्ञान और अन्य विषयों में **पीजीटी और टीजीटी शिक्षक**।
- समावेशी शिक्षा व्यवस्था में **विशेष शिक्षक एवं परामर्शदाता**।
- खाद्य उत्पादन, फैशन अध्ययन, ईसीसीई आदि जैसे क्षेत्रों में **व्यावसायिक प्रशिक्षक**।
- एससीईआरटी, एनसीईआरटी, एनआईईपीए, डीआईईटी जैसे संस्थानों में **शिक्षक और शोधकर्ता** की भूमिका ।
- एनआईओएस, बीओएसएससीओ, एनसीईआरटी, एससीईआरटी, डीआईईटी, स्कूलों और महाविद्यालयों **में वरिष्ठ प्रशासनिक पद** (निदेशक, प्रधानाचार्य, शैक्षणिक समन्वयक आदि)।
- गैर सरकारी संगठनों के लिए **शैक्षिक परामर्शदाता** की भूमिका ।
- स्कूलों में दिव्यांग विद्यार्थियों की सहायता करने वाले **रिसोर्स रूम शिक्षक** की भूमिका ।

अनुसंधान गतिविधियां

बी.एड. प्रथम वर्ष और द्वितीय वर्ष की छात्राएं अपने पर्यवेक्षकों के साथ पूरे शैक्षणिक सत्र में क्रियात्मक अनुसंधान उन्मुख शोध कार्य में शामिल रहती है । स्कूल अनुभव कार्यक्रम के दौरान भी छात्राएं विभिन्न क्रियात्मक अनुसंधान/परियोजनाओं पर काम करती हैं और सेमिनार प्रस्तुत करती हैं ।

व्यावसायिक क्षमताओं का संवर्धन / वृद्धि

छात्राएं विशेष रूप से स्कूल अनुभव कार्यक्रम के दौरान सक्रिय रूप से क्रियात्मक **अनुसंधान** में भाग लेती हैं, जहां वे वास्तविक शैक्षिक चुनौतियों के बारे में जानकारी प्राप्त करती हैं और नये निष्कर्षों को प्राप्त करती हैं।

विभाग इससे संबंधित निम्नलिखित कार्यक्रमों को अयोजित भी करता है:

चिंतनशील शिक्षण पद्धतियों पर कार्यशालाएं और गृह विज्ञान/विज्ञान संवर्धन

छात्राओं और शिक्षकों को वर्तमान रुझानों, जीवन कौशलों और क्लासरूम प्रबंधन रणनीतियों के बारे में सूचित करने के लिए कार्यक्रम।

शिक्षा विभाग शैक्षिक उत्कृष्टता, समावेशिता और अनुसंधान-संचालित शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, जो भविष्य के शिक्षकों और प्रमुख विचारों को आकार देकर राष्ट्रीय प्रगति में योगदान देता है।

राष्ट्रीय अधिगम सम्मेलन (एनसीएल)

2 दिसंबर 2023 को आयोजित राष्ट्रीय अधिगम सम्मेलन (एनसीएल) 2023 सभी विषयों में शोध पद्धति से संबंधित हाल के रुझानों पर केंद्रित रहा। मुख्य अतिथि प्रो. मोहम्मद मियां ने शोध पद्धतियों में आमूल-चूल बदलाव और अध्यापक शिक्षा पर एनईपी 2020 के प्रभाव पर जोर दिया। दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा

प्रो. मोहम्मद मियां एनसीएल-2023 के दौरान संकाय सदस्यों के साथ

एसपीएसएस और एएमओएस का उपयोग करते हुए फैक्टर एनालिसिस पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। सम्मेलन में तीन समानांतर सत्र शामिल थे, जिनकी अध्यक्षता प्रो. फौज़िया नदीम (जामिया मिलिया इस्लामिया), प्रो. संदीप कुमार (दिल्ली विश्वविद्यालय) और प्रो. ममता सिंघल (आईएचई, दिल्ली विश्वविद्यालय) ने की, जिनके तहत दार्शनिक विश्लेषण, अंतःविषय अनुसंधान तथा शिक्षा में “एआई” की भूमिका शामिल थी। इस कार्यक्रम ने शैक्षिक अनुसंधान में नवाचार को बढ़ावा देते हुए विद्वानों और शोधकर्ताओं के बीच ज्ञान साझा करने में मदद की।

संगोष्ठियां/ कार्यशालाएं/ विशेष व्याख्यान

विभाग ने अध्ययन और सहभागिता को संवर्धित करने के लिए अनेक शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए:

- पूर्व आईपीएस अधिकारी सुश्री मंजरी जरूहर, सलाहकार सुरक्षा (टीसीएस और फिक्की) और “मैडम सर” की लेखिका ने 3 अक्टूबर, 2023 को छात्राओं के अभिविन्यास और गांधी जयंती व्याख्यान के दौरान कानून प्रवर्तन और आत्मनिर्भरता के बारे में अपने अनुभव साझा कर छात्राओं को प्रेरित किया।
- छात्राओं ने सांस्कृतिक समावेशिता को बढ़ावा देते हुए 15 जनवरी 2024 को लोहड़ी, मकर संक्रांति, उत्तरायण, माघ बिहू और पोंगल मनाने के लिए विशेष सभा का आयोजन किया।
- वार्षिक व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत पर्यावरणविद् सुश्री रचना तिवारी ने 23 फरवरी 2024 को “स्थान को सुव्यवस्थित करना - घर और कार्यालय के वातावरण को अव्यवस्था से मुक्त करने की कला और विज्ञान” पर एक सत्र को संबोधित किया।
- 27 फरवरी 2024 को आयोजित ड्रामा इन एजुकेशन की नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से भारतीय समाज सुधारकों के योगदान पर प्रकाश डाला गया।

लोहड़ी, मकर संक्रांति, उत्तरायण, माघ बिहू और पोंगल मानते हुए सांस्कृतिक विविधता का जश्न मनाया

- 7 मार्च 2024 को विशेष सभा आयोजित कर सांस्कृतिक और महिला-पुरुष समावेशिता को बढ़ावा देते हुए महाशिवरात्रि और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया।
- 3 अप्रैल 2024 को एक विशेषज्ञ व्याख्यान में प्रोफेसर शेफाली गुलाटी (एम्स, नई दिल्ली) द्वारा ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (एएसडी) अनुसंधान और उपचार में प्रगति के बारे में चर्चा की गई।
- 18 अप्रैल 2024 को डॉ. विकास बैनीवाल ने आलोचनात्मक सोच और खुले संवाद को प्रोत्साहित करते हुए, शिक्षा, संवाद और स्वतंत्रता पर चर्चा की ।
- 24 अप्रैल 2024 को प्रो. बलराम शुक्ला (स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय दूतावास, तेहरान) ने यम-नचिकेता संवाद पर चर्चा के माध्यम से हिंदू दर्शन की खोज की।
- 29 अप्रैल 2024 को विश्व नृत्य दिवस के उपलक्ष्य में "पंडित बिरजू महाराज" की वरिष्ठ शिष्या, प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना महुआ शंकर ने "कथक -शिक्षा में कला की एक शैली" के रूप में एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया।

क्षेत्र यात्राएं और अनुभवात्मक अधिगम

विभाग ने छात्राओं को **अनुभवात्मक अधिगम के अवसर** प्रदान करने के लिए कई क्षेत्रीय दौरे आयोजित किए गए :

- **भारत मंडपम कारीगर कार्यक्रम (9-10 सितंबर 2023, नई दिल्ली)** बड़े पैमाने पर आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम में देश भर के कारीगरों को अपने शिल्प का प्रदर्शन करने के लिए एक साथ लाकर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाया गया। छात्राओं ने **कविता, बुकमार्क-निर्माण और कठपुतली-निर्माण** पर कार्यशालाओं में भाग लिया, पारंपरिक कलाओं में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया और भारतीय शिल्प कौशल की विविधता की सराहना की।
- **राष्ट्रीय युद्ध स्मारक** (25 सितंबर 2023, नई दिल्ली) छात्राओं ने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि देने हेतु राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का दौरा किया। इस यात्रा ने देशभक्ति और राष्ट्रीय सुरक्षा में सशस्त्र बलों की भूमिका के बारे में उनकी समझ को व्यापक बनाया। इस निर्देशित दौरे ने भारत के सैन्य इतिहास और स्मारक के महत्व के बारे में ऐतिहासिक जानकारी प्रदान की।
- **राष्ट्रीय शिल्प और हस्तकला अकादमी (26 सितंबर 2023 प्रगति मैदान, नई दिल्ली)** छात्राओं ने **पारंपरिक भारतीय हस्तशिल्प और हथकरघा** का अन्वेषण किया, कपड़ा विरासत, शिल्प कौशल और कारीगरों के नेतृत्व और उनके प्रयासों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस यात्रा ने भारत की समृद्ध कलात्मक परंपराओं के संरक्षण में 1956 में स्थापित **राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय** की भूमिका पर प्रकाश डाला।
- **मदर डेयरी प्लांट का दौरा** (9 अक्टूबर 2023 पटपड़गंज, नई दिल्ली) छात्राओं ने औद्योगिक प्रक्रियाओं का अन्वेषण करते हुए दूध के उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण और डेयरी आपूर्ति श्रृंखला का भी प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया। उन्होंने डेयरी प्रसंस्करण में हुई तकनीकी प्रगति का अवलोकन किया और इस उद्योग को बनाए रखने में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जाना। प्लांट के अधिकारियों के साथ परस्पर संवादात्मक सत्रों ने खाद्य सुरक्षा मानकों और उद्योग की सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में उनका ज्ञान बढ़ाया।

मदर डेयरी प्लांट का दौरा

- **गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति** (17 **अक्टूबर** 2023 **राजघाट, नई दिल्ली)** गांधी स्मृति की यात्रा ने छात्राओं को महात्मा गांधी के अहिंसा से संबंधित दर्शन और उनकी समकालीन प्रासंगिकता पर विचार करने में सक्षम बनाया। संग्रहालय में महात्मा गांधी के जीवन पर आधारित कलाकृतियाँ, मूल लेखन और दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतियाँ प्रदर्शित की गईं हैं। विशेष व्याख्यान ने एक विशेषज्ञ द्वारा महात्मा गांधी के आदर्शों और आधुनिक शिक्षा और सामाजिक सुधार में उनकी प्रयोज्यता के बारे में चर्चा की।

- **डॉ. अंबेडकर राष्ट्रीय स्मारक (7 नवंबर 2023 सिविल लाइंस, दिल्ली)** छात्राओं ने परस्पर संवादात्मक प्रदर्शनियों और ऐतिहासिक कलाकृतियों के माध्यम से डॉ. बी.आर. अंबेडकर के **जीवन और योगदान** को जाना। इस यात्रा से उन्हें भारतीय संविधान के निर्माण में डॉ. अंबेडकर की भूमिका तथा सामाजिक न्याय और समानता के लिए उनके समर्थन को गहराई से समझने का अवसर मिला।

डॉ. अंबेडकर राष्ट्रीय स्मारक का दौरा

- **ब्लाइंड रिलीफ एसोसिएशन और अमर ज्योति पुनर्वास केंद्र** (21 नवंबर 2023, नई दिल्ली) समावेशिता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देते हुए छात्राओं ने दृष्टिबाधित व्यक्तियों और दिव्यांगजनों के साथ बातचीत की। उन्होंने दोनों संस्थानों में समावेशी शिक्षा तकनीकों, व्यावसायिक प्रशिक्षण और पुनर्वास सेवाओं का अवलोकन किया। इस यात्रा में दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने की दिशा में सहायक तकनीकों, ब्रेल साक्षरता और कौशल-आधारित शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

- **सुशासन पर व्याख्यान** (18 दिसंबर 2023, नई दिल्ली, दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा अयोजित जम्मू -कश्मीर के माननीय उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने शासन, नेतृत्व और सार्वजनिक सेवा पर ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। इस सत्र ने छात्राओं को शासन में चुनौतियों और अवसरों के साथ-साथ नीति निर्माण में पारदर्शिता, जवाबदेही और नागरिक भागीदारी के बारे में भी समझ प्रदान की।

- **अमृत उद्यान, राष्ट्रपति भवन (6 मार्च 2024, नई दिल्ली)** भावी शिक्षकों ने राष्ट्रपति भवन के हरे-भरे उद्यानों के **ऐतिहासिक और पारिस्थितिक महत्व** को जाना। इस यात्रा में प्रकृति और जैव विविधता के प्रति छात्राओं के सम्मान को बढ़ावा देने में स्कूली पाठ्यक्रम में **पर्यावरणीय शिक्षा, स्थिरता और क्षेत्रीय अधिगम** के महत्व पर जोर दिया गया।

- **भारत टेक्स, प्रगति मैदान** (7 मार्च 2024, नई दिल्ली) बड़े पैमाने पर आयोजित इस प्रदर्शनी में छात्राओं ने वस्त्र उद्योग में हो रही प्रगति और टिकाऊ उत्पादन तकनीकों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस कार्यक्रम ने कपड़ा उद्योग में उभरते रुझानों, विनिर्माण में पर्यावरण संबंधी चिंताओं और उद्यमिता में अवसरों के बारे में जानकारी प्रदान की।

- **भारत एंबेसडर नारी शक्ति कार्यक्रम, (7 मार्च 2024 कॉन्फ्रेंस हॉल, दिल्ली विश्वविद्यालय)** और **महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार** द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में **महिला नेतृत्व और लैंगिक समानता** पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें **माननीय मंत्री स्मृति ईरानी** ने चर्चा का नेतृत्व किया। **छात्राओं ने** चुनौतियों, सफलता की कहानियों और सशक्तिकरण के मार्गों के बारे में विचारोत्तेजक बातचीत में भाग लेते हुए **राष्ट्र निर्माण, उद्यमिता और नीति-निर्माण** में महिलाओं की भूमिका को जाना।

सामुदायिक आउटरीच

शिक्षा विभाग अकादमिक जगत और समुदाय के बीच मजबूत संबंध को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, तथा यह सुनिश्चित करता है कि शिक्षा व्यापक सार्वजनिक हित में काम करे। स्कूल अनुभव कार्यक्रम के दौरान, छात्राओं को यौन और प्रजनन स्वास्थ्य, मादक पदार्थों के इस्तेमाल, साइबर बुलिंग, व्यवहार संबंधी चुनौतियों, जेंडर की पहचान और जीवन कौशल विकास जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों से सक्रिय रूप से जुड़ने का अवसर मिला। उन्होंने शोध और प्रत्यक्ष बातचीत के माध्यम से ज्ञान का एक व्यापक आधार तैयार किया, जिसने मौजूदा शैक्षिक परिदृश्य को बेहतर बनाने के प्रति लक्षित नीतिगत सिफारिशों को सूचित किया। इन पहलुओं ने छात्राओं की सामाजिक चुनौतियों की समझ को समृद्ध तो किया ही साथ ही उन्हें भावी शिक्षकों और सकारात्मक बदलाव के रूप में सार्थक योगदान देने के लिए सशक्त भी बनाया।

शिक्षा विभाग शैक्षिक उत्कृष्टता, समावेशिता और अनुसंधान-प्रेरित शिक्षण को बढ़ावा देने तथा भावी शिक्षकों और विचारकों को तैयार करके राष्ट्रीय प्रगति में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

खाद्य एवं पोषण और खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग (एफएनएफटी)

विज़न : विभाग सभी के लिए स्वास्थ्य संवर्धन सुनिश्चित करने हेतु समुदाय, उद्योग और संस्थानों तक पहुंच कायम करने के लिए शिक्षण और अनुसंधान में उत्कृष्टता प्राप्त करने की दिशा में प्रयासरत है।

1958 में स्थापित खाद्य एवं पोषण विभाग लेडी इर्विन महाविद्यालय का पहला स्नातकोत्तर विभाग था। वर्तमान में विभाग दो स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम : आहार विज्ञान और सार्वजनिक स्वास्थ्य पोषण में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीडीपीएचएन) और खाद्य एवं पोषण में दो वर्षीय एम.एससी.डिग्री -विशेषज्ञता के तीन क्षेत्रों अर्थात् नैदानिक पोषण, सार्वजनिक स्वास्थ्य पोषण और खाद्य विज्ञान एवं प्रसंस्करण – प्रदान करता है। यह दिल्ली विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग के तहत खाद्य एवं पोषण में डॉक्टरेट कार्यक्रम भी प्रदान करता है। छात्राओं को अस्पतालों, क्लीनिकों, फिटनेस एंड स्पोर्ट्स सेंटरों तथा विकास के क्षेत्र में काम करने वाले सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों, खाद्य उद्योग और शैक्षणिक एवं शोध संस्थानों में रोजगार मिलता है। वर्ष 2023-24 विशेष रहा, क्योंकि विभाग ने शिक्षण और अनुसंधान में उत्कृष्टता के 65 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया। इसने अपनी सर्वोत्तम पद्धतियों में से एक : कमला पुरी सभरवाल स्मारक व्याख्यान श्रृंखला की स्वर्ण जयंती भी मनाई

खाद्य एवं पोषण तथा खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग खाद्य प्रौद्योगिकी में बी.एससी. (ऑनर्स) की डिग्री भी प्रदान करता है। इसे 2020 में भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण (पीएमएफएमई) फ्लैगशिप योजना के तहत दिल्ली सरकार के लिए राज्य स्तरीय तकनीकी संस्थान (एसएलटीआई) के रूप में मान्यता दी गई। विभाग 30 जून 2017 से एफएसएसएआई की खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण और प्रमाणन (एफओएसटीएसी) पहल के तहत एक सूचीबद्ध प्रशिक्षण भागीदार भी है।

Row 1 (L-R) : Dr. Desham Kodandaram Reddy, Dr. Tarun Kumar, Dr. Sakshi Khurana, Mrs. Jyoti Tanwar, Dr. Neerja Chawla, Prof. Manisha Sabharwal, Dr. Upasna Yadav, Dr. Aarti Yadav, Dr. Pooja Raizada, Prof. Neena Bhatia, Dr. Sidharth Suman
Row 2 (L-R) : Dr. Naveena Natarajan, Dr. Bindu, Ms. Anjana Kumari, Prof. Ravinder Chadha, Prof. Priti Rishi Lal, Prof. Archna Kumar, Prof. Pulkit Mathur, Prof. Lalita Verma, Dr. Aparna Agarwal, Dr. Heirangkhongjam Memthoi Devi, Dr. Poonam Singh

एफएनएफटी विभाग के संकाय सदस्य

अनुसंधान गतिविधियां

विभाग नैदानिक पोषण, सार्वजनिक पोषण, खेल पोषण और खाद्य विज्ञान के क्षेत्रों में शोध में सक्रिय रूप से संलग्न है। विभाग का शोध पोषण स्थिति, पोषण संबंधी चिंताओं, आहार की गुणवत्ता, खाद्य सुरक्षा, सूक्ष्मजीवविज्ञानी गुणवत्ता और खाद्य उत्पादों की सुरक्षा के आकलन और विकास पर केंद्रित है। प्रमुख शोध पहलों में पोषण कार्यक्रमों/योजनाओं का विश्लेषण, आहार संबंधी विकारों का प्रबंधन और रोकथाम, तथा खेल पोषण को बढ़ावा देने के साथ ही साथ व्यवहार परिवर्तन के लिए नवीन खाद्य उत्पादों और संचार रणनीतियों/उपकरणों का विकास किया जाना शामिल है। 2023-24 के दौरान, विभाग के संकाय सदस्य शैक्षणिक विकास और नवाचार को बढ़ावा देते हुए इन शोध कार्यों में संलग्न अनेक पी.एचडी. अध्येयताओं का निर्देशन करेंगे।

स्वतंत्र शोध में संलग्न स्नातकोत्तर छात्राएं पोषण और खाद्य विज्ञान में महत्वपूर्ण मुद्दों की पड़ताल करने वाले शोध प्रबंध विषयों की एक विविध श्रृंखला में योगदान दे रही हैं। इन विषयों में पोषण की स्थिति पर आहार विविधता का प्रभाव, खाद्य पर्यावरण और आहार की गुणवत्ता के बीच संबंध और स्वास्थ्य पर अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के प्रभाव शामिल हैं। फोकस के अतिरिक्त क्षेत्रों में नए खाद्य उत्पादों के लिए प्रौद्योगिकी विकास, एथलीटों में ऊर्जा की उपलब्धता और अव्यवस्थित भोजन के बीच संबंध, खाद्य उत्पाद विकास और आहार के कार्बन पदचिह्न शामिल हैं। छात्राओं का उद्देश्य अपने शोध के माध्यम से स्वस्थ खान-पान की प्रथाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना और आहार और स्वास्थ्य परिणामों के बीच संबंधों को समझना है।

बी.एससी. खाद्य प्रौद्योगिकी के दूसरे और तीसरे वर्ष की छात्राओं ने भी संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में शोध परियोजनाएं शुरू कीं। प्रमुख शोध में नवोन्मेषी एवं स्वदेशी रेडी टू ईट खाद्य उत्पादों का विकास, उनकी सुरक्षा एवं पाचन क्षमता तथा बायोडिग्रेडेबल पैकेजिंग शामिल रहे।

संगोष्ठियां/ वेबिनार /कार्यशालाएं/ सम्मेलन/ प्रशिक्षण/ विशेष व्याख्यान

विशेष व्याख्यान और संगोष्ठियां

- 1 दिसंबर, 2023 को शौना डाउंस, एसोसिएट प्रोफेसर, फैकल्टी, हेल्दी बिहेव्यिर, सोसाइटी एंड पॉलिसी, रटगर्स यूनिवर्सिटी ने 'खाद्य वातावरण तथा स्वस्थ और टिकाऊ आहार पर उसके प्रभाव का आकलन' विषय पर विशेष व्याख्यान दिया।
- 18 जनवरी, 2024 को 'गट डिस्बिओसिस और क्रॉनिक डिजीज' पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। यह व्याख्यान आंत स्वास्थ्य, माइक्रोबायोम, ऑटोइम्यून बीमारियों और चयापचय विकारों के विशेषज्ञ डॉ टॉम ओ ब्रायन ने दिया।
- 26 फरवरी, 2024 को विभाग ने 'पोषक तत्व मूल्यांकन एवं विश्लेषण' पर एम्स, नई दिल्ली की आहार विशेषज्ञ सुश्री गुरदीप कौर शेट्टी का विशेष व्याख्यान आयोजित किया । इसमें एम.एससी. प्रथम वर्ष, फाइनल, पीजीडीडीपीएचएन की छात्राओं और पी.एचडी. अध्येयताओं ने भाग लिया।
- विभाग ने एफटी प्रोफेशनल चैप्टर के सहयोग से 19 मार्च, 2024 को खाद्य विज्ञान में पी.एचडी. डॉ. निधि दलाल, यूनिवर्सिटी ऑफ नेपल्स "फेडेरिको II", इटली द्वारा

1 दिसंबर, 2023 को शौना डाउंस द्वारा विशेष व्याख्यान

"माइक्रोग्रीन्स - वर्तमान रुझान और उद्यमशीलता के अवसर" पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया ।

- विभाग ने एफटी प्रोफेशनल चैप्टर के सहयोग से 12 अप्रैल, 2024 को "भविष्य के सशक्त करियर के लिए व्यावसायिक कौशल" पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया। रिसोर्स पर्सन डॉ. प्रतिमा खंडेलवाल, संस्थापक फ्लाईहाई, बेंगलुरु रहीं।

कौशल विकास प्रशिक्षण/ कार्यशालाएं

- विभाग ने 16 सितंबर 2023 को "संधारणीयता और जीवन चक्र मूल्यांकन" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।
- राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर एनआईपीसीसीडी के सहयोग से 25-26 सितंबर 2023 को "विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए शिशु और छोटे बच्चे की सही आहार पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए पोषण परामर्श कौशल बढ़ाना" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।
- विभाग ने कंज्यूमर वॉयस के सहयोग से 15 फरवरी 2024 को यूजी और पीजी छात्राओं के लिए 'फ्रंट ऑफ द पैक लेबल्स, व्हॉट एंड वाय ?' विषय के बारे में जागरूक बनाने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया।
- विभाग ने उत्कृष्टता के 65 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 24 फरवरी, 2024 को 'वैश्विक खाद्य कानून और उद्यमिता' विषय पर एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया। इसका संचालन सुरक्षित खाद्य व्यवसाय पेशेवरों का अखिल भारतीय संवर्ग (बैच 22-23) द्वारा किया गया।
- विभाग ने एनएपीआई, भारत के सहयोग से 19 मार्च 2024 को "अस्वास्थ्यकर पूर्व-पैकेज्ड खाद्य पदार्थ और पेय पदार्थ लेबल पर पोषण संबंधी जानकारी को डिकोड करना" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। इसके लिए रिसोर्स पर्सन सुश्री नुपुर बिडला, राष्ट्रीय समन्वयक, बीपीएनआई और सदस्य, एनएपीआई थीं।
- 25 अप्रैल 2024 को "परिवर्तन का सिद्धांत और तार्किक रूपरेखा" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें सुश्री संचिता घोष विशेषज्ञ के तौर पर सम्मिलित हुईं।

इंटर्नशिप

एम.एससी. (प्रथम वर्ष) की छात्राओं ने शार्प एनजीओ, सोडेक्सो, द जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ, नेस्ले आरएंडडी सेंटर, फूड फ्यूचर फाउंडेशन, सीसीएम, एम्स दिल्ली, हृदय में एक महीने की इंटर्नशिप की।

पीजीडीडीपीएचएन की छात्राओं के लिए तीन महीने की इंटर्नशिप विभिन्न अस्पतालों में आयोजित की गई, जिनमें मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल (मैक्स स्मार्ट साकेत, पटपड़गंज), लोक नायक जय प्रकाश अस्पताल, कैलाश अस्पताल, नोएडा, सर गंगा राम अस्पताल, फोर्टिस एस्कॉर्ट्स ओखला, फोर्टिस अस्पताल (शालीमार बाग), इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल, फोर्टिस मेमोरियल अस्पताल गुड़गांव और बीएलके सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की शाखाएं शामिल थीं।

बी.एससी. (ऑनर्स) खाद्य प्रौद्योगिकी की द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की छात्राओं ने यूनाइटेड हेल्थ ग्रुप, सुधा डेयरी प्लांट, होटल मौर्य पटना, सुधा पटना डेयरी प्रोजेक्ट, हेल्दी व्हे प्रोटीन एपिफैमिली प्राइवेट लिमिटेड, धर्मपाल सत्यपाल ग्रुप, श्री नाथ जी बेकर्स प्राइवेट लिमिटेड (पारले), सरस डेयरी, पारस प्राइवेट लिमिटेड, शकुन कंज्यूमर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (ब्रिटानिया यूनिट), दूधमनसागर डेयरी-अमूल, जीआरटीएस फूड प्राइवेट लिमिटेड में इंटर्नशिप की।

उद्यमिता प्रशिक्षण गतिविधियां

- खेल दिवस, 4 मार्च 2024 को एम.एससी. अंतिम वर्ष (नैदानिक पोषण ग्रुप) की छात्राओं के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। छात्राओं ने अपने खेल पोषण अभ्यास के अंतर्गत महाविद्यालय के एथलीटों के बीच हाइड्रेशन से संबंधित जागरूकता फैलाने के लिए नींबू के स्वाद वाले मानकीकृत आइसोटॉनिक पेय तैयार किए और बेचे तथा हाइड्रेशन

हाइड्रेशन कोर्ट, 4 मार्च, 2024

कोर्ट के माध्यम से 35 प्रतिशत का लाभ कमाया।

- प्रो. प्रीति ऋषि लाल, डॉ. अपर्णा अग्रवाल और डॉ. नेहा बख्शी ने 20 अक्टूबर 2023 को "फिजिकल फिटनेस असेस्मेंट कैम्प" का आयोजन किया । इसका संचालन बी.एससी. कार्यक्रम के कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम की छात्राओं द्वारा "फिटनेस एंड न्यूट्रिशन" पर किया गया। खेल समिति और खाद्य प्रौद्योगिकी प्रोफेशनल चैप्टर के सहयोग से, छात्राओं ने रिकवरी के लिए अभिनव खाद्य उत्पादों के साथ एक फूड कोर्ट का भी आयोजन किया, जिससे यह कार्यक्रम विस्तार गतिविधियों (स्पोर्ट्स सोसाइटी के सभी सदस्यों सहित 210 वयस्कों का मूल्यांकन किया गया और 63 को परामर्श दिया गया) और उद्यमिता (खाद्य प्रौद्योगिकी समूह ने 72 प्रतिशत लाभ कमाया) पर व्यावहारिक प्रशिक्षण का एक सत्र बन गया। इस शिविर के संचालन के लिए एसईसी छात्राओं को दो अलग-अलग एजेंसियों से 6000/- रुपये का प्रायोजन भी प्राप्त हुआ।
- पीजीडीडीपीएचएन की छात्राओं ने डॉ. अंजनी बख्शी द्वारा आयोजित क्वांटिटी कुकरी प्रैक्टिकल के अंतर्गत 27 फरवरी 2024 को एक कैंटीन परियोजना का आयोजन किया और 70.3 प्रतिशत लाभ अर्जित किया।

फील्ड दौरे

- बी.एससी. (ऑनर्स) खाद्य प्रौद्योगिकी की छात्राओं और पीजीडीडीपीएचएन की छात्राओं ने 21 जुलाई 2023 को वैश्विक खाद्य विनियमन शिखर सम्मेलन में भाग लिया।
- एम.एससी. अंतिम वर्ष की ग्रुप बी की छात्राओं ने 22 सितंबर 2023 को एनएपीआई बीपीएनआई के 'द जंक पुश: राइजिंग अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड कंज्म्पशन इन इंडिया- पॉलिसी, पोलिटिक्स एंड रियलिटी' के लॉन्च में भाग लिया।
- एम.एससी. की छात्राओं और पीएच.डी. अध्येयताओं ने 31 अक्टूबर 2023 को विज्ञान भवन में आयोजित "ईट राइट" कार्यक्रम में भाग लिया।
- विभाग की छात्राओं और शिक्षकों ने 3-5 नवंबर 2023 को प्रगति मैदान में आयोजित वर्ल्ड फूड इंडिया में भाग लिया। पीजीडीडीपीएचएन की छात्राओं ने 20 नवंबर 2023 को विस्तार गतिविधि के रूप में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नजफगढ़ का दौरा किया।
- एम.एससी. की छात्राओं और विभाग के संकाय ने 25-26 नवंबर 2023 को न्यूट्रिशन सोसाइटी ऑफ के 55वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन का विषय 'वन हेल्थ के लिए पोषक तत्व' था।
- एम.एससी. अंतिम वर्ष की छात्राओं ने 15 दिसंबर 2023 को डीआईपीएएस का दौरा किया।
- एम.एससी. और पीजीडीडीपीएचएन की छात्राओं ने अपनी आउटरीच गतिविधि के तहत 20 दिसंबर 2023 को मेडिकल सेंटर, बाबर रोड का दौरा किया।
- बी.एससी. (ऑनर्स) एफटी द्वितीय और तृतीय वर्ष की छात्राओं ने 6 फरवरी 2024 को एनआईएफटीईएम में फूड फोर्टिफिकेशन कार्यशाला में भाग लिया।
- पीजीडीडीपीएचएन की छात्राओं ने 15 फरवरी 2024 को तुगलकाबाद में मिड डे मील किचन का दौरा किया।

- एम.एससी. और पीजीडीडीपीएचएन की छात्राओं ने 9 मार्च 2024 को गैस्ट्रोएंटरोलॉजी रिसर्च एंड एजुकेशन सोसाइटी (जीआरईएस) के तत्वावधान में पहली एशिया प्रशांत सीलिएक रोग संगोष्ठी में भाग लिया।
- बी.एससी. (ऑनर्स) एफटी की छात्राओं ने 21 मार्च 2024 को अपने पाठ्यक्रम के तहत आईआईपी और उनकी पैकेजिंग सामग्री परीक्षण प्रयोगशालाओं का दौरा किया।
- एम.एससी. ग्रुप ए और पीजीडीडीपीएचएन की छात्राओं ने 10 मई 2024 को 2600 बिस्तर वाले एशिया के सबसे बड़े निजी मल्टी-स्पेशलिटी अस्पतालों में से एक “अमृता अस्पताल, फरीदाबाद” का दौरा किया। उन्हें रसोई क्षेत्र और संबंधित प्रक्रिया, आईपीडी, ओपीडी और आईसीयू दिखाए गए।

डीडीपीएचएन की छात्राएं 20 मार्च, 2024 को चरक पालिका में

एम.एससी. ग्रुप ए और पीजीडीडीपीएचएन की छात्राओं ने 10 मई 2024 को अमृता अस्पताल का दौरा किया

विस्तार गतिविधियां

- वीएसी पाठ्यक्रम प्रदान करने वाले दिल्ली विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों के लिए विभाग की संकाय सदस्यों- प्रो. प्रीति ऋषि लाल, डॉ. स्वाति जैन और डॉ. एच. मेमथोई देवी ने 1 जुलाई 2023 को ‘आहार विविधता, सात्विक, राजसिक, तामसिक भोजन’ पर एक वेबिनार का आयोजन किया।
- विभाग की संकाय सदस्यों- प्रो. प्रीति ऋषि लाल, डॉ. स्वाति जैन और डॉ. एच. मेमथोई देवी ने 4 जुलाई 2023 को “आहार विधि विशेषायतन, दिनाचार्य, ऋतुचर्या और पथ्य- अपथ्य” पर एक वेबिनार का आयोजन किया।
- एम.एससी. ग्रुप बी की छात्राओं ने 6 अक्टूबर, 2023 को दिल्ली के गोविंदपुरी की एक शहरी झुग्गी बस्ती में रहने वाली माताओं और उनके बच्चों (<5 वर्ष) की पोषण स्थिति और बाल आहार प्रथाओं के आकलन पर एक साक्षात्कार कार्यक्रम और परामर्श सत्र का आयोजन किया।
- संकाय सदस्य डॉ. प्राची शुक्ला और डॉ. कनिका अग्रवाल के साथ एम.एससी. और पी.एचडी. की छात्राओं ने 5 अक्टूबर से 10 अक्टूबर, 2023 तक आयोजित गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय स्वास्थ्य मेले में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय की एक तकनीकी इकाई, केंद्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो (सीएचईबी) के स्टॉल पर आहार परामर्श के लिए स्वयंसेवकों के रूप में भाग लिया।
- डीडीपीएचएन की छात्राओं ने 20 मार्च, 2024 को चरक पालिका, बाबर रोड बंगाली मार्केट का दौरा कर स्तनपान कराने वाली माताओं और लोक कल्याण अस्पताल में नर्सिंग की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों के साथ पोषण शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया।

- पीजीडीडीपीएचएन की छात्राओं ने 23 अप्रैल, 2024 को "द इंस्टीट्यूशन ऑफ ब्लाइंड" में किशोर लड़कों के लिए 'किशोरों के लिए स्वस्थ भोजन की आदतें' विषय पर पोषण शिक्षा परामर्श सत्र आयोजित किया।

विभाग की आउटरीच

- पीजीडीडीपीएचएन की छात्राओं ने 19 जुलाई, 2023 को पोषण शिक्षा कार्यक्रम और आवश्यकता मूल्यांकन में भाग लिया।
- वर्ल्ड पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन एसोसिएशन ने 2 अगस्त 2023 को डॉ. स्वाति जैन को "कोविड-19 रोग की गंभीरता और प्रबंधन के साथ पोषक तत्वों के सेवन का संबंध" पर जानकारी देने के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित किया।
- मंडावली के आंगनवाड़ी केंद्र में 2 अगस्त 2023 को डॉ. ललिता वर्मा ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए स्तनपान को बढ़ावा देने के संबंध में एक कार्यशाला का आयोजन किया ।
- पंजाब सरकार के वेरका कोऑपरेटिव मिल्क में 20 अगस्त 2023 को डॉ. दीपेश अग्रवाल ने दुग्ध और दुग्ध उत्पादों के लिए एफओएसटीएसी प्रशिक्षण का आयोजन किया ।
- पोषण माह के अवसर पर 2 सितंबर 2023 को द्वारका के मणिपाल अस्पताल में डॉ. प्राची शुक्ला पोस्टर प्रतियोगिता की निर्णायक रहीं और मोटे अनाजों के स्वास्थ्य लाभों पर व्याख्यान दिया।
- पोषण माह के अवसर पर 6 सितंबर 2023 को डॉ. नेहा बख्शी ने मैजिक बस में नामांकित प्रतिभागियों के लिए एक सत्र का आयोजन किया।
- शूलिनी यूनिवर्सिटी, सोलन में पोषण माह के दौरान 13 सितंबर, 2023 को "पौष्टिक आहार की सामर्थ्य में सुधार: स्थायी समाधान" विषय पर वेबिनार में प्रो. पुलकित माथुर को एक विशेषज्ञ के रूप में विचार प्रकट करने के लिए आमंत्रित किया गया।
- मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज़ के डिपार्टमेंट ऑफ न्यूट्रिशन एंड डायटिक्स, स्कूल ऑफ एलाइड हेल्थ साइंसेज द्वारा 18 सितंबर 2023 को प्रो. पुलकित माथुर को 'नए पोषण दिशानिर्देश आरडीए बनाम ईएआर' पर विशेषज्ञ वेबिनार वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया।
- राष्ट्रीय पोषण माह 2023 के दौरान लक्ष्मीबाई महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय ने एनएसआई, दिल्ली चैप्टर के सहयोग से 26 सितंबर 2023 को "मातृ और बाल कुपोषण को दूर करने में कम उपयोग में लाए गए मोटे अनाजों की क्षमता: सुपोषित भारत की ओर" विषय पर संगोष्ठी में प्रो. मनीषा सभरवाल को संबोधन के लिए आमंत्रित किया।
- इंडियन एसोसिएशन फॉर पैरेंट्रल एंड एंटरल न्यूट्रिशन ने इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल और मैरिको इंडिया लिमिटेड के सहयोग से 23 अगस्त, 2023 (बुधवार) को दोपहर 12:00 बजे से शाम 4:30 बजे तक आयोजित प्रोटीन वीक "प्रोटीन की दुविधा से निपटना" विषय पर संगोष्ठी के लिए प्रो. प्रीति ऋषि लाल को पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया।
- ग्लोबल एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडियन ओरिजिन (जीएपीआईओ) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान श्रृंखला के दौरान प्रो. प्रीति ऋषि लाल को 2 सितंबर 2023 को "खेल प्रदर्शन बेहतर बनाने के लिए पोषण" विषय पर सत्रों की अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया।
- प्रो. पुलकित माथुर को एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने नई दिल्ली में 23 सितंबर 2023 को सुकार्या द्वारा आयोजित 'बेहतर स्वास्थ्य और पोषण परिणामों के लिए सुरक्षित खाद्य प्रणाली में निवेश' विषय पर विचार प्रकट किए।
- दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विभाग ने 30 सितंबर 2023 को पोषण माह के समापन समारोह के अवसर पर डॉ. ललिता वर्मा को रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित किया।
- डॉ. प्राची शुक्ला और डॉ. कनिका अग्रवाल ने 5 अक्टूबर 2023 को आयोजित गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय स्वास्थ्य मेले में व्याख्यान दिए।

- आईएपीईएन इंडिया दिवस के अवसर पर 14 अक्टूबर 2023 को एम्स, नई दिल्ली में डॉ. नेहा बख्शी को प्रोबायोटिक्स-वर्तमान रुझान विषय पर पैनल चर्चा के लिए मॉडरेटर के रूप में आमंत्रित किया गया।
- द्वारका में 3 नवंबर 2023 को दिल्ली मेट्रो के लगभग 150 सीआईएसएफ कर्मियों के साथ पोषण पर चर्चा करने के लिए प्रोफेसर पुलकित माथुर को वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के गार्गी महाविद्यालय में "एनईपी (2020): परिप्रेक्ष्य, चुनौतियां और आगे की राह" पर आयोजित एक सम्मेलन के दौरान 4 नवंबर, 2023 को प्रो. प्रीति ऋषि लाल ने "वीएसी: एनईपी में बहु-विषयकता को लागू करना", 2020 विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के गार्गी महाविद्यालय में "समग्र स्वास्थ्य" विषय पर आयोजित व्याख्यान श्रृंखला के दौरान प्रो. प्रीति ऋषि लाल ने 06 फरवरी 2024 को "पोषण और मानसिक स्वास्थ्य: एक बहु-विषयक परिप्रेक्ष्य" विषय पर व्याख्यान दिया।
- लेडी इर्विन महाविद्यालय में आयुर्वेद और पोषण पर आयोजित एक सप्ताह की कार्यशाला के दौरान प्रो. प्रीति ऋषि लाल ने 14 मार्च 2024 को "वीएसी: आयुर्वेद और पोषण। अंतःविषय पाठ्यक्रम प्रगति"विषय पर एक सत्र का संचालन किया।
- प्रो. प्रीति ऋषि लाल और डॉ. एच. मेमथोई देवी ने 14 मार्च 2024 को आयुर्वेद और पोषण पर पाठ्यक्रम चलाने वाले दिल्ली विश्वविद्यालय के लगभग 25 महाविद्यालयों के प्रतिभागियों को एक प्रतिदर्श शिक्षण संसाधन के रूप में "हैंडबुक ऑफ आयुर्वेद एंड न्यूट्रिशन" पेश की। 1-सप्ताह की इस कार्यशाला के दौरान शिक्षकों ने सामूहिक रूप से हिंदी में अपनी स्वयं की समान संसाधन पुस्तक बनाने का कार्य किया। बाद में यह पुस्तक अगस्त 2024 में प्रकाशित हुई।

अन्य महत्वपूर्ण आयोजन

- लेडी इर्विन महाविद्यालय में "पाक विज्ञान के सिद्धांत" पर एक सप्ताह (1-7 सितंबर 2023) के **संकाय विकास कार्यक्रम** (एफडीपी) का आयोजन किया गया।
- एम.एससी. प्रथम वर्ष की छात्राओं के नए बैच और पीजीडीडीपीएचएन छात्राओं के लिए 26 सितंबर 2023 को **ओरिएंटेशन कार्यक्रम** का आयोजन किया गया।
- **पोषण माह 2023** और **अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष** सितंबर 2023 में मोटे अनाजों की पाक विधि प्रतियोगिता आयोजित करके मनाया गया।
- **50वां कमला पुरी सभरवाल स्मारक व्याख्यान** 17 नवंबर 2023 को आयोजित किया गया। डॉ. राजीव बहल, सचिव भारत सरकार, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग और महानिदेशक, आईसीएमआर, नई दिल्ली को आमंत्रित किया गया और उन्होंने 'बाल्यावस्था में बौनापन, कमजोरी और कम वजन में कमी लाने से संबंधित हस्तक्षेपों की गहन समझ' पर व्याख्यान दिया।
- विभाग के 65 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एलआईसीएए-एफएन प्रोफेशनल चैप्टर के सहयोग से 26 अप्रैल 2024 को "सुरक्षा, स्वास्थ्य और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य प्रणालियों में परिवर्तन" विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई। इस कार्यक्रम के प्रमुख वक्ताओं में फूड फ्यूचर फाउंडेशन के सीईओ और संस्थापक श्री पवन अग्रवाल और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अपर महानिदेशक डॉ. देबब्रत कानूनगो शामिल थे। उद्घाटन भाषण प्रो. अनूपा सिद्धू ने दिया।

कर्मचारी सेवानिवृत्ति

- पोषण जैव रसायन प्रयोगशाला के प्रयोगशाला सहायक श्री मोहन सिंह राणा को 27 सितंबर 2023 को उनकी सेवानिवृत्ति के अवसर पर विदाई दी गई। विभाग के प्रति समर्पित सेवाओं के लिए उनकी सराहना की गई।

मानव विकास एवं बाल्यावस्था अध्ययन विभाग

मानव विकास एवं बाल्यावस्था अध्ययन विभाग उभरती हुई एवं सांस्कृतिक रूप से वैविध्यपूर्ण जीवन की सभी अवस्थाओं में मानव की वृद्धि और विकास को वैश्विक संदर्भ में समझने के लिए समर्पित एक ऊर्जावान शैक्षणिक संस्थान है। इसका पाठ्यक्रम विकास और पारस्परिक संबंधों को आकार देने वाले प्रासंगिक और प्रणालीगत कारकों का पता लगाने, अनुसंधान, शिक्षण और व्यावहारिक अनुप्रयोग को एकीकृत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह विभाग अंतःविषयक अध्ययन पर जोर देने के साथ पारंपरिक कक्षा निर्देश को व्यावहारिक अनुभवों के साथ जोड़ता है, छात्राओं को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए तैयार करता है। इसका मुख्य फोकस विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक व्यवस्थाओं में मानव विकास की गहरी समझ को बढ़ावा देते हुए आयु की विभिन्न अवस्थाओं और वातावरणों में व्यक्तियों की अनूठी विशेषताओं की पड़ताल करना है।

अनुसंधान गतिविधियां

मानव विकास एवं बाल्यावस्था अध्ययन विभाग भारत की सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विविधता से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करते हुए बहु-विषयक दृष्टिकोण के माध्यम से सिद्धांत, अभ्यास और अनुसंधान को एकीकृत करता है। इसका शोध विवाहित महिलाओं में सिर ढकने की पारंपरिक प्रथा और इसके सांस्कृतिक निहितार्थ, साथ ही साथ महिलाओं की सुरक्षा हेतु नीतिगत सिफारिशों को बेहतर बनाने के लिए यौन उत्पीड़न के विवरणों सहित विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों में फैला हुआ है। दृढ़ता और कल्याण को बढ़ावा देने में परिवार सहायता समूहों की भूमिका का भी पता लगाया गया है। शिक्षा और समावेशन सबसे महत्वपूर्ण बने हुए हैं, जिसमें भोटिया जनजातियों पर किए गए अध्ययनों में लड़कियों की शिक्षा की राह में आने वाली बाधाओं और उनके समावेशन की रणनीतियों का विश्लेषण किया गया है। दिल्ली में संस्थागत आश्रय स्थलों में बच्चों के लिए

एचडीसीएस विभाग के संकाय सदस्य

परामर्श सेवाओं से संबंधित शोध मनोवैज्ञानिक सहायता के महत्व को रेखांकित करता है। विभाग किशोरों के लचीलेपन, आत्म-अवधारणा पर परिवार और साथियों के प्रभाव और शरीर की छवि और आत्म-सम्मान पर सोशल मीडिया के प्रभाव की भी पड़ताल करता है। एक अन्य प्रमुख फोकस मिडिल स्कूल के विद्यार्थियों में सामाजिक-भावनात्मक विकास को बढ़ावा देने में स्कूल काउंसलर की भूमिका पर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, भारत में बाल अधिकारों के लिए संस्थागत सहायता के साथ-साथ जुड़वां बच्चों के जीवन और शुरुआती पालन-पोषण की गतिशीलता का अध्ययन किया जाता है। जनजातीय समुदायों में दिव्यांगताओं से संबंधित धारणाओं का विश्लेषण किया जाता है, ताकि उन सामाजिक दृष्टिकोणों और बाधाओं की पहचान की जा सके, जिनका सामना दिव्यांगजनों को करना पड़ता है। जेंडर से संबंधित अध्ययन और यौन पहचान से संबंधित शोध में एलजीबीटीक्यूआईए + समुदाय के बारे में छात्राओं की धारणाओं, बच्चों पर तलाक के प्रभाव और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग कर महाविद्यालय जाने वाली महिला यात्रियों के अनुभवों की जांच करना शामिल है।

युवा वयस्कों के बीच फ्रैंड्स विद् बेनेफिट्स (एफडब्ल्यूबी) संबंधों पर अध्ययन के माध्यम से संबंधों की गतिशीलता का पता लगाया जाता है, जबकि किशोरों के भावनात्मक अनुभवों को प्रभावित करने वाले पालन-पोषण के तरीकों की भी पड़ताल की जाती है। कॉर्पोरेट क्षेत्र में महिलाओं के बीच वैधव्य, पुनर्विवाह और कार्य-जीवन संतुलन से संबंधित शोध सामाजिक और व्यावसायिक चुनौतियों पर प्रकाश डालता है। इसके अतिरिक्त, अध्ययनों में दिल्ली में शुरुआती किशोरावस्था वाले किशोरों के पालन-पोषण में पिता की भूमिका, विवाहित मुस्लिम महिलाओं की महार के बारे में धारणाओं और लड़कियों की शिक्षा के बारे में मुस्लिम परिवारों के विचारों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। इन विविध शोध पहलों के माध्यम से, विभाग मानव विकास के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है, समुदायों में कल्याण, लैंगिक समानता और बाल अधिकारों को बढ़ावा देने वाली नीतियों और हस्तक्षेपों को आकार देता है ।

संगोष्ठियां/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ प्रशिक्षण/ विशेष व्याख्यान/ वेबिनार

विभाग ने छात्राओं के पाठ्यक्रम और संवर्धन के तहत पूर्व स्नातक और स्नातकोत्तर छात्राओं के लिए अनेक कार्यशालाएं और विशेष व्याख्यान आयोजित किए। जिनका विवरण निम्नलिखित है:

- एम.एससी. ओरिएंटेशन कार्यक्रम के तहत 6 अक्टूबर 2023 को जसलीन कौर द्वारा "स्व-देखभाल और मानसिक कल्याण" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- सुश्री श्रुति सचदेवा द्वारा 6 अक्टूबर 2023 को "माइंडफुलनेस का अभ्यास" पर कार्यशाला। एम.एस.सी. ओरिएंटेशन कार्यक्रम के तहत 10 अक्टूबर 2023 को "प्रारंभिक वर्षों में कला, संगीत और रचनात्मकता" पर कार्यशाला आयोजित की गई। सुश्री यशिका मल्होत्रा, पी.एचडी. अध्येयता, लेडी इर्विन महाविद्यालय द्वारा 12 फरवरी 2024 को "किशोरों के कल्याण और रिश्तों के लिए परामर्श" पर कार्यशाला।
- एचडीसीएस विभाग के यूजी सेमेस्टर VI की छात्राओं के लिए 22 फरवरी 2024 को डॉ. सुनीता सिंह, डीन, डॉ. बी.आर. अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा "ईसीसीई: कार्यक्रम और संभावनाएं" शीर्षक से उच्च शिक्षा में करियर की संभावनाओं पर कार्यशाला।
- एनआईपीसीसीडी के किशोर मार्गदर्शन सेवा केंद्र की मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर सुश्री विभूति पंत द्वारा 23 फरवरी, 2024 को "जीवन कौशलों की शिक्षा" पर कार्यशाला।
- लेडी इर्विन महाविद्यालय की पी.एचडी.

21 फरवरी 2024 को लाइव योग सत्र

अध्येयता सुश्री स्मृति कुमार द्वारा 28 फरवरी, 2024 को “दिव्यांग बच्चों के विकास की दृष्टि से उपयुक्त गतिविधियों की योजना बनाना” पर कार्यशाला।

- कॉनफेब विद् आद्या की परामर्श मनोवैज्ञानिक आद्या आहूजा द्वारा 1 मार्च 2024 को “किशोरों के कल्याण में परामर्श की भूमिका” पर कार्यशाला।
- दिल्ली उच्च न्यायालय में प्रैक्टिस करने वाले अधिवक्ता श्री रजत नागर द्वारा 11 मार्च 2024 को “भारत में बाल अधिकार और महिला सशक्तिकरण: अवधारणाएं और व्यवहार” पर कार्यशाला।
- सामाजिक कार्यकर्ता और इनोवेशन फॉर चेंज के संस्थापक एवं अध्यक्ष श्री हर्षित सिंह द्वारा 19 मार्च, 2024 को “बाल अधिकार और लैंगिक सशक्तिकरण” पर वेबिनार।
- लक्ष्मीबाई महाविद्यालय में सहायक प्रोफेसर डॉ. वंदना गंभीर द्वारा 20 मार्च 2024 को “माइंडफुलनेस एंड वेलबीइंग” पर कार्यशाला।
- यूनिसेफ के सार्वजनिक वित्त विशेषज्ञ डॉ. कौशिक भद्र द्वारा 20 मार्च 2024 को ‘भारत में महिलाओं और बच्चों के लिए कानून और नीतियां’ पर कार्यशाला ।
- डॉ. सुनैना दुआ ने 2 अप्रैल, 2024 को एसईसी- कॉन्टेंट डेवेलपमेंट एंड मीडिया फॉर चिल्ड्रेन पाठ्यक्रम के अंतर्गत «कठपुतली के माध्यम से शिक्षा» पर कार्यशाला का आयोजन किया।
- बेनेट यूनिवर्सिटी, टाइम्स ग्रुप ऑफ इंडिया के सहायक प्रोफेसर (कानून) डॉ. दिनेश सिंह द्वारा 13 अप्रैल, 2024 को “भारत में महिलाओं और बच्चों से संबंधित कानून और नीतियां” पर वेबिनार।
- डॉ. विनुथा मुक्तामठ द्वारा 19 अप्रैल 2024 को लाइफ स्पैन डेवेलपमेंट-I के लिए “शिशु देखभाल और मूल्यांकन पर वेबिनार”।
- ‘एस्केपेड्स फॉर द सोल’ से सुश्री देबिका मित्रा, माइंडफुलनेस कोच और श्री नबारुण बनर्जी, परामर्शदाता द्वारा 19 अप्रैल को ‘इंटीग्रेटिंग माइंडफुलनेस विद् सोशल इमोशनल लर्निंग’ पर कार्यशाला।
- एलएसडी-II की छात्राओं के लिए डॉ. पूजा पाटिल द्वारा 20 अप्रैल 2024 को “किशोरों के समग्र विकास के लिए जीवन कौशल पर कार्यशाला” पर वेबिनार।
- डॉ. दीपा कन्नूर द्वारा 27 अप्रैल, 2024 को मानव विकास I पाठ्यक्रम के अंतर्गत “विभिन्न डोमेन के संबंध में प्रोत्साहन गतिविधियां” पर कार्यशाला।
- सुश्री निधि सिंह द्वारा 27 अप्रैल 2024 को “आर्ट थेरेपी :डेवेलपमेंटल एक्टीविटीज फॉर ट्रॉय डिजाइन, माइंड एंड टेक्नोलॉजी” पर कार्यशाला।
- डॉ. ऋतुराज शर्मा द्वारा 28 अप्रैल 2024 को “बाल अधिकारों और सामाजिक संदर्भ को समझना” पर ऑनलाइन व्याख्यान।
- बाल मनोवैज्ञानिक डॉ. धारणा भारद्वाज द्वारा 30 अप्रैल, 2024 को “असेसमेंट ऑफ डेवेलपमेंटल डोमेन्स बाइ साइकोमेट्रिक टेस्ट्स (लाइफ स्पैन डेवेलपमेंट)” पर ऑनलाइन कार्यशाला।

इंटर्नशिप

हमारी स्नातकोत्तर छात्राओं ने पांच अलग-अलग संगठनों (विवरण निम्नांकित) में इंटर्नशिप की, जिसमें उन्होंने बच्चों के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जाना :

- **राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान (निपसिड)**: इंटर्नशिप छात्राओं को सामाजिक कार्य, मानव विकास और सार्वजनिक प्रशासन में करियर बनाने के लिए आवश्यक विश्लेषणात्मक, संचार और परियोजना प्रबंधन कौशल को बेहतर बनाने में मदद करती है।
- **एक्शन ऐड इंडिया: एक्शन ऐड इंडिया** में इंटर्नशिप छात्राओं को सामाजिक न्याय, मानवाधिकार और सामुदायिक विकास में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करती है। यह जमीनी स्तर की पहलों के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए अनुसंधान, समर्थन और परियोजना प्रबंधन कौशल को बढ़ाती है।

- **केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (कारा)** - इस इंटर्नशिप के दौरान छात्राओं को देश के अंदर और बाहर गोद लेने के तरीकों के बारे में व्यापक जानकारी प्राप्त हुई । इस इंटर्नशिप के जरिए छात्राओं ने गोद लेने की पूरी प्रक्रिया और गोद लेने की प्रक्रिया से संबंधित नियम और शर्तों को जाना।
- **राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर)**- छात्राओं ने बच्चों के साथ होने वाली हिंसा की पहचान करने के लिए बाल अधिकारों की रक्षा के लिए प्रदत्त सुरक्षा उपायों की जांच और समीक्षा के बारे में जानकारी हासिल की। छात्राओं ने यह भी सीखा कि विभिन्न मामलों की कार्यवाही कैसे शुरू की जाए। उन्होंने बच्चों द्वारा उनके अधिकारों के इस्तेमाल में बाधा डालने वाले कारकों तथा बाल अधिकारों के लिए उचित उपचारात्मक उपाय करने के तरीकों की पड़ताल की।
- **इंडियन स्पाइनल इंजरीज सेंटर**: छात्राओं को पुनर्वास, रोगियों की देखभाल और चिकित्सा अनुसंधान में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है। यह नैदानिक कौशलों को बढ़ाता है, उन्नत चिकित्सा के बारे में जानकारी देता है और रीढ़ की हड्डी की चोट के प्रबंधन से संबंधित विशेषज्ञों के साथ बातचीत का अवसर देता है।

फील्ड दौरे / विस्तार गतिविधियां

- व्यावहारिक पाठ्यक्रम के तहत छात्राओं ने विभिन्न संस्थानों और गैर सरकारी संगठनों का दौरा किया। 5वें सेमेस्टर की छात्राओं ने 22 सितंबर 2023 को राष्ट्रीय बाल भवन का दौरा किया। 11 जुलाई 2023 को पालना का दौरा किया। दृष्टिबाधित बच्चों के लिए शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण के बारे में संक्षिप्त जानकारी प्राप्त करने के लिए ब्लाइंड रिलीफ एसोसिएशन (9 सितंबर 2023 और 26 सितंबर 2023) का दौरा किया। 24 फरवरी 2024 और 5 मार्च 2024 को समर्थ भारत (एनजीओ) का दौरा किया। दिव्यांग बच्चों के लिए व्यावहारिक V सेमेस्टर की छात्राओं ने सीआरआईए फाउंडेशन फॉर स्पेशल एजुकेशन का दौरा किया।

11 जुलाई 2023 को पालना का दौरा

- एजुकेशन सेंटर में 26 फरवरी 2024 को मूल्य आधारित हस्तक्षेप और मार्गदर्शन का अवलोकन किया गया। बाल सहयोग संगठन में 5 मार्च 2024 को । VI सेमेस्टर की छात्राओं द्वारा समावेशी शिक्षा का अवलोकन करने के लिए 18 अप्रैल 2024 को संस्कृति इंटिग्रेटेड को-एजुकेशनल स्कूल का दौरा किया जाएगा।

विभाग की आउटरीच (पाठ्यचर्या से संबंधित गतिविधियों के अलावा)

हमारे छात्राओं ने 23 नवंबर 2023 को दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग के संग्रहालय, स्लम और स्थानीय क्षेत्र का दौरा किया और समुदाय के साथ बातचीत की। स्थानीय लोगों से उनके जीवन, आकांक्षाओं, सुविधाओं और सरकारी कार्यक्रमों के बारे में बातचीत की गई। प्रथम वर्ष की छात्राओं ने 21 फरवरी 2024 को राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र का दौरा किया।

21 फरवरी 2024 को राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र का दौरा

अन्य महत्वपूर्ण आयोजन

26 अक्टूबर 2023 को पूर्व स्नातक और स्नातकोत्तर छात्राओं के लिए कम लागत वाली स्वदेशी विकास गतिविधियों की प्रदर्शनी और प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बाल और सामुदायिक विकास के लिए नवीन और किफायती तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। छात्राओं ने इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। इस पहल ने व्यावहारिक शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा दिया।

26 अक्टूबर 2023 को आयोजित प्रदर्शनी

वस्त्र एवं परिधान विज्ञान विभाग

वस्त्र एवं परिधान विज्ञान विभाग (एफएएस) छात्राओं को वस्त्र एवं परिधान उद्योग में पेशेवर विशेषज्ञता और शैक्षणिक प्रतिभा का विलक्षण मिश्रण प्रदान करता है। अपने मिशन के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ विभाग, महत्वाकांक्षी पेशेवरों के भविष्य को आकार देते हुए उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करता है। रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देकर, यह छात्राओं को उनकी शैक्षणिक गतिविधियों और पेशेवर करियर दोनों में उत्कृष्टता प्राप्त करने में समर्थ बनाता है, जिससे वे उद्योग और समाज में सार्थक योगदान दे सकें।

वस्त्र एवं परिधान में स्नातकोत्तर कार्यक्रम की शुरुआत शैक्षणिक वर्ष 1987-88 में की गई थी और पिछले तीन दशकों में इसने उत्तरोत्तर विकसित और संवर्धित होते हुए अकादमिक उत्कृष्टता के असाधारण मानक हासिल किये हैं। इस क्षेत्र में हुई प्रगति के साथ तालमेल बिठाने के लिए इस कार्यक्रम को पुनर्गठित किया गया और 2007 में इसका नाम बदलकर वस्त्र एवं परिधान विज्ञान विभाग कर दिया गया। जुलाई 2011 में इसमें परिवर्तन लाते हुए यहां सेमेस्टर प्रणाली में लागू की गई, जिसके तहत शैक्षणिक ढांचे और उद्योग प्रासंगिकता को संवर्धित करने के लिए चार सेमेस्टर की संरचना शुरू की गई। कार्यक्रम अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे, आधुनिक उपकरणों, उन्नत कंप्यूटिंग सुविधाओं और संसाधनों से युक्त विभागीय पुस्तकालय द्वारा समर्थित है। पाठ्यक्रम को नवीनतम वस्त्र और परिधान उद्योग के विकास को प्रस्तुत करने के लिए लगातार संशोधित किया गया है और इसमें विविधता लाई गई है, जिससे इसकी प्रासंगिकता और प्रभावशीलता सुनिश्चित होती है।

Row 1 (L-R) : Dr. Manpreet Chahal, Ms. Priyanka Pawar, Dr. Ashima Anand, Prof. Ritu Mathur
Row 2 (L-R) : Dr. Ravi Ande, Dr. Sheetal Chopra, Prof. Deepali Rastogi, Prof. Simmi Bhagat, Prof. Archna Kumar, Dr. Ruchira Aggarwal, Prof. Sabina Sethi, Dr. Madhuri Nigam, Ms. Vibha Yadav, Prof. Seema Sekhri

एफएएस विभाग के संकाय सदस्य

कार्यक्रम को निम्नलिखित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए डिज़ाइन किया गया है:

- वस्त्र एवं परिधान विज्ञान में मौजूदा रुझानों, नवाचारों और तकनीकी प्रगति की गहरी समझ विकसित करना।
- समकालीन प्रथाओं के बारे में जानकारी देने के लिए अतीत से प्रेरणा लेते हुए वस्त्र विरासत और परंपराओं के मूल्यांकन को बढ़ावा देना।
- औपचारिक और अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से निरंतर प्रगति को सक्षम बनाते हुए व्यापक शैक्षणिक और व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करना।
- छात्राओं को रचनात्मक, प्रबंधकीय और तकनीकी करियर के साथ-साथ वस्त्र एवं परिधान उद्योग के क्षेत्र में उद्यमिता के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करना।

संशोधित पाठ्यक्रम होम टेक्सटाइल्स, वस्त्र प्रलेखन एवं संरक्षण, गुणवत्ता आश्वासन, फैशन विपणन और क्रय-विक्रय, तथा वस्त्र एवं फैशन में स्थिरता आदि जैसे उभरते क्षेत्रों को शामिल करके शैक्षणिक क्षितिज का विस्तार करते हुए प्रौद्योगिकी और अभिकल्प का अनूठा समावेशन प्रदान करता है। यह संशोधित पाठ्यक्रम व्यावहारिक प्रशिक्षण और अनुसंधान के माध्यम से सुदृढ़ बनाया गया है, जो पूर्ण शैक्षिक अनुभव सुनिश्चित करता है।

फील्ड दौरे, संगोष्ठियां, कार्यशालाएं, परियोजनाएं और कंप्यूटर अनुप्रयोग इस पाठ्यक्रम का अभिन्न अंग हैं,जो प्रायोगिक शिक्षा को बढ़ावा देते हैं। कताई, बुनाई, प्रसंस्करण, रंगाई और छपाई इकाइयों, परिधान उद्योगों, अनुसंधान संस्थानों, वस्त्र परीक्षण प्रयोगशालाओं, वस्त्र संग्रहालयों और पारंपरिक वस्त्र शिल्प के संरक्षण के लिए समर्पित गैर सरकारी संगठनों सहित विविध संगठनों में चार से छह सप्ताह की इंटर्नशिप के माध्यम से एक मजबूत उद्योग इंटरफेस बरकरार रखा जाता है।

यह स्नातकोत्तर कार्यक्रम छात्राओं को अभिकल्प, प्रौद्योगिकी, शिक्षा, परीक्षण, प्रमाणन और अनुसंधान के क्षेत्रों में करियर के अवसरों के लिए आवश्यक विशेषज्ञता से लैस करता है। विभाग की पूर्व छात्राएं विभिन्न संगठनों जैसे वस्त्र उत्पादन और प्रसंस्करण इकाइयों, परीक्षण प्रयोगशालाओं, शिल्प और विरासत क्षेत्र, वस्त्र एवं परिधान डिजाइन हाउस, परिधान विनिर्माण (घरेलू एवं निर्यात क्षेत्र), खुदरा उद्योग, शिक्षा जगत, वस्त्र संरक्षण तथा अनुसंधान एवं विकास जैसे क्षेत्रों में नियुक्त हैं। यह विभाग रचनात्मकता को बढ़ावा देता है, जिससे छात्राओं को उद्योग के मानकों की कसौटी पर खरा उतरने और अपने करियर में उत्कृष्टता लाने के लिए अपने कौशलों को आधारभूत स्तर से आगे बढ़ाने और निखारने में मदद मिलती है।

अनुसंधान गतिविधियां

वस्त्र एवं परिधान विज्ञान विभाग स्नातकोत्तर छात्राओं और डॉक्टरेट अध्येयताओं द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में आरंभ किए गए शोध अध्ययनों और मार्गदर्शन परियोजनाओं के संचालन में सक्रिय रूप से शामिल होता है। अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्रों में वस्त्र आर्द्र प्रसंस्करण, टिकाऊ फाइबर उत्पादन, वस्त्र अभिकल्प और नवाचार, परिधान के लिए हरित प्रौद्योगिकियां, ज़ीरो-वेस्ट फैशन, पारंपरिक वस्त्र शिल्पों का संरक्षण और पुनरुद्धार, सतत विकास और उपभोक्ता अध्ययन शामिल हैं।

इसके अलावा, यह विभाग कारीगरों, महिलाओं और दिव्यांगजनों के क्षमता निर्माण, अपशिष्ट पदार्थों से रेशों और रंगों का निष्कर्षण, खरीद की सर्वोत्तम पद्धतियों, जीवन चक्र का आकलन, गुणवत्ता आश्वासन, उपभोक्ता जागरूकता पहलों, कार्यस्थल पर सुरक्षा और नैतिक विचारों सहित महत्वपूर्ण अंतःविषयक अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करता है। अनुसंधान के अन्य क्षेत्रों में दिव्यांगजनों के लिए वस्त्र डिजाइन करना और परिधानों के लिए समग्र आकार प्रणाली विकसित करना, समावेशिता और उद्योग प्रासंगिकता सुनिश्चित करना शामिल है।

संगोष्ठियां/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण/विशेष व्याख्यान/ वेबिनार

यह विभाग विचारों और ज्ञान के पारस्परिक आदान-प्रदान को सुगम बनाते हुए बौद्धिक विकास और नवाचार के वातावरण को सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है। इसे प्राप्त करने के लिए, संगोष्ठियां, सम्मेलन, कार्यशालाएं, वेबिनार और विशेष व्याख्यान आयोजित किए जाते हैं, जिन्हें हमारी छात्राओं, शोधकर्ताओं और संकाय सदस्यों के शोध कौशल को प्रेरित और संवर्धित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ये कदम प्रतिभागियों को शिक्षा, अनुसंधान और उद्योग में नवीनतम प्रगति के बारे में सूचित रखते हुए ज्ञान के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उभरते रुझानों के बारे में अपडेट रहने से छात्राएं और अध्येयताओं को महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्राप्त होती है, जो उनके पेशेवर और बौद्धिक विकास में योगदान देती है। इसकी बदौलत वे अपने संबंधित क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए तैयार होते हैं। विभाग द्वारा आयोजित ऐसी विभिन्न गतिविधियों का विवरण निम्नलिखित है:

संगोष्ठी की मुख्य अतिथि भारत की वस्त्र आयुक्त सुश्री रूप राशि महापात्रा

- "जलवायु से संबंधित चुनौतियां और खादी: विज्ञान, परंपरा और स्थिरता का संयोजन 4 अक्टूबर, 2023 को "सेलिब्रेशन ऑफ द आइडियोलॉजी ऑफ महात्मा गांधी" के तहत आयोजित और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया। मुख्य अतिथि- सुश्री रूप राशि महापात्रा, भारत की वस्त्र आयुक्त; विशिष्ट अतिथि- डॉ. केशव कुमार निदेशक, एमओईएस, आईएफएस, भारत सरकार, वक्ता- प्रो. सुधा ढींगरा (प्रोफेसर, एनआईएफटी दिल्ली, निदेशक, खादी उत्कृष्टता केंद्र), प्रो. रितु माथुर और प्रो. दीपाली रस्तोगी (प्रोफेसर, वस्त्र एवं परिधान विज्ञान विभाग, लेडी इर्विन महाविद्यालय), श्री हिमांशु शनि (11.11/इलेवन इलेवन के सह-संस्थापक), सुश्री कावेरी मुखर्जी (पत्रकार, लेखक और संस्थापक - सन ब्लॉसम), प्रो. रवि चट्टोपाध्याय (एमेरिटस प्रोफेसर, वस्त्र और फाइबर इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी दिल्ली), श्री अभिषेक पाठक (संस्थापक, ग्रीनवियर फैशन), और श्री राम चंद्र राही (अध्यक्ष, गांधी स्मारक निधि)।
- फैशन और परिधान ऑनलाइन रिटेल में उभरते रुझान, 19वां संजम रंधावा स्मारक सम्मेलन 12 अप्रैल, 2024 को आयोजित किया गया। मुख्य भाषण- प्रो. सुनील शर्मा (प्रबंधन अध्ययन संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय); मॉडरेटर- सुश्री अनुराधा कुमरा, (बिजनेस एडवाइजर, द एशियन हेरिटेज फाउंडेशन एंड इंडस्ट्री एक्सपर्ट, आईआईएम मुंबई); वक्ता- श्री रोहित भाटियानी (एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, वज़ीर एडवाइजर्स), श्री अर्पित सिरोही, (डिप्टी डायरेक्टर सोर्सिंग, मिंत्रा), श्री पीयूष गिरोत्रा (बिजनेस लीड, फैशन स्नूप्स), सुश्री रुचि त्रिपाठी (ओनर एंड पार्टनर, इंडिजीन क्राफ्ट), सुश्री जया भट्ट (ओनर एंड पार्टनर, इंडिजीन क्राफ्ट), और सुश्री कृति खेरा (अमला अर्थ)।
- फ्यूचरिस्टिक अपैरल बिजनेस : अ पैराडाइम शिफ्ट, अपैरल एंड होम टेक्सटाइल पर 18वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएएचटी-2023) 23 सितंबर, 2023 को एईपीसी गुरुग्राम में आयोजित किया गया।
- बुनाई प्रदर्शन और कार्यशाला 10 अक्टूबर, 2023 को "सेलिब्रेशन ऑफ द आइडियोलॉजी ऑफ महात्मा गांधी" के तहत आयोजित और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित की गई। रिसोर्स पर्सन : श्री प्रवीण तिवारी, बुनाई विशेषज्ञ।

- प्राकृतिक रंगाई और छपाई कार्यशाला, 11 अक्टूबर, 2023 को "सेलिब्रेशन ऑफ द आइडियोलॉजी ऑफ महात्मा गांधी" के तहत आयोजित और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित की गई। रिसोर्स पर्सन : पद्मश्री श्री राम किशोर डेरावाला।

पद्मश्री श्री राम किशोर डेरावाला हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग का प्रदर्शन कर रहे हैं

- साड़ी के जादू को उद्घाटित करना : इतिहास और परंपरा पर कार्यशाला 12 अक्टूबर, 2023 को "सेलिब्रेशन ऑफ द आइडियोलॉजी ऑफ महात्मा गांधी" के तहत आयोजित और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित की गई। । रिसोर्स पर्सन : सुश्री रता कपूर चिश्ती

सुश्री रता कपूर चिश्ती ड्रेपिंग की विविध शैलियों के माध्यम से साड़ी का जादू उद्घाटित कर रही हैं

- वस्त्र और परिधान क्षेत्र में कार्बन फुटप्रिंट्स को मापना 2 दिसंबर, 2023 को आयोजित। रिसोर्स पर्सन - श्री इंद्रनील सेठ, पीई, एलईईडी बीडी + सी, पीएमपी।
- मेंडिंग वर्कशॉप 16 अप्रैल, 2024 को आयोजित की गई। रिसोर्स पर्सन - आशीष ढाका (डिज़ाइनर एंड को-फाउंडर, बेनी बोई), मनकिरन ढिल्लों (बिजनेस स्ट्रेटेजी एंड सस्टेनेबिलिटी, फैशन रिवोल्यूशन), ख़ुशी सहगल (क्लाइमेट चेंज डेटा एनालिस्ट एंड कम्युनिटी एंगेजमेंट लीड फैशन रिवोल्यूशन)
- मास्टरिंग रिज्यूमे राइटिंग एंड लिंक्डइन 29 अप्रैल, 2024 को आयोजित। रिसोर्स पर्सन - वैशाली जैन (फाउंडर, Getmyresumes.in)
- थ्रेड्स ऑफ चेंज: वीविंग अ सस्टेनेबल टेक्सटाइल्स एंड अपैरल सेक्टर, वर्ल्ड रिसोस इंस्टीट्यूट के सहयोग से 29 नवंबर, 2023 को आयोजित। रिसोर्स पर्सन - सुश्री प्रियल शाह (सीनियर प्रोग्राम एसोसिएट, क्लाइमेट प्रोग्राम डब्ल्यूआरआई, भारत)।
- स्नातकोत्तर छात्राओं के नए बैच के स्वागत के लिए 22 सितंबर, 2023 को ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया।
- स्वच्छता अभियान, 03 अक्टूबर, 2023 को "सेलिब्रेशन ऑफ द आइडियोलॉजी ऑफ महात्मा गांधी" के तहत आयोजित और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया।
- नारा लेखन प्रतियोगिता, 10 अक्टूबर, 2023 को सेलिब्रेशन ऑफ द आइडियोलॉजी ऑफ महात्मा गांधी" के तहत आयोजित और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित की गई।

इंटर्नशिप

औद्योगिक अनुभव पर अत्यधिक बल देते हुए एम.एससी. प्रथम वर्ष की छात्राओं ने वस्त्र एवं परिधान उद्योग, वस्त्र परीक्षण संस्थानों और संग्रहालयों के विभिन्न क्षेत्रों में सप्ताह भर की इंटर्नशिप की। यह इंटर्नशिप कार्यक्रम छात्राओं को विविध विभागीय कार्यों में आयोजित की जाने वाली परिधान छपाई, डिजिटल प्रिंटिंग, फैशन डिजाइनिंग की प्रक्रिया, उत्पाद अनुप्रयोग और

विपणन, बुने हुए कपड़े और परिधानों की डिजाइनिंग, जीवन शैली उत्पाद विकास और वस्त्र संरक्षण का व्यापक अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार किया गया था।

इंटर्नशिप के दौरान छात्राओं ने क्रय-विक्रय, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, रेडी-टू-वियर कलेक्शन के बारे में वरिष्ठ डिजाइनरों के साथ सहयोग, शिल्प संग्रहालय में वस्त्रों के संरक्षण और कपड़े की बुनाई, प्रसंस्करण, फिनिशिंग और परिधान निर्माण के बारे में व्यावहारिक शिक्षा प्राप्त की। छात्राओं को निम्नलिखित विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनों में नियुक्त किया गया :

- इंडिजीन क्राफ्ट्स
- जैसलमेर किला संग्रहालय
- क्वालिटी पॉलीथ्रेड्स प्राइवेट लिमिटेड
- मीनू क्रिएशन्स
- राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय और हस्तकला अकादमी
- पैरामाउंट प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
- शाही एक्सपोर्ट्स
- वेयर वेल इंडिया

फील्ड दौरे

- स्नातकोत्तर छात्राओं के लिए 21 नवंबर, 2023 को **गारमेंट मैन्यूफेक्चरिंग इंडस्ट्री - मैसर्स ओरिएंट फैशन एक्सपोर्ट्स**, नोएडा का शैक्षिक दौरा
- स्नातक और स्नातकोत्तर छात्राओं के लिए 9 फरवरी, 2024 को सूरजकुंड मेला, फरीदाबाद का शैक्षिक दौरा।
- 27 से 29 फरवरी, 2024 तक **भारत टेक्स**, **प्रगति मैदान** का दौरा

स्नातकोत्तर छात्राएं परिधान निर्माण से संबंधित प्रक्रियाओं को समझ रही हैं

विभाग की आउटरीच

- फरवरी 2023 में आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के लिए अंगवस्त्र/स्टोल की डिजाइनिंग
- दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी इर्विन महाविद्यालय में प्लास्टिक संग्रह अभियान का आयोजन। इसे पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित किया गया।

अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम

- लेडी इर्विन महाविद्यालय में 22 अप्रैल, 2024 को "विश्व पृथ्वी दिवस 2024: ग्रह बनाम प्लास्टिक" के लिए "संवाद: कन्वर्सेशन फॉर प्लेनेट" शीर्षक से पैनल चर्चा का आयोजन। इसे पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया।
- लेडी इर्विन महाविद्यालय के वस्त्र एवं परिधान विज्ञान विभाग की एम.एससी. प्रथम वर्ष की छात्राओं द्वारा 6-7 मई, 2024 को क्रिएटिव ड्रेप्स का प्रदर्शन।

विकास संचार एवं विस्तार विभाग

विकास संचार एवं विस्तार विभाग की स्थापना वर्ष 1964 में भारत सरकार के खाद्य एवं कृषि मंत्रालय के अधीन की गई थी, शुरु-शुरु में इस ग्रामीण सामुदायिक विस्तार के रूप में जाना जाता था। वर्ष 2007 में इसका नाम "विकास संचार एवं विस्तार" (डीसीई) के रूप में परिवर्तित कर दिए जाने के बाद इसके पाठ्यक्रम को इसके विस्तारित दायरे के अनुरूप बनाने के लिए पुनर्गठित किया गया।

यह विभाग सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन संचार पर पुरजोर बल देते हुए छात्राओं को रणनीतिक संचार कौशलों और सामाजिक बदलाव लाने के लिए प्रभावी माध्यम और कार्यप्रणालियों को तैयार करने की क्षमता से लैस करता है। इस विभाग की प्रमुख विशेषता इसका गतिशील विस्तार कार्यक्रम है, जो सहभागी दृष्टिकोण, पक्ष समर्थन और क्षमता निर्माण में सैद्धांतिक शिक्षा को व्यावहारिक अनुभव के साथ एकीकृत करता है।

पाठ्यक्रम छात्राओं को सामाजिक मुद्दों, पक्ष समर्थन और विविध हितधारकों के लिए कौशल विकास के प्रति संवेदनशील बनाता है। फील्डवर्क, इंटर्नशिप और विकास एजेंसियों के साथ सहयोग के माध्यम से यह विभाग वास्तविक प्रभाव सुनिश्चित करता है और छात्राओं को समुदाय-आधारित चुनौतियों के लिए तैयार करता है।

विभाग निम्नक्षेत्रों पर प्रमुख रूप से बल देता है:

- सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन संचार
- स्वास्थ्य, पर्यावरण और भलाई के लिए पक्ष समर्थन
- सामुदायिक संगठन
- सहभागितापूर्ण विकास
- निगरानी और मूल्यांकन
- अनुदान संचयन और संसाधन जुटाना
- जेंडर और विकास
- प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण

Row 1 (L-R) : Dr. Diwakar Dubey, Dr. Ruchi Kaushik, Dr. Sunaina Batra, Ms. Sapna Kumari, Dr. Naaz Bano
Row 2 (L-R) : Dr. Parboti Prasad Raout, Dr. Kiran Chauhan, Prof. Rupa Upadhyay, Prof. Sarita Anand, Prof. Archna Kumar, Prof. Aparna Khanna, Dr. Masot Zingkhai, Dr. Kanki Hazarika, Mr. Akash Dewangan, Dr. Sunil Kumar

डी.सी.ई. विभाग के संकाय

- डिजिटल साक्षरता और कौशल विकास
- अनुसंधान-गुणात्मक और मात्रात्मक दृष्टिकोण
- कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR)
- विज्ञापन एवं सामाजिक विपणन

अनुसंधान गतिविधियां

विभाग ने चार दशकों से अधिक समय से विकास कार्यक्रमों, सामुदायिक भागीदारी, सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक सहभागिता और महिलाओं के प्रति-संवेदनशील प्रोग्रामिंग के बारे में व्यापक शोध किया है। इसके प्रमुख क्षेत्रों में वैश्विक मीडिया निगरानी, टेलीविजन और रेडियो के कॉन्टेंट का विश्लेषण और सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन और सकारात्मक विचलन जैसे गुणात्मक और मात्रात्मक तरीकों का उपयोग करने वाले सामुदायिक रेडियो की भूमिका शामिल है। शोध में सामाजिक परिवर्तन के लिए अभिनव समाधानों में योगदान देने वाले जलवायु-स्मार्ट कृषि, मानसिक स्वास्थ्य, विकास के लिए आईसीटी, मोबाइल ऐप, गेम और ग्रासरूट्स कॉमिक्स का भी अन्वेषण किया गया है।

कार्यशालाएं/ प्रशिक्षण/ संगोष्ठियां/व्याख्यान

- पैनल चर्चा (18 सितंबर, 2023): "ताना-बाना: वीविंग थ्रेड्स टूडे, फोर द फैब्रिक ऑफ टूमोरो" में पूर्व छात्राओं डॉ. नेहा शर्मा, सुश्री रेणु, सुश्री वैशाली चोपड़ा और सुश्री भूमिका शामिल हुईं।
- चैटथॉन 3.0 (4 अक्टूबर, 2023): डीसीई विभाग, राहत ट्रस्ट और रिचमंड फेलोशिप सोसाइटी द्वारा आयोजित इस मानसिक स्वास्थ्य वार्तालाप का नेतृत्व डॉ. सुजाता डी. शर्मा और प्रो. अपर्णा खन्ना ने किया।
- मानसिक स्वास्थ्य और खुशी पर वेबिनार (9 अक्टूबर, 2023): विभाग ने रिचमंड फेलोशिप सोसाइटी (भारत) और राहत चैरिटेबल एंड मेडिकल रिसर्च ट्रस्ट, दिल्ली के सहयोग से "जॉय ऑफ हैप्पीनेस "शीर्षक से एक वेबिनार का आयोजन किया।
- कौशल संवर्धन कार्यशाला (9 अक्टूबर, 2023): फ्रीलांस फोटोग्राफर एंड कॉन्टेंट क्रिएटर मानव चुघ के साथ "विजुअल कम्युनिकेशन एंड फोटोग्राफी" पर सत्र का आयोजन किया गया।
- कौशल संवर्धन कार्यशाला (16 अक्टूबर, 2023): "आइडियाज एंड इमेजिस" कार्यशाला में खोज स्टूडियो की मीडिया एंड कम्युनिकेशन हैड अलीना टिफागने ने सत्र का संचालन किया।
- विज्ञान और विकास पत्रकारिता (17 अक्टूबर, 2023): विज्ञान पत्रकार, पल्लव बागला ने विभाग द्वारा आयोजित "इंजीनियस एक्सप्रेशन्स: पाथवे टू क्रिएटिव थिंकिंग" पर एक सत्र में व्याख्यान दिया।
- "अंडरस्टैंडिंग द जर्नीस ऑफ वीमेन हेरिटेज वॉकर्स" पर चर्चा (17 अक्टूबर, 2023): विभाग ने इस कार्यक्रम का आयोजन बिजनेस कम्युनिटी फाउंडेशन के सहयोग से किया। इसका नेतृत्व फरहीन नाज, प्रशिक्षक बीसीएफ हेरिटेज वॉकर ट्रेनिंग प्रोग्राम और आसिया, लीड वॉकर, बीसीएफ हेरिटेज वॉकर ट्रेनिंग प्रोग्राम ने किया।
- एसबीसी एंड कम्युनिटी मीडिया वर्कशॉप (18 अक्टूबर, 2023): इस कार्यशाला का नेतृत्व प्रो. विनोद पावराला, यूनीवर्सिटी ऑफ हैदराबाद, और यूनेस्को चैयर ऑन कम्युनिटी मीडिया ने किया।

चैटथॉन 3.0

- विभाग की स्नातकोत्तर छात्राओं के लिए कॉर्पोरेट संचार और जनसंपर्क पर वेबिनार (25 नवंबर, 2023) सुश्री प्राची बत्रा, प्रोफेशनल इमेज कंसल्टेंट मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव, डीएलएफ एम्पोरियो द्वारा आयोजित किया गया।
- वॉल राइटिंग वर्कशॉप (4 दिसंबर, 2023) इस कार्यशाला का आयोजन विभाग द्वारा पूर्व स्नातक छात्राओं के लिए किया गया।

जेंडरलॉग-2023

- जेंडरलॉग (5 दिसंबर, 2023): आईक्यूएसी के तहत आयोजित यह कार्यक्रम "अगर मैं लोकसभा सदस्य होती: भारत में लैंगिक समानता सुनिश्चित करना" पर केंद्रित था।
- फोटो पत्रकारिता पर वेबिनार (31 दिसंबर, 2023): श्री मुकेश श्रीवास्तव (एफआईईई, एफएफआईपी, ईएफआईएपी) द्वारा स्नातकोत्तर छात्राओं के लिए आयोजित किया गया।
- वॉल राइटिंग वर्कशॉप (12 फरवरी, 2024): एफईएस, जर्मनी द्वारा प्रायोजित यह रचनात्मक कार्यशाला ऑनर्स की प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए आयोजित की गई, जिसमें वॉल आर्ट कैनवास के माध्यम से महिला आरक्षण पर ध्यान केंद्रित किया गया।

एसबीसी और कम्युनिटी मीडिया वर्कशॉप

- अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थ और एफओपीएल पर कार्यशाला (16 फरवरी, 2024): डॉ. नुपुर बिडला (एनएपीआई, बीपीएनआई) ने एम.एससी. अंतिम वर्ष की छात्राओं द्वारा डिकोडिंग एचएफएसएस एंड अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड लेबल्स पर आयोजित सत्र का नेतृत्व किया।
- मानसिक स्वास्थ्य पर सत्र (6 मार्च, 2024): डॉ. मानसी शर्मा (हार्वर्ड टीएच चैन स्कूल) ने एम.एससी. की छात्राओं और पी.एचडी. अध्येयताओं (डीसीई) के लिए "असेसिंग ट्रॉमा एंड मेंटल हेल्थ इन ह्यूमैनिटेरियन सेटिंग्स" पर एक सत्र का नेतृत्व किया।
- ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष व्याख्यान (7 मार्च, 2024): "इनोवेशन्स इन रुरल हेल्थकेयर: द डिजीस्वास्थ्य वे" पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें डिजीस्वास्थ्य फाउंडेशन के संस्थापक संदीप कुमार चर्चाकर्ता के रूप में शामिल हुए। उन्होंने ग्रामीण भारत के दूरदराज के इलाकों में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं की भूमिका पर जोर दिया।
- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस व्याख्यान (7 मार्च, 2024): "पिक्सल एंड प्रोनाउन्स: एक्सप्लोरिंग जेंडर डायनामिक्स इन द डिजिटल स्पेस" पर एक सत्र सुश्री ऋद्धि टंडन के साथ आयोजित किया गया।
- डीप फेक से निपटने के लिए तथ्य सत्यापन पर कार्यशाला (19 मार्च, 2024): गूगल न्यूज इनिशिएटिव्ज द्वारा समर्थित, इस कार्यशाला का संचालन डॉ. निमिष कुमार, तथ्य सत्यापन विशेषज्ञ और वैज्ञानिक, विज्ञान प्रसार, डीएसटी, भारत सरकार द्वारा किया गया।
- एनजीओ पंजीकरण और एफसीआरए कानून पर व्याख्यान (21 मार्च, 2024): डॉ. सुब्रमण्यम शिवा (सेवानिवृत्त संयुक्त उप निदेशक, गृह मंत्रालय) ने एनजीओ पंजीकरण और एफसीआरए अनुमोदन पर चर्चा की।
- "कल्टीवेटिंग एक्सलेंस: द आर्ट एंड साइंस ऑफ पर्सनल ट्रांसफॉर्मेशन" (8 अप्रैल, 2024) पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका संचालन एमिटी यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम, हरियाणा की प्रो. संजना विज ने किया।

- डिजिटल सशक्तिकरण: साइबर सुरक्षा, ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी और डिजीलॉकर पर व्याख्यान (12 अप्रैल, 2024): डॉ. रंजीत कुमार, संकाय सदस्य अंबेडकर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और रिसर्च हेड एंड पब्लिक रिलेशन कंसल्टेंट, डीजी डिजिटल द्वारा दिया गया।
- "जलवायु संकट से निपटना: प्रभावी संचार साधनों के माध्यम से कृषि, जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र को एकीकृत करना" पर चर्चा (23 अप्रैल, 2024): यह चर्चा सुश्री पलक खन्ना, रिसर्च एसोसिएट, द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली के साथ आयोजित की गई।
- "कैंपस से करियर तक: सफल करियर यात्रा की तैयारी" पर एक सत्र (3 मई, 2024)। विभाग ने इस कार्यक्रम का आयोजन टैलेंटनॉमिक्स इंडिया के सहयोग से किया।

फील्ड दौरे/ संगठनों/संस्थानों के दौरे

- लाइव इंडिया डेली का दौरा (25 अक्टूबर, 2023): पत्रकारिता के प्रथम वर्ष और एम.एससी. अंतिम वर्ष (डीसीई) की 40 छात्राओं ने न्यूज प्रोडक्शन एंड मीडिया ऑपरेशन्स के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए लाइव इंडिया डेली का दौरा किया।
- क्राफ्ट बाज़ार का दौरा (9 फ़रवरी, 2024): 40 छात्राओं ने त्रिवेणी कला संगम, नई दिल्ली में तिलोनिया बाज़ार, कारीगर मेले का दौरा किया।
- नाज़ फ़ाउंडेशन का दौरा (5 मार्च, 2024): पूर्व स्नातक छात्राओं ने एलजीबीटीक्यू+ अधिकारों का पक्ष समर्थन यौन स्वास्थ्य शिक्षा और एचआईवी/एड्स के बारे में नकारात्मक रवैये में कमी लाने के बारे में जानकारी हासिल की।

छात्राओं ने विभिन्न संगठनों का दौरा किया

- पूर्व स्नातक छात्राओं ने एलजीबीटीक्यू+ अधिकारों का पक्ष समर्थन, यौन स्वास्थ्य शिक्षा और एचआईवी/एड्स के बारे में नकारात्मक रवैये में कमी लाने के बारे में जानकारी प्राप्त की।
- डेवेलपमेंट अल्टरनेटिव्स का दौरा (20 मार्च, 2024): एम.एस.सी. की छात्राओं ने ग्रह, लोगों, समृद्धि, शांति और साझेदारी के लिए जल विषय पर आयोजित ट्रायलॉग 2047 में भाग लिया।
- म्यूज़ियो कैमरा का दौरा (10 अप्रैल, 2024): विजुअल कम्युनिकेशन एंड फोटोग्राफी (एसईसी) और इंट्रोडक्शन टू मीडिया स्टडीज (जीई) की पूर्व स्नातक छात्राओं ने गुड़गांव के म्यूज़ियो कैमरा में फोटोग्राफी और इसके इतिहास को जाना।

विशेष कार्यक्रम/आयोजन/आउटरीच कार्यक्रम

- पीवीआर में विशेष स्क्रीनिंग (16 अगस्त, 2023): विभाग के फिल्म क्लब - प्रतिबिम्ब ने छात्राओं के लिए आर. बाल्की द्वारा निर्देशित फिल्म घूमर के अवलोकन के लिए पीवीआर प्लाजा, कनॉट प्लेस में मूवी डे का आयोजन किया।
- मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता अभियान (11-12 दिसंबर, 2023): विभाग द्वारा सी4एमएच के तहत खेल-आधारित और कहानी सुनाने के तरीकों का उपयोग करते हुए राहत ट्रस्ट (दिल्ली) और रिचमंड फेलोशिप सोसाइटी (दिल्ली) के साथ

मिलकर एनजीओ के क्षेत्रीय पदाधिकारियों के लिए अभियान चलाया गया।

- इवलफेस्ट प्री-कॉन्फ्रेंस (19-20 फरवरी, 2024): इवलफेस्ट 2024 के तहत दो दिवसीय प्री-कॉन्फ्रेंस सैटेलाइट सैशन आयोजित किया गया, जिसका शीर्षक "मूल्यांकन में बदलती परिस्थितियां: उत्तरदायी, अनुकूल और भविष्य की चुनौतियों से निपटने में सक्षम दृष्टिकोण की आवश्यकताएं" था। इन सत्रों में कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वक्ताओं ने भाग लिया।
- इवलफेस्ट 2024 (21-22 फ़रवरी, 2024): स्नातकोत्तर और ऑनर्स तृतीय वर्ष की छात्राओं ने इवैल्यूएशन कम्युनिटी ऑफ़ इंडिया द्वारा इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित इवलफेस्ट 2024 में भाग लिया। उन्होंने निगरानी और मूल्यांकन के उभरते क्षेत्रों को रेखांकित करने वाले कई सत्रों में भाग लिया। छात्राओं ने स्वेच्छा से लॉजिस्टिक्स सहायता भी प्रदान की और इसके लिए इवैल्यूएशन कम्युनिटी ऑफ़ इंडिया द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया।

इवलफेस्ट 2024

- डब्ल्यूएएसएसयूपी अभियान (23 अप्रैल, 2024): पूर्व स्नातक छात्राओं ने महाविद्यालयमें "वेक अप एंड स्टॉप सिंगल-यूज प्लास्टिक" अभियान शुरू किया। इसके तहत जागरूकता बढ़ाने और टिकाऊ विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए 300 प्रतिभागियों को शामिल किया गया।
- फिल्म स्क्रीनिंग: विभाग के फिल्म क्लब- प्रतिबिम्ब ने तुंबड (राही अनिल बर्वे), द सोशल डिलेमा (जेफ ओर्लोव्स्की), घूमर (आर. बाल्की) और डियर जिंदगी (गौरी शिंदे) जैसी फिल्मों की स्क्रीनिंग का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कहानी सुनाने, सामाजिक मुद्दों और सिनेमैटिक तकनीकों पर चर्चा को प्रोत्साहित किया गया।

इंटर्नशिप

विकास संचार एवं विस्तार विभाग एक ऐसे इंटर्नशिप पाठ्यक्रम की पेशकश करता है, जिसमें छात्राओं के लिए संकाय सदस्य और संबंधित संगठन के किसी बाहरी परामर्शदाता की साझा देखरेख में पेशेवर गतिविधियों में भाग लेना आवश्यक होता है। विभाग ग्रीनपीस, ब्रेकथ्रू, फिक्की, यूएनडीपी, यूनिसेफ, वीमेन पावर कनेक्ट, जेडएमक्यू, डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स, पी.एचडी. चैंबर्स ऑफ कॉमर्स, चिराग और नाज फाउंडेशन जैसे संगठनों के साथ सहयोग करता है। इसके अतिरिक्त, विभाग इंटर्नशिप के अवसरों के लिए मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी, अमेरिका और हम्बोल्ट यूनिवर्सिटी के साथ छात्रा विनिमय कार्यक्रम सहित विश्वविद्यालयों, उद्योगों, असीम लाइब्रेरी, राजस्थान में ग्रैविस, कृति फाउंडेशन, फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, द एनर्जी एंड रिसोर्स इंस्टीट्यूट, भूमि और उत्तराखंड में अरबिंदो आश्रम के साथ साझेदारी करता है, जिससे अनुसंधान के अवसर और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलता है।

जुलाई 2023 से जून 2024 तक, छात्राओं ने विकास, मीडिया और कॉर्पोरेट संगठनों सहित विभिन्न क्षेत्रों में ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप की। उल्लेखनीय संस्थानों में एम3एम फाउंडेशन, सेंटर फॉर कम्युनिकेशन एंड चेंज - इंडिया, एमएसएमई, श्री अरबिंदो आश्रम (मधुबन), बिजनेस एंड कम्युनिटी फाउंडेशन और प्रयास जुवेनाइल ऐड सेंटर (जेएसी) सोसाइटी शामिल थे।

संसाधन प्रबंधन और अभिकल्प अनुप्रयोग विभाग

इस विभाग की स्थापना आरंभ में वर्ष 1964 में भारत सरकार के खाद्य एवं कृषि मंत्रालय के अधीन 'ग्रामीण समुदाय विस्तार' के रूप में की गई थी। बाद में वर्ष 1983 में इसका नाम बदलकर 'सामुदायिक संसाधन प्रबंधन एवं विस्तार' और उसके बाद 2007 में पाठ्यक्रम में व्यापक बदलाव के बाद इसका नाम फिर से बदलकर 'संसाधन प्रबंधन और अभिकल्प अनुप्रयोग' कर दिया गया। विभाग प्रमुख रूप से अभिकल्प कार्यों के साथ एकीकृत विभिन्न संसाधनों जैसे मानव, सामग्री और प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करता है। पाठ्यक्रम में मानव कल्याण, स्वास्थ्य, खुशी और टिकाऊ पर्यावरण से संबंधित संपूर्ण विश्लेषण और मूल्यांकन सहित स्थान, उत्पाद और सेवाओं की डिजाइनिंग शामिल हैं। यह पाठ्यक्रम उद्योग विशेष के अनुरूप मुख्य दक्षताओं को प्रोत्साहन देते हुए स्थान और उत्पाद अभिकल्प और पर्यावरण प्रबंधन एवं सतत विकास के क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्रदान करता है। पाठ्यक्रम की पाठ्यचर्या और प्रायोगिक शिक्षा दोनों के माध्यम से छात्राएं प्रासंगिक क्षेत्रों में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि ग्रहण करते हुए मजबूत सैद्धांतिक आधार तैयार करती हैं।

अनुसंधान गतिविधियां

इस विभाग का अनुसंधान उत्पाद अभिकल्प और विकास, स्थान के भीतर मानव की जरूरतों को शामिल करने, पर्यावरणीय संरक्षण और सतत विकास पर केंद्रित है। अनुसंधान के अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आंतरिक वायु गुणवत्ता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, उद्यमिता, एर्गोनॉमिक्स और विशेष जरूरतों के लिए अभिकल्प तैयार करना शामिल हैं। विभाग सहभागितापूर्ण पद्धतियों और अग्रणी अनुसंधान तकनीकों का पता लगाने के लिए समर्पित है।

आरएमडीए विभाग के संकाय सदस्य

संगोष्ठियां/वेबिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण/दौरे

- लेडी इर्विन महाविद्यालय के संसाधन प्रबंधन और अभिकल्प अनुप्रयोग विभाग ने 5-7 जून, 2024 तक स्नातकोत्तर छात्राओं के लिए **गूगल स्केचअप** पर 3 दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की, जिसका संचालन आर्किटेक्ट सुरभि भट्ट ने किया।
- विभाग ने 5 जून, 2024 को उत्साहपूर्वक **विश्व पर्यावरण दिवस** मनाया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संबंधी मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देना था, जिसमें कार्यक्रम के रिसोर्स पर्सन जलवायु अधिवक्ता श्री मोहम्मद शाकिब के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र भी शामिल था।
- लेडी इर्विन महाविद्यालय के संसाधन प्रबंधन और अभिकल्प अनुप्रयोग विभाग ने 27 अप्रैल, 2024 को स्नातकोत्तर छात्राओं के लिए **रिज्यूमे राइटिंग एंड पोर्टफोलियो डिजाइनिंग** पर एक ऑनलाइन सत्र आयोजित किया। इसका संचालन पूर्व छात्रा एवं अल्टस लग्जरी लिविंग की इंटीरियर डिजाइनर सुश्री अनिका पाहवा ने किया।
- **ब्लूमिंग बॉटल्स: रेइमेजिन, रिप्लैंट, रिवाइंड- प्लास्टिक प्लांटर-** विभाग ने इको क्लब और बिसलेरी बॉटल्स फॉर चेंज के साथ मिलकर 22 अप्रैल, 2024 को प्लास्टिक कंटेनर का उपयोग करके प्लांटर्स डिजाइन करने की प्रतियोगिता आयोजित करके पृथ्वी दिवस मनाया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी इर्विन महाविद्यालय के संसाधन प्रबंधन और अभिकल्प अनुप्रयोग विभाग ने **पृथ्वी दिवस** 2024 के अवसर पर छात्राओं के बीच जलवायु परिवर्तन के बारे में जागरूकता बढ़ाने और स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से **"यूनाइटिंग फॉर आउर प्लेनेट्स फ्यूचर"** कार्यक्रम का आयोजन किया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी इर्विन महाविद्यालय के संसाधन प्रबंधन और अभिकल्प अनुप्रयोग विभाग ने मंगलवार, 19 मार्च, 2024 को एटेरो के सहयोग से **ई-अपशिष्ट जागरूकता कार्यक्रम** का आयोजन किया। इस सत्र का उद्देश्य छात्राओं को ई- अपशिष्ट प्रबंधन, निपटान, पर्यावरणीय प्रभावों और उचित हैंडलिंग के बारे में शिक्षित करना था।
- संसाधन प्रबंधन और अभिकल्प अनुप्रयोग विभाग की एम.एससी. की छात्राओं को **15वें वार्षिक गृह समिट** में भाग लेने का विशिष्ट सम्मान मिला। यह कार्यक्रम 23 नवंबर से 24 नवंबर, 2023 तक नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित किया गया। गृह काउंसिल द्वारा आयोजित इस समिट का विषय "स्थायी और सुदृढ़ समुदायों को समर्थ बनाना" था ।
- छात्राओं ने 2 नवंबर 2023 को **गुजरात हस्तकला उत्सव** का दौरा किया। सरकार द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य गुजरात के उद्यमियों के उत्कृष्ट शिल्प कौशल को प्रदर्शित करना और उसका कीर्तिगान करना था।
- संसाधन प्रबंधन और विकास मामलों के विभाग (आरएमडीए) और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय (एनएमएनएच) ने शुक्रवार, 8 मार्च, 2024 को **अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस** के उपलक्ष्य में एक आकर्षक इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया। यह कार्यक्रम "नारी शक्ति" (महिला सशक्तिकरण) और "मिशन लाइफ" (प्रकृति के साथ सामंजस्य में रहना) पर केंद्रित था।
- 30 अक्टूबर 2023 को **सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ)** पर एक सत्र आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 50 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें संकाय सदस्य और छात्राएं शामिल थीं। रिसोर्स पर्सन, डॉ. तेजस्विनी, सहायक प्रोफेसर, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय ने सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन पर बहुत ही सूचनाप्रद और इंटरैक्टिव व्याख्यान दिया।
- संसाधन प्रबंधन और अभिकल्प अनुप्रयोग विभाग ने 18 अक्टूबर, 2023 को **विश्व ई-अपशिष्ट दिवस**

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नारी शक्ति एवं मिशन लाइफ-सत्र

के अवसर पर "रीसाइकिल रियल्म्स" कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में पोएट्री पालूज़ा, रील मेनिया और ब्रेन ब्रॉल सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

- लेडी इर्विन महाविद्यालय की 90वीं वर्षगांठ और दिल्ली विश्वविद्यालय की 100वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 3 नवंबर, 2023 को अपराह्न 12:40 बजे **वृक्षारोपण अभियान** का आयोजन किया गया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी इर्विन महाविद्यालय के आरएमडीए विभाग द्वारा मंगलवार, 19 अक्टूबर, 2023 को **वित्तीय नियोजन और निवेश के अवसरों पर एक कार्यशाला** आयोजित की गई। इस सत्र का संचालन एनएसईएम और सेबी के पैनलबद्ध संकाय रिसोर्स पर्सन डॉ. मुकेश जैन ने किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्राओं को बचत की मूलभूत समझ और जीवन के लक्ष्य हासिल करने में वित्तीय नियोजन के महत्व को समझाना था।
- रीसाइक्लिंग और इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट के अभिनव पुन: उपयोग के बारे में छात्राओं की जागरूकता बढ़ाने के लिए 20 फरवरी, 2024 को प्रोस्पेक्टिंग ई-वेस्ट फॉर सस्टेनेबिलिटी (एसईसी) की छात्राओं के लिए **वेस्ट टू वंडर पार्क का दौरा** आयोजित किया गया।

लेडी इर्विन महाविद्यालय की 90वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण अभियान

- दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी इर्विन महाविद्यालय के संसाधन प्रबंधन और अभिकल्प अनुप्रयोग विभाग ने 13 फरवरी, 2024 को, **गंगा नदी चरण-II के हितधारकों के लिए एक मिश्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम** का आयोजन किया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी इर्विन महाविद्यालय के संसाधन प्रबंधन और अभिकल्प अनुप्रयोग विभाग द्वारा **तनाव प्रबंधन** के विषय पर एक कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस सत्र का संचालन प्रमाणित लाइफ कोच, हीलर, चिकित्सक और परामर्शदाता सुश्री दीशी जैन द्वारा किया गया।
- 17 अक्टूबर 2023 को **वायु प्रदूषण के बारे में जागरूकता फैलाने का कार्यक्रम** आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य वायु प्रदूषण के कारणों, प्रभावों और संभावित समाधानों के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान कर हमारे महाविद्यालय समुदाय को शिक्षित, सहभागी और सशक्त बनाना था।
- संसाधन प्रबंधन और अभिकल्प अनुप्रयोग विभाग द्वारा विश्व निवेशक सप्ताह के अवसर पर 13 अक्टूबर 2023 को **'धन सृजन के माध्यम से वित्तीय सशक्तिकरण'** पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यक्रम एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स ऑफ इंडिया (एएमएफआई) के सहयोग से आयोजित किया गया।
- अभिकल्प नवाचार केंद्र (डीआईसी) के सहयोग से 12 फरवरी, 2024 को **अपशिष्ट के उपयोग से लैंडस्केपिंग करने पर कार्यशाला: कोको प्लांटर्स** का आयोजन किया गया। अभिकल्प की अंतिम वर्ष की छात्राओं ने प्रशिक्षक के रूप में एम.एससी. प्रथम वर्ष की छात्राओं को नारियल के खोल से प्लांटर्स बनाने के बारे में मार्गदर्शन दिया।
- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफएंडसीसी) ने 16 सितंबर, 2023 को **29वां विश्व ओजोन दिवस** मनाया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति विशेष रूप से मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल और जलवायु परिवर्तन से निपटने के व्यापक प्रयासों के संदर्भ में भारत की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करना था।

विभाग के कार्यक्रम

- एम.एससी. प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए 5 अक्टूबर, 2023 को **ओरिएंटेशन कार्यक्रम** आयोजित किया गया। इस पहल ने छात्राओं के लिए सहायक वातावरण को बढ़ावा देते हुए और विश्वविद्यालय में उनका सहज संक्रमण सुनिश्चित करते हुए विभाग के पाठ्यक्रम, संकाय सदस्यों और शोध के अवसरों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।
- संसाधन प्रबंधन और अभिकल्प अनुप्रयोग विभाग ने 5 अक्टूबर 2023 को अपना **59वां स्थापना दिवस** मनाया। इस कार्यक्रम में विभाग के पूर्व संकाय सदस्यों ने भाग लिया, जिन्होंने विभाग से जुड़ी अपनी यादें और अनुभव साझा किए।

29th World Ozone Day Event

- दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी इर्विन महाविद्यालय के संसाधन प्रबंधन और अभिकल्प अनुप्रयोग विभाग द्वारा 5-13 मार्च, 2024 तक **नवाचार श्रृंखला**, 2024 का आयोजन किया गया जिसमें निम्नलिखित गतिविधियां शामिल रहीं :

- "कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अभिकल्प में इसके अनुप्रयोग" पर इंटरैक्टिव सत्र
- पत्ती प्लेट बनाने पर कार्यशाला
- अपशिष्ट पदार्थों से उत्पाद विकास पर कार्यशाला
- खाद बनाने पर कार्यशाला
- आरएमडीए की छात्राओं द्वारा तैयार उत्पादों की बिक्री

छात्रएं पुराने कार्डबोर्ड और अंडे के क्रेट का उपयोग करते हुए सक्रिय रूप से फूलदान बनाने में संलग्न हैं

- **सतत विकास सप्ताह-** आरएमडीए विभाग ने प्रेम जैन मेमोरियल ट्रस्ट के साथ मिलकर 23 जनवरी से 29 जनवरी 2024 तक हरित प्रेम भारत महोत्सव का आयोजन किया। पूर्व स्नातक और स्नातकोत्तर छात्राओं ने रीसाइकिल्ड मास्क डिजाइन, ग्रीन फोटोग्राफी, रील ऑन सस्टेनेबिलिटी और वर्चुअल रन जैसे कार्यक्रमों में भाग लिया।

- सतत विकास पर **17वीं वार्षिक संगोष्ठी** दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी इर्विन महाविद्यालय के संसाधन प्रबंधन और अभिकल्प अनुप्रयोग विभाग द्वारा मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ प्लानिंग, डिजाइन एंड कंस्ट्रक्शन के सहयोग और एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड और प्रेम जैन मेमोरियल ट्रस्ट की सहायता से 25 जून 2024 को आयोजित की गई। इस वर्ष कार्यक्रम का विषय नवीकरणीय ऊर्जा: हितधारकों की सहभागिता और नीतिगत परिप्रेक्ष्य था।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी इर्विन महाविद्यालय के आरएमडीए विभाग द्वारा स्थान एवं उत्पाद अभिकल्प विशेषज्ञता विभाग के **कार्यबल की 16वीं वार्षिक बैठक** 28 जून, 2024 को वर्चुअल प्लेटफॉर्म (गूगल मीट) पर आयोजित की गई।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी इर्विन महाविद्यालय के संसाधन प्रबंधन और अभिकल्प अनुप्रयोग विभाग (पर्यावरण प्रबंधन एवं सतत विकास विशेषज्ञता) के **कार्यबल की 17वीं वार्षिक बैठक** 20 मार्च 2024 को आयोजित की गई। कार्यबल की अध्यक्षता प्रो. मैट स्याल (प्रोफेसर, निर्माण प्रबंधन, सहायक प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ सिविल एंड एनवायरमेंटल इंजीनियरिंग, स्कूल ऑफ प्लानिंग डिजाइन एंड कंस्ट्रक्शन, मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी, अमेरिका) ने की और इसमें सरकार और उद्योग के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ शामिल थे।
- विभाग के संकाय (पर्यावरण प्रबंधन और सतत विकास विशेषज्ञता) ने कागज रीसाइक्लिंग पर एक परियोजना शुरू की है और महाविद्यालय के रद्दी कागज के प्रबंधन के लिए “जागृति – पेपर वेस्ट रीसाइक्लिंग सर्विसेज” के साथ समझौता किया है।
- विभाग के संकाय (पर्यावरण प्रबंधन और सतत विकास विशेषज्ञता) ने अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एयरो-बिन परियोजना शुरू की है और इसके लिए भारतीय प्रदूषण नियंत्रण संघ (आईपीसीए) के साथ समझौता किया है। महाविद्यालय के समस्त बायोडिग्रेडेबल अपशिष्ट को जैविक खाद में बदलने के लिए एयरो-बिन में डाला जाता है, जिसका उपयोग महाविद्यालय की प्राकृतिक छटा को बनाए रखने में किया जाता है।
- लेडी इर्विन महाविद्यालय ने 5 नवंबर, 2023 को **दिवाली मेला** आयोजित किया। इस कार्यक्रम का आयोजन हमारे आरएमडीए विभाग द्वारा किया गया और यह हमारे शैक्षणिक समुदाय की एक स्थापित वार्षिक परंपरा है। पूर्व स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों की छात्राओं ने इस उत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लिया, क्योंकि यह उनके पाठ्यक्रम का एक अभिन्न अंग है।

इंटर्नशिप

स्नातकोत्तर छात्राओं ने जून-अगस्त 2024 के दौरान उत्पाद विकास, क्षमता निर्माण और सतत पर्यावरण से संबंधित विभिन्न संगठनों में अपनी ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप की। छात्राएं जिन संगठनों से संबद्ध रहीं, उनमें से कुछ इस प्रकार हैं:

- एम3एम फाउंडेशन
- डिवाइन इनोवेशन
- स्वान लाइवलीहुड
- स्किल काउंसिल फॉर ग्रीन जॉब्स
- लैन इवेंट्स और कंसल्टेंट्स
- आईक्यूटी कंसल्टिंग एसपीए
- ऊर्जा दक्षता ब्यूरो
- स्वान लाइवलीहुड
- द एनर्जी एंड रिसोर्स इंस्टीट्यूट
- एवीपी डिजाइन स्टूडियो

विज्ञान विभाग

लेडी इर्विन महाविद्यालय के विज्ञान विभाग की बुनियाद और उत्पत्ति वर्ष 1950 में स्थापित बी.एससी. गृह विज्ञान डिग्री कार्यक्रम में निहित है। वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, उद्यानकृषि, भौतिकी और जंतुविज्ञान जैसे विविध विषयों का प्रतिनिधित्व करने वाले योग्य संकाय सदस्यों के साथ, यह विभाग गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए अंतःविषय दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है। यह पूर्व स्नातक छात्राओं में तर्कसंगत सोच, वैज्ञानिक अन्वेषण, निर्णय लेने के कौशल और समग्र कौशल विकास उन्नत बनाने की दिशा में समर्पित है। सैद्धांतिक ज्ञान और प्रयोगात्मक शिक्षा दोनों पर संतुलित ध्यान के माध्यम से पाठ्यक्रम छात्राओं को प्राकृतिक विज्ञानों की गहरी समझ से सेसुसज्जित करता है। ऐसा व्यावहारिक प्रयोगों और फील्ड दौरों के माध्यम से प्राप्त किया जाता है, जिससे छात्राओं को वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, भौतिकी और जंतुविज्ञान के क्षेत्रों में अनुभव और अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में सक्षम बनाया जाता है।

हमारी छात्राएं विभिन्न शैक्षिक पृष्ठभूमि से आती हैं, उनमें से अनेक के पास विज्ञान में पर्याप्त प्रारंभिक प्रशिक्षण नहीं होता। यह पाठ्यक्रम सभी को समान अवसर प्रदान कराने की दृष्टि से तैयार किया गया है, ताकि उनकी स्नातक की पढ़ाई पूरी होने तक उनका अपने व्यावसायिक करियर के लिए पूरी तरह तैयार होना सुनिश्चित हो सके।

विज्ञान पाठ्यक्रम छात्राओं को स्नातकोत्तर और पीएचडी स्तर की आगे की पढ़ाई के लिए भी तैयार करते हुए शोध कौशल के विकास पर भी ज़ोर देता है। हमारी कई स्नातक छात्राएं, पूर्व स्नातक कार्यक्रम पूरा करने के बाद बी.एड. या बी.एड. स्पेशल एजुकेशन की पढ़ाई करती हैं। विज्ञान का मजबूत आधार होने के कारण, छात्राएं शिक्षा स्नातक की डिग्री हासिल करने के बाद स्कूली छात्राओं को कुशलतापूर्वक विज्ञान पढ़ाने में सक्षम हो पाती हैं। विज्ञान पाठ्यक्रम छात्राओं को अपने व्यावसायिक जीवन में अग्रणी बनने का कौशल प्रदान करते हैं और उनकी क्षमता का भी निर्माण करते हैं।

Row 1 (L-R) : Dr. Rajneesh Dwevedi , Dr. Vijay Kumar, Dr. Aditya Narayan Upadhyay
Row 2 (L-R) : Dr. Okram Zenita Devi, Dr. Vandana Maurya, Dr. Nancy Raina, Prof. Archna Kumar , Prof. Rupa Upadhyay, Dr. Pallee Shree, Dr. Swati Raman

विज्ञान विभाग के संकाय सदस्य

विज्ञान विभाग छात्राओं को प्राकृतिक संसाधनों के महत्व और संरक्षण के लिए प्रोत्साहित करते हुए विश्लेषणात्मक सोच, अवलोकन संबंधी कौशल और तर्कसंगत दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है। हम कृषि समाज, पर्यावरण के अनुकूल खेती के तरीकों और जैविक भोजन के प्रति संवेदनशीलता को भी बढ़ावा देते हैं। इसमें सहायता के लिए, यह विभाग व्याख्यान, वाद-विवाद, वेबिनार, नारा लेखन, फोटोग्राफी प्रतियोगिता, वृक्षारोपण अभियान, पर्यावरण संरक्षण प्रयास, फील्ड दौरे, इको क्लब की गतिविधियां और प्रश्नोत्तरी जैसी विभिन्न शैक्षणिक और पाठ्येतर गतिविधियां आयोजित करता है, जिनका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण की मजबूत भावना को बढ़ावा देना है।

अनुसंधान गतिविधियां

विज्ञान विभाग छात्राओं और समग्र रूप से शिक्षा जगत के लाभ के लिए अनुसंधान-आधारित गतिविधियों के संचालन के लिए प्रतिबद्ध है। इन गतिविधियों में भौतिकी, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान और पर्यावरण विज्ञान जैसे प्रमुख विषयों के विभिन्न आयामों को शामिल करते हुए अंतरविषयक अनुसंधान शामिल हैं। संकाय सदस्यों ने डीबीटी स्टार कार्यक्रम के अंतर्गत अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों जैसे शहद के भौतिक रासायनिक गुणों, विटामिन सी के विश्लेषण, मशरूम की खेती आदि के अध्ययन पर काम कर रही छात्राओं का मार्गदर्शन किया है। अनुसंधान के अन्य क्षेत्रों में खाद्य ट्रेसिबिलिटी और पर्यावरण विष विज्ञान, औषधीय पौधों में जैव सक्रिय घटकों और कीटनाशक अवशेषों का विश्लेषण, अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरण संबंधी नीतिगत विश्लेषण, जलवायु परिवर्तन के संबंध में जल पक्षी समुदायों की जनसंख्या गतिशीलता, टिकाऊ खाद्य उत्पादन के लिए कृषि योग्य मिट्टी में मैक्रोफौना विविधता, खाद्य सुरक्षा के लिए शहरी कृषि पद्धतियां और कृषि पद्धतियों पर प्रदूषित यमुना जल का प्रभाव शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, संकाय ने विभिन्न वायरसों को लक्षित करने वाले दवा अणुओं की आणविक डॉकिंग और एमडी सिमुलेशन, जीवित कोशिकाओं में प्रतिदीप्ति जांच पर ध्यान केंद्रित करते हुए सुपरमॉलेक्यूलर समन्वय रसायन विज्ञान और जैव अकार्बनिक रसायन विज्ञान, ऊर्जा संचयन के लिए 2D सामग्री, थर्मोइलेक्ट्रिक सामग्री पर अनुसंधान में योगदान दिया है। विभाग छात्राओं को अकादमिक पत्रिकाओं में शोध पत्र लिखने और प्रकाशित करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए वैज्ञानिक लेखन के महत्व पर भी ज़ोर देता है।

सम्मेलन/ संगोष्ठियां/ कार्यशालाएं/ व्याख्यान/ वेबिनार

लक्ष्मी बाई महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की छात्राओं के लिए **6 मई, 2024** को **"वनस्पति विज्ञान में कौशल बढ़ाना"** पर कार्यशाला आयोजित की गई थी। इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्राओं को अनुप्रयुक्त वनस्पति विज्ञान के विभिन्न पहलुओं में प्रयोगात्मक अनुभव प्रदान करना था, ताकि वे इस क्षेत्र में अपने कौशल को विकसित और मजबूत कर सकें।

छात्राओं को सस्टेनेबिलिटी के महत्व के बारे में शिक्षित करने के लिए **7 मई, 2024** को **प्लास्टिक वेस्ट एंड सर्कुलर इकॉनमी** पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया। इस सत्र में प्लास्टिक अपशिष्ट को कम करने और रोजमर्रा की जिंदगी में अधिक टिकाऊ प्रथाओं को प्रोत्साहित करने के लिए सर्कुलर इकॉनमी की प्रथाओं को अपनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

वनस्पति विज्ञान में कौशल बढ़ाने पर कार्यशाला और प्लास्टिक वेस्ट एंड सर्कुलर इकॉनमी पर विशेषज्ञ व्याख्यान

विभाग के कार्यक्रम

विज्ञान और पर्यावरण पर कलाम श्रृंखला 2023

विज्ञान विभाग ने युवाओं में वैज्ञानिक और पर्यावरणीय प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के लिए डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की स्मृति में एक वार्षिक कार्यक्रम की शुरुआत की। विभाग ने **3 अप्रैल, 2024** को **"जलवायु परिवर्तन के लिए निर्वधता कोई रामबाण ईलाज नहीं है"** विषय पर छठी वार्षिक वाद-विवाद प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के विद्यार्थियों (स्नातक और स्नातकोत्तर) ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो.राकेश कुमार उपाध्याय, निदेशक, हिंदी पत्रकारिता, आईआईएमसी, नई दिल्ली ने विषय पर अपने विचार साझा करके इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

विशिष्ट मुख्य अतिथि **प्रो. राकेश कुमार उपाध्याय** द्वारा **साइंस जर्नल क्लब** का शुभारंभ भी इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण था। हमारी पूर्व निदेशक **प्रो. अनूपा सिद्धू** ने इस पहल की परिकल्पना छात्राओं के मन में वैज्ञानिक सोच बैठाने के उद्देश्य से की थी। आज, साइंस जर्नल क्लब की छात्राएं विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों का सक्रिय रूप से आयोजन करके इस दृष्टिकोण को बनाए रखे हुए हैं।

वृक्षारोपण अभियान 2023-2024

विज्ञान विभाग ने पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए कई वृक्षारोपण अभियान सफलतापूर्वक आयोजित किए। ये वृक्षारोपण **17 अगस्त , 2023; 25 अगस्त, 2023** और **5 जून, 2024** को आयोजित किए गए।

हिंदी पखवाड़ा 2023

पारिस्थितिकी और विज्ञान पर प्रश्नोत्तरी: हिंदी दिवस 2023 मनाने के लिए **2 सितंबर, 2023** को गैर-शिक्षण कर्मचारियों और छात्राओं के लिए **"दैनिक जीवन और विज्ञान"** विषय पर पारिस्थितिकी और विज्ञान पर एक प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई थी। इस आयोजन का उद्देश्य हिंदी में बुनियादी विज्ञान ज्ञान को बढ़ाना और बढ़ावा देना था।

वन्यजीव सप्ताह 2023-2024

वन्यजीव सप्ताह के अवसर पर आमंत्रित **डॉ. शिवांगी मिश्रा** ने **9 अक्टूबर, 2023** को, **"प्रकृति संरक्षण अंतर्विषयक है"** विषय पर व्याख्यान दिया। इस व्याख्यान में संरक्षण की चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अध्ययन के विभिन्न क्षेत्रों को एकीकृत करने के महत्व पर प्रकाश डाला गया। छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण के परस्पर संबंधों की गहरी समझ हासिल की।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह

विज्ञान विभाग ने **28 फरवरी, 2024** को बड़े उत्साह के साथ राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। इसके तहत **डॉ. रोहित कुमार** द्वारा **"स्वास्थ्य, पर्यावरण और मानव विकास में नवीनतम तकनीकें और नवाचार"** विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

विज्ञान और पर्यावरण पर कलाम श्रृंखला 2023 और हिंदी पखवाड़ा 2023

66वीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी, दिल्ली विश्वविद्यालय: 2024

विभाग ने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा **1 मार्च, 2024** को आयोजित 66वीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में महाविद्यालय की भागीदारी को सुगम बनाया।

बैसाखी पर कार्यक्रम

विज्ञान विभाग द्वारा **15 अप्रैल, 2024** को बैसाखी का वार्षिक उत्सव मनाया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस

विज्ञान विभाग द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून, 2024 को **"आवर लैंड। आवर फ्यूचर। वी आर जेनरेशन रिस्टोरेशन"** थीम के साथ वृक्षारोपण अभियान के आयोजन के साथ मनाया गया।

बैसाखी, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस और वन्यजीव सप्ताह समारोह

विभाग की अन्य गतिविधियां

- **खाद बनाने की विधि का प्रशिक्षण:** विभाग खाद बनाने के प्रशिक्षण के माध्यम से जैविक अपशिष्ट के स्थायी प्रबंधन को बढ़ावा देता है। छात्राओं को महाविद्यालय में खाद बनाने के कम्पोस्टिंग पिट के रखरखाव में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित और प्रशिक्षित किया जाता है।
- **परिसर पर जैविक खेती:** विभाग टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने और छात्राओं को व्यावहारिक शिक्षण के अवसर प्रदान करने के लिए परिसर पर जैविक खेती का अभ्यास करता है।
- **पत्तियों की खाद का वितरण:** जैविक खेती और कुशल अपशिष्ट प्रबंधन में सहायता देने के लिए विभाग ने पत्ती खाद वितरण पहल का आयोजन किया, जिसके तहत मृदा के स्वास्थ्य को बढ़ाने और पर्यावरण के अनुकूल कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए परिसर में तैयार खाद उपलब्ध कराई गई।

लेडी इर्विन महाविद्यालय का पोषण उद्यान

महाविद्यालय विविधतापूर्ण वनस्पतियों से समृद्ध है और यहां **पोषण उद्यान** भी है। छात्राओं को पौधों का महत्व सिखाया जाता है और उन्हें इसके संचरण में शामिल किया जाता है।

फल और सब्जियां महाविद्यालय की समृद्ध विविधता का बहुत महत्वपूर्ण भाग हैं। सब्जी की फसलों में विविधता लाने के लिए महाविद्यालय के खेतों में नियमित आधार पर नई फसलें पेश की जाती हैं। पोषण उद्यान और हर्बल उद्यान के पीछे मूलभूत

सिद्धांत प्राकृतिक विज्ञान में कक्षा शिक्षण को पूरक बनाना और छात्राओं को दीर्घकालिक कृषि के प्रति संवेदनशील बनाना और जैविक खेती को बढ़ावा देना और स्वस्थ जीवन शैली को अपनाना है।

सस्टेनेबिलिटी की अहमियत को बढ़ावा देने के लिए **19 मार्च, 2024** को स्टेशनरी, आभूषण, कपड़े, सजावटी वस्तुओं के वहनीय आदान-प्रदान पर केंद्रित एक **स्वैप शॉप** आयोजित की गई।

फील्ड दौरे

पर्यावरण विज्ञान और विज्ञान एवं समाज का अध्ययन करने वाली छात्राओं के लिए विभिन्न शैक्षिक दौरे आयोजित किए गए।

- छात्राओं ने जैव विविधता के अध्ययन के लिए **13 मार्च से 15 मार्च, 2024** तक अरावली जैव विविधता पार्क का दौरा किया। इसका उद्देश्य ज्ञान बढ़ाना था।
- **26 अप्रैल, 2024** को **"विकसित भारत @2047: विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका"** पर एक विशेष व्याख्यान के लिए ईएन का दौरा आयोजित किया गया।

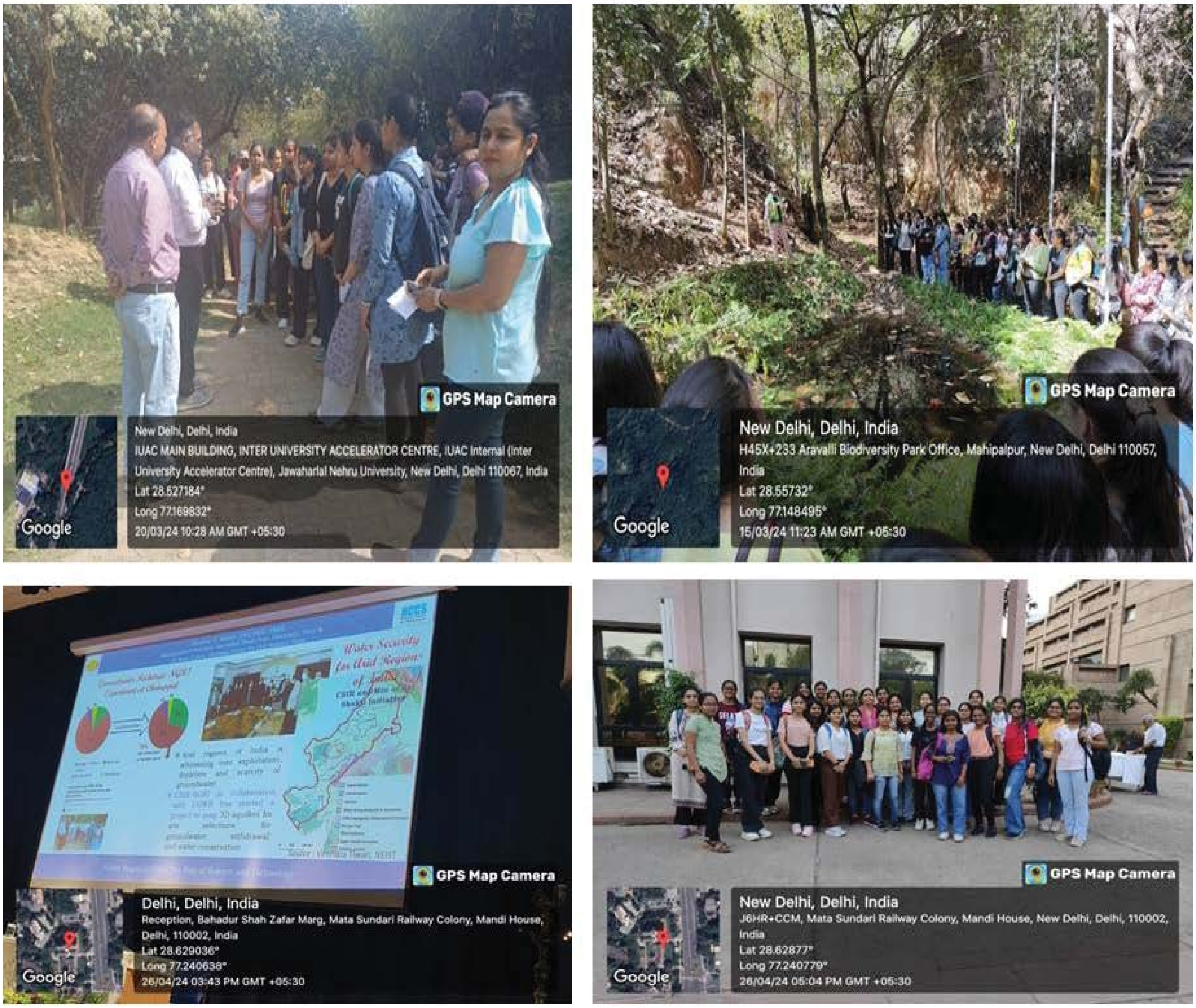

अरावली जैव विविधता पार्क और आईएनएसए का फील्ड दौरा

लेडी इरविन कॉलेज
Lady Irwin College
यह देश का पहला गृह विज्ञान विश्वविद्यालय है। इसकी स्थापना लेडी डोरोथी इरविन, बडौदा की महारानी, भोपाल की बेगम साहिबा, सरोजिनी नायडू तथा बलरामपुर के महाराजा पटेशरी प्रसाद के संरक्षण में हुई। नवम्बर १६३२ ई० में अखिल भारतीय महिला शिक्षा निधि संघ की अध्यक्ष लेडी विलिंग्टन ने इस कॉलेज का उदघाटन किया। इसका डिजाइन वाल्टेर जॉर्ज ने बनाया था। भवन का निर्माण कार्य १६३५ ई० में पूरा हुआ। १६५० ई० में इसका दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध किया गया था।
This is the first Home Science College in the country, established under the patronage of Vicereine Lady Dorothy Irwin, the Maharani of Baroda, the Begum Saheba of Bhopal, Sarojini Naidu, Maharaja Pateshri Prasad of Balrampur. In November 1932, Lady Willingdon, President of the All India Women's Education Fund Association (AIWEFA) inaugurated the college. Designed by Walter George, the construction was completed in 1935. In 1950, the college was affiliated to the University of Delhi.
INTACH
Delhi Chapter
NDMC
Delhi Tourism

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का कार्यान्वयन

रूपरेखा

लेडी इर्विन महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) विभाग की स्थापना जून 2022 में एनईपी- स्नातक पाठ्यक्रम की रूपरेखा (यूजीसीएफ) को लागू करने के लिए की गई थी, जो नि:सरण या एक्ज़िट के विविध विकल्पों सहित एक लचीला चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम है। एनईपी समिति प्रभावी कार्यान्वयन के लिए पाठ्यक्रम चयन, छात्राओं की काउंसलिंग, प्रदायगी और मूल्यांकन का निरीक्षण करती है।

एनईपी समिति

एनईपी पाठ्यक्रमों की संरचना में शामिल हैं

- मूल पाठ्यक्रम (4 विश्वासमानांक या क्रेडिट) : नि:सरण या एक्ज़िट के बहु विकल्पों सहित अनिवार्य अनुशासन-विशिष्ट पाठ्यक्रम ।
- अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक (डी एस ई) (4 विश्वासमानांक या क्रेडिट) : किसी छात्राएं के अनुशासन के अंतर्गत वैकल्पिक पाठ्यक्रम।
- क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी) (2 विश्वासमानांक या क्रेडिट) : पर्यावरण विज्ञान और संधारणीय विकास और भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में सूचीबद्ध भाषा पाठ्यक्रम
- कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) (2 विश्वासमानांक या क्रेडिट) : सभी अनुशासनों में कौशल-आधारित पाठ्यक्रम
- मूल्य योजन पाठ्यक्रम (वीएसी) (2 विश्वासमानांक या क्रेडिट) नैतिक मूल्यों, संस्कृति, भारतीय ज्ञान प्रणालियों, सॉफ्ट स्किल, सर्वांगीण विकास के लिए खेल पर पाठ्यक्रम
- सामान्य ऐच्छिक (जीई) (4 विश्वासमानांक या क्रेडिट) : विद्यार्थियों के मूल अनुशासन के अतिरिक्त प्रस्तुत किए गए बहु-विषयक पाठ्यक्रम ।
- आईएपीसी: इंटर्नशिप/ अप्रेंटिसशिप/ प्रोजेक्ट्स/ और कम्युनिटी आउटरीच- सेमेस्टर 3 से एसईसी पाठ्यक्रमों के बजाय इन्हें चुनने का विकल्प होगा।

विद्यार्थियों की प्राथमिकताओं के आधार पर पढ़ाई पूरी करने की सुविधा प्रदान करने के लिए स्नातक कार्यक्रम के विभिन्न चरणों में बहु निकास (मल्टीपल एक्ज़िट)करने और पुनः प्रवेश करने का प्रावधान किया गया है।

क्र. सं	उपाधि के प्रकार	नि:सरण या एक्ज़िट की स्थिति	उपाधि हेतु आवश्यक विश्वासमानांक या क्रेडिट
1	स्नातक प्रमाणपत्र अध्ययन/ अनुशासन के क्षेत्र में	सेमेस्टर **II** की सफल सम्पूर्ति के पश्चात	44
2	स्नातक डिप्लोमा अध्ययन/अनुशासन के क्षेत्र में	सेमेस्टर **IV** की सफल सम्पूर्ति के पश्चात	88
3	स्नातक (अध्ययन क्षेत्र) (ऑनर्स) अनुशासन (एकल मूल अनुशासन पाठ्यक्रम के लिए)	सेमेस्टर **VI** की सफल सम्पूर्ति के पश्चात	132
4	स्नातक (अध्ययन के बहुअनुशासन पाठ्यक्रमों का क्षेत्र) (अध्ययन के विविध मूल अनुशासन पाठ्यक्रमों के लिए)	सेमेस्टर **VI** की सफल सम्पूर्ति के पश्चात	132
5	स्नातक (अध्ययन/अनुशासन का क्षेत्र) (अनुसंधान/ शैक्षणिक परियोजनाओं/उद्यमिता के साथ ऑनर्स) अनुशासन (एकल मूल अनुशासन पाठ्यक्रम के लिए)	सेमेस्टर **VIII** की सफल सम्पूर्ति के पश्चात	176
6	स्नातक (विविध अनुशासिक पाठ्यक्रम क्षेत्र के लिए) (ऑनर्स)	सेमेस्टर **VIII** की सफल सम्पूर्ति के पश्चात	176

स्रोत : https://www.du.ac.in/uploads/UGCF2022.pdf

एनईपी समिति

प्रभारी
प्रो. (डॉ.) अर्चना कुमार

एसईसी नोडल अधिकारी
डॉ. मयंका गुप्ता

एईसी नोडल अधिकारी
डॉ. रजनीश द्विवेदी

वीएसी नोडल अधिकारी
डॉ. रुचि गौड़

जीई नोडल अधिकारी
डॉ. मनप्रीत चहल

आईएपीसी समन्वयक
प्रो. पुलकित माथुर

विश्वासमानांक या क्रेडिट को अर्जित करने और शैक्षणिक कोश या एकेडेमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) में उन्हें संचित करने तथा उपयुक्त प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/ डिग्री के लिए अपेक्षित विश्वासमानांक या क्रेडिट को भुनाने का लचीलापन यूजीसी और विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार होगा। विद्यार्थी को प्रति सेमेस्टर कम से कम 18 विश्वासमानांक (क्रेडिट) और अधिकतम 26 विश्वासमानांक या क्रेडिट अर्जित करने होंगे।

हालांकि, विद्यार्थियों को प्रति सेमेस्टर 22 क्रेडिट अर्जित करने की सलाह दी जाती है। स्नातक प्रमाणपत्र, डिप्लोमा या स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के लिए विश्वासमानांक या क्रेडिट की अनिवार्य संख्या प्राप्त करनी होती है।

एनईपी विभाग समिति के सदस्यों के साथ आवश्यकतानुसार मिलकर काम करता है। जिनमें विकल्प समिति के संयोजक, स्नातक प्रवेश समिति के संयोजक, स्नातकोत्तर विभागों के प्रभारी शिक्षक और विशिष्ट संकाय सदस्य शामिल होते हैं।

क्लस्टर समन्वय

एनईपी पाठ्यक्रमों के कार्यान्वयन को सुगम बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने महाविद्यालयों के क्लस्टर बनाए हैं। लेडी इर्विन महाविद्यालय केंद्रीय क्लस्टर से संबंधित है जिसमें निम्नलिखित महाविद्यालय शामिल हैं

- जानकी देवी महाविद्यालय - नोडल महाविद्यालय
- माता सुंदरी महाविद्यालय
- जाकिर हुसैन महाविद्यालय (एम) + (ई)
- दयाल सिंह महाविद्यालय
- गुरु नानक देव खालसा महाविद्यालय
- कालिंदी महाविद्यालय
- लेडी इर्विन महाविद्यालय

स्टाफ काउंसिल के दौरान एनईपी पाठ्यक्रम उन्मुखीकरण

प्रभारी शिक्षक- एनईपी क्लस्टर समन्वय समिति की सदस्य हैं। यह समिति अंतर-महाविद्यालय स्तर पर समन्वय का निरीक्षण करती है और महाविद्यालय स्तर पर एनईपी पाठ्यक्रमों की प्रगति के बारे में रिपोर्ट करती है। नियमित क्लस्टर बैठकों में कार्यान्वयन पर चर्चा की गई, नीतिगत सिफारिशें प्रदान की गईं और विश्वविद्यालय प्रस्तुतीकरण के लिए डेटा साझा करने में सुविधा प्रदान की गई।

एनईपी समिति समन्वय और रिकॉर्ड कीपिंग:

एनईपी समिति ने पाठ्यक्रम चयन, पाठ्यक्रम प्रदायगी, संकाय प्रशिक्षण, विद्यार्थी नामांकन और मूल्यांकन सहित मुद्दों की एक व्यापक श्रृंखला को हल करते हुए नियमित बैठकें आयोजित कीं।

- प्रभारी शिक्षकों तथा विकल्प और परामर्श समिति के सदस्यों से प्राप्त इनपुट के आधार पर दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत सूची से एसईसी, वीएसी और जीई पाठ्यक्रमों के एक उप-समूह का चयन किया गया।
- व्यावहारिक कक्षाओं के निरंतर मूल्यांकन के बारे में संबंधित शिक्षकों के साथ प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए और रिकॉर्ड रखने की मजबूत पद्धतियां विकसित की गईं।
- विश्वविद्यालय से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार, एसईसी, वीएसी और एईसी पाठ्यक्रमों की व्यवस्था समय सारिणी समिति द्वारा कार्यान्वयन सहित सभी क्लस्टर महाविद्यालयों के अनुरूप की गई।

आईएपीसी और सेमेस्टर VII और VIII का पाठ्यक्रम

दिल्ली विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार, 2024-25 शैक्षणिक सत्र में सेमेस्टर V की छात्राओं के लिए आईएपीसी पाठ्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन और मूल्यांकन की देखरेख के लिए इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप, प्रोजेक्ट एंड कम्युनिटी आउटरीच (आईएपीसी) समिति गठित की गई थी। यह समिति उद्योग और सामुदायिक साझेदारों के साथ समन्वय और पाठ्यक्रम में अनुभवात्मक शिक्षा को निर्बाध रूप से सम्मिलित किया जाना सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी है। इसके अतिरिक्त, सेमेस्टर VII और VIII के लिए पाठ्यक्रम 2025 में लागू करने के लिए संकाय द्वारा विकसित किया गया था।

छात्राओं की विद्वता के मूल्यांकन पर कार्यशाला: प्रभावी प्रश्न पत्र तैयार करना

लेडी इर्विन महाविद्यालय के संकाय सदस्यों के लिए आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के तत्वावधान में 17 फरवरी 2025 को कार्यशाला का आयोजन किया गया।

मुख्य भाषण दिल्ली विश्वविद्यालय की अकादमिक डीन प्रो. के. रत्नबली ने दिया

दिल्ली विश्वविद्यालय की अकादमिक डीन प्रो. के. रत्नबली ने संरचित मूल्यांकन के महत्व पर बल देते हुए मुख्य भाषण दिया। एमवी कॉलेज ऑफ एजुकेशन की प्रो. ज्योति कोहली ने ब्लूम के वर्गीकरण और प्रभावी प्रश्न पत्र डिजाइन के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए सत्र का नेतृत्व किया। संकाय सदस्यों ने छात्राओं की विद्वता के बेहतर परिणामों के लिए अपनी मूल्यांकन रणनीतियों को संवर्धित करने के लिए व्यावहारिक अभ्यासों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

परामर्श सत्र और हेल्पडेस्क

नोडल अधिकारियों ने विकल्प एवं परामर्श समिति के समन्वय में स्वीकृत एसईसी, वीएसी और जीई पूल से पाठ्यक्रम चुनने में छात्राओं की सहायता के लिए परामर्श सत्र आयोजित किए। इन सत्रों ने छात्राओं की पसंद को अकादमिक लक्ष्यों और एनईपी 2020 दिशानिर्देशों के साथ संरेखित करते हुए सुविचारित निर्णय लिया जाना सुनिश्चित किया। विषम सेमेस्टर के लिए 28 अगस्त 2023 को और सम सेमेस्टर के लिए 18 जनवरी 2024 को परामर्श सत्र आयोजित किए गए। सत्रों के बाद संकाय सदस्यों-छात्राओं की बातचीत सुगम बनाने, प्रश्नों को हल करने और एक सुचारू चयन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए एक हेल्पडेस्क की व्यवस्था की गई।

एनईपी पाठ्यक्रमों के लिए परामर्श सत्र और हेल्पडेस्क

कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी)

वर्ष 2023-24में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत पाठ्यक्रमों के केंद्रीय पूल से कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) की वैविध्यपूर्ण श्रृंखला प्रस्तुत की गई, जिनका चयन हमारी छात्राओं की रुचियों और करियर संबंधी आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए किया गया था। इन पाठ्यक्रमों में सेमेस्टर I-IV के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण तथा उद्योग-के उपयुक्त कौशलों को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में सेमेस्टर I-IV के लिए महाविद्यालय द्वारा प्रस्तुत एसईसी पाठ्यक्रम

- बेसिक आईटी टूल्स
- फैशन के लिए सीएडी
- चॉकलेट शिल्प
- व्यावसायिक जीवन में संचार
- कॉन्टेंट डेवेलपमेंट एंड मीडिया फॉर चिल्ड्रेन
- रचनात्मक लेखन
- डेयरी प्रसंस्करण
- डिजिटल फिल्म निर्माण
- डिजिटल मार्केटिंग
- प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा विन्यास
- स्वस्थ और टिकाऊ खाद्य विकल्प
- इमेज स्टाइलिंग
- आईटी कौशल और डेटा विश्लेषण-1
- न्यूनतम खाद्य प्रसंस्करण
- व्यक्तित्व का विकास और संचार
- स्थिरता के लिए ई-अपशिष्ट की संभावना
- अंग्रेजी भाषा में सार्वजनिक भाषण और नेतृत्व
- छोटे पैमाने पर कैटरिंग
- सोशल मीडिया मार्केटिंग
- दृश्य संचार और फोटोग्राफी

एसईसी संकाय ने साल भर कार्यशालाएं, विशेष व्याख्यान और दौरे आयोजित किए, जिसने छात्राओं के अध्ययन को व्यावहारिक अंतर्दृष्टि और उद्योग-विशेष के उपयुक्त कौशलों से समृद्ध किया गया।

विभिन्न एसईसी पाठ्यक्रमों के अंतर्गत आयोजित विशेष सत्र:

- प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा विन्यास पाठ्यक्रम के लिए डॉ. डिंपल रंगीला द्वारा 27 सितंबर, 2023 को प्रारंभिक वर्षों में कहानी सुनाने पर कार्यशाला

- प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा विन्यास पाठ्यक्रम के लिए 6 अक्टूबर, 2023 को सुश्री सरिता प्रभात द्वारा छोटे बच्चों के लिए खेल आधारित अधिगम गतिविधियों पर कार्यशाला
- स्थिरता पाठ्यक्रम के लिए ई-अपशिष्ट की संभावनाओं पर एटीटीईआरओ के सहयोग से 19 मार्च 2024 को ई-अपशिष्ट जागरूकता कार्यक्रम
- डिजिटल मार्केटिंग पाठ्यक्रम के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. तेजस्विनी द्वारा 30 अक्टूबर 2023 को सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ) पर कार्यशाला
- दृश्य संचार और फोटोग्राफी पाठ्यक्रम के लिए 10 अप्रैल 2024 को छात्राओं द्वारा फोटोग्राफिक कला के लिए म्यूज़ियो कैमरा सेंटर का दौरा

एसईसी पाठ्यक्रमों के तहत आयोजित कार्यशालाओं, सत्रों और यात्राओं की झलकियां

"कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रमों के लिए तौर-तरीकों का संस्थापन" पर दो दिवसीय कार्यशाला

दिल्ली विश्वविद्यालय की कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रम समिति द्वारा 4-5 मार्च 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉन्फ्रेंस सेंटर में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में विभिन्न पाठ्यक्रमों के एसईसी संकाय सदस्यों ने भाग लिया। इस सत्र में विभिन्न विषयों में कौशल-आधारित शिक्षा को बढ़ाने के लिए कार्यप्रणालियों, पाठ्यक्रम डिजाइन और कार्यान्वयन रणनीतियों के संशोधन के बारे में चर्चा की गई।

दिल्ली विश्वविद्यालय की एसईसी समिति द्वारा आयोजित कार्यशाला में एसईसी संकाय सदस्यों ने भाग लिया

मूल्य योजन पाठ्यक्रम (वीएसी)

मूल्य योजन पाठ्यक्रम (वीएसी) राष्ट्रीय शिक्षा नीति के समग्र और कौशल-केंद्रित शिक्षा के विजन के अनुरूप हैं। वर्ष 2023-24 में, विद्यार्थियों के समग्र विकास को संवर्धित करते हुए और उन्हें समकालीन दुनिया की चुनौतियों के लिए तैयार करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत वीएसी पाठ्यक्रमों का सावधानीपूर्वक क्यूरेट किया गया उप-पूल पेश किया गया।

शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए महाविद्यालय द्वारा प्रस्तुत मूल्य योजन पाठ्यक्रमः

- आयुर्वेद और पोषण
- पारिस्थितिकी और साहित्य
- नैतिकता और संस्कृति
- अंग्रेजी में भारतीय कथा साहित्य पढ़ना
- सामाजिक और भावनात्मक शिक्षा
- खुश रहने की कला
- डिजिटल सशक्तिकरण
- वित्तीय साक्षरता
- फिट इंडिया
- विज्ञान और समाज
- स्वच्छ भारत
- वैदिक गणित

पूरे शैक्षणिक वर्ष के दौरान विद्यार्थियों के अध्ययन संबंधी अनुभवों को बेहतर बनाने के लिए वीएसी संकाय ने अनेक संगोष्ठियां, विशेष व्याख्यान और भ्रमण आयोजित किए। इन कदमों ने पहलों से मूल्यवान अंतर्दृष्टि और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया तथा उद्योग-के उपयुक्त कौशलों और समग्र विकास को बढ़ावा दिया।

विभिन्न वीएसी पाठ्यक्रमों के अंतर्गत आयोजित विशेष सत्रः

- वीएसी के लिए राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र का दौराः विज्ञान और समाज (सेमेस्टर 1 और 3) के लिए 02.12.2023 को राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र का दौरा।
- आईएनएसए के प्रतिष्ठित सार्वजनिक व्याख्यान के लिए भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी का 26.04.2024 को दौराः सीएसआईआर के पूर्व महानिदेशक ; सचिव डीएसआईआर, भारत सरकार डॉ. शेखर सी. मांडे द्वारा 'विकसित भारत @2047: विज्ञान और समाज पाठ्यक्रम के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका' विषय पर व्याख्यान दिया गया।
- सामाजिक और भावनात्मक अध्ययन पाठ्यक्रम के लिए 'एकसृष्टि बाय श्रुति' की संस्थापक सुश्री श्रुति सचदेवा द्वारा 'प्रैक्टिसिंग माइंडफुलनेस' पर कार्यशाला।
- सामाजिक और भावनात्मक अध्ययन पाठ्यक्रम के लिए 'एस्केपेड्स फॉर द सोल' से सुश्री देबिका मित्रा, माइंडफुलनेस कोच और श्री नबारुण बनर्जी, परामर्शदाता द्वारा 'इंटीग्रेटिंग माइंडफुलनेस विद् सोशल इमोशनल लर्निंग' पर कार्यशाला
- डिजिटल सशक्तिकरण पाठ्यक्रम के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के अंबेडकर महाविद्यालय में सहायक प्रोफेसर और डीजी डिजिटल के अनुसंधान प्रमुख और जनसंपर्क सलाहकार डॉ. रंजीत कुमार द्वारा 'साइबर सुरक्षा, ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी और डिजिलॉकर' पर व्याख्यान।

वीएसी पाठ्यक्रमों के अंतर्गत आयोजित कार्यशालाओं, सत्रों और दौरों की झलकियां

- वित्तीय साक्षरता पाठ्यक्रम के लिए एनएसईएम और सेबी के पैनल में सम्मिलित फैकल्टी रिसोर्स पर्सन डॉ. मुकेश जैन द्वारा 'फाइनेंशियल प्लानिंग एंड इन्वेस्टमेंट एवेन्यूज प्रोग्राम' पर सत्र।
- वित्तीय साक्षरता पाठ्यक्रम के लिए श्री सूर्यकांत शर्मा, वरिष्ठ सलाहकार (एएमएफआई) और पूर्व डीजीएम (सेबी) द्वारा 'धन सृजन के माध्यम से वित्तीय सशक्तिकरण' पर कार्यशाला।

'आयुर्वेद और पोषण' पर एक सप्ताह का प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

मूल्य योजन पाठ्यक्रम (वीएसी) के लिए संकाय क्षमता-निर्माण पाठ्यक्रम 14 से 20 मार्च 2024 तक आयोजित किया गया। इसमें अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान की निदेशक प्रो. (डॉ.) तनुजा नेसारी और आयुष मंत्रालय की डॉ. योगिता मुंजाल जैसे विशेषज्ञ शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन प्रो. (डॉ.) अनूपा सिद्धू ने किया, समन्वय प्रो. (डॉ.) प्रीति ऋषि लाल और डॉ. एच. मेमथोई देवी ने पाठ्यक्रम आयोजक के रूप में किया।

आयुर्वेद और पोषण पर एक सप्ताह के प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम के प्रतिभागी

क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी)

एईसी पाठ्यक्रम एनईपी की रूपरेखा के तहत 2022-23 में लागू किया गया। शैक्षणिक सत्र (2023-24) के दौरान, महाविद्यालय ने यूजीसीएफ के अंतर्गत विविध आधुनिक भारतीय भाषा (एमआईएल) और पर्यावरण विज्ञान (ईवीएस) पाठ्यक्रमों की पेशकश की। पर्यावरण विज्ञान: सिद्धांत से व्यवहार- प्रथम वर्ष में सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य एईसी है। जबकि विद्यार्थियों को किसी एक सेमेस्टर में 22 एमआईएल के पूल से एक भाषा चुनने का विकल्प दिया गया।

बी.एससी. (एच) गृह विज्ञान और बी.एससी (एच) खाद्य प्रौद्योगिकी ने पहले और तीसरे सेमेस्टर में एमआईएल का अध्ययन किया,जबकि बी.एससी. गृह विज्ञान ने ईवीएस का अध्ययन किया। दूसरे और चौथे सेमेस्टर में,बी.एससी. (पी) गृह विज्ञान ने एमआईएल का अध्ययन किया, जबकि बी.एससी. (एच) पाठ्यक्रम ने ईवीएस का अध्ययन किया। क्लस्टर महाविद्यालय पहल के तहत एईसी एमआईएल भाषा कक्षाएं माता सुंदरी महाविद्यालय,जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय(प्रातः), दयाल सिंह महाविद्यालय सांध्य और दिल्ली विश्वविद्यालय के एमआईएल विभाग में आयोजित की गईं।

लेडी इर्विन महाविद्यालय में छात्राओं द्वारा पढ़ी जाने वाली एईसी भाषाएं (2023-24)

- हिंदी ए: हिंदी भाषा- सम्प्रेषण और संचार
- हिंदी बी: हिंदी औपचारिक लेखन
- हिंदी सी: सोशल मीडिया और ब्लॉग लेखन
- हिंदी डी: विदेशी छात्राओं के लिए
- हिंदी बी: जनसंचार और रचनात्मक लेखन
- हिन्दी अ: व्यवहारिक हिन्दी
- हिंदी सी: हिंदी भाषा और तकनीक
- उर्दू ए
- उर्दू बी
- उर्दू सी
- संस्कृत बी: परिचयात्मक उपनिषद और गीता
- संस्कृत सी: संस्कृत भाषा का परिचय
- मूल मराठी
- मूल उड़िया
- मूल तेलुगु
- मलयालम में पत्रकारिता लेखन
- मणिपुरी में पत्रकारिता लेखन
- पंजाबी भाषा दा मदला पधार
- पंजाबी भाषा दा उचेड़ा पधार
- पंजाबी भाषा दा उच्चतम पधार
- पंजाबी भाषा अते मीडिया
- पंजाबी भाषा अते अनुवाद
- पंजाबी भाषा अते कंप्यूटर
- मलयालम ए: मलयालम में व्याख्या और अनुवाद
- मलयालम बी: बेसिक मलयालम
- मणिपुरी ए: मणिपुरी में व्याख्या और अनुवाद
- तमिल ए: तमिल में व्याख्या और अनुवाद
- बेसिक असमिया
- बेसिक मैथिली
- बेसिक गुजराती
- बेसिक बंगाली
- तेलुगु ए: तेलुगु में अनुवाद और व्याख्या
- तमिल में पत्रकारिता लेखन
- इंटरमीडिएट मलयालम

सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम (जीई)

सामान्य ऐच्छिक (जीई) पाठ्यक्रम बहुविषयक या अंतःविषयक शिक्षा प्रदान करते हैं, जिसमें मूल विषय के पाठ्यक्रम शामिल नहीं होते। उन्हें संबंधित विषय के संकाय द्वारा पढ़ाया जाना चाहिए और मुख्य पाठ्यक्रमों के साथ ओवरलैप नहीं होना चाहिए। एक ही विषय में 28 क्रेडिट (7 जीई पाठ्यक्रम) पूरा करने पर इसे माइनर के रूप में योग्य माना जाता है। चयन प्रक्रिया विश्वविद्यालय के निर्देशों, छात्राओं की मांग, उद्योग प्रासंगिकता और संसाधन उपलब्धता को संतुलित करती है, जिससे छात्राओं के चयन के लिए जीई पाठ्यक्रमों का एक स्वीकृत पूल बनता है।

शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में प्रस्तावित जीई पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम (विषय) का नाम

सेमेस्टर - I (अगस्त 2023- दिसंबर 2023)

- पर्यावरण और समाज (पर्यावरण अध्ययन विभाग)
- बेसिक्स ऑफ जर्नलिज्म [पत्रकारिता विभाग (इंग्लिश विभाग के अंतर्गत)]
- मनोविज्ञान की समझ (मनोविज्ञान विभाग)
- खाद्य पोषक तत्वों का रसायन (रसायन विज्ञान)
- सूक्ष्म अर्थशास्त्र के सिद्धांत (अर्थशास्त्र विभाग)
- जीवन के अणु (जैव रसायन विभाग)
- इंग्लिश फ्लूएंसी-1 [इंग्लिश विभाग (प्रोग.)]

सेमेस्टर - II (जनवरी 2024- मई 2024)

- सर्कुलर इकोनॉमी और पर्यावरण स्थिरता (पर्यावरण अध्ययन विभाग)
- इंट्रोडक्शन टू मीडिया [पत्रकारिता विभाग (इंग्लिश विभाग के अंतर्गत)]
- अंतरसमूह संबंध (मनोविज्ञान विभाग)
- जैव रसायन विज्ञान की तकनीकें (जैव रसायन विभाग)
- इंग्लिश फ्लूएंसी-1 [इंग्लिश विभाग (प्रोग.)]
- भारतीय अर्थव्यवस्था (अर्थशास्त्र विभाग)
- एंथ्रोपोलॉजी एंड फील्ड वर्क (एंथ्रोपोलॉजी विभाग)

सेमेस्टर - IV (जनवरी 2024- मई 2024)

- उद्योगों और पर्यावरण के लिए आद्रभूमि (पर्यावरण अध्ययन विभाग)
- मीडिया लॉ एंड सोसाइटी [पत्रकारिता विभाग (इंग्लिश विभाग के अंतर्गत)]
- कार्यस्थल पर मनोविज्ञान (मनोविज्ञान विभाग)

सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम (2023-24) के अंतर्गत आयोजित गतिविधियां

- एनडीटीवी के विज्ञान पत्रकार श्री पल्लव बागला द्वारा 17 अक्टूबर 2023 को बेसिक्स ऑफ जर्नलिज्म की छात्राओं के लिए "साइंस एंड डेवेलपमेंट कम्युनिकेशन" विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया।
- अक्टूबर 2023 में दिवाली मेला एक अध्ययन कार्यशाला के रूप में आयोजित किया गया, जिससे छात्राओं को वास्तविक परिदृश्यों में आर्थिक सिद्धांतों को लागू करने का अवसर मिला। उन्होंने स्टॉल का प्रबंधन किया, अवसर लागत, मूल्य निर्धारण रणनीतियों और लाभ को अधिकतम करने के बारे में प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया।
- पत्रकारिता की छात्राओं के लिए 19 मार्च 2024 को डीएसटी के विशेषज्ञ और वैज्ञानिक डॉ. निमिष कुमार द्वारा "फैक्ट वैरिफिकेशन टू कॉम्बेट डीप फेक" विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें उन्हें डिजिटल जानकारी को सत्यापित करने के लिए उपकरणों के बारे में जानकारी प्रदान की गई।
- सर्कुलर इकोनॉमी और पर्यावरण स्थिरता की छात्राओं द्वारा उसी दिन आयोजित स्वैप शॉप में, पुस्तकों के आदान-प्रदान के साथ-साथ अभिनव तरीके से अपसाइकल किए गए जैसे - उत्पादों झुमके, बैग और सजावटी वस्तुओं का प्रदर्शन किया गया।
- इंग्लिश फ्लूएंसी 1 की छात्राओं को 23 अप्रैल 2024 को हुमायूं के मकबरे की यात्रा के दौरान सांस्कृतिक जानकारी और विदेशी पर्यटकों के साथ बातचीत करने का अवसर मिला।

जीई पाठ्यक्रमों के अंतर्गत आयोजित गतिविधियों की कुछ झलकियां

- कार्यस्थल पर मनोविज्ञान के अंतर्गत 4 मई 2024 को इंडियन एसोसिएशन ऑफ डांस मूवमेंट थेरेपी की सुश्री ऋतुश्री द्वारा डांस मूवमेंट थेरेपी सत्र का आयोजन किया गया।
- लक्ष्य फॉर डेवलपमेंट फाउंडेशन के सस्टेनेबिलिटी हेड श्री मनु कुमार ने 7 मई 2024 को "प्लास्टिक अपशिष्ट और सर्कुलर इकोनॉमी" विषय पर व्याख्यान दिया, जिसमें लैंडफिल अपशिष्ट को कम करने के लिए प्लास्टिक के पुन: उपयोग और पुनर्चक्रण पर जोर दिया गया।

परिणाम,
सम्मान और पुरस्कार
एवं छात्रवृत्तियां

परिणाम (2023-24)

पाठ्यक्रम	परीक्षा देने वाली छात्राओं की संख्या	उत्तीर्ण	प्रथम श्रेणी
बी.एससी. (ऑनर्स) गृह विज्ञान			
तृतीय वर्ष	99	95	92
बी.एससी. (पास) गृह विज्ञान			
प्रथम वर्ष	221	161	148
तृतीय वर्ष	198	165	151
बी.एससी. (ऑनर्स) खाद्य प्रौद्योगिकी			
प्रथम वर्ष	44	40	39
तृतीय वर्ष	87	81	79
एम.एससी. प्रथम वर्ष			
एफएन	31	31	31
एफएएस	22	20	20
एचडीसीएस	15	15	15
आरएमडीए	13	13	13
डीसीई	18	17	16
एम.एससी. द्वितीय वर्ष			
एफएन	31	30	30
एफएएस	16	16	16
एचडीसीएस	23	22	22
आरएमडीए	15	15	15
डीसीई	16	16	16
बीएड गृह विज्ञान			
प्रथम वर्ष	62	57	53
द्वितीय वर्ष	89	87	77
पीजी डीडीपीएचएन	30	25	25
कुल	**1030**	**906**	**858**

शैक्षणिक उपलब्धियां (2023-24)

बी.एस.सी.(पास) गृह विज्ञान प्रथम वर्ष
प्रथम इतिका
द्वितीय खुशी शर्मा, रिमझिम गुप्ता
तृतीय रिदा फातिमा

बी.एससी. (ऑनर्स) खाद्य प्रौद्योगिकी प्रथम वर्ष
प्रथम माही अग्रवाल
द्वितीय कशिश नरूला
तृतीय सृष्टि

बी.एससी. (ऑनर्स) गृह विज्ञान तृतीय वर्ष
प्रथम निधि तिवारी
द्वितीय खुशी झा, सान्या सारदा
तृतीय रेशमा नफीस

बी.एससी. (ऑनर्स) खाद्य प्रौद्योगिकी तृतीय वर्ष
प्रथम अमीषा कोहली
द्वितीय सारा बीजू कन्नूकादान
तीसरी अर्पिता पंत

बी.एस.सी.(पास) गृह विज्ञान तृतीय वर्ष
प्रथम अनिता
द्वितीय मानसी दुबे
तृतीय उर्मिश खान

बी.एड. प्रथम वर्ष
प्रथम ज्योति दुबे
द्वितीय ऋषिता सेठी
तृतीय अपर्णा माथुर

बी.एड. द्वितीय वर्ष
प्रथम अंकिता तिवारी, चंचल
द्वितीय गीतांजलि यादव
तीसरी रुश्दा आसिम

एम.एससी. एफएएस प्रथम वर्ष
प्रथम कांची अग्रवाल
द्वितीय रुशिल अग्रवाल
तृतीय हर्षिता सिरोही

एम.एससी. आरएमडीए प्रथम वर्ष
प्रथम अदिति अग्रवाल
द्वितीय दीपांशी गुप्ता
तृतीय सलोनी अग्रवाल

एम.एससी. एचडीसीएस प्रथम वर्ष
प्रथम संचिता सेन
द्वितीय श्रद्धा नायक
तृतीय स्मृति

एम.एससी. एफएन प्रथम वर्ष
प्रथम महक मित्तल
द्वितीय त्रिशिका डे
तृतीय आर्ची अरोड़ा, इशिता जैन

एम.एससी. डीसीई प्रथम वर्ष
प्रथम इशिता जैन, आकांक्षा राणा
द्वितीय महक मुंजाल
तृतीय भूपिंदर कौर

पीजी डीडीपीएचएन
प्रथम जेसिका ठुकराल
द्वितीय प्रिया द्विवेदी
तृतीय वैशाली पराशर

एम.एससी. आरएमडीए द्वितीय वर्ष
प्रथम प्रतिभा शर्मा
द्वितीय आस्था आनंद
तृतीय प्रांजल

एम.एससी. एफएएस द्वितीय वर्ष
प्रथम चंचल शर्मा
द्वितीय नौरोइबाम बेदेया रानी देवी
तृतीय कोमल रखोलिया

एम.एससी. एचडीसीएस द्वितीय वर्ष
प्रथम हर्षिता
द्वितीय ओजस्वी सैनी
तृतीय अंशू यादव

एम.एससी. डीसीई द्वितीय वर्ष
प्रथम प्रगति गुलाटी, शोमिरिन खाशिमवो
द्वितीय मेघश्री मठपाल
तृतीय श्रुति वर्मा

एम.एससी. एफएन द्वितीय वर्ष
प्रथम इशिका तायल
द्वितीय शिवानी झा
तृतीय रिया अरोड़ा

पुरस्कार (2023-24)

संकाय और पी.एचडी.

पुरस्कार	छात्रा का नाम
गृह विज्ञान में अभिनव अनुसंधान के लिए कंवलनाथ पद्मबोधिनी अनुसंधान पुरस्कार	डॉ. आरती यादव डॉ. उपासना यादव
लेडी इर्विन महाविद्यालय में डॉक्टरेट कार्य में उत्कृष्टता के लिए अनूपा साही सिद्धू स्वर्ण पदक	डॉ. विभा गुप्ता

स्नातकोत्तर

बी.एड. (गृह विज्ञान) में प्रथम स्थान पाने के लिए सुमित्रा गुरुदत्त स्वर्ण पदक	गीतांजलि यादव
बी.एड. विशेष शिक्षा(आईडी) में प्रथम स्थान के लिए सूरज और संतोष भसीन स्वर्ण पदक	रितिका बत्रा
एम.एससी संसाधन प्रबंधन और अभिकल्प अनुप्रयोग- द्वितीय वर्ष में प्रथम स्थान के लिए महाविद्यालय पुरस्कार	प्रतिभा शर्मा
वर्ष की सर्वश्रेष्ठ छात्रा-शिक्षक के लिए महाविद्यालय पुरस्कार	पायल
विशेष शिक्षा (आईडी) में वर्ष की सर्वश्रेष्ठ छात्रा-शिक्षक के लिए महाविद्यालय पुरस्कार	रितिका बत्रा
एम.एससी खाद्य एवं पोषण द्वितीय वर्ष में प्रथम स्थान के लिए बी तारा बाई पुरस्कार	इशिका तायल
खाद्य एवं पोषण में शोध निबंध में सर्वोच्च अंक के लिए सुषमा शर्मा पुरस्कार	स्निग्धा तनेजा
सार्वजनिक पोषण एम.एससी खाद्य एवं पोषण द्वितीय वर्ष में अधिकतम अंकों के लिए हरबंस कुमारी सिद्धू स्मृति पुरस्कार	शिवानी झा
एम.एससी. खाद्य एवं पोषण प्रथम वर्ष में द्वितीय स्थान के लिए शशि झिंगरन पुरस्कार	त्रिशिका डे
जैव रसायन, एम.एससी. खाद्य एवं पोषण प्रथम वर्ष (सिद्धांत) के लिए उषा भार्गव पुरस्कार	सोनिया
खाद्य सूक्ष्म जीव विज्ञान और खाद्य सुरक्षा एम.एससी. एफएन--I (सिद्धांत) में सर्वश्रेष्ठ छात्रा के लिए आशा सरभॉय पुरस्कार	शैलजा पंत
पीजी-डीडीपीएचएन में प्रथम स्थान के लिए इंद्रावती पसरीचा पुरस्कार	जेसिका ठुकराल
पीजी-डीडीपीएचएन में द्वितीय स्थान के लिए प्रतिमा कौशिक पुरस्कार	प्रिया द्विवेदी
एम.एससी. वस्त्र और परिधान विज्ञान- II में प्रथम स्थान के लिए संजम रंधावा पुरस्कार।	चंचल शर्मा
एम.एससी. वस्त्र और परिधान विज्ञान में सेमेस्टर II में एडवांस कंप्यूटर एडेड डिजाइन की सर्वश्रेष्ठ छात्रा के लिए धुन खंबाटा पुरस्कार।	चेतना
एम.एससी. वस्त्र और परिधान विज्ञान - I में पैटर्न मेकिंग की सर्वश्रेष्ठ छात्रा के लिए दुर्गा गांगुली पुरस्कार	पारुल
एम.एससी मानव विकास एवं बाल्यावस्था अध्ययन II में प्रथम स्थान के लिए चाइल्ड डेवलेपमेंट एलुमनी अवार्ड	हर्षिता कौशिक
एम.एससी संसाधन प्रबंधन और अभिकल्प अनुप्रयोग- I में द्वितीय स्थान के लिए भार्गवी मेनन पुरस्कार	दीपांशी गुप्ता
बी.एड. (गृह विज्ञान) भाग 1 में प्रथम स्थान के लिए इंद्रावती पसरीचा पुरस्कार	लक्षिका कालरा
एम.एससी विकास संचार एवं विस्तार- II में प्रथम स्थान के लिए दुर्गा देउलकर पुरस्कार	प्रगति गुलाटी शोमिरिन खाशिमवो
वर्ष की सबसे प्रतिभाशाली छात्रा-शिक्षक (बी.एड.) के लिए वीना थापर पुरस्कार	रिया
एफएन-पी.एचडी. और एम.एससी. फाइनल में मेधावी शोधार्थी के लिए सुषमा पामर पुरस्कार	समृद्धि मनराल (पी.एचडी.) त्रिशिका डे (एम.एससी) इशिता जैन (एम.एससी)
एम.एससी. एफएन (I) में या सेमेस्टर I और सेमेस्टर II में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्रा के लिए सुवीरा पुरस्कार	महक मित्तल
एम.एससी. एफएन की मेधावी छात्रा के लिए बसंत कुमार पुरस्कार	आर्ची अरोड़ा

एम.एससी.एफएन की मेधावी छात्रा के लिए आर.सरोजा पुरस्कार	शैलजा पंत
एम.एससी (पी) में पीएफसीएस पेपर में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्रा के लिए हरिंदर राजिंदर सिंह साहनी पुरस्कार	निर्लिप्ता पांडा
एम.एससी. आरएमडीए की मेधावी छात्रा के लिए श्रीमती विद्या एंडलॉ पुरस्कार	सलोनी अग्रवाल
एम.एससी. आरएमडीए-I में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्रा के लिए रौशनी देशपांडे स्मृति पुरस्कार	अदिति अग्रवाल
एम.एससी. -I एचडीसीएस में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्रा के लिए एस आनंदलक्ष्मी पुरस्कार।	संचिता सेन
एम.एससी. एचडीसीएस की मेधावी छात्रा के लिए दमयंती रानी पुरस्कार	हर्षिता
एम.एससी -I एफएएस में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्रा के लिए जोशी पुरस्कार	कांची अग्रवाल
शोध निबंध (एफएएस) में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्रा के लिए ओ.पी. ग्रोवर पुरस्कार	चंचल शर्मा खुशबू
एम.एससी. एफएएस में मेधावी छात्रा के लिए डी.एन एंडलॉ पुरस्कार	कोमल राखोलिया
एम.एससी. II एफएएस में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्रा के लिए वेद प्रकाश गुप्ता पुरस्कार	चंचल शर्मा
एम.एससी. डीसीई प्रीवियस परीक्षा या (सेम I और सेम II संयुक्त)में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्रा के लिए लीलावती कपूर स्मृति पुरस्कार	आकांक्षा राणा इशिता जैन
एम.एससी. डीसीई फाइनल में असाधारण विस्तार कार्य करने वाली स्नातकोत्तर छात्रा के लिए पी.एल. सेठ स्मृति पुरस्कार	खुशबू कोहली
एम.एससी. डीसीई की मेधावी छात्रा को जेएन एंडलॉ पुरस्कार	मेघश्री मठपाल
(i) बी.एड. एच.एससी. (ii) बी.एड. विशेष शिक्षा(आईडी) में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली बी.एड की दो छात्राओं को बी.एन. एंडले पुरस्कार	गीतांजलि यादव रितिका बत्रा
विज्ञान की अध्यापन कला में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के लिए शशि जय गुगलानी पुरस्कार	ऋषिता सेठी
एम.एस.सी. डी.सी.ई. में शोध प्रबंध में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के लिए राज लक्ष्मी गौड़ स्मृति पुरस्कार	प्रगति गुलाटी शोमिरिन खाशिमवो लिज़ा अत्री इशिता आहूजा
एम.एससी. (पी) में ईडब्ल्यूएस श्रेणी की और सेमेस्टर I में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्रा को दुर्गा गांगुली पुरस्कार	कांची अग्रवाल
अभिकल्प, नवाचार और प्रोटोटाइप विकास के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिकल्प और नवाचार पुरस्कार	वनलालतनपुई
मधुमेह मेलिटस पर सर्वश्रेष्ठ शोध के लिए कॉमरेड राम चंद्र प्रभावती पुरस्कार (2025)	डॉ. लवली गुप्ता

पूर्वस्नातक

बी.एससी. गृह विज्ञान (ऑनर्स) (खाद्य एवं पोषण) में प्रथम स्थान के लिए श्रीमती लीला मल्होत्रा स्वर्ण पदक	निधि तिवारी
बी.एससी. गृह विज्ञान (ऑनर्स) (आरएमडीए)में प्रथम स्थान के लिए महाविद्यालय पुरस्कार	अदिति मिश्रा
बी.एससी. गृह विज्ञान (ऑनर्स) (डीसीई)में प्रथम स्थान के लिए महाविद्यालय पुरस्कार	रेशमा नफीस
बी.एससी. गृह विज्ञान (ऑनर्स) (एफएएस) में प्रथम स्थान के लिए महाविद्यालय पुरस्कार	कृष्णेंदु केपी
बी.एससी.गृह विज्ञान (ऑनर्स) (एचडीसीएस)में प्रथम स्थान के लिए महाविद्यालय पुरस्कार	ख़ुशी झा
बी.एससी.गृह विज्ञान (ऑनर्स)(एफएएस)में द्वितीय स्थान के लिए रश्मि पालीवाल पुरस्कार	शिवानी सैनी
बी.एससी. गृह विज्ञान (पास)प्रथम वर्ष में प्रथम स्थान के लिए महाविद्यालय पुरस्कार	इतिका
बी.एससी. गृह विज्ञान (पास)तृतीय वर्ष में प्रथम स्थान के लिए महाविद्यालय पुरस्कार	अनीता
बी.एससी. (ऑनर्स) खाद्य प्रौद्योगिकी प्रथम वर्ष में प्रथम स्थान के लिए महाविद्यालय पुरस्कार	माही अग्रवाल
बी.एससी. (ऑनर्स) खाद्य प्रौद्योगिकी तृतीय वर्ष में प्रथम स्थान के लिए महाविद्यालय पुरस्कार	अमीषा कोहली
एचडीसीएस में मेधावी छात्रा को एचडीसीएस संकाय पुरस्कार	श्रद्धा नायक

यूजी, डीसीई में मेधावी छात्रा के लिए वैश्य एसोसिएट्स पुरस्कार	सुहानी अरोड़ा संस्कृति शर्मा
खेलों में उत्कृष्टता के लिए सुनीता बाल कृष्ण घई पुरस्कार	खुशी
ऑटो सीएडी में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्रा को दीप्तांशु वेदांत पुरस्कार	शुभी गुप्ता
बी.एससी. ऑनर्स ।।। (एफएएस) में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्रा को शीला गुप्ता पुरस्कार	कृष्णेंदु के.पी.
बी.एससी. ऑनर्स ।।। में वस्त्र प्रसंस्करण और परिधान उत्पादन में सर्वश्रेष्ठ छात्रा के लिए सरला मनचंदा पुरस्कार	कृष्णेंदु के.पी.
बी.एससी. गृह विज्ञान (ऑनर्स) में प्रथम स्थान के लिए वाई.के. सुब्रह्मण्यम स्मृति पुरस्कार	निधि तिवारी
।।। पास (वर्तमान में एम.एससी. प्रीवियस एचडीसीएस में नामांकित)में कोर ह्यूमन डेवलपमेंट में सर्वोच्च अंक प्राप्त | करने वाली छात्रा को उमा माया पुरस्कार	प्रियांशी मंजेरा
।।। ऑनर्स(वर्तमान में एम.एससी. प्रीवियस एचडीसीएस में नामांकित) में कोर ह्यूमन डेवलपमेंट में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्रा को भृगु प्रेरणा पुरस्कार।	सुमन सिंह

सह पाठ्यक्रम गतिविधियां

पुरस्कार	छात्रा का नाम	वर्ष
उच्च उपलब्धि प्राप्त करने वाली स्टूडेंट एक्जीक्यूटिव को आशा भार्गव सिंह पुरस्कार	रूपाली यदुवंशी हर्षिका पाल	।।। वर्ष एफ.टेक ।।। वर्ष एफ.टेक
सामाजिक रूप से संवेदनशील छात्रा को आशा भार्गव सिंह पुरस्कार	स्नेहा नागर, अनन्या मेहता, कृतिका पाराशर, कशिश कौशिक	।।। वर्ष पास ।।। वर्ष पास ।।। वर्ष पास ।।। वर्ष पास
वर्ष की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को महाविद्यालय पुरस्कार	अंशिका यादव	।। वर्ष एफ.टेक
सामुदायिक सेवा के लिए महाविद्यालय पुरस्कार	आकृति चौहान हर्षिता श्रीवास्तव प्रिशा कौर	।।। वर्ष पास ।।। वर्ष पास ।।। वर्ष पास
कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए महाविद्यालय पुरस्कार	पार्वती एम मोहन मानवी जैन	।।। वर्ष पास ।।। वर्ष पास
छात्राओं के कार्यक्रम में संगठनात्मक सहायता प्रदान करने के लिए महाविद्यालय पुरस्कार	ख़ुशी खोसला ख़ुशी गुप्ता सृष्टि इंगले	।। वर्ष एफ.टेक ।। वर्ष ऑनर्स ।। वर्ष ऑनर्स
छात्राओं के समारोहों में लॉजिस्टिक सहायता प्रदान करने के लिए महाविद्यालय पुरस्कार	मानसी वेदिका शुक्ला	।। वर्ष ऑनर्स ।। वर्ष पास
वर्ष की सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए सुषमा सेठ पुरस्कार	साक्षी झा	।।। वर्ष पास
वर्ष की दूसरी सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए बाला सुब्रह्मण्यम स्मृति पुरस्कार	ख़ुशी देवांशी अग्रवाल	।।। वर्ष पास ।। वर्ष पास
वर्ष की सर्वश्रेष्ठ वक्ता के लिए बाला सुब्रह्मण्यम स्मृति पुरस्कार	युक्ति शर्मा प्रज्ञा सिंह	।।। वर्ष पास ।। वर्ष पास
संगीत और नृत्य के लिए सरदारनी जसवंत कौर और शांता स्मृति पुरस्कार	(संगीत) अनन्या सिंह (नृत्य) दिव्यांशी शर्मा (संगीत) ध्रुवी	।। वर्ष ऑनर्स ।। वर्ष पास ।।। वर्ष ऑनर्स
ललित कला के लिए अनुराधा गोस्वामी स्मृति पुरस्कार	मिहिका गोयल प्रिया अनन्या सिंह	।। वर्ष पास ।।। वर्ष ऑनर्स ।।। वर्ष एफ.टेक

साहित्य समिति के लिए जी.डी. जैन पुरस्कार	ज़ुबिया नाज़ वालिया बुशरा सयति सामंता	III वर्ष ऑनर्स III वर्ष ऑनर्स II वर्ष पास
प्रदर्शन कला में उत्कृष्टता के लिए डॉ. एस. आनंदलक्ष्मी पुरस्कार	सना बाबू अदिति शर्मा	II वर्ष पास II वर्ष ऑनर्स
उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों और पाठ्येतर गतिविधियों (पीजी छात्राओं) के लिए पी. विश्वनाथ स्मृति पुरस्कार	दीपांशी गुप्ता	एम.एस.सी (आरएमडीए)
महाविद्यालय में उत्कृष्ट योगदान के लिए हरमोहिनी सरना पुरस्कार	सेमानी	III वर्ष ऑनर्स
महाविद्यालय में उत्कृष्ट योगदान के लिए छात्र संघ पुरस्कार- (दो छात्राओं को)	महनूर मंज़ूर मीर मुस्कान सिंघानिया	III वर्ष पास III वर्ष ऑनर्स
इंदरपाल रिखी ट्रस्ट फॉर वीमेन एम्पॉवरमेंट एंड डेवलेपमेंट अवार्ड – संगीत	लावण्या पुनियानी	III वर्ष ऑनर्स
इंदरपाल रिखी ट्रस्ट फॉर वीमेन एम्पॉवरमेंट एंड डेवलेपमेंट अवार्ड – कला	कनिष्का सांझी डाक	III वर्ष पास III वर्ष ऑनर्स
इंदरपाल रिखी ट्रस्ट फॉर वीमेन एम्पॉवरमेंट एंड डेवलेपमेंट अवार्ड – नृत्य	तृप्ति मेहता सारा सैयद	III वर्ष पास III वर्ष पास
गृह विज्ञान बी.एससी. III पास की आलराउंडर छात्रा के लिए 1967 बैच पुरस्कार	सेमानी मुस्कान सिंघानिया	III वर्ष ऑनर्स III वर्ष ऑनर्स
आंतरिक शिकायत समिति में योगदान के लिए महाविद्यालय पुरस्कार	भूपिंदर कौर	एम.एस.सी. फाइनल

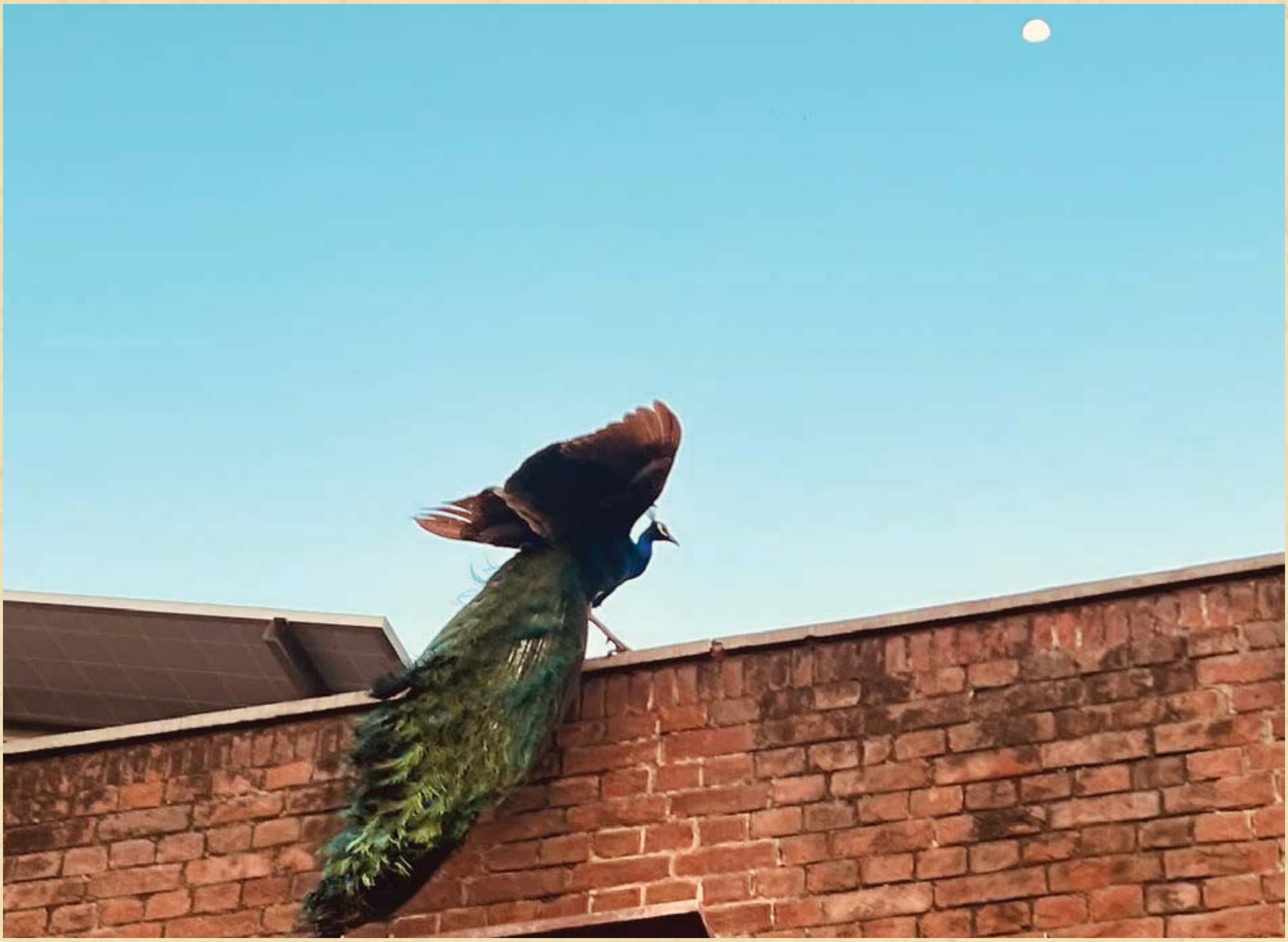

छात्रवृत्तियां (2023-24)

पूर्वस्नातक

छात्रवृत्ति का नाम	राशि (रु.)	विद्यार्थी सहायता (रु.)	छात्रवृत्ति की राशि (रु.)	छात्रा का नाम	वर्ष
फेना छात्रवृत्ति	4000	-	4000	आकांक्षा पांडे.	II वर्ष ऑनर्स
	3500	500	4000	कोमल कौशिक	II वर्ष ऑनर्स
एस संपूर्ण सिंह स्मृति छात्रवृत्ति	2500	1500	4000	ऐमन	III वर्ष पास
डॉ वाईपीएस बजाज स्मृति छात्रवृत्ति	2500	1500	4000	हर्षिता पाल	III वर्ष एफ.टेक
पटनी छात्रवृत्ति	2650	1350	4000	गरिमा यादव	II वर्ष पास
वेद लता सूद स्मृति छात्रवृत्ति	3000	1000	4000	अदीबा चौधरी	II वर्ष पास
हवेली राम पसरीचा छात्रवृत्ति	2500	1500	4000	नीतू कुमारी	II वर्ष पास
	2500	1500	4000	विदुषी सारस्वत	III वर्ष पास
मदान और मनचंदा छात्रवृत्ति	2000	2000	4000	अमीषा पटेल	III वर्ष पास
मां सरस्वती छात्रवृत्ति	2500	1500	4000	साक्षी	II वर्ष एफ.टेक
सुनीति देवी और आनंद प्रकाश गुप्ता छात्रवृत्ति	5000		5000	अल्मा आबिद	III वर्ष पास
सुगीता देवी और बृजभूषण छात्रवृत्ति	5000		5000	जाह्नवी	II वर्ष पास
सुलभा और वीरेंद्र गुप्ता छात्रवृत्ति	5000		5000	अंकिता राज	II वर्ष पास
सुनीति और पुरुषोत्तम गोयल छात्रवृत्ति	5000		5000	मुनीरा	II वर्ष पास
वीना और अनिल कुमार छात्रवृत्ति	5000		5000	राशि	III वर्ष पास
सुमित्रा गुरुदत्त छात्रवृत्ति	5000		5000	दिव्या	II वर्ष पास
सुमित्रा गुरुदत्त छात्रवृत्ति	5000		5000	रूपाली यदुवंशी	III वर्ष एफ.टेक
1970 स्वर्ण जयंती बी.एससी. बैच छात्रवृत्ति	20000		20000	शाइना ज़रीन	I वर्ष ऑनर्स
कलावती स्मृति छात्रवृत्ति	5000		5000	गुनगुन	III वर्ष ऑनर्स
गुरदयाल सिंह और सतवंत कौर दुआ छात्रवृत्ति	5000		5000	वालिया बुशरा	III वर्ष ऑनर्स
	5000		5000	आशना ज़हरा	III वर्ष ऑनर्स
	5000		5000	ज़ुबिया नाज़	III वर्ष ऑनर्स
गंभीर छात्रवृत्ति	5000		5000	पी.ए अर्शा बलियाफ़	II वर्ष ऑनर्स एफ.टेक
	5000		5000	आयशा सैफी	II वर्ष पास
	5000		5000	अनामिका रानी	II वर्ष पास
माता केसर कौर स्मृति छात्रवृत्ति	6000		6000	प्रिया रानी	II वर्ष पास
दुर्गा देउलकर स्मृति छात्रवृत्ति	6000		6000	समीक्षा गौतम	II वर्ष पास
एस सतनाम सिंह मेदिरत्ता स्मृति छात्रवृत्ति	6000		6000	संगीता बोरा	III वर्ष ऑनर्स
माता दया जीत कौर स्मृति छात्रवृत्ति	6000		6000	आस्तिकता सैनी	I वर्ष ऑनर्स एफ.टेक .
मीरा शेखर छात्रवृत्ति			40000	आशा कुमारी	II वर्ष ऑनर्स
			40000	अलज़िया खान	III वर्ष पास
			20000	कुलसुम आरा	I वर्ष ऑनर्स एफ.टेक .
एलआईसी रॉयल्टी फंड स्कॉलरशिप			4000	शालू सिंह	III वर्ष ऑनर्स
विद्यार्थी सहायता कोष		4000	4000	साक्षी	III वर्ष पास
		4000	4000	नीलम	II वर्ष पास

छात्रवृत्ति का नाम	राशि (रु.)	विद्यार्थी सहायता (रु.)	छात्रवृत्ति की राशि (रु.)	छात्रा का नाम	वर्ष
		4000	4000	मुस्कान कुमारी	II वर्ष पास
		4000	4000	मारिया हसीब	III वर्ष पास
		4000	4000	उमरा खान	II वर्ष पास
		4000	4000	सुरभि पटेल	III वर्ष ऑनर्स
		4000	4000	संध्या	II वर्ष पास
		4000	4000	सादिया	II वर्ष पास
		4000	4000	आयुषी भारती	II वर्ष पास
		4000	4000	लक्ष्मी भास्कर	III वर्ष ऑनर्स
		4000	4000	हेमा कुमारी	I वर्ष ऑनर्स एफ.टेक .
		4000	4000	नेमहोइचोंग	II वर्ष पास
		4000	4000	एकता सुपुत्री बिजेन्द्र कुमार	II वर्ष पास
		4000	4000	मानसी	II वर्ष पास
		4000	4000	एकता सुपुत्री कमला प्रसाद	II वर्ष पास
		4000	4000	टिया भटनागर	II वर्ष पास
		4000	4000	रश्मि	II वर्ष पास
		4000	4000	समायरा	II वर्ष ऑनर्स
		4000	4000	निकिता	II वर्ष पास
		4000	4000	अक्सा ऐमन	II वर्ष पास
		4000	4000	आशा कुमारी	II वर्ष ऑनर्स

स्नातकोत्तर

एम.एससी. खाद्य एवं पोषण

छात्रवृत्ति का नाम	राशि (रु.)	विद्यार्थी सहायता (रु.)	छात्रवृत्ति की राशि (रु.)	छात्रा का नाम	वर्ष
अवतार के. कौल छात्रवृत्ति	7500		7500	मुस्कान	एम.एस.सी.(एफ)
केलॉग्स छात्रवृत्ति	2500	1500	4000	विधि अत्री	एम.एस.सी.(एफ)
अवतार सिंह बेदी छात्रवृत्ति	2500	1500	4000	आकांशी शर्मा	एम.एससी (पी)
डॉ. कृष्णमूर्ति भट स्मृति छात्रवृत्ति	6000		6000	दीक्षा दीपक	एम.एस.सी.(एफ)
एस संतोख सिंह मेदिरत्ता स्मृति छात्रवृत्ति	6000		6000	मानसी अग्रहरि	एम.एस.सी.(एफ)
एलआईसी फैकल्टी रॉयल्टी फंड			4000	रितु कुमारी	एम.एससी (पी)
विद्यार्थी सहायता कोष		5000	5000	आफरीन फातिमा	एम.एससी (पी)

एम.एससी संसाधन प्रबंधन और अभिकल्प अनुप्रयोग

छात्रवृत्ति का नाम	राशि (रु.)	विद्यार्थी सहायता (रु.)	छात्रवृत्ति की राशि (रु.)	छात्रा का नाम	वर्ष
एलआईसी फैकल्टी रॉयल्टी फंड			4000	अनु	एम.एससी (पी)
विद्यार्थी सहायता कोष		5000	5000	संध्या	एम.एस.सी.(एफ)

एम.एससी मानव विकास एवं बाल्यावस्था अध्ययन

छात्रवृत्ति का नाम	राशि (रु.)	विद्यार्थी सहायता (रु.)	छात्रवृत्ति की राशि (रु.)	छात्रा का नाम	वर्ष
प्रीतम कौर छात्रवृत्ति	4000		4000	रंजना कुमारी	एम.एससी (पी)
	4000		4000	शिवांगी मौर्य	एम.एससी (पी)
एलआईसी फैकल्टी रॉयल्टी फंड			4000	प्रिया दीक्षित	एम.एससी (पी)
विद्यार्थी सहायता कोष		5000	5000	अनुष्का वशिष्ठ	एम.एससी (पी)
		5000	5000	मेघना अरोड़ा	एम.एससी (पी)

एम.एससी वस्त्र एवं परिधान विज्ञान

छात्रवृत्ति का नाम	राशि (रु.)	विद्यार्थी सहायता (रु.)	छात्रवृत्ति की राशि (रु.)	छात्रा का नाम	वर्ष
मंजुला गुप्ता छात्रवृत्ति	10000		10000	आयुषी यादव	एम.एससी (पी)
ओन सूरी स्मृति छात्रवृत्ति	5000		5000	निधि	एम.एससी (पी)
श्रीमती सुदेश भगत स्मृति छात्रवृत्ति	5000		5000	हर्षिता सिरोही	एम.एससी (पी)
एलआईसी फैकल्टी रॉयल्टी फंड			4000	चांदनी	एम.एससी (पी)
विद्यार्थी सहायता कोष		5000	5000	दीक्षा	एम.एससी (पी)

एम.एससी. विकास संचार एवं विस्तार

छात्रवृत्ति का नाम	राशि (रु.)	विद्यार्थी सहायता (रु.)	छात्रवृत्ति की राशि (रु.)	छात्रा का नाम	वर्ष
मोहन देवी और मणि राम कालरा स्मृति छात्रवृत्ति	5000		5000	निशा	एम.एस.सी.(एफ)
कंवल नाथ पद्मज्योति स्मृति छात्रवृत्ति	10000		10000	महक मुंजाल	एम.एस.सी.(एफ)
एलआईसी फैकल्टी रॉयल्टी फंड			4000	खुशी	एम.एस.सी.(एफ)
विद्यार्थी सहायता कोष		5000	5000	मानसी उल्साही	एम.एस.सी.(एफ)

पीजीडीडीपीएचएन

छात्रवृत्ति का नाम	राशि (रु.)	विद्यार्थी सहायता (रु.)	छात्रवृत्ति की राशि (रु.)	छात्रा का नाम	वर्ष
इकबाल सिंह बेदी छात्रवृत्ति	2500	1500	4000	जसमीन कौर.	पीजीडीडीपीएचएन
विद्यार्थी सहायता कोष		5000	5000	अमृता	पीजीडीडीपीएचएन
		5000	5000	चहक वर्मा	पीजीडीडीपीएचएन

शिक्षा स्नातक (सामान्य एवं विशेष शिक्षा)

छात्रवृत्ति का नाम	राशि (रु.)	विद्यार्थी सहायता (रु.)	छात्रवृत्ति की राशि (रु.)	छात्रा का नाम	वर्ष
पुष्पा चंडोक स्मृति छात्रवृत्ति	6000		6000	बेबी चंदा	बी.एड. विशेष शिक्षा I वर्ष
संतोष भसीन स्मृति छात्रवृत्ति	2500	1500	4000	वंशिता	बी.एड. II वर्ष
लीला मल्होत्रा छात्रवृत्ति	5000		5000	अंशु	बी.एड. विशेष शिक्षा I वर्ष
सुमित्रा गुरुदत्त छात्रवृत्ति	5000		5000	मीनाक्षी	बी.एड. II वर्ष
सुमित्रा गुरुदत्त छात्रवृत्ति	5000		5000	संध्या	बी.एड. II वर्ष
सुमित्रा गुरुदत्त छात्रवृत्ति	5000		5000	हिमानी	बी.एड. II वर्ष
एस एम सेठी और सुशीला सेठी छात्रवृत्ति	5000		5000	अंजलि	बी.एड. विशेष शिक्षा I वर्ष
एलआईसी फैकल्टी रॉयल्टी फंड			4000	कनिष्का	बी.एड. विशेष शिक्षा I वर्ष
विद्यार्थी सहायता कोष		5000	5000	भावना	बी.एड. विशेष शिक्षा I वर्ष

डॉक्टरेट की उपाधि (2023-24)

शोधार्थी का नाम	थीसिस का शीर्षक	पर्यवेक्षक
श्रुति पोखरियाल	युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य के बारे में दृष्टिकोण और अनुभव	प्रो. मणि भसीन कालरा
सुमन शर्मा	दिव्यांग व्यक्तियों का सामाजिक समावेशन विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के संदर्भ में	प्रो. नीलिमा अस्थाना
तरुभी अग्रवाल	दिल्ली में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार से ग्रस्त किशोरों (15-18 वर्ष) के बीच आहार व्यवहार और पोषण की स्थिति पर अध्ययन: परामर्श हस्तक्षेप	प्रो. नीलिमा अस्थाना
लवली गुप्ता	टाइप 1 मधुमेह से ग्रस्त वयस्कों में आत्म-प्रबंधन के संबंध में कार्बोहाइड्रेट की गणना पर आधारित शैक्षिक हस्तक्षेप की प्रभावकारिता	प्रो. प्रीति ऋषि लाल
प्रीतिका खंडूजा	स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली में बुजुर्गों के क्षमता निर्माण हेतु शैक्षिक हस्तक्षेप का विकास	प्रो. मनीषा सभरवाल
रिद्धिमा कपूर	झारखंड, भारत के हो जनजातीय समुदाय में कुपोषण मिटाने के लिए स्थानीय खाद्य पदार्थों का उपयोग करते हुए किफायती, पौष्टिक और विविध आहार	प्रो. मनीषा सभरवाल
विदिशा	खाद्य भाग आकार अनुमान के लिए खाद्य फोटोग्राफ श्रृंखला सॉफ्टवेयर का विकास और मूल्यांकन	प्रो. रविंदर चड्ढा
दीपा चावला	अनेक देखभालकर्ताओं वाले पारिवारिक वातावरण में छोटे बच्चों का प्रोसोशल विकास	डॉ. पुण्य पिल्लई
भावना नेगी	भारतीय परिवारों में बाल्यावस्था और बाल अधिकारों का संदर्भ	प्रो. श्रद्धा कपूर
अंदलीब फातिमा	भारत के चार महानगरों में शहरी मुसलमानों के बीच कपड़ों की शैलियां और पसंद	प्रो. सिम्मी भगत
जॉयमती थौदम	मणिपुर की चुनिंदा नागा जनजातियों के पारंपरिक वस्त्र और वेशभूषा	प्रो. रितु माथुर
रुचिरा अग्रवाल	दो अलग-अलग रिएक्टिव समूह वाली डाई के साथ रेशम की कम नमक वाली रंगाई के लिए दृष्टिकोण	प्रो. दीपाली रस्तोगी
सोनिया सैन	नशे की लत के निवारण और पुनर्वास के क्षेत्र में कार्यरत फील्ड कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण की आवश्यकता का आकलन	प्रो. अपर्णा खन्ना
विभा गुप्ता	ग्रामीण प्राथमिक विद्यालय के बच्चों में हाथों को साफ-सुथरा रखने से संबंधित ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास (केएपी) - एक हस्तक्षेप अध्ययन	प्रो. सरिता आनंद

संकाय की उपलब्धियां

प्रो. अर्चना कुमार, निदेशक, लेडी इर्विन महाविद्यालय

शोध प्रकाशन

- वाही, एन. ,एंड कुमार, ए. (2023)। कैश ट्रांसफर प्रोग्राम्स एंड वीमेन फाइनेंशियल इन्क्लूज़न: अ रिव्यू ऑफ एम्पिरिकल एविडेंस। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशनल रिसर्च। खंड 12, 10(3), 131-136।
- धीर, आर., एंड कुमार, ए. (2024)। सोशल नेटवर्किंग साइट्स: अ गेटवे टू साइबर-क्राइम अगैंस्ट वीमेन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशनल रिसर्च, खंड 13, 2(2), 104–108।

छात्राओं को पीएचडी प्रदान की गई

- सभ्या जुनेजा (2023)। मोबाइल आधारित आईसीटी और सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता: संगिनी सहायक पर्यवेक्षण (संगिनी) ऐप का एक मामला, उत्तर प्रदेश (यू.पी.), भारत

पीएच.डी. कर रही छात्राएं

- हिमानी भरत (2021)। डिजिटल प्रौद्योगिकी और स्वयं सहायता समूह की महिलाएँ: उत्तराखंड की ग्रामीण महिलाओं का एक अध्ययन
- निधि वाही (2019)। घरेलू कामगार और उनका वित्तीय समावेशन: दिल्ली की महिला घरेलू कामगारों के बारे में अध्ययन।
- ऋचा धीर (2019)। सोशल नेटवर्किंग साइट्स और साइबर सुरक्षा: दिल्ली/एनसीआर के महिला महाविद्यालय की छात्राओं पर अध्ययन
- सुष्मिता मुखर्जी (2023)। बाल विवाह पर सामाजिक मानदंडों में परिवर्तन करना : राजस्थान में किशोरों के नेतृत्व वाले हस्तक्षेप का अध्ययन
- तन्नू (2024)। महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी

शोध परियोजनाएं

- यूनिसेफ द्वारा समर्थित सेंटर फॉर सोशल एंड बिहेवियर चेंज का सह-नेतृत्व
    - शुरू की गई परियोजनाएं:
        - एसबीसी 2022-23 में एचईआई का क्षमता निर्माण - एसबीसी में उत्तर भारत के एचईआई का क्षमता निर्माण और एनईपी के तहत एसबीसी के नए पाठ्यक्रम शुरू करना, प्रमुख परियोजना 45 लाख
        - मानव केंद्रित अभिकल्प और एसबीसी 2023-24 एचसीडी प्रशिक्षणों का मूल्यांकन और एसबीसी के लिए भविष्य के क्षमता निर्माण प्रयासों के लिए मसौदा सिफारिशें, प्रमुख परियोजना 10 लाख

कार्यशालाओं / प्रशिक्षण का संचालन

- यूथ इन इवैल्यूएशन वीक 2024 के तहत आयोजित गुड प्रैक्टिसिज बाई गवर्नमेंट्स एंड एकेडमिया इन इवैल्यूएशन आर्गेनाइज्ड अंडर द यूथ इन इवैल्यूएशन विषय पर आयोजित पैनल चर्चा के ग्लोबल इवेंट के आयोजक और मॉडरेटर। https://www.eval4action.org/championsgovernmentsandacademia

अन्य योगदान

- जीएलओसीएएल 2023 सम्मेलन (ग्लोबल इवैल्यूएशन इनिशिएटिव) में एम और ई का भविष्य: संस्कृति, संदर्भ और सहयोग विषय पर सत्र में वक्ता के रूप में आमंत्रित, (जून 2023)

शिक्षा विभाग

शोध प्रकाशन

- अग्रवाल, टी. एंड अस्थाना, एन. (2023)।अवेयरनेसऑफ पेरेंट्स ऑफ एडोलेसेंट्स विद् ऑटिज्मस्पेक्ट्रम डिसॉर्डर रिगार्डिंग ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसॉर्डर इन दिल्ली, एजुकेशन डायनामिक्स,आईएसएसएन:, खंड 6 अंक 2, जुलाई 2023 https://alagappauniversity.ac.in/facilities/docs/Volume-VI_Issue_No-2-2023.pdf
- अहमद, डब्ल्यू., नाज़ली, चव्हाण, बी.एस. (2023)।नॉलेज, एटिट्यूड, एंड प्रैक्टिस अमंग पेरेंट्स एबाउट सेक्स एजुकेशन ऑफ देयर चिल्ड्रेन विद् इंटेलेक्चुअल डिसएबिलिटी। इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकियाट्री, 38(4), 357-361.
- अरोड़ा, सी. एंडचंदर, एस. (2024)।अस्टडी ऑफ स्कूल टीचर्स ऑन एडेप्टेशनटू ऑनलाइन एजुकेशन ड्यूरिंग द पैंडेमिक पीरियड । इंडियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल टेक्नोलॉजी, 6(1), 90-101.
- कोहली, पी. एंडमेहता, आर. (2023)।एक्सप्लोरिंग इश्यूज ऑफ ट्रांसजेंडर एडल्ट्स: एजुकेशन एंड वेल-बीइंग। संप्रेषण, 183, 104–117यू जी सी केयर सूची बद्ध।
- मेहता, आर. एंडअरोड़ा, सी. (2023)। एक्सप्लोरिंग स्किल डेवेलपमेंट, एंटरप्रेन्योरशिप, एंड पॉलिसी परस्पेक्टिव इन होम साइंस पेडागोजी ।मुक्त शब्द जर्नल, 12(6), 1983–1998.
- मेहता, आर. एंड कोहली, पी. (2024)। प्रीपेयरिंग प्री-सर्विस टीचर्स फॉर स्किल-बेस्ड एक्टिविटीजऐट द स्कूल लेवल। जूनीख्यात जर्नल, 13(6), 137.
- मेहता, आर. (2023)। एजुकेशन ऑफ चिल्ड्रेन विद्स्पेशियलनीड्स: अ सिस्टमैटिक रिव्यू ऑफ लिटरेचर. कंटेम्पोरेनिटी ऑफ लैंग्वेज एंड लिटरेचर। रोबोटाइज्ड मिलेनियम में, 5(1), 1–5. रेस्ट पब्लिशर https://doi.org/10.46632/cllrm/5/1/1
- मेहता, आर. (2023)।इवैल्यूएशन ऑफ करीकुलम ओवर लोड ऑन स्टूडेंट्स लीडिंग टू एकेडमिक स्ट्रेस: अ सिस्टमैटिक रिव्यू।जूनीख्यात जर्नल, 13(5), संख्या 2. यू जी सी केयर1. http://junikhyatjournal.in
- मेहता, आर. (2023)।लाइब्रेरी रीडिंग हैबिट्स: ऐन एक्सप्लोरेटरी स्टडी ऑन स्कूल चिल्ड्रेन ऑफ दिल्ली. डेटा एनालिटिक्स एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, 3(1), 136-141।रेस्टपब्लिशर। https://doi.org/10.46632/daai/3/1/23
- मेहता,आर.(2023)।रीजन्स बिहाइंड हाई कंजम्पशन ऑफ फास्ट फूड इन यूथ ऑफ दिल्ली /एनसीआर : असर्वे. एग्रीकल्चरल, बायोलॉजिकल्स एंड फूड साइंस, 2(1), 13–22। रेस्टपब्लिशर। https://doi.org/10.46632/ abfs/2/1/3
- पांगटे एस, एंड अस्थाना, एन. (2024)। एथनिक आइडेंटिटी, सेल्फ-कॉन्सेप्ट अमंग डाइवर्स एथनोकल्चरल ग्रुप्स: अ नैरेटिव रिव्यू ऑफ द लिटरेचर, इंटर नेशनल जर्नल ऑफ एन हैन्स्डरि सर्च इन एजुकेशन लडेवेलपमेंट (आईजेईआरईडी) आई एस एस एन: 2320-8708, खंड12 अंक2, मार्च-अप्रैल, 2024, इम्पैक्ट फैक्टर : 8.37 (पृष्ठ183-189) https://erpublications.com/uploaded_files/download/shraddha-pangtey-dr-neelima-asthana_LPapd.pdf
- साजिद, ए. एंडमेहता, आर. (2023)।जेंडर डिफरेंस विद्रिगार्ड्सटू इमोशन रेगुलेशनइन चिल्ड्रेन। संप्रेषण, 182, 84–93यू जी सी केयर सूची बद्ध।
- सिंह, डी. एंडमेहता, आर. (2023)।सीइंग बियोंड बाइनरी: एक्सप्लोरिंग डाइव र्सिटीथ्रू दलेंस ऑफ थर्डजेंडर. जूनीख्यात जर्नल, 13(3), संख्या1.यू जी सी केयर1.
- सिंह, वी. वर्गीस, जे., एंडत्रिपाठी, पी. (2024)। अकं पेरेटिवस्टडी ऑफ हैप्पी नेसक्वोशिएंट ऑफ ग्रेजुएट लेवल स्टूडेंट्स स्टडिंग इन नैकए++ एक्रेडिटेड यूनिवर्सिटी एंडनॉन-एक्रेडिटेड स्टेट यूनिवर्सिटी. एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन: थियोरी एंड प्रैक्टिस, 30(4).

संपादित पुस्तकें

- मालवीय, आर., कालरा, एम., अस्थाना, एन., मेहता, आर. एंडअरोरासी. (संपा.) 2024. रिसर्च मेथडोलॉजी एक्रोस डिसिप्लिन्स, कनिष्का पब्लिशर्स, न्यू दिल्ली , आई एस बी एन-10 : 8197468273, आई एस बी एन-13 : 978-8197468278

पुस्तकों में अध्याय

- अग्रवाल, टी. एंडअस्थाना, एन. (2024), “न्यूट्री गार्डन्स: अ होलिस्टिक एप्रोच टू अटैन सस्टेनेबल डेवेलपमेंट गोल्स” (243-

249) सं. अस्थाना, एन., मालवीय, आर., कालरा, एम., मेहता, आर. एंडअरोड़ा, सी., रिसर्च मेथडोलॉजी एक्रोस डिसिप्लिन्स, कनिष्का पब्लिशर्स, न्यूदिल्ली, आईएसबीएन-10: 8197468273, आईएसबीएन-13: 978-8197468278

- मंडल, आर. एंड अस्थाना, एन. (2024), "एक्सप्लोरिंग ट्रेडिशनल नॉलेज: रिसर्च मेथडोलॉजीज एक्रोस डिसिप्लिन्स (पृष्ठ63-72), सं. अस्थाना, एन., मालवीय, आर., कालरा, एम., मेहता, आर. एंडअरोड़ा, सी., रिसर्च मेथडोलॉजी एक्रोस डिसिप्लिन्स, कनिष्का पब्लिशर्स, न्यू दिल्ली, आई एस बी एन-10: 8197468273, आई एस बी एन-13: 978-8197468278
- पांगटे, एस. एंड अस्थाना, एन. (2024), "रिसर्च मेथड्स फॉर सोशियो-इमोशनल वेल- बीइंग इन यंग चिल्ड्रेन" (पी पी 93-104) सं.अस्थाना, एन., मालवीय, आर., कालरा, एम., मेहता, आर. एंडअरोड़ा, सी., रिसर्च मेथडोलॉजी एक्रोस डिसिप्लिन्स, कनिष्का पब्लिशर्स, न्यू दिल्ली, आई एस बी एन-10: 8197468273, आई एस बी एन-13: 978-8197468278
- रॉय, पी. (2024), नैरेटिव इन्क्वायरी ऐज रिसर्चमेथड मालवीय, आर., कालरा, एम., अस्थाना, एन., मेहता, आर., एंडअरोड़ा, सी (सं) में। रिसर्च मेथडोलॉजी एक्रोस डिसिप्लिन्स (पृष्ठ34-41), कनिष्का पब्लिशर्स
- सिंह, एम., एंड त्रिपाठी, पी. (2024). एटीट्यूड-ड्रिवन सक्सेस: एक्ज़ामाइनिंग द इन्फ्लुएंस ऑफ पर्सनालिटी ट्रेट्स एंड रिसर्च एटीट्यूड ऑन टीचिंग प्रोफेशन पृष्ठ117. कनिष्का पब्लिशर्स, वितरक.आई एस बी एन978-81-974682-7-8
- विशु, के एम. एंड अस्थाना, एन. (2024), "रिसर्च मेथडॉलॉजीज इन न्यूट्रिशनल स्टडीज ऑफ चिल्ड्रेन विद् ऑटिज्म" (पृष्ठ153-159), सं.अस्थाना, एन., मालवीय, आर., कालरा, एम., मेहता, आर. एंड अरोड़ा, सी., रिसर्च मेथडोलॉजी एक्रोस डिसिप्लिन्स, कनिष्का पब्लिशर्स, न्यू दिल्ली, आई एस बी एन-10: 8197468273, आई एस बी एन-13: 978-8197468278

संगोष्ठियों/ सम्मेलनों/ कार्यशालाओं / प्रशिक्षणों में प्रस्तुतियां

- अस्थाना, एन. (2024), ईइको लेडे सहाउट्स एट्यूड्स एन साइंसेज सोशलेस (स्कूल फॉर एडवांस्डस्ट डीजइन द सोशल साइंसेज), मार्सिले (फ्रांस) में 22.5.2024 को "17वीं और18वीं सदी के भारत में शिक्षा प्रणाली", दक्षिण एशिया पर संगोष्ठी।
- मेहता, आर. (2023) 25 अक्टूबर 2023 कोमा इंड फुलनेस और सोशल-इमोशनल लर्निंग पर "बदलती दुनिया में समग्र शिक्षा शास्त्र: वैश्विक नागरिकों का पोषण" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुति।

छात्राओं को पीएचडी प्रदान की गई

- श्रुति पोखरियाल (2017) "युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य के बारे में दृष्टिकोण और अनुभव"। (2024 में डिग्री प्रदान की गई)।पर्यवेक्षक: प्रो. मणि भसीन कालरा।
- सुमन शर्मा (2018) , "दिव्यांग व्यक्तियों का सामाजिक समावेशन विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के संदर्भ में." (2024 डिग्री प्रदान की गई)। पर्यवेक्षक: प्रो. नीलिमा अस्थाना।
- तरुभी अग्रवाल (2018), "दिल्ली में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार से पीड़ित किशोरों (15-18 वर्ष) में आहार व्यवहार और पोषण स्थिति पर एक अध्ययन: परामर्श हस्तक्षेप" (2024 में डिग्री प्रदान की गई) पर्यवेक्षक: प्रो. नीलिमा अस्थाना।

पीएचडी कर रही छात्राएं

- अपराजिता नरूला (2018) "खुशी पाठ्यक्रम और स्कूल पारिस्थिति की: परिप्रेक्ष्य, विश्वास और स्कूली बच्चों पर प्रभाव"। पर्यवेक्षक: प्रो. मणि भसीन कालरा।
- अरिशा साजिद (2023) "मुरादाबाद में पीतल का काम करने वाले मुस्लिम परिवारों में पालन-पोषण के तरीके : पूर्व स्कूली बच्चों के बारे में अध्ययन"। पर्यवेक्षक: प्रो. ऋचा मेहता
- बसुधा (2021) "किशोरी शक्ति योजना के प्रभाव का आकलन करने के लिए, दिल्ली एन सी आर में योजना के तहत नामांकित लड़कियों के पोषण की स्थिति"। पर्यवेक्षक: प्रो. मणि भसीन कालरा।
- भव्या गौतम (2025) "ए डी एच डी में आयरन, जिंक और विटामिन डी की कमी की भूमिका: लक्षण प्रबंधन पर पोषण हस्तक्षेप के प्रभाव" (प्रस्तावित)। पर्यवेक्षक: प्रो. नीलिमा अस्थाना।
- दामिनी सिंह (2024) "ग्रीन और नॉन-ग्रीन स्कूलों में कार्बन हैंड प्रिंट बढ़ाने के बारे में विद्यार्थियों का क्षमता निर्माण" (प्रस्तावित)। पर्यवेक्षक: प्रो. नीलिमा अस्थाना।
- दिव्या कालरा (2018) "स्कूल के माहौल में आत्मबोध और बालसंज्ञान: एक सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य"। पर्यवेक्षक: प्रो. मणि भसीन कालरा।
- फरहीन जहान (2017) "कठिन परिस्थितियों में ग्रामीण किशोरों के जीवनकौशल"। पर्यवेक्षक: प्रो. रेणु मालवीय।

- गीतिका शर्मा (2021) “शिक्षकों की समझ, कक्षा की पद्धतियां और सामाजिक रूप से समावेशी कक्षाएँ बनाने के लिए शैक्षणिक दृष्टिकोण”। पर्यवेक्षक: प्रो. मणि भसीन कालरा।
- खुशबू सैनी (2018) “विशिष्ट अधिगम अक्षमता के साथ रहना: बच्चों की आवाज़”। पर्यवेक्षक: प्रो. रेणु मालवीय।
- निधि (2025) “छात्रों के अधिगम परिणामों और सामाजिक-भावनात्मक विकास पर नाटक और रंगमंच-आधारित शिक्षा शास्त्र के प्रभाव का अन्वेषण : एक समग्र दृष्टिकोण” (प्रस्तावित)। पर्यवेक्षक: प्रो. नीलिमा अस्थाना।
- प्राप्ति गुप्ता (2023) “आहार विविधता और खाद्य सुदृढ़ीकरण के बारे में शिक्षक का ज्ञान, विश्वास और व्यवहार”। पर्यवेक्षक: प्रो. मणि भसीन कालरा।
- प्रियंका राव (2021) “मनोग्रसित-बाध्यता विकार वाले लोगों की सामाजिक-पारिस्थितिक गतिशीलता”। पर्यवेक्षक: प्रो. मणि भसीन कालरा।
- पुनिया (2019) “दिल्ली विश्वविद्यालय के महाविद्यालय के विद्यार्थियों (18-24 वर्ष) की भावनात्मक बुद्धिमत्ता, सामान्य बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक प्रदर्शन के बीच संबंध”। पर्यवेक्षक: प्रो. रेणु मालवीय।
- रिमी मंडल (2023) “बक्सा हिल्स में दुक्पाजनजाति का पारंपरिक ज्ञान और प्रथाएं तथा उनके बच्चों की औपचारिक शिक्षा”। पर्यवेक्षक: प्रो. नीलिमा अस्थाना।
- श्रद्धा पांगटे (2022) “सांस्कृतिक निरंतरता और परिवर्तन: जोहारी शौका समुदाय का अध्ययन”। पर्यवेक्षक: प्रो. नीलिमा अस्थाना।
- स्मृति कुमार (2021) “मीडिया बच्चों के बीच अवास्तविक मानक बना रहा है” (संभावित)। पर्यवेक्षक: प्रो. नीलिमा अस्थाना।
- स्वाति शर्मा (2019) “दबंग: दिल्ली स्कूल सेटिंग में विकास से संबंधित परिप्रेक्ष्य में अंतर्दृष्टि”। पर्यवेक्षक: प्रो. रेणु मालवीय।
- विशु (2023) “ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (ए एस डी) वाले बच्चों (3-8 वर्ष) के प्राथमिक देखभाल कर्ताओं के बीच पोषण संबंधी ज्ञान, दृष्टिकोण और पद्धति: हस्तक्षेप के बारे में अध्ययन”। पर्यवेक्षक: प्रो. नीलिमा अस्थाना।

प्रशिक्षणों/ कार्यशालाओं का आयोजन या संचालन

- मेहता, आर. “बदलती दुनिया में समग्र शिक्षा शास्त्र: वैश्विक नागरिकों का पोषण” विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र की अध्यक्षता की।
- नाज़ली. अप्रैल 2024 में महाविद्यालय स्तर पर ऑटिज़्म जागरूकता पर कार्यशाला का आयोजन किया।
- रवि, के.एम. 29 से 31 जुलाई 2024 तक एन सी ई आर टी के प्रारंभिक शिक्षा विभाग द्वारा “जादुई पिटारे (टी एल एम किट) का उन्नयन” के लिए कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन ।

अन्य योगदान

- अरोड़ा, सी. ने डॉ. एम.जी.आर. एजुकेशनल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा 22-26 अप्रैल, 2024 को आयोजित “परिणाम आधारित शिक्षा” पर संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
- अरोड़ा, सी. ने 22 जनवरी से 20 फरवरी, 2024 तक “विश्वविद्यालयों/ महाविद्यालयों/ उच्चशिक्षा संस्थानों में संकाय” के लिए 4- सप्ताह का संकाय प्रेरण/ अभिविन्यास कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया।
- दीपिका. यू जी सी-मालवीय मिशन टीचर्स टीचिंग सेंटर के तत्वावधान में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला द्वारा 1 जुलाई, 2024 से 27 जुलाई, 2024 तक “विश्वविद्यालयों/ महाविद्यालयों /उच्चशिक्षा संस्थानों में संकाय” के लिए चार सप्ताह का ऑनलाइन संकाय प्रेरण/ अभिविन्यास कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया।
- खुराना, पी. ने 27 मार्च, 2024 से 23 अप्रैल, 2024 तक विश्वविद्यालयों/ महाविद्यालयों /उच्चशिक्षा संस्थानों में संकाय के लिए चार सप्ताह का ऑनलाइन संकाय प्रेरण/ अभिविन्यास कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया, जिसका आयोजन शिक्षण अधिगम केंद्र, रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा मंत्रालय, मालवीय मिशन टीचर्स टीचिंग प्रोग्राम के तत्वावधान में किया गया था।
- खुराना, पी. ने 4 जून, 2024 से 13 जून, 2024 तक “एन ई पी अभिविन्यास और संवेदन शीलता कार्यक्रम” पर दो सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया, जिसका आयोजन उच्चशिक्षा में व्यावसायिक विकास केंद्र (सीपीडीएचई) मालवीय मिशन टीचर्स टीचिंग सेंटर (यूजीसी-एमएमटीटीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा सत्यवती महाविद्यालय , दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से किया गया था।

- रवि, के.एम. ने यू जी सी –मालवीय मिशन टीचर्स टीचिंग सेंटर के तत्वावधान में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला द्वारा 1 जुलाई, 2024 से 27 जुलाई, 2024 तक "विश्वविद्यालयों/ महाविद्यालयों/उच्चशिक्षा संस्थानों में संकाय" के लिए चार सप्ताह का ऑनलाइन संकाय प्रेरण/ अभिविन्यास कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया।
- शर्मा, जी. ने 27 मार्च, 2024 से 23 अप्रैल, 2024 तक विश्वविद्यालयों/ महाविद्यालयों / उच्चशिक्षा संस्थानों में संकाय के लिए चार सप्ताह का ऑनलाइन संकाय प्रेरण/ अभिविन्यास कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया, जिसका आयोजन शिक्षण अधिगम केंद्र, रामानुजन महाविद्यालय , दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा मंत्रालय, मालवीय मिशन टीचर्स टीचिंग प्रोग्राम के तत्वावधान में किया गया था।
- त्रिपाठी, पी. ने यू जी सी –मालवीय मिशन टीचर्स टीचिंग सेंटर के तत्वावधान में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमलाद्वारा1 जुलाई, 2024 से 27 जुलाई, 2024 तक "विश्वविद्यालयों/ महाविद्यालयों/ उच्चशिक्षा संस्थानों में संकाय" के लिए चार सप्ताह का ऑनलाइन संकाय प्रेरण/अभिविन्यास कार्यक्रम सफलता पूर्वक पूरा किया।

खाद्य एवं पोषण और खाद्य प्रौद्योगिकी

पुरस्कार/पेटेंट/ कॉपीराइट

- अग्रवाल, ए. (2023)। गृह विज्ञान में अभिनव अनुसंधान के लिए कंवलनाथ पद्मबोधिनी अनुसंधान पुरस्कार लेडी इर्विन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।
- चड्डा, आर., एंड विदिशा (2023)। भारतीय आहार अंश मूल्यांकन सॉफ्टवेयर - उपयोगकर्ता मैनुअल, खाद्य फोटोग्राफ श्रृंखला, मानकीकृत मूल्य, और खाद्य पदार्थों की रेसिपी (साहित्यिक कार्य) [कॉपीराइट पंजीकरण संख्या एल-123586/2023]
- चड्डा, आर., एंड विदिशा (2023)। खाद्य पदार्थ स्थिरता मूल्यांकन वीडियो (सिनेमैटोग्राफ फिल्म कार्य) [कॉपीराइट पंजीकरण संख्या सीएफ-5419/2023]
- लाल, पी. आर. (2023)। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली में एनईपी के तहत वीएसी: आयुर्वेद और पोषण को डिजाइन और लागू करने के लिए डीन अवार्ड ऑफ एप्रीसिएशन
- रेड्डी, डी. के. (22-24 जनवरी, 2024)। खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी और पोषण में नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एमआईटी-वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी, पुणे और लोयोला अकादमी, हैदराबाद में बेस्ट ओरल प्रेजेंटेशन

शोध प्रकाशन

- अग्रवाल, ए., गांधी, एस., त्रिपाठी, ए. डी., गुप्ता, ए., इमरिनो, एम., एंड सिद्धू, जे. के. (2024) । फूड कंटैमिनेशन फ्रॉम पैकेजिंग मैटीरियल विद् स्पेशल फोकस ऑन बिस्फेनॉल-ए. क्रिटिकल रिव्यूज इन बायोटेक्नोलॉजी, 1(1), 1–11.
- अग्रवाल, ए., रिजवाना, त्रिपाठी, ए. डी., कुमार, टी., शर्मा, के. पी., एंड पटेल, एस. के. एस. (2023) । न्यूट्रिशनल एंड फंक्शनल न्यू पर्सपेक्टिव्स एंड पोटेंशियल हेल्थ बेनिफिट्स ऑफ क्वीनोआ एंड चिया सीड्स. एंटीआक्सीडेंट्स, 12(7), 1413. https://doi.org/10.3390/antiox12071413
- अग्रवाल, के., रुबेका, जैन, एस., हीरांगखोंगजम, एम. डी., एंड अग्रवाल, ए. (2024) । गेल्लन गम-बेस्ड फिल्म्स. इन पॉलिसैकराइड बेस्ड फिल्म्स फॉर फूड पैकेजिंग: फंडामेंटल्स, प्रॉपर्टीज एंड एप्लिकेशन्स 197–217. स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर https://doi.org/10.1007/978-981-99-4898-7_8
- आहूजा, ए., कौल, जी., दुआ, एस., अग्रवाल, ए., एंड त्रिपाठी, ए. डी. (2024) । इम्पैक्ट ऑफ क्लाइमेट चेंज इन सस्टेनेबल फूड प्रोडक्शन. वर्ल्ड सस्टेनेबिलिटी सीरीज, 413–435. https://doi.org/10.1007/978-3-031- 47122-3_21
- अरोड़ा, आर., अग्रवाल, ए., हलीम, आर., एंड शुक्ला, एस. के. (2023) । सिनर्जिस्टिक इवोल्यूशन ऑफ स्टेबल बायोएक्टिविटी एंड बेटर मेकैनिकल स्ट्रेंग्थ आईएन पॉलिविनाइल एल्कोहॉल एंड स्वीट लाइम पील फिल्म. रिसर्च स्क्वायर. https://doi.org/10.21203/rs.3.rs-3213771/v1
- अयूब, एफ., वर्मा, एल., थॉमस, टी., एट अल. (2024). ऐन ऑप्टिमाइजेशन टूल टू फॉर्म्युलेट डाइट्स विदइन अ सप्लीमेंटरी न्यूट्रिशन प्रोग्राम फॉर चिल्ड्रेन. करंट डेवेलपमेंट्स इन न्यूट्रिशन, 8(1), 1–9.
- बक्शी, ए., सिंह, के., एंड सिद्धू, ए. (2023) । स्टेज-स्ट्रेटिफाइड एनालिसिस ऑफ हैंडग्रिप स्ट्रेंग्थ एंड बॉडी कंपोजिशन ऑफ क्रोनिक किडनी डिसीज पेशंट्स. एशियन पैसिफिक जर्नल ऑफ हेल्थ साइंसेज, 10(1), 1–10.

- बस्सी, एस., बहल, डी., गोपाल, एस., सेठी, वी., बैकहोलर, के., गवरवरपु, एस.एम., बाबू, जी.आर., घोष-जेरथ, एस., भाटिया, एन., अनेजा, के., कटारिया, आई., मिश्रा, पी., डे वाग्ट, ए., एंड अरोड़ा, एम. (2024). आर एडवर्टाइजिंग पॉलिसीज अफर्मेटिव इन रेस्ट्रिक्टिंग द मार्केटिंग ऑफ फूड्स हाई इन फैट, सॉल्ट, एंड शुगर (एचएफएसएस) इन इंडिया? एविडेंस फ्रॉम एसडब्ल्यूओटी एनालिसिस. द लैंसेट रिजनल हेल्थ – साउथईस्ट एशिया, 21, 100315.
- बस्सी, एस., सेठी, वी., बहल, डी., कुमार, ए., चेओडॉन, टी., भाटिया, एन., डे वाग्ट, ए., जो, डब्ल्यू., एंड अरोड़ा, एम. (2024)। प्रीवैलेंस एंड डिटरमिनेंट्स ऑफ ओवरवेट एंड ओबेसिटी अमंग इंडियन चिल्ड्रेन एंड एडोलेसेंट्स (0–19 ईयर्स): फाइंडिंग्स फ्रॉम द कॉम्प्रीहेंसिव नेशनल न्यूट्रिशन सर्वे (सीएनएनएस). पीडियाट्रिक ओबेसिटी, 19(4), ई13092.
- शर्मा, वी., एंड चड्ढा, आर. (2023)। डेवेलपमेंट एंड इवैल्यूएशन ऑफ फूड फोटोग्राफ सीरीज सॉफ्टवेयर फोर पोर्शन साइज़ एस्टीमेशन अमंग अर्बन नॉर्थ इंडियन एडल्ट्स. मेडिटेरेनियन जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन एंड मेटाबोलिज्म, 16(4), 293–312.
- चतुर्वेदी, एस., त्रिपाठी, डी., भाटिया, एन., विक्रम, एन. के., एंड पांडे, आर. एम. (2024)। प्रोटीन-रिच डाइट शील्ड्स अगेंस्ट एमएएसएलडी, व्हाइल सैच्युरेटेड फैटी एसिड्स (एसएफए) इंटेक एलीवेट्स एमएएसएलडी रिस्क: फाइंडिंग्स ऑफ अ केस-कंट्रोल इनवेस्टिगेशन. क्लिनिकल न्यूट्रिशन ईएसपीईएन, 63, 1203.
- चतुर्वेदी, एस., त्रिपाठी, डी., विक्रम, एन. के., मधुसूदन, के. एस., पांडे, आर. एम., एंड भाटिया, एन. (2024)। डायटरी पैटर्न एसोसिएटेड विद् नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिसीज (एनएएफएलडी) इन नॉन-डायबिटिक एडल्ट पेशेंट्स: अ केस-कंट्रोल स्टडी.क्लिनिकल न्यूट्रिशन ईएसपीईएन, 60, 247-253.
- गर्ग, एम., सूरज, आर. के., सचदेवा, एस., मैथ्यू, एस. आर., एंड अग्रवाल, ए. (2023)। क्वॉलिटी असेसमेंट ऑफ वैल्यू- एडेड इंडियन रेसिपि पेड़किया प्रीपेयर्ड फ्रॉम कंपोजिट फ्लोर एंड सेसमी सीड्स. जर्नल ऑफ एप्लाइड एंड नेचुरल साइंस, 15(2), 767–776. https://doi.org/10.31018/jans.v15i2.4538
- गर्ग, एम., त्यागी, पी., सचदेवा, एस., मैथ्यू, एस.आर., एंड अग्रवाल, ए. (2024). क्वॉलिटी असेसमेंट ऑफ वैल्यू- एडेड इंडियन रेसिपि पापड़ प्रीपेयर्ड फ्रॉम डिहाइड्रेटिड कैरट पमिस पाउडर. जर्नल ऑफ एप्लाइड एंड नेचुरल साइंस, 16(1), 445–456.
- गुप्ता, ए., सचदेव, एच.एस., कपिल, यू., प्रकाश, एस., पांडे, आर.एम., एंड लाल, पी.आर. (2024)। इटियोलॉजी ऑफ माइल्ड एंड मॉडरेट एनीमिया अमंग रुरल एडोलेसेंट गर्ल्स इन इंडिया. इंडियन जर्नल ऑफ हेमेटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूज़न, 40(2), 255–260.
- जैन, एस., बख्शी, एन., अग्रवाल, के., एंड हीरांगखोंगजम, एम.डी. (2023)। माइक्रोन्यूट्रिएंट लेवल्स ऑफ कोविड-19 पेशेंट्स—अ सिस्टमैटिक रिव्यू ऑफ हॉस्पिटलाइज्ड पेशेंट्स. आईएलएसआई मोनोग्राफ सीरीज ऑन साइंस फोर पब्लिक हेल्थ 4, 1–36.
- कपूर, आर., सभरवाल, एम., एंड घोष-जेरथ, एस. (2024)। को-एक्जिस्टेंस ऑफ पोटेंशियली सस्टेनेबल इंडीजीनस फूड सिस्टम्स एंड पूअर न्यूट्रिशनल स्टैटस इन हो इंडीजीनस कम्यूनिटी, इंडिया: ऐन एक्सप्लोरेटरी स्टडी. एनवायर्नमेंटल रिसर्च लेटर्स,19(6), 064033.
- कपूर, आर., सभरवाल, एम., एंड घोष-जेरथ, एस. (2024)। एक्सप्लोरिंग ट्रेडिशनल फूडवेज फॉर न्यूट्रिशनल वेल-बीइंग अमंगस्ट वल्नरेबल कम्यूनिटीज: इनसाइट्स फ्रॉम द हो इंडीजीनस कम्यूनिटी ऑफ झारखंड, इंडिया. करंट रिसर्च इन न्यूट्रिशन एंड फूड साइंस जर्नल,12(2), 1–12.
- कोडंडाराम रेड्डी, डी., एंड माथुर, पी. (2023–2024)। रिड्यूसिंग ट्रांस-फैट इन बेकरी प्रोडक्ट्स: चैलेंजिस एंड अपॉर्च्यूनिटीज फॉर सेंसरी क्वॉलिटी एंड हेल्थ.जर्नल ऑफ लिपिड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 55–56(1–4), 1–10.
- कुमारी, ए., राव, ई.एस., एंड अग्रवाल, ए. (2023)। अ रिव्यू ऑन बाई-प्रोडक्ट यूटिलाइजेशन ऑफ प्लांटेन. जर्नल ऑफ पोस्टहार्वेस्ट टेक्नोलॉजी, 11(3), 138–153.
- लता, आर., जायसवाल, वी.पी., पॉल, वी., त्रिपाठी, ए.डी., अग्रवाल, ए., एंड राय, डी.सी. (2023)। स्टैंडर्डाइजेशन ऑफ प्रोसेस वेरिएबल्स फॉर डेवेलपमेंट ऑफ ट्रेडिशनल इंडियन डेयरी प्रोडक्ट हर्बल एपल राबरी विद् इम्प्रूव्ड आर्गेनोलेप्टिक, टेक्सचरल, एंटीआक्सीडेंट्स, फंक्शनल एट्रीब्यूट्स एंड शेल्फ लाइफ. जर्नल ऑफ एथनिक फूड्स, 10(1), 1-10. https://doi.org/10.1186/s42779-023-00213-3.
- मागो, पी., कौर, एस., श्रीवास्तव, आई., मेहरोत्रा, आर., कौर, के., शर्मा, आर., एंड यादव, ए. (2023)। अ रिव्यू ऑन अनरेवलिंग द मेडिसिनल प्रॉपर्टीज ऑफ मैजिकल मशरूम्स: कॉर्डिसेप्स मिलिटेरिस. बायोमेडिसिन, 43(5), 1368–1375.

- मनचंदा, एन., शुक्ला, पी., एंड जायसवाल, एन. (2024)। इफैक्ट ऑफ वर्क-फ्रॉम-होम एनवायर्नमेंट ऑन डायटरी इंटेक एंड फिजिकल एक्टिविटी ऑफ मैरिड वर्किंग वीमेन.द इंडियन जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स, 59, 345–354.
- मैथ्यू, एस.आर., सुषमा, पी.एस., राव, ई.एस., एंड अग्रवाल, ए. (2023)। फेनिलथियोकार्बामाइड (पीटीसी) टेस्ट परसेप्शन: अ स्टडी कॉररिलेटिंग द सेंसिटिविटी टू बिटर टेस्ट एंड द इन्फ्लुएंस ऑफ वेरियस डेमोग्राफिक एंड साइकोग्राफिक पैरामीटर्स. जर्नल ऑफ एप्लाइड बायोलॉजिकल साइंसेज, 17(3), 407-416.
- माथुर, पी., एंड बख्शी, ए. (2024)। इफैक्ट ऑफ नॉन-न्यूट्रिटिव स्वीटनर्स ऑन इन्सुलिन रेगुलेशन, ग्लाइसेमिक रिस्पोंस,एपेटाइट, एंड वेट मैनेजमेंट: अ सिस्टमैटिक रिव्यू. न्यूट्रिशन एंड फूड साइंस, 54(1), 100–119.
- मौर्य, के.के., त्रिपाठी, ए.डी., कुमार, डी., पनेसर, पी.एस., पॉल, वी., एंड अग्रवाल, ए. (2024)। स्टैंडर्डाइजेशन ऑफ प्रोसेस पैरामीटर फॉर एनहैन्स्ड प्रोडिजियोसिन प्रोडक्शन फ्रॉम व्हीट ब्रान यूजिंग तागुची मेथडोलॉजी. वेस्ट एंड बायोमास वैलोराइजेशन, 15(11), 6159–6170.
- मौर्य, के.के., त्रिपाठी, ए.डी., कुमार, डी., राम्या, टी.एस., पॉल, वी., एंड अग्रवाल, ए. (2023)। ग्रोथ काइनेटिक्स ऑफ प्रोडिजियोसिन (फूड कलर) प्रोड्यूस्ड बाई नोवेल सेरेटिया मार्सेसेंस भू प्रोडिग अंडर सबमर्ज्ड फरमेंटेशन (एसएमएफ). मॉलिक्यूलर बायोटेक्नोलॉजी https://doi.org/10.1007/s12033-023-00925-6
- मेदिरत्ता, एस., एंड माथुर, पी. (2023)। डज़ न्यूट्रिशनल नॉलेज ट्रांसलेट इनटू हेल्थियर डायटरी प्रैक्टिसिज? परसेप्शंस एंड बैरियर्स टू हेल्दी ईटिंग अमंग इंडियन एडल्ट्स.द इंडियन जर्नल ऑफ़ न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स, 60(4), 505–519.
- मेदिरत्ता, एस., एंड माथुर, पी. (2023)। न्यूट्रिशनल क्वॉलिटी ऑफ डाइट्स ऑफ एडल्ट्स (20-40 ईयर्स) इन दिल्ली, इंडिया द इंडियन जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स, 60 (3). https://doi.org/10.21048/IJND.2023.60.3.32325
- मेदिरत्ता, एस., एंड माथुर, पी. (2023)। द क्वॉलिटी ऑफ इंडियन डाइट्स: ए कम्पेरिसन ऑफ टू इंडिसेज टू प्रेडिक्ट रिस्क ऑफ डायटरी इनैडिक्वसीज लिंक्ड टू नॉन-कम्यूनिकेबल डिसीज. वर्ल्ड न्यूट्रिशन, 14(3), 36-47. https:// doi.org/10.26596/ wn.202314336-47
- मेदिरत्ता, एस., घोष, एस., एंड माथुर, पी. (2023)। इंटेक ऑफ अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड, डायटरी डाइवर्सिटी एंड द रिस्क ऑफ न्यूट्रिशनल इनैडिक्वसी अमंग एडल्ट्स इन इंडिया.पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन, -10. doi:10.1017/ S1368980023002112
- नंदन, ए., कोइराला, पी., दत्त त्रिपाठी, ए., विक्रांत, यू., शाह, के., गुप्ता, ए. जे., अग्रवाल, ए., एंड निर्मल, एन. (2024)। न्यूट्रिशनल एंड फंक्शनल पर्सपेक्टिव्स ऑफ न्यूडोसिरियल्स. फूड केमिस्ट्री, 448, 139072.
- पाल, एस. के., एंड कुमार, टी. (2023)। द इन-सिलिको हंट फॉर द इनहिबिटर अगैंस्ट एलपीएक्ससी एन्जाइम फ्रॉम साल्मोनेला टाइफी फ्रॉम नेचुरल प्रोडक्ट डेरिवेटिव्स। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन एंड मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, 3(2), 47–59.
- पाटिल, टी. डी., घोष, एस., अग्रवाल, ए., पटेल, एस. के. एस., त्रिपाठी, ए. डी., महतो, डी. के., कुमार, पी., स्लैमा, पी., पावलिक, ए., एंड हक, एस. (2024)। प्रोडक्शन, आप्टिमाइजेशन, स्केल-अप, एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ पॉलीहाइड्रॉक्सीअल्कानोएट कोपोलीमर्स यूटिलाइजिंग डेयरी प्रोसेसिंग वेस्ट। साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 14(1), 1–10.
- पॉल, वी., अग्रवाल, ए., दत्त त्रिपाठी, ए., एंड सिरोही, आर. (2023)। वैलोराइजेशन ऑफ लिग्निन फॉर द प्रोडक्शन ऑफ वैनिलिन बाई बेसिलस आर्यभट्टै एनसीआईएम 5503 बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी, 385, 129420. https://doi. org/10.1016/j. biortech.2023.129420
- पॉल, वी., राय, एन., अग्रवाल, ए., गौतम, वी., एंड त्रिपाठी, ए. डी. (2023)। वैलोराइजेशन ऑफ लिग्नोसेल्युलोसिक वेस्ट (कोकोनट कोइर) फॉर बायो-वैनिलिन प्रोडक्शन हेविंग एंटीआक्सिडेंट एंड एंटीकैंसर एक्टिविटी अगैंस्ट ह्यूमन ब्रेस्ट कैंसर सेल्स (एमसीएफ-7). इंडस्ट्रीयल क्रॉप्स एंड प्रोडक्ट्स, 205, 117502. https://doi.org/10.1016/j. indcrop.2023.117502
- पॉल, वी., राय, एस., विक्रांत, यू., नंदन, ए., अग्रवाल, ए., एंड त्रिपाठी, ए. डी. (2024)। स्टार्च-पीएचए बेस्ड बायोपोलीमर्स विद् पोटेंशियल फूड एप्लिकेशन्स. स्टार्च – स्टार्के, 76(11–12). https://doi.org/10.1002/ star.202300131
- रितिका, रिजवाना, शुक्ला, एस., सोंधी, ए., त्रिपाठी, ए. डी., ली, जे.-के., पटेल, एस. के. एस., एंड अग्रवाल, ए. (2024)। वैलराइजेशन ऑफ फ्रूट वेस्ट फॉर हार्नेसिंग द बायोएक्टिव कंपाउंड्स एंड इट्स थेराप्यूटिक एप्लीकेशन. ट्रेंड्स इन फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 144, 104302. https://doi.org/10.1016/j.tifs.2023.104302

- सेबेस्टियन, एस., त्रिपाठी, ए. डी., पॉल, वी., दरानी, के. के., एंड अग्रवाल, ए. (2023)। प्रोडक्शन काइनेटिक्स एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ नेचुरल फूड कलर (टोरुलरहोडिन) विद् एंटीमाइक्रोबियल पोटेंशियल बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी रिपोर्ट, 24, 101652. https://doi.org/10.1016/j.biteb.2023.101652
- शर्मा, वी., एंड चड्डा, आर. (2023)। डेवेलपमेंट एंड इवैल्यूएशन ऑफ फूड फोटोग्राफ सीरीज सॉफ्टवेयर फॉर पोर्शन साइज़ एस्टीमेशन अमंग अर्बन नॉर्थ इंडियन एडल्ट्स.मेडिटेरेनियन जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन एंड मेटाबॉलिज्म, 16(4), 293–312.
- सिंधुजा एम, वर्मा एल, गुप्ता एल एंड ऋषि एल (2023)। यूज ऑफ न्यूट्रिशनल एर्गोजेनिक ऐड्स बाई एडल्ट्स ट्रेनिंग फॉर हेल्थ-रिलेटेड फिटनेस इन जिम्नेजिया- अ स्कोपिंग रिव्यू, इंडियन जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स, खंड 60 (1), 32-48.
- सिंधुजा एम, वर्मा एल, ऋषि एल (2024)। योगिक इंटरवेंशन्स फॉर वेट लॉस -अ नैरेटिव रिव्यू इंडियन जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स 61(1),84-99.
- सिंह, पी. के., चोपड़ा, आर., गर्ग, एम., चौहान, के., एंड अग्रवाल, ए. (2024)। स्टेबिलिटी ऑफ पेरिला सीड ऑयल बेस्ड पुफा-रिच स्ट्रक्चर्ड लिपिड्स यूजिंग एंजाइमेटिक इंटरेस्टिफिकेशन: अ थर्मो-आक्सीडेटिव काइनेटिक स्टडी. इंडस्ट्रीयल क्रॉप्स एंड प्रोडक्ट्स, 209, 118029. https://doi.org/10.1016/j.indcrop.2024.118029
- ठाकुर, एस., माथुर, पी. (2023)। इम्पैक्ट ऑफ कोविड-19 पैंडेमिक ऑन द ईटिंग हैबिट्स एंड लाइफस्टाइल ऑफ चिल्ड्रेन एंड देअर फैमिलीज इन नॉर्थ इंडिया जे पब्लिक हेल्थ (बर्ल), 33, 79-91. https://doi.org/10.1007/s10389-023- 01993-3
- थपलियाल एन, बस्सी एस, बहल डी, चौहान के, बैकहोलर के, भाटिया एन, घोष-जेरथ एस, त्रिपाठी एल, मिश्रा पी, चंद्रा एस एंड अरोड़ा एम. ए. (2024)। अ स्कोपिंग रिव्यू ऑफ एक्जिस्टिंग पॉलिसी इंस्ट्रूमेंट्स टू टैकल ओवरवेट एंड ओबेसिटी इन इंडिया: रिकमेंडेशंस फॉर अ सोशल एंड बिहेवियर चेंज कम्यूनिकेशन स्ट्रेटेजी. एफ1000रिसर्च.. 13:496. https://doi.org/10.12688/f1000research.149857.2
- त्रिपाठी, डी., विक्रम, एन. के., चतुर्वेदी, एस. एंड भाटिया, एन. (2024)। डेवेलपमेंट ऑफ डायबिटीज सूत्र, अ मोबाइल एप्लीकेशन फॉर लाइफस्टाइल मैनेजमेंट ऑफ टाइप 2 डायबिटीज इन इंडिया. जर्नल ऑफ डायबिटीज एंड मेटाबॉलिक डिसआर्डर्स, 23, 709–720.
- वर्गीस, बी., पनिकर, आर., मुखोपाध्याय, डी., बैकहोलर, के., सेठी, वी., डे वाग्ट, ए., मुरीरा, जेड., भाटिया, एन., एंड अरोड़ा, एम. (2024)। एस्टीमेटिंग द पोटेंशियल इम्पैक्ट ऑफ अ हेल्थ टैक्स ऑन द डिमांड फॉर अनहेल्थी फूड एंड बेवरेज एंड ऑन टैक्स रेवेन्यू इन इंडिया. हेल्थ पॉलिसी एंड प्लानिंग, 39(3), 39(3), 299–306. https://doi. org/10.1093/heapol/czad117
- वर्मा, ए., वर्मा, एल., एंड बख्शी, ए. (2024). लाइफस्टाइल रिस्क फैक्टर्स एंड एसोसिएटेड डिजीज अमंग स्कूल टीचर्स ऑफ नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली : अ क्रॉस-सेक्शनल स्टडी.द इंडियन जर्नल ऑफ होम साइंस, 36(1), 1–12.

पुस्तके/पुस्तकों में अध्याय

- अग्रवाल, के., रुबेका, जैन, एस., हीरंगखोंगजम, एम.डी., एंड अग्रवाल, ए. (2024)। गेलन गम-बेस्ड फिल्म्स. पॉलीसैकराइड-बेस्ड फिल्म्स फॉर फूड पैकेजिंग: फंडामेंटल्स, प्रॉपर्टीज, एंड एप्लिकेशन्स (पृष्ठ 197-217) में। स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-99-4898-7_8
- अग्रवाल, के., एंड हीरंगखोंगजम, एम.डी. (2024)। एनर्जी. एप्लाइड न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स. आर्य पब्लिशिंग कंपनी, सिरमौर, हिमाचल प्रदेश।
- अग्रवाल, डी., यादव, यू., सिंह, पी., अरोड़ा, बी., एंड खुराना, एस. (2023)। प्रोबायोटिक फूड्स। एस. ए. वानी, एम. एस. एल्शिख, एम. एस. अल-वहैबी, एंड एच. आर. नाइक (संपा.) में, फंक्शनल फूड्स: टेक्नोलॉजिकल चैलेंज एंड एडवांसमेंट इन हेल्थ प्रोमोशन (पहला संस्करण, पृ. 222-247)। सीआरसी प्रेस . https://doi.org/10.1201/9781003315100
- आहूजा, ए., कौल, जी., दुआ, एस., अग्रवाल, ए., एंड त्रिपाठी, ए. डी. (2024). इम्पैक्ट ऑफ क्लाइमेट चेंज इन सस्टेनेबल फूड प्रोडक्शन. वर्ल्ड सस्टेनेबिलिटी सीरीज में (पृष्ठ 413-435). स्प्रिंगर. https://doi.org/10.1007/978-3-031- 47122-3_21
- बख्शी, ए. (2024)।मिनरल्स। एप्लाइड न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स फॉर बी.एससी. नर्सिंग में. आर्य पब्लिशिंग हाउस आईएसबीएन 978-93-6059-169-4

- बख्शी, एन., एंड बख्शी, ए. (2024)। बेसिक्स ऑफ फूड एंड न्यूट्रिशन। आर्य बुक पब्लिशर्स।
- बजरिया, बी., एंड नीरज (2023)। जनरल ओवरव्यू ऑफ कंपोजिशन, यूज इन ह्यूमन न्यूट्रिशन, प्रोसेस ऑफ स्प्राउटिंग, चेंज इन कंपोजिशन ड्यूरिंग स्प्राउटिंग, पैरामीटर एफेक्टिंग न्यूट्रिशनल क्वॉलिटी ड्यूरिंग स्प्राउटिंग, बेनिफिट्स ऑफ स्प्राउट्स, न्यूट्रिशनल वैल्यूज, एंड फूड सेफ्टी इश्यूज ऑफ एलियम स्प्राउट्स. एडवांसेज इन प्लांट स्प्राउट्स में. स्प्रिंगर नेचर।
- भाटिया, एन., बख्शी, एन., एंड बख्शी, ए. (2023)। न्यूट्रिशियस रेसिपीज: फॉर ट्यूबरकुलोसिस पेशंट्स एंड दोज विद् अॅदर न्यूट्रिशनल डेफिशिएंसी डिजीजिज. मुंडोना रुरल डेवलपमेंट फाउंडेशन.
- बिंदु (2024). फैट्स. बी.एस.सी. एप्लाइड न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स फॉर बी.एससी. नर्सिंग में(प्रथम संस्करण, पृष्ठ 27-33) आर्य पब्लिशिंग हाउस .आईएसबीएन 978-93-6059-169-4.
- बिंदु, एंड नीरज (2023)। वेस्ट मैनेजमेंट ऑफ द फ्रूट एंड वेजिटेबल इंडस्ट्री. फूड प्रोसेसिंग वेस्ट एंड यूटिलाइजेशन (पृष्ठ 35-53)। टेलर एंड फ्रांसिस। https://doi.org/10.4324/9781003207689
- चुटानी, ए.एम., एंड बख्शी, ए. (2024)। कार्डियो-वैस्कुलर डिसआर्डर्स. प्रिंसिपल्स ऑफ मेडिकल न्यूट्रिशन थेरेपी फॉर पोजिटिव क्लिनिकल आउटकम्स में (दूसरा संस्करण) ।
- चुटानी, ए.एम., एंड बख्शी, ए. (2024)। डाइट थेरेपी फोर डिस्लिपिडेमिया : अ रिव्यू ऑफ क्लिनिकल ट्रायल्स. योगा फॉर कार्डियोवैस्कुलर डिसीज एंड रिहैबिलिटेशन में। एल्सेवियर, एकेडमिक प्रेस।
- देशम, के.आर. (संपा.) (2024)। फ्यूचरिस्टिक ट्रेंड्स इन एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एंड फूड साइंसेज (खंड 3)। आईआईपी इटरेटिव इंटरनेशनल पब्लिशर्स.
- गर्ग, एम., चतुर्वेदी, एस., सबलानिया, वी., एंड बिंदु। (2024)। प्रैक्टिकल मैनुअल ऑफ फूड इंजीनियरिंग-II. आईबीएस पब्लिशर्स.
- गर्ग, एम., चतुर्वेदी, एस., सबलानिया, वी., बिंदु, एंड राव, ई.एस. (2024)। प्रैक्टिकल मैनुअल ऑफ फूड इंजीनियरिंग-I. आईबीएस पब्लिशर्स.
- हंसा, एस., यादव, ए., तिवारी, आर., एंड धेवा, टी. (2023)। मॉलिक्यूलर न्यूट्रिशन एंड न्यूट्रिएंट–जीन इंटरैक्शंस. न्यूट्रिशनल साइंस एंड टेक्नोलॉजी: कॉन्सेप्ट टू एप्लीकेशन (पृष्ठ 335-354) में।
- हीरांगखोंगजम, एम.डी. (2023)। आयुर्वेदिक आहार: एफएसएसएआई रेगुलेशंस. अ हैंडबुक ऑफ आयुर्वेद एंड न्यूट्रिशन. एलीट पब्लिशिंग।
- हेरांगखोंगजम, एम.डी. (2023)। ट्रेडिशनल मेडिसिनल प्लांट्स इन द मैनेजमेंट ऑफ स्ट्रेस एंड प्रीवेंशन ऑफ नॉन-कम्यूनिकेबल डिजीजिज.। अ हैंडबुक ऑफ आयुर्वेद एंड न्यूट्रिशन.एलीट पब्लिशिंग, नई दिल्ली।
- हेरांगखोंगजम, एम.डी.(2024)।विटामिन्स। एप्लाइड न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स. आर्य पब्लिशिंग कंपनी, सिरमौर, हिमाचल प्रदेश।
- लाल, पी.आर. (संपा.) (2023)।अ हैंडबुक ऑफ आयुर्वेद एंड न्यूट्रिशन. (दूसरा संस्करण)। एलीट पब्लिशिंग हाउस.
- माथुर, पी. (2024)। इंट्रोडक्शन टू न्यूट्रिशन। पी. माथुर एंड एल. वर्मा (संपा.) में, एप्लाइड न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स फॉर बी.एससी. नर्सिंग .आर्य पब्लिशिंग
- माथुर, पी., एंड वर्मा, एल. (संपा.) (2024)। एप्लाइड न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स फॉर बी.एससी. नर्सिंग .आर्य पब्लिशिंग हाउस.
- नटराजन, एन., एंड कौर, एम. (2023)। ट्रांसडिसिप्लिनरी एप्रोचेज फॉर क्वॉलिटी एजुकेशन थ्रू एनईपी 2020. डी. कंसल एंड पी. शारदा (संपा.) सस्टेनेबल एजुकेशन एलाइनिंग विद् एनईपी 2020 एंड एसडीजी 2030 (पृष्ठ 209-216) में। मोहिंद्रा पब्लिशिंग हाउस.आईएसबीएन: 978-93-90758-86-9
- राव, ई.एस., ढोलकिया, पी., मलिक, पी.डी., यादव, वी., एंड खुराना, एस. (2024)। हैंडबुक ऑफ बेकरी साइंस एंड टेक्नोलॉजी. इंदु बुक सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड।
- रिजवाना, सबलानिया, वी., चतुर्वेदी, एस., एंड बिंदु (2024)।अ हैंडबुक ऑन नोवेल फूड प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी प्रैक्टिकल्स. आईबीएस पब्लिशर्स.
- सेठ, वी., एंड बख्शी, ए. (2024)। प्रिंसिपल्स ऑफ डाइट थेरेपी. प्रिंसिपल्स ऑफ मेडिकल न्यूट्रिशन थेरेपी फॉर पोजिटिव क्लिनिकल आउटकम्स (दूसरा संस्करण) में

- सेठ, वी., एंड बख्शी, ए. (2024)। द न्यूट्रिशन केयर प्रोसेस. प्रिंसिपल्स ऑफ मेडिकल न्यूट्रिशन थेरेपी फॉर पोजिटिव क्लिनिकल आउटकम्स (दूसरा संस्करण) में
- सेठ, वी., एंड बख्शी, ए. (2024)। जनरल प्रिंसिपल्स ऑफ डायटरी मैनेजमेंट ऑफ सम कॉमन रेनल डिसआर्डर्स. प्रिंसिपल्स ऑफ मेडिकल न्यूट्रिशन थेरेपी फॉर पोजिटिव क्लिनिकल आउटकम्स (दूसरा संस्करण) में
- शुक्ला, पी. (2024)। थेराप्यूटिक डाइट्स. पी. माथुर और एल. वर्मा (संपा.), एप्लाइड न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स फॉर बी.एससी. नर्सिंग . (पहला संस्करण, पृ. 141-157) में । आर्य पब्लिशिंग कंपनी. आईएसबीएन: 978-93-6059-169-4
- शुक्ला, पी. (2024)। गैस्ट्रोइंटेस्टिनल डिसआर्डर्स. वी. सेठ और के. सिंह (संपा.) प्रिंसिपल्स ऑफ मेडिकल न्यूट्रिशन थेरेपी फॉर पोजिटिव क्लिनिकल आउटकम्स (दूसरा संस्करण, पृ. 156-185) में. एलीट पब्लिशिंग हाउस। आईएसबीएन: 978-81-935996-8-6
- सिंह, पी. (2024)। प्रोटीन. पी. माथुर एंड एल. वर्मा (संपा.), एप्लाइड न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स फॉर बी.एससी. नर्सिंग (पृ. 34-47) में। आर्य पब्लिशिंग
- तिवारी, आर., यादव, ए., हंसा, एस., एंड धेवा, टी. (2023)। फूड मेटाबोलिज्म एंड क्रोनिक डिजीज. न्यूट्रिशनल साइंस एंड टेक्नोलॉजी: कन्सेप्ट टू एप्लीकेशन (पृष्ठ 355-381)में.
- वर्मा, एल., एंड अग्रवाल, के. (2024)। फूड एलर्जी एंड फूड इंटॉलरेंस। वी. सेठ और के. सिंह (संपा), प्रिंसिपल्स ऑफ मेडिकल न्यूट्रिशन थेरेपी फॉर पोजिटिव क्लिनिकल आउटकम्स में. एलीट पब्लिशिंग
- यादव, ए., हंसा, एस., तिवारी, आर., भारती, ए., धेवा, टी., मेहरोत्रा, आर., एंड वर्मा, पी. (2023)। मेकानिस्टिक इनसाइट्स ऑफ डायटरी मॉड्यूलेशन ऑन गट माइक्रोफ्लोरा एंड एसोसिएटेड फिजियोलॉजिकल चेंजेस. न्यूट्रिशनल साइंस एंड टेक्नोलॉजी: कन्सेप्ट टू एप्लीकेशन (पृष्ठ 63-82) में.
- यादव, ए., खेरा, के., मेहरोत्रा, आर., वर्मा, पी., यादव, डी., एंड कुडांगा, टी. (2024)। लैकेस इंजीनियरिंग: टेलरिंग लैकेसेस फॉर इफेक्टिव एंड एफिशिएंट कैटेलिसिस. बैक्टीरियल लैकेसेस (पृष्ठ 103-124) में. एकेडमिक प्रेस
- यादव, ए., मेहरोत्रा, आर., एंड वर्मा, पी. (2024)। माइक्रोआर्गनिजम्स ऐज पोटेंशियल सोर्सेस फॉर फूड सस्टेनेबिलिटी. सस्टेनेबल फूड सिस्टम्स (खंड I) एसएफएस: फ्रेमवर्क, सस्टेनेबल डाइट्स, ट्रेडिशनल फूड कल्चर एंड फूड प्रोडक्शन (पृष्ठ 167-175) में. स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड।

विकसित की गई ई सामग्री

- भाटिया, एन. (विशेषज्ञ समिति सदस्य). (12 मार्च, 2025)। ई-एमएन मॉड्यूल्स : एनहैंसिंग मैटरनल न्यूट्रिशन एंड हेल्थ सर्विसेज इन इंडिया. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन. https://www.nin.res.in/paelm. html# से लिया गया।

संगोष्ठियों/ सम्मेलनों/ कार्यशालाओं / प्रशिक्षणों में प्रस्तुतियां

- बक्शी, ए. (2023)। इफेक्ट्स ऑफ नॉन-न्यूट्रिटिव स्वीटनर्स ऑन इन्सुलिन रेगुलेशन, ग्लाइसेमिक रेस्पोंस, एपेटाइट, एंड वेट [मौखिक शोध पत्र प्रस्तुति]। स्पीडकॉन, भारत।
- भाटिया, एन. (14 दिसंबर, 2023)। अध्ययन के निष्कर्ष की प्रस्तुति पर तकनीकी सत्र [चर्चाकर्ता]। भारत में स्वस्थ आहार के लिए राजकोषीय नीति पर परामर्श बैठक: एचएफएसएस खाद्य पदार्थों पर कराधान के प्रभाव की मोडलिंग, सेंटर फोर हेल्थ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिसी इनोवेशन (इंपीरियल कॉलेज, लंदन), और रिजॉल्व टू सेव लाइव्स (आरटीएसएल, न्यूयॉर्क), भारत।
- भाटिया, एन. (29 फरवरी, 2024)।किशोरों में एनीमिया और कुपोषण को दूर करने के लिए हस्तक्षेप [सम्मेलन में प्रस्तुति]। स्वास्थ्य संवाद: भविष्य की दिशा तय करना - भारत में किशोर स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य को नए सिरे से परिभाषित करना, अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन (एआईएफ) सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, भारत।
- भाटिया, एन. (1 मार्च, 2024)। बच्चों को स्वस्थ रखना: किशोरावस्था से मातृत्व तक का सफ़र [पैनल चर्चा]. महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत और नेटवर्क 18, पोषण से पढ़ाई तक पहल, भारत।
- भाटिया, एन. (7 मार्च, 2024)। पोषण, स्वास्थ्य और स्थिरता के लिए नीति के लिए खाद्य प्रणाली दृष्टिकोण [सम्मेलन में प्रस्तुति]। खाद्य प्रणालियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: स्वास्थ्य, पोषण और पर्यावरण के लिए स्थायी दृष्टिकोण, भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ़ एप्लाइड साइंसेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत।

- देशम, के.आर. (15-16 मार्च, 2024)। बेकरी उत्पादों में ट्रांस फैट को कम करना: संवेदी गुणवत्ता और स्वास्थ्य के लिए चुनौतियां और अवसर [आमंत्रित वक्ता]। एफएमसीजी क्षेत्र में तेल और वसा के अनुप्रयोगों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और वार्षिक सम्मेलन, ओटीएआई और आईसीएआर-आईएआरआई, एनएएससी पूसा, भारत.
- देशम, के.आर. (21 मई, 2024)।खाद्य उद्योग में 3डी प्रिंटिंग [आमंत्रित वक्ता]। खाद्य प्रौद्योगिकी और उद्यमिता के अवसरों में हाल के रुझानों पर इंटर्नशिप कार्यक्रम, समथ ग्लोबल फूड कंसल्टेंट्स, एएनजीआरएयू तथा कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत द्वारा समर्थित।
- कोहली, एस., एंड चड्ढा, आर. (10-13 जून, 2024)। सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का शिशु आहार से संबंधित ज्ञान और परामर्श कौशल के साथ इसका संबंध [मौखिक प्रस्तुति]। विश्व सार्वजनिक स्वास्थ्य पोषण कांग्रेस 2024, लंदन, यूके। वर्ल्ड पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन एसोसिएशन एंड यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टमिंस्टर।
- लाल, पी. आर. (2023)। खेल प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए पोषण [अध्यक्ष, सम्मेलन सत्र]। अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान श्रृंखला, ग्लोबल एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडियन ओरिजिन (जीएपीआईओ).
- लाल, पी. आर. (23 अगस्त, 2023)। प्रोटीन दुविधा से निपटना [पैनल चर्चा]। द प्रोटीन वीक सिम्पोजियम, इंडियन एसोसिएशन फॉर पैरेंटरल एंड एंटरल न्यूट्रिशन, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स और मैरिको इंडिया लिमिटेड के सहयोग से.
- लाल, पी. आर. (4 नवंबर, 2023)। वीएसी: एनईपी 2020में बहु-विषयकता को लागू करना [सम्मेलन में प्रस्तुति]। एनईपी (2020): परिप्रेक्ष्य, चुनौतियां और आगे की राह, गार्गी महाविद्यालय , भारत।
- लाल, पी.आर. (6 फरवरी, 2024)। पोषण और मानसिक स्वास्थ्य: एक बहुविषयक परिप्रेक्ष्य [अतिथि व्याख्यान]। समग्र कल्याण पर व्याख्यान श्रृंखला, गार्गी महाविद्यालय , भारत।
- लाल, पी.आर. (14-20 मार्च, 2024)। वीएसी:आयुर्वेद और पोषण। अंतःविषयक पाठ्यक्रम प्रगति [सम्मेलन में प्रस्तुति]। आयुर्वेद और पोषण पर संकाय विकास कार्यशाला, लेडी इर्विन महाविद्यालय , भारत।
- माथुर, पी. (4 अगस्त, 2023)। स्तनपान के लिए सुरक्षित वातावरण बनाना [वेबिनार]। वर्ल्ड ब्रेस्टफीडिंग वेबिनार, सीएफएनएस.
- माथुर, पी. (4 अगस्त, 2023)। स्वस्थ भोजन चयन के लिए खाद्य लेबल को समझना [वेबिनार]। फूडवाइज.
- माथुर, पी. (21 जुलाई, 2023)। सही खान-पान [अतिथि व्याख्यान]। हेल्थ एंड वेलनेस क्लब, एयर फोर्स गोल्डन जुबली इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली, भारत।
- माथुर, पी. (28-29 नवंबर, 2023)। भारत में स्वास्थ्यप्रद विकल्पों के लिए खाद्य सुधार की आवश्यकता, मिठास की भूमिका, हाल के विकास और वैज्ञानिक साक्ष्य की समग्रता [सम्मेलन में पैनलिस्ट]। इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन अनलॉकिंग रिफॉर्म्युलेशन्स एंड अनरेवलिंग द साइंस ऑफ स्वीटनर्स, फिक्की, नई दिल्ली।
- माथुर, पी. (3 नवंबर, 2023)। सीआईएसएफ कर्मियों के लिए स्वास्थ्य और पोषण जागरूकता सत्र [अतिथि व्याख्यान] द्वारका, दिल्ली, भारत.
- माथुर, पी. (8 अक्टूबर, 2023)।संधारणीय आहार [अतिथि व्याख्यान]। स्कूल्ज़, नवोदय स्कूल स्टूडेंट्स
- माथुर, पी. (9 अक्टूबर, 2023)।सभी के लिए स्वास्थ्य को नेविगेट करने के बारे में वैश्विक परिप्रेक्ष्य [वेबिनार]। ईट राइट इंडिया इनिशिएटिव, एफएसएसएआई.
- माथुर, पी. (13 सितंबर, 2023)। पौष्टिक आहार के सामर्थ्य में सुधार: स्थायी समाधान [अतिथि व्याख्यान]। पोषण माह समारोह, शूलिनी यूनिवर्सिटी, सोलन, भारत।
- माथुर, पी. (18 सितंबर, 2023)। नए पोषण दिशानिर्देश: ईएआर बनाम आरडीए [सम्मेलन में प्रस्तुति]। मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज, फरीदाबाद, भारत।
- माथुर, पी. (22-23 सितंबर, 2023)। बेहतर स्वास्थ्य और पोषण परिणामों के लिए सुरक्षित खाद्य प्रणाली में निवेश करना [सम्मेलन में प्रस्तुति]। मातृ शिशु स्वास्थ्य पोषण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सुकार्य, नई दिल्ली, भारत।
- माथुर, पी. (25 अप्रैल, 2024)। खाद्य सुरक्षा, आहार गुणवत्ता और पोषक तत्व प्रोफाइलिंग [सम्मेलन प्रस्तुति]। डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज, नई दिल्ली।
- माथुर, पी. (5 अप्रैल, 2024)। आहार और पोषण दिशा-निर्देशों में प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की भूमिका [सम्मेलन में प्रस्तुति]। साइंटिफिक सिम्पोजियम ऑन प्रोसेस्ड फूड्स फॉर पर्पज, फिक्की-फेडरेशन हाउस, नई दिल्ली, भारत.

- माथुर, पी. (15-16 मार्च, 2024)। विभिन्न वसा के पोषण संबंधी गुण: उत्पाद विकास के लिए निहितार्थ [सम्मेलन में प्रस्तुति]। एफएमसीजी क्षेत्र में तेल और वसा के अनुप्रयोग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, द ऑयल टेक्नोलॉजिस्ट्स' एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ओटीएआई), राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर (एनएसीएस), दिल्ली, भारत.
- नटराजन, एन., एंड कौर, एम. (24-25 जुलाई, 2023)। एनईपी 2020 के माध्यम से एसडीजी के अनुरूप ट्रांसडिसिप्लिनरी दृष्टिकोण [मौखिक प्रस्तुति]। एनईपी 2020 और एसडीजी 2030 के साथ सतत शिक्षा पर ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कंसोर्टियम फॉर एडवांसिंग इंडियन टर्शियरी एजुकेशन (सीआईटीई) और पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलज फॉर गर्ल्स, चंडीगढ़।
- शुक्ला, पी. (21 अक्टूबर, 2023)। भारतीयों के लिए आहार संबंधी दिशा-निर्देश [वेबिनार]। फूडवाइज़, बैंगलोर स्थित एनजीओ।
- शुक्ला, पी. (6 अक्टूबर, 2023)। युवाओं के लिए संतुलित आहार [अतिथि व्याख्यान]। इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय स्वास्थ्य मेला, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, केंद्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो (सीएचईबी), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएंडएफडब्ल्यू) के सहयोग से।
- वर्मा, एल. (2023)। समुदायिक स्तर पर कुपोषित बच्चों की पोषण स्थिति में सुधार कैसे करें [आमंत्रित वक्ता]. सत्र का आयोजन चाइल्ड सर्वाइवल इंडिया द्वारा किया गया.
- वर्मा, एल. (17 अप्रैल, 2023)। बच्चों, किशोरों और महिलाओं में एनीमिया की रोकथाम [आमंत्रित वक्ता]. वेबिनार का आयोजन महिला एवं बाल विकास विभाग, दिल्ली सरकार द्वारा किया गया.
- वर्मा, एल. (30 सितंबर, 2023)। पोषण अभियान [आमंत्रित वक्ता]। महिला एवं बाल विकास विभाग, दिल्ली सरकार द्वारा निर्मल छाया कॉम्प्लेक्स में आयोजित पोषण माह का समापन समारोह.
- यादव, ए., एंड अग्रवाल, वाई. (16-18 फरवरी, 2024)। अनरेवलिंग चाइटिनेज इवोल्यूशन इन एडिबल मशरूम: इम्प्लीकेशंस फॉर बायोकंट्रोल एफिकेसी [पोस्टर प्रस्तुति]। इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन फंगल बायोलॉजी एंड प्लांट-माइक्रोब इंटरैक्शंस (आईसीएफबीपीएमआई -2024), वाराणसी, भारत।

छात्राओं को पीएचडी प्रदान की गई

- लवली गुप्ता (2017), "टाइप 1 डायबिटीज मेलिटस वाले वयस्कों में स्व-प्रबंधन के संबंध में कार्बोहाइड्रेट काउंटिंग शिक्षा हस्तक्षेप की प्रभावकारिता"। पर्यवेक्षक: प्रो. प्रीति ऋषि लाल।
- प्रीतिका खेंदुजा (2016), "स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली में बुजुर्गों के क्षमता निर्माण के लिए एक शैक्षिक हस्तक्षेप का विकास"। पर्यवेक्षक: प्रो. मनीषा सभरवाल।
- रिद्धिमा कपूर (2019), "भारत के झारखंड के हो जनजातीय समुदाय में कुपोषण को दूर करने के लिए स्वदेशी खाद्य पदार्थों का उपयोग करके किफायती, पौष्टिक और विविध आहार"। पर्यवेक्षक: प्रो. मनीषा सभरवाल।
- विदिशा (2016), "भोजन के हिस्से के आकार के अनुमान के लिए खाद्य फोटोग्राफ श्रृंखला सॉफ्टवेयर का विकास और मूल्यांकन"। पर्यवेक्षक: प्रो. रविंदर चड्ढा।

पीएचडी कर रही छात्राएं

- अर्चना गर्ग (2021), "वयस्कों में खाने के व्यवहार के निर्धारक"। पर्यवेक्षक: प्रो. पुलकित माथुर।
- आयुषी धस्माना (2023), "छत्तीसगढ़ के ग्रामीण समुदायों के स्कूल जाने वाले बच्चों में कुपोषण के दोहरे बोझ को दूर करने के लिए स्कूलों में पीएम-पोषण कार्यक्रम के स्कूली भोजन की पोषण गुणवत्ता और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ाने की रणनीतियां"। पर्यवेक्षक: प्रो. मनीषा सभरवाल।
- चेतना वत्स (2025), "स्वास्थ्य और चयापचय-सूजन पर सात्विक आहार और आहार के आयुर्वेदिक सिद्धांतों के प्रभावों का पता लगाना"। पर्यवेक्षक: डॉ. हेरांगखोंगजम मेमथोई देवी
- गरिमा त्रिपाठी (2023), "6 महीने के शिशुओं की पोषण स्थिति और संज्ञानात्मक विकास पर
- मां की पारंपरिक भारतीय आहार प्रथाओं का प्रभाव"। पर्यवेक्षक: प्रो. प्रीति ऋषि लाल।
- गुनिका सहगल (2023), "शहरी दिल्ली में निजी स्कूलों में पढ़ने वाले किशोरों (13-15 वर्ष) में चयापचय जोखिम: कथित खाद्य वातावरण, आहार संबंधी आदतों और अन्य चुनिंदा कारकों के साथ संबंध" पर्यवेक्षक: प्रो. रविंदर चड्ढा।
- जीना (2023), "युवा वयस्कों में आहार के स्वरूप, शारीरिक निष्क्रियता और एनएएफएलडी जोखिम और गंभीरता की उपस्थिति के साथ उनके संबंध का तुलनात्मक विश्लेषण: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन"। पर्यवेक्षक: प्रो. मनीषा सभरवाल।

- एम. सिंधुजा (2021), “स्वास्थ्य और शारीरिक फिटनेस सूचकांक और फिटनेस प्रशिक्षुओं का आहार प्रोफ़ाइल: योग और जिमनाज़ियम प्रशिक्षुओं के बीच तुलना” पर्यवेक्षक: प्रो. ललिता वर्मा।
- मनीषा दत्ता (2025), “हाइड्रोकोटाइल सिबथोरपिओड्स का उपयोग करके मूल्य-वर्धित खाद्य उत्पाद का विकास, और चिकित्सीय लाभों के लिए उनकी गुणवत्ता का मूल्यांकन”। पर्यवेक्षक: डॉ. हेरांगखोंगजम मेम्थोई देवी
- मानसी मित्तल (2022), “नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर रोग से पीड़ित वयस्क रोगियों में मोटापे के विभिन्न लक्षणों, लिवर स्टेटोसिस और फाइब्रोसिस और चयापचय स्वास्थ्य के बीच संबंध।” पर्यवेक्षक: प्रो. नीना भाटिया।
- मुस्कान कुमारी गुप्ता (2023), “नवोन्मेषी मूल्यवर्धित खाद्य उत्पादों के लिए ब्राउन टॉप मिलेट्स (ब्राचियारिया रामोसा) की क्षमता का दोहन” पर्यवेक्षक: डॉ. अपर्णा अग्रवाल।
- नमन कौर (2021), “किशोरों की आबादी के लिए कम उपयोग किए जाने वाले और पारंपरिक लौह युक्त खाद्य स्रोतों का उपयोग करके भोजन-से-भोजन फोर्टिफिकेशन का विकास और प्रचार करना” पर्यवेक्षक: प्रो. मनीषा सभरवाल।
- निकिता (2023), “युवा वयस्कों (18-30 वर्ष) में मोटापे के प्रबंधन में व्यक्तिगत वजन प्रबंधन परामर्श हस्तक्षेप का मूल्यांकन”। पर्यवेक्षक: प्रो. मनीषा सभरवाल।
- नृंग सिरालिउ ज़ेलियांग (2023), “शहरी नागालैंड में जनजातीय समुदायों का आहार प्रोफ़ाइल”। पर्यवेक्षक: प्रो. पुलकित माथुर।
- पायल गर्ग (2022), “मोटे वयस्कों में वजन घटाने, शरीर की संरचना और चयापचय मापदंडों के संबंध में समय-प्रतिबंधित भोजन (10:14), (12:12) और निरंतर ऊर्जा प्रतिबंध के प्रभाव की तुलना”। पर्यवेक्षक: प्रो. नीना भाटिया।
- पिंकी शर्मा (2025), “एथलीटों के बीच ऊर्जा की उपलब्धता और एरोबिक प्रदर्शन के साथ इसका संबंध”। पर्यवेक्षक: प्रो. प्रीति ऋषि लाल।
- रूपम (2025), “दिल्ली-एनसीआर में अनाथालय के बच्चों की पोषण स्थिति पर खाद्य पर्यावरण के प्रभाव का मूल्यांकन: एक व्यापक अध्ययन”। पर्यवेक्षक: डॉ. हेरांगखोंगजम मेमथोई देवी
- समृद्धि मनराल (2023), “एनीमिया में पारंपरिक आहार की भूमिका: एक सकारात्मक विचलन दृष्टिकोण”। पर्यवेक्षक: प्रो. पुलकित माथुर।
- शिविका पंवार (2021), “गौतम बुद्ध नगर जिले में एक निर्माण स्थल पर प्रवासी महिलाओं की पोषण की स्थिति, हेल्थकेयर सीकिंग बिहेव्यिर और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का उपयोग”। पर्यवेक्षक: प्रो. नीना भाटिया।
- सृष्टि गुप्ता (2023), “एनर्जी अवेलेबिलिटी अमंग इलीट इंडियन मेल एडोलेसेंट एंड्योरेंस एथलीट्स ड्यूरिंग ट्रेनिंग: एसोसिएशन विद् आईजीएफ-1 एंड डायटरी डिटरमिनेंट्स” पर्यवेक्षक: प्रो. प्रीति ऋषि लाल।
- स्नेहा चोपड़ा (2021), “उच्च ऊंचाई पर रहने के दौरान एंटीऑक्सीडेंट खनिजों और संबंधित चयापचय की स्थिति में परिवर्तन”। पर्यवेक्षक: प्रो. पुलकित माथुर।
- सुनैना ठाकुर (2018), “स्कूली बच्चों के बीच सुरक्षित और पौष्टिक भोजन के सेवन को बढ़ावा देना”। पर्यवेक्षक: प्रो. पुलकित माथुर।
- सुश्री संगीता (2023), “गर्भावधि में वजन वृद्धि, जन्म परिणामों और मातृ चयापचय मापदंडों पर सर्कैडियन रिदम का प्रभाव”। पर्यवेक्षक: प्रो. नीना भाटिया।
- उपासना गग्गट (2023), “महाविद्यालयों में खाद्य वातावरण का परिवर्तन: अस्वस्थ से स्वस्थ तक”। पर्यवेक्षक: प्रो. पुलकित माथुर।
- वसुंधरा चंद (2019), “पश्चिमी दिल्ली की वयस्क आबादी के आहार पैटर्न, पोषण संबंधी स्थिति, चयापचय और व्यवहार संबंधी गैर-संचारी रोगों के जोखिम कारकों का आकलन।” पर्यवेक्षक: प्रो. नीना भाटिया।

शोध परियोजनाएं / योजनाएं

- अग्रवाल, ए., एंड रेड्डी, डी. के. (2023)। प्री-ट्रीटमेंट्स ऑफ मिलेट्स फॉर वैल्यू एडिशन [लेडी इर्विन महाविद्यालय गृह विज्ञान में अभिनव अनुसंधान के लिए कंवलनाथ पद्मबोधिनी अनुसंधान पुरस्कार द्वारा वित्त पोषित, प्राप्त राशि: 10,000 रुपये]
- बख्शी, ए. (2023)। तपेदिक के रोगियों के लिए पाक विधियों का विकास [मुंडोना रुरल डेवलपमेंट फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित, प्राप्त राशि: 1,20,000 रुपये]

- बख्शी, ए. (2023)। खाद्य एवं पोषण पुस्तक का संपादन [आर्य बुक पब्लिकेशंस द्वारा वित्त पोषित, प्राप्त राशि: 1,00,000 रुपये]
- बक्शी, ए. (2023)। कृत्रिम मिठास का चयापचय कारकों, इंसुलिन प्रतिरोध, ग्लाइसेमिक प्रतिक्रिया और आंत माइक्रोबायोटा पर प्रभाव [इंटरनेशनल लाइफ साइंसेज इंस्टीट्यूट (आईएलएसआई), भारत द्वारा वित्त पोषित, प्राप्त राशि: 50,000 रुपये]
- माथुर, पी., एंड वर्मा, एल. (2023)। भारत की एकीकृत बाल विकास सेवाओं के पूरक पोषण प्रावधानों का अनुकूलन [डब्ल्यूएचओ द्वारा वित्त पोषित परियोजना]
- सभरवाल, एम., एंड अग्रवाल, ए. (2023)। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार की प्रमुख योजना प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण (पीएमएफएमई) । खाद्य एवं पोषण तथा खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग को दिल्ली सरकार द्वारा राज्य स्तरीय तकनीकी संस्थान (एसएलटीआई)के रूप में मान्यता दी गई है।

कार्यशालाओं / प्रशिक्षण का आयोजन

- अग्रवाल, ए. (2024)।फूड कोर्ट का आयोजन, 20/10/2023, एफटी प्रोफेशनल चैप्टर, लेडी इर्विन महाविद्यालय ”
- अग्रवाल, ए. (2024)। राजभाषा कार्यान्वयन कार्यशाला – ‘’ भारत सरकार की राजभाषा नीति एवं हिंदी ई-टूल्स का प्रयोग” रिसोर्स पर्सन : डॉ. व्योमकेश शर्मा (उप प्रबंधक एवं राजभाषा प्रभारी, रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार) 4 जून 2024.
- अग्रवाल, ए. (2024)। राजभाषा कार्यान्वयन कार्यशाला – युवा पीढ़ी में हिंदी की स्वीकार्यता एवं उपयोगिता रिसोर्स पर्सन : श्री अकु श्रीवास्तव, संपादक, नवोदय टाइम्स/पंजाब केसरी (22 मार्च, 2024)।
- बख्शी, ए. (2024)। कैंसर जागरूकता: सार्वजनिक स्वास्थ्य की समस्या/प्रचार 17 फरवरी 2024 को एनएसआई दिल्ली चैप्टर की कोषाध्यक्ष के रूप में।
- बख्शी, ए. (2024)। विशेष व्याख्यान- पोषक तत्वों का मूल्यांकन और विश्लेषण
- बख्शी, ए. (2024)। “आइरन डेफिशिएंसी फ्रॉम थियोरी टू प्रैक्टिस, गैप्स एंड सोल्यूशन्स” पर विशेष व्याख्यान। 6 अप्रैल 2024 को एनएसआई के दिल्ली चैप्टर की कोषाध्यक्ष रूप में
- बक्शी, ए. (2024)। विश्व स्तनपान सप्ताह के दौरान 24 अगस्त 2024 को “सभी शिशुओं के लिए मानव दूध तक न्यायसंगत पहुंच सुनिश्चित करना” विषय पर वेबिनार।
- बक्शी, ए. (2024)। परिवर्तन के सिद्धांत और तार्किक ढांचे पर कार्यशाला
- भाटिया, एन. (2023)।शिक्षा मंत्रालय के एमएमटीटीसी के तहत जीएडी-टीसी के सहयोग से लेडी इर्विन महाविद्यालय में 1 से 7 सितंबर 2023 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के संकाय और शोध अध्येयताओं के लिए संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- बिंदु. (2023)। फूड कोर्ट का आयोजन, एफटी प्रोफेशनल चैप्टर, लेडी इर्विन महाविद्यालय
- चड्ढा आर. (2023)। शिक्षा मंत्रालय के पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी) के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय (कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम समिति), गृह विज्ञान विभाग, लेडी इर्विन महाविद्यालय और गुरु अंगद देव शिक्षण अधिगम केंद्र, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से 1 से 7 सितंबर, 2023 तक ‘पाक विज्ञान के सिद्धांतों में कौशल विकास’ पर आयोजित राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में योगदान दिया।
- लाल, पी.आर. (2023)। 1 जुलाई 2023 को “मात्राशितीय, आहार विधि विधान और भोजन से संबंधित सात्विक, राजसिक और तामसिक अवधारणाएं” विषय पर छात्राओं और शिक्षकों के लिए कार्यशाला का आयोजन।
- लाल, पी.आर. (2023)। 04 जुलाई 2024 को “आहार विधि विशेषायतन, दिनचर्या, ऋतुचर्या और पथ्य-अपथ्य” विषय पर छात्राओं और शिक्षकों के लिए कार्यशाला का आयोजन।
- लाल, पी.आर. (2024)। 08 मार्च 2024 को खेल दिवस के अवसर पर आइसोटोनिक पेय बेचने और एथलीटों को हाइड्रेशन परामर्श देने के लिए “हाइड्रेशन कोर्ट” के रूप में एम.एससी. (एफएन) सेमेस्टर 4 की छात्राओं के लिए एक विस्तार-सह-उद्यमिता गतिविधि आयोजित की।

- लाल, पी.आर. (2024)। दिल्ली विश्वविद्यालय के वीएसी: आयुर्वेद और पोषण के कार्यान्वयन के लिए संकाय विकास की दिशा में दिल्ली विश्वविद्यालय के संकाय के लिए 1-सप्ताह की कार्यशाला (42 घंटे की श्रृंखला) 19 उप-कार्यशाला सत्रों के साथ आयोजित की।
- लाल, पी.आर. (2024)। सितंबर 2023 में बी.एससी. (पास) सेमेस्टर 5 की छात्राओं के लिए "फिटनेस असेसमेंट कैंप" के रूप में एक विस्तार-सह-उद्यमिता गतिविधि का आयोजन किया
- मेम्थोई, एच. (2023)। फूड कोर्ट का आयोजन, एफटी प्रोफेशनल चैप्टर, लेडी इर्विन महाविद्यालय
- मेम्थोई, एच. (2024)। "आयुर्वेद और पोषण" पर एक सप्ताह की कार्यशाला की आयोजन समिति की सदस्य.
- शुक्ला, पी. (2024)। लेडी इर्विन महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा 27 अप्रैल 2024 को रिसोर्स पर्सन डॉ. नम्रता सिंह, सुश्री इंदु ग्रोवर और सुश्री सुमैरा कमर, आहार विशेषज्ञ एम्स द्वारा "अग्नाशयशोथ" पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई।
- शुक्ला, पी. (2024)। लेडी इर्विन महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा 20 अप्रैल 2024 को रिसोर्स पर्सन : डॉ. माला मनराल, आहार विशेषज्ञ, सी सेंटर, आहार विशेषज्ञ एम्स द्वारा "मिर्गी में कीटोजेनिक आहार" पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई।
- शुक्ला, पी. (2024)। लेडी इर्विन महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा 22 अप्रैल 2024 को रिसोर्स पर्सन : डॉ. स्वप्ना चतुर्वेदी, वरिष्ठ आहार विशेषज्ञ, आहार विशेषज्ञ एम्स, नई दिल्ली द्वारा "एनएएफएलडी- पोषण सहायता में वर्तमान अंतर्दृष्टि" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- शुक्ला, पी. (2024)। एनआईपीसीसीडी के सहयोग से 23 फरवरी, 2 मार्च और 16 मार्च 2023 को एनआईपीसीसीडी में आईवाईसीएफ (आईवाईसीएफ की अनिवार्यताएं और आईवाईसीएफ प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए परामर्श कौशल) पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- शुक्ला, पी. (2024)। लेडी इर्विन महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा 21 सितंबर 2023 को पोषण माह के अवसर पर स्नातक और स्नातकोत्तर छात्राओं के लिए आयोजित मोटे अनाज पाकविधि प्रतियोगिता के आयोजक दल की सदस्य।

परामर्श

- अग्रवाल, ए. (2024)। पीएमएफएमई योजना, नोडल अधिकारी, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, दिल्ली राज्य
- अग्रवाल, ए. (2024)। डीएसईयू में इनक्यूबेशन सेंटर के लिए मेंटर
- अग्रवाल, ए. (2024)। डीएसआईआईडीसी, पीएमएफएमई चयन समिति
- अग्रवाल, ए. (2024)। सचिव, एएफएसटीआई दिल्ली चैप्टर
- अग्रवाल, ए. (2024)। तकनीकी विशेषज्ञ, साथी, बीएचयू
- अग्रवाल, ए. (2024)। राष्ट्रीय स्तर की मास्टर ट्रेनर, बेकरी और कन्फेक्शनरी, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय
- अग्रवाल, ए. (2024)। राष्ट्रीय स्तर की मास्टर ट्रेनर, दुग्ध एवं दुग्ध उत्पाद, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय
- अग्रवाल, ए. (2024)। राष्ट्रीय स्तर की मास्टर ट्रेनर, फल और सब्जी, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय
- माथुर, पी. (3 और 4 जुलाई 2023)। विशेषज्ञ, लघु-बाह्य अनुदान के लिए आईसीएमआर की परियोजना स्क्रीनिंग समिति। 5000 रु
- माथुर, पी. (29 और 30 नवंबर, 2023)। द जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ, भारत द्वारा आयोजित खाद्य पर्यावरण मूल्यांकन टूलबॉक्स कार्यशाला में विशेषज्ञ
- माथुर, पी. (5 और 6 दिसंबर, 2023)। मल्टीसेंट्रिक स्टडी के लिए आईसीएमआर की परियोजना स्क्रीनिंग समिति में विशेषज्ञ, 5000 रु।
- माथुर, पी. (4 मार्च, 2024)। आईसीएमआर मल्टीसेंट्रिक स्टडी के प्रोजेक्ट प्रोटोकॉल के तकनीकी मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ 5000 रुपये
- माथुर, पी. (10 मई 2024)। 'स्वस्थ तन, स्वस्थ मन' परियोजना के लिए भारत सलाहकार बैठक में सलाहकार, सेसमी वर्कशॉप इंडिया ट्रस्ट, नई दिल्ली. 40,000 रुपये
- वर्मा, एल. (2024)। महिला एवं बाल कल्याण विभाग, दिल्ली सरकार द्वारा "बच्चों, किशोरों और महिलाओं में एनीमिया की रोकथाम" पर एक सत्र के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र।

- वर्मा, एल. (2024)। "कुपोषित बच्चों की पोषण स्थिति में सुधार कैसे करें" विषय पर आयोजित सत्र के लिए चाइल्ड सर्वाइवल इंडिया से प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।

अन्य योगदान

- बख्शी, ए. (2024)। न्यूट्रिशन सोसाइटी ऑफ इंडिया, दिल्ली चैप्टर की कार्यकारी समिति की सदस्य और कोषाध्यक्ष
- बख्शी, ए. (2024)। प्रश्न बैंकों के विकास के लिए विशेषज्ञ, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) और राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस)।
- बख्शी, ए. (2024)। यूनिसेफ के स्वाभिमान कार्यक्रम के तहत पोषण परिणामों पर केंद्रित मॉड्यूल के लिए समीक्षक। इस मॉड्यूल का उद्देश्य वंचित समुदायों में महिलाओं और बच्चों के पोषण में सुधार लाना है।
- बख्शी, ए. (2024)। प्रशिक्षित बुनियादी खाद्य सुरक्षा पर्यवेक्षक [प्रमाणन]। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई)।
- बख्शी, ए. (अगस्त 2024)। एम्स, दिल्ली के कार्डियोलॉजी विभाग और जॉर्ज इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल हेल्थ, भारत (पोषण विभाग) के लिए आईएएमडी अनुपालन उपकरण का मूल्यांकन किया।
- बख्शी, ए. (25 मार्च, 2024)। पीएचडी थीसिस मूल्यांकन के लिए परीक्षक के रूप में नियुक्त, श्री रामचंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च
- भाटिया, एन. (2022-वर्तमान)। सदस्य, डॉक्टरल समिति विशेषज्ञ, खाद्य सेवा प्रबंधन और आहार विज्ञान विभाग, अविनाशीलिंगम इंस्टीट्यूट फॉर होम साइंस एंड हायर एजुकेशन फॉर विमेन, डीम्ड यूनिवर्सिटी, कोयंबटूर
- भाटिया, एन. (2022-वर्तमान)। सदस्य, डॉक्टरल समिति विशेषज्ञ, खाद्य और पोषण विभाग, आईआईएस यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान।
- भाटिया, एन. (2022-वर्तमान)। सदस्य, परियोजना समीक्षा समूह (पीआरजी) सह पोषण इकाई फेलोशिप समूह, आरसीएन प्रभाग, आईसीएमआर।
- भाटिया, एन. (2022-वर्तमान)। सदस्य, मातृ पोषण ई-मॉड्यूल के विकास पर तकनीकी समीक्षा समिति, जिसे आर्थिक विकास संस्थान के सहयोग से एनआईएन द्वारा विकसित किया गया है।
- भाटिया, एन. (2023-वर्तमान)। भारत में जन्म परिणामों और एनीमिया पर एमएमएस श्रेष्ठता पर नैदानिक परीक्षण के लिए आमंत्रित टीएजी सदस्य, जिसे आईएनसीएलईएन द्वारा किया गया और गेट्स फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित किया गया।
- भाटिया, एन. (2023-वर्तमान)। सदस्य, पोषण पर तकनीकी विशेषज्ञ समूह, झारखंड राज्य
- खुराना, एस. (4 से 5 मार्च 2024)। दिल्ली विश्वविद्यालय की कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम समिति द्वारा आयोजित कौशल संवर्धन पाठ्यक्रमों के लिए तौर-तरीकों की स्थापना पर दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
- खुराना, एस. (6 फरवरी 2024)। राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान, कुंडली में खाद्य फोर्टिफिकेशन के लिए उत्कृष्टता केंद्र, फोर्टिफिकेशन एंड इनोवेशन हब द्वारा आयोजित 'चावल के सुदृढ़ीकरण पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम' पूरा किया।
- लाल, पी, आर (2024)। एनएसआई/आईडीए/इंडियन एसोसिएशन ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन/एशियन फेड स्पोर्ट्स मेड/एसोसिएशन ऑफ वीमेन साइंटिस्ट्स/एचएसएआई/आईएससी की सदस्य"
- लाल, पी, आर (2024)। वीएसी पाठ्यक्रम समन्वय समिति की सदस्य और डीयू समन्वयक के रूप में नियुक्त; वीएसी: आयुर्वेद और पोषण, एनईपी के लिए मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए
- माथुर, पी. (2024)। पोषण और सुदृढ़ीकरण पर वैज्ञानिक पैनल की सदस्य, भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण
- माथुर, पी. (2024)। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) के लिए मास्टर ट्रेनर
- माथुर, पी. (2024)। इंटरनेशनल यूनियन ऑफ न्यूट्रिशनल साइंसेज की राष्ट्रीय समिति की सदस्य
- माथुर, पी. (2024)। इंटरनेशनल साइंटिफिक कमिटी, चॉइस इंटरनेशनल फाउंडेशन, नीदरलैंड में दक्षिण एशिया का प्रतिनिधित्व करने वाली सदस्य
- माथुर, पी. (2024)। सदस्य, अध्ययन बोर्ड, गृह विज्ञान-खाद्य और पोषण, आईआईएस यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान

- माथुर, पी. (2024). सदस्य, राष्ट्रीय कार्यकारी समिति, न्यूट्रिशन सोसाइटी ऑफ इंडिया
- माथुर, पी. (2024). भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के एफओएसटीएसी कार्यक्रम के लिए नेशनल रिसोर्स पर्सन
- रेड्डी, डी, के. (5 जून, 2024)। ग्रीन फोटोग्राफी प्रतियोगिता में दूसरा स्थान, आयोजन: 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस 2024, संसाधन प्रबंधन एवं अभिकल्प अनुप्रयोग विभाग, लेडी इर्विन महाविद्यालय
- सिंह, पी. (2024)। एफएन एंड एफटी विभाग के शिक्षण स्टाफ के रूप में समर्पित एवं विशिष्ट सेवाओं के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ
- सिंह, पी. (2024)। एल्सेवियर-लाइफ साइंसेज से समीक्षा प्रमाण पत्र के रूप में सम्मान प्राप्त हुआ।

मानव विकास एवं बाल्यावस्था अध्ययन विभाग

पुरस्कार/पेटेंट/ कॉपीराइट

- कन्नूर, डी. (2024)। मानव विकास और बाल्यावस्था अध्ययन में लगातार बेहतर प्रदर्शन के लिए यंग वीमेन साइंटिस्ट अवार्ड. शैक्षणिक वर्ष 2024 के लिए इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस अवार्ड्स, एग्री मीट फाउंडेशन, यू.पी.
- मुर्मू, डी. एफ. (2023-2024)। छात्रावास की वार्डन का पद

शोध प्रकाशन

- भमराह, ए., एंड रंगीला, डी. (2023)। यंग एडल्ट्स विद् विजुअल इम्पेयरमेंट: चैलेंजिज इन सोशल इन्क्लूज़न द इंडियन जर्नल ऑफ होम साइंस, 35(1), 167-176. आईएसएसएन 0970-2733.
- चौहान, ए., एंड कन्नूर, डी. (2024)। एक्सपीरियंस ऑफ़ सिबलिंग रिलेशनशिप: क्वालिटेटिव स्टडी: । इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, 6(3), 1-5
- डिम्पी, एंड कपूर, एस. (2023)। रि-अचीविंग द 'वर्क इन प्रोग्रेस' फॉर इंडियन वीमेन. टुवर्ड्स एक्सीलेंस, 15(2)
- जायसवाल, एस., एंड मुर्मू, डी. एफ. (2024) एक्सप्लोरिंग द परसेप्शन ऑफ़ यंग गर्ल्स अबाउट मेंस्ट्रुअल हाइजीन प्रैक्टिसेज. द इंडियन जर्नल ऑफ होम साइंस, 36(1), 449-511
- कनक, एंड रंगीला, डी. (2024)। अंडरस्टैंडिंग ऑफ़ रेसिलिएंस अमंग एडोलैसैंट्स इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, 12(7), 243-254. आईएसएसएन 2320-2882.
- कन्नूर, डी. (2024)। इंटरवेंशन स्टडी ऑन कॉग्निटिव डेवेलपमेंट अमंग स्कूल चिल्ड्रेन ऑफ सिद्दी ट्राइब.इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फूड एंड न्यूट्रिशनल साइंसेज, 13(4), 115-122.
- कन्नूर, डी., एंड बेगुम, एन. (2023)। मेंस्ट्रुअल नॉलेज अमंग एडोलैसैंट्स इन सिद्दी ट्राइबल पापुलेशन. जे. बुलेटिन मोनुमेंटल, 24(8), 24(8), 87-91.
- कन्नूर, डी., एंड इटागी, एस. (2024)।एक्सपीरियंस ऑफ़ मेनोपौसाल प्रोब्लेम्स इन नार्थ कर्नाटक: मिक्स्ड रिसर्च . साउथ इंडिया जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज, 22(1), 95-104.
- कन्नूर, डी., एंड कोमला, एम. (2023)। फीडिंग प्रैक्टिसेज एंड न्यूट्रिशनल स्टेटस ऑफ़ अंडर-फाइव चिल्ड्रेन इन जेनु कुरुबा ट्राइबल पापुलेशन। जूनी ख्यात, 13(8), 160-165.
- कन्नूर, डी., एंड कोमला, एम. (2023)। इम्पैक्ट ऑफ़ मैटरनल फैक्टर्स ऑन न्यूट्रिशन स्टेट्स इन जेनु कुरुबा चिल्ड्रेन. जूनी ख्यात, 13(8), 160-165.
- कन्नूर, डी., एंड मुक्तामठ, वी. (2023)। ब्रेस्टफीडिंग प्रैक्टिसेज इन ट्राइबल एरियाज ऑफ इंडिया इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेज, 12(5), 136-142.
- कृतिका, एंड मलिक, पी. (2024)। ऑक्यूपेशनल स्ट्रेस एंड ओर्गनइजेशनल क्लाइमेट ऑफ़ हेल्थकेयर वर्कर्स इन हरियाणा. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एजुकेशन एंड मैनेजमेंट स्टडीज़, 14(3), 282-284.
- कृतिका, सिंह, डी., एंड सोनिया (2023)। ह्यूमन डेवेलपमेंट: इन द पर्सपेक्टिव ऑफ़ एग्रीकल्चर जी.एच. पब्लिकेशंस. आईएसबीएन: 978-93-93203-05-2.

- मुर्मू, डी. एफ., एंड जोशी, पी. (2024)। एथ्नोग्राफिक फील्डवर्क ऑफ़ संथाल फार्माकोपिया: चैलेंजेज एंड निगोशिएशन इन द फील्डवर्क. जर्नल ऑफ साउथ एशियन एंथ्रोपोलॉजिस्ट, 24(2), 150-159.
- मुर्मू, डी. एफ., एंड जोशी, पी. (2023)। ऐन एथ्नोमेडीसनल स्टडी ऑफ़ 'मूंगा' (मोरिंगा ओलीफेरा) विद् इट्स स्पेशल रेफरेन्स टू द पेंडेमिक अमंग द संथाल ऑफ़ झारखण्ड। जर्नल ऑफ साउथ एशियन एंथ्रोपोलॉजिस्ट, 23(2), 199-207.
- मुर्मू, डी. एफ. (2024)। इंडिजेनस नॉलेज एंड कल्चरल सिग्नीफिकेन्स ऑफ़ सेक्रेड ग्रोव एंड इकोलॉजी ऑफ़ संथाल ऑफ़ झारखण्ड. इंक्लूसिव जर्नल, 2(25), 1218-1219.
- रियामी, सी. जे., कपूर, एस., और मुर्मू, डी. एफ. (2024)। लाइव्स ऑफ़ चिल्ड्रेन (6-12 ईयर्स) इन रूरल मणिपुर. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ होम साइंस, 10(2), 313-318.
- सिंह, डी., कृतिका, कविता, गोदारा, ए.के., एंड राणा, एम.के. (2024)। यूटिलाइजेशन एंड फार्मर्स परसेप्शन ऑफ़ कृषि मेला टुवर्ड्स एग्रीकल्चरल डेवेलपमेंट. जर्नल ऑफ़ कम्युनिटी मोबिलाइजेशन एंड सस्टेनेबल डेवेलपमेंट, 19(3), 1-5.

पुस्तके/ पुस्तकों में अध्याय

- चौधरी, एन., तुली, एम., एंड पिल्लई, पी. (2023)। वेरिएबल्स ऐज ऑब्स्टैकल्स टू साइकोलॉजिकल साइंस: फाइंडिंग ह्यूमनेस बिनीथ, बिटवीन एंड बियॉन्ड कन्वेंशनल कैटेगरीज़. डी. मिहालिट्स, बी. वैगनर, एंड जे. वैल्सिनर (संपा), फेयरवेल टू वेरिएबल्स. (बुक सीरीज: यूनीफीइंग साइंस कल्चर एंड सोसाइटी). (पुस्तक श्रृंखला: विज्ञान, संस्कृति और समाज को एकीकृत करना)। इन्फॉर्मेशन ऐज. https://www.infoagepub.com/products/Farewell-to-Variables
- डिम्पी, एंड कपूर, एस. (2024)। अचीविंग ओवरआल वेल-बीइंग थ्रू पॉजिटिव मेन्टल हेल्थ. माइंड मैटर्स: नेविगेटिंग मेन्टल हेल्थ इन द मॉडर्न वर्ल्ड. बुक्स टाइकून.
- कन्नूर, डी., एंड रावत, सी. (2024)। स्ट्रक्चर ऑफ एग्स एंड देयर यूज़ इन बेकिंग. नालंदा पब्लिकेशंस.आईएसबीएन: 978-81-968824-9-5.
- कृतिका, एंड सिंह, सी. के. (2023)। तनाव प्रबंधन में सकारात्मक सोच का प्रभाव। हरियाणा खेती.आईएसएसएन 0970-6518.
- कृतिका, क्वात्रा, ए., एंड सिंह, सी. के. (2023)। पौष्टिक आहार स्वस्थ जीवन का आधार। हरियाणा खेती. आईएसएसएन 0970-6518.
- कृतिका, मलिक, पी., सिंह, डी., कुमार, एम., एंड रविराकुला, बी. (2023)। एडिशनल इनकम फॉर इंडियन फार्मर्स: रिसोर्सेज एंड स्ट्रेटेजीज. ह्यूमन डेवेलपमेंट: इन पर्सपेक्टिव ऑफ़ एग्रीकल्चर (पृष्ठ xx-xx) जी.एच. पब्लिकेशंस। आईएसबीएन: 978-93-93203-05-2.
- कृतिका, सिंह, डी., एंड सोनिया। (2023)। ह्यूमन डेवेलपमेंट: इन द पर्सपेक्टिव ऑफ़ एग्रीकल्चर. जी.एच. पब्लिकेशंस। आईएसबीएन : 978-93-93203-05-2.
- कृतिका. (2023)। लैंग्वेज डेवेलपमेंट: नोम चोम्स्की. इन कन्जोइनेड थेओरिएस टू अंडरस्टैंड ह्यूमन डेवेलपमेंट इन द कॉन्टेक्स्ट ऑफ़ मॉडर्न एजुकेशन (पृष्ठ xx-xx). आईएसबीएन: 978-93-5574-459-3.
- कृतिका, एंड सिंह, सी. के. (2023)। फॅमिली एनवायरनमेंट एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन चिल्ड्रेंस एकडेमिक सेल्फ-कांसेप्ट. इमर्जिंग ट्रेंड्स इन बेसिक एंड एप्लाइड साइंस खंड II (पृष्ठ xx-xx) में. आईएसबीएन: 978-93-88901-24-6.
- मल्होत्रा, वाई., कपूर, एस., एंड चौधरी, एन. (2024)। अर्बन वीमेन वर्किंग इन मॉडर्न इंडिया: डायनामिक्स ऑफ़ रोल्स रेस्पॉन्सिबिलिटीज़ एंड डिसिजन-मेकिंग फॉर वीमेन इन द इनफॉर्मल सेक्टर. एन. बी. लेखा एंड प्रदीप कुमार एम. (संपा.) रूटलेज हैंडबुक ऑन जेंडर कल्चर एंड डेवेलपमेंट इन इंडिया (पृष्ठ xx-xx)में .रूटलेज. आईएसबीएन: 9781003474913.
- मारोठिया, एन., कपूर, एस., एंड भार्गव, वी. (2023)। जेंडर डाइमेंशन्स ऑफ़ वायलेंस अगेंस्ट चिल्ड्रेन एंड एडोलैसैंट्स. आर. मेहता (एड.) जेंडर एंड एजुकेशन (पृष्ठ xx-xx) में। ब्लूरोज़ पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड
- मुर्मू, डी. एफ. (2024)। एथ्नोग्राफिक फील्डवर्क ऑफ़ संथाल फार्माकोपिया: ऐन इनसाइड स्टोरी. ए. एम. उर्फत, पी.सी. जोशी, एंड एच. देवी ओइनम (संपा.), फ्रॉम एथनोग्राफी एंड फील्डवर्क: फॉउण्डेशन्स ऑफ़ क्वालिटेटिव रिसर्च (पृष्ठ xx-xx). द रीडर्स पैराडाइज पब्लिशर्स, नई दिल्ली। आईएसबीएन: 978-93-5977-668-2.

- नेहा, सोनिया, कृतिका, एंड सिंह, सी. (2023)। रोल ऑफ़ मल्टी-मिल्लेट्स इन कॉम्बेटिंग हेल्थ प्रोब्लेम्स ऑफ़ इंडियन फार्मर्स. ह्यूमन डेवेलपमेंट: इन पर्सपेक्टिव ऑफ़ एग्रीकल्चर (पृष्ठ xx-xx) में। आईएसबीएन: 978-93-93203-05-2.
- रावत, सी., एंड कन्नूर, डी. (2024)। यूज़ ऑफ़ फ्लेवर्स एंड कलर्स इन बेकिंग. नालंदा पब्लिकेशंस. आईएसबीएन: 978- 81-968824-9-5.
- सिंह, डी., एंड कृतिका (2024)। इनोवेशन इन ह्यूमैनिटी: एक्सप्लोरिंग ह्यूमन डेवेलपमेंट एंड एक्सटेंशन सर्विसेज. वॉलनट पब्लिकेशंस. आईएसबीएन: 978-93-5911-225-1.
- सिंह, डी., कृतिका, सोनिया, कविता, कुमार, एम., एंड कुमार, पी. (2023)। एंटरप्रेन्योरशिप एंड गवर्नमेंट स्कीम्स: पिल्लर्स ऑफ़ डेवेलपमेंट ऑफ़ रूरल वीमेन. ह्यूमन डेवेलपमेंट: इन पर्सपेक्टिव ऑफ़ एग्रीकल्चर (पृष्ठ xx-xx)में. आईएसबीएन: 978-93-93203-05-2.
- वर्मा, पी., एंड कृतिका। (2023)। थ्योरी ऑफ़ मल्टीप्ल इंटेलिजेंसेस: होवार्ड अर्ल गार्डनर. इन कन्जोइनेड थेओरिएस टू अंडरस्टैंड ह्यूमन डेवेलपमेंट इन द कॉन्टेक्स्ट ऑफ़ मॉडर्न एजुकेशन (पृष्ठ xx-xx)में. आईएसबीएन: : 978-93-5574- 459-3.

संगोष्ठियों/ सम्मेलनों/ कार्यशालाओं/प्रशिक्षणों में प्रस्तुतियां

- कन्नूर, डी. (25-26, अक्टूबर 2023)। येरवा जनजाति के स्कूली बच्चों में संज्ञानात्मक विकास के बारे में हस्तक्षेप अध्ययन [सम्मेलन में प्रस्तुति]. छठवां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
- कन्नूर, डी. (29-30, नवंबर 2023)। जेनु कुरुबा आबादी में पांच साल से कम आयु के बच्चों की माताओं में विकास से संबंधित गतिविधियों का मौलिक ज्ञान [सम्मेलन में प्रस्तुति]। उच्च शिक्षा में मौलिक ज्ञान प्रणाली को सम्मिलित करने के संबंध में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
- कन्नूर, डी. (21-22 फरवरी, 2024)। स्नातक और स्नातकोत्तर छात्राओं को यौन उत्पीड़न के संबंध में जानकारी [सम्मेलन में प्रस्तुति]। यौन उत्पीड़न जागरूकता और रोकथाम पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।
- कन्नूर, डी., एंड चौहान, ए. (27-28 मार्च, 2024)। दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों में मानसिक स्वास्थ्य के निर्धारक [सम्मेलन में प्रस्तुति]। नेशनल सेमिनार ऑन लोकलाइजेशन ऑफ सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (एलएसडीजी) : रोडमैप फॉर होम साइंटिस्ट्स
- कन्नूर, डी., एंड कोमला, एम. (27-28 मार्च, 2024)। जेनु कुरुबा आबादी में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों के घरेलू वातावरण की गुणवत्ता: एक हस्तक्षेप अध्ययन [सम्मेलन में प्रस्तुति]। नेशनल सेमिनार ऑन लोकलाइजेशन ऑफ सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (एलएसडीजी) : रोडमैप फॉर होम साइंटिस्ट्स
- कन्नूर, डी., एंड इटागी, एस. (2 दिसंबर, 2023)। उत्तर कर्नाटक में रजोनिवृत्ति की समस्याओं का अनुभव: एक मिश्रित शोध अध्ययन [सम्मेलन में प्रस्तुति]। इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन लर्निंग 2023.
- मल्होत्रा, वाई., एंड कपूर, एस. (8-9 नवंबर, 2024)। प्राचीन ज्ञान को पुनर्जीवित करना: भारतीय ज्ञान प्रणाली के लेंस से कल्याण और उपचार प्रथाओं से संबंधित पारंपरिक दृष्टिकोणों की समीक्षा [सम्मेलन में प्रस्तुति]। इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन लर्निंग 2024, नई दिल्ली, भारत।
- मुर्मू, डी. एफ. (9-14 अगस्त, 2023)। संथाल फार्माकोपिया का नृवंशविज्ञान: फील्डवर्क की चुनौतियां और समझौता वार्ता [सम्मेलन में प्रस्तुति]। वर्ल्ड एंथ्रोपोलॉजी कांग्रेस 2023, यूनाइटेड इंडियन एंथ्रोपोलॉजी फोरम (यूआईएएफ), कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस (केआईएसएस), भुवनेश्वर, भारत.
- रावत, सी. (17-19 जनवरी,2024)। किशोरों के पालन-पोषण की प्रथाओं और भावनात्मक परिपक्वता पर मात्रात्मक अध्ययन [सम्मेलन में प्रस्तुति]। होम साइंस एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एचएसएआई) सम्मेलन।
- रावत, सी. (21-22 फरवरी, 2024)। किशोरों पर यौन उत्पीड़न के मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक परिणाम [सम्मेलन में प्रस्तुति].यौन उत्पीड़न जागरूकता और रोकथाम पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, गृह विज्ञान विभाग, चमन लाल महाविद्यालय, हरिद्वार.
- ठाकुर, डी., मल्होत्रा, वाई., अलीम, एस., एंड कपूर, एस. (1-2 दिसंबर, 2023)। विशिष्ट शिक्षण दिव्यांगता से पीड़ित किशोरों में शैक्षणिक दृढ़ता, संज्ञानात्मक लचीलापन और छात्र सहभागिता [सम्मेलन में प्रस्तुति]। मनोप्रभा 2023, इंदौर, भारत।
- तिवारी, एस. (19 जनवरी, 2024)। पुलिस विभाग में कार्यरत महिला पुलिस कर्मियों का प्रभाव [शोध पत्र प्रस्तुति]। होम साइंस एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एचएसएआई) 35वां द्विवार्षिक सम्मेलन, कॉलेज ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट्स स्टडीज इन एग्रीकल्चर साइंसेज, सेंट्रल एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, असम, मेघालय

- तिवारी, एस. (22 फरवरी, 2024)।यौन उत्पीड़न और वैवाहिक समायोजन पर व्यवस्थित समीक्षा [शोध पत्र प्रस्तुति]। यौन उत्पीड़न जागरूकता और रोकथाम पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, गृह विज्ञान विभाग, चमन लाल महाविद्यालय, लंढौरा, हरिद्वार, उत्तराखंड.
- तिवारी, एस. (27 फरवरी, 2024)।समग्र कल्याण प्राप्त करने के लिए मनोविज्ञान और आध्यात्मिकता का सहसंबंध [पोस्टर प्रस्तुति]। समग्र कल्याण पर राष्ट्रीय सम्मेलन: मन, शरीर और आत्मा को एकीकृत करना, स्कूल ऑफ होम साइंस, डिपार्टमेंट ऑफ ह्यूमन डेवलपमेंट एंड फैमिली स्टडीज, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ।
- तिवारी, एस. (20 अप्रैल, 2024)। भारत में बुजुर्गों के समक्ष आने वाली समस्याओं की व्यवस्थित समीक्षा [शोध पत्र प्रस्तुति]। आयुर्वृद्धि और जराचिकित्सा की सामाजिक-कानूनी रूपरेखा पर राष्ट्रीय सम्मेलन: मुद्दे और चुनौतियां, विधि संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली.

छात्राओं को पीएचडी प्रदान की गई

- चावला, डी. (2024)। अनेक देखरेखकर्ताओं वाले घर में छोटे बच्चों का प्रोसोशल विकास। पर्यवेक्षक: डॉ. पुण्य पिल्लई
- नेगी, बी. (2023)। भारतीय परिवारों में बाल्यावस्था और बाल अधिकारों को संदर्भ में रखना । पर्यवेक्षक: प्रो. श्रद्धा कपूर

पीएचडी कर रही छात्राएं

- भाटिया, एस. (2022)। शहरी भारत में परिवार की बदलती धारणाएं। पर्यवेक्षक: डॉ. पुण्य पिल्लई
- एलंगबाम, टी. (2025)। छोटे बच्चों का आत्म-नियमन और प्रीस्कूल शिक्षकों का ज्ञान, दृष्टिकोण और छोटे बच्चों के आत्म-नियमन के विकास की पद्धतियां पर्यवेक्षक: डॉ. पुण्य पिल्लई
- खान, एन. (2024)। बच्चों की शिक्षा में माता-पिता की भागीदारी। पर्यवेक्षक: डॉ. डिंपल रंगीला
- ममगई, एन. (2023)। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के कम आयु के वयस्कों के बीच कल्याण की व्याख्या। पर्यवेक्षक: डॉ. पुण्य पिल्लई
- वर्मा, एम. (2023)। किशोरावस्था में कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित शैक्षिक पहल. पर्यवेक्षक: डॉ. पुण्य पिल्लई

प्रशिक्षणों/ कार्यशालाओं का आयोजन या संचालन

- रंगीला, डी. (8 अगस्त, 2023)। कहानियों के माध्यम से विविधता और समावेश पर गौर करना [आमंत्रित वेबिनार]। मानव संसाधन विकास केंद्र, दिल्ली पब्लिक स्कूल सोसाइटी
- रंगीला, डी. (30 जनवरी, 2024)। बाल विकास और कल्याण [ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र]। एनजीओ स्नेही - गरिमा, कल्याण और सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना
- रंगीला, डी. (14 मार्च, 2024)। कहानी सुनाने की शैक्षणिक शक्ति [आमंत्रित वेबिनार]। शिक्षक संवाद, दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी
- रंगीला, डी. (23 मई, 2024)। बाल विकास और कल्याण [ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र]। एनजीओ स्नेही - गरिमा, कल्याण और सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना
- रंगीला, डी. (जून, 2024)। उत्तराखंड के नौकुचियाताल के अर्ध-ग्रामीण स्कूली बच्चों को शिक्षा प्रदान करने वाले सामुदायिक सांस्कृतिक केंद्र, उत्साह टोली परियोजना के संरक्षक शिक्षकों का प्रशिक्षण (जून, 24 में 3 दिनों की अवधि का प्रशिक्षण आयोजित किया गया)

वस्त्र एवं परिधान विज्ञान विभाग

पुरस्कार/पेटेंट/ कॉपीराइट

- चहल, एम. (4 अक्टूबर,2023)। "जलवायु से संबंधित चुनौतियां और खादी: विज्ञान, परंपरा और स्थिरता की समर्थक " विषय पर आयोजित संगोष्ठी में "ट्रेनिंग ऑफ़ पर्सन्स विद् विजुअल इम्पेयरमेंट इन मैक्रैम टेक्नीक यूजिंग डिस्कार्डेड क्लोथिंग: ऐन अटैम्प्ट टुवर्ड्स सोशल एंड एनवायर्नमेंटल सस्टेनेबिलिटी" पर सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति के लिए पुरस्कार। वस्त्र एवं परिधान विज्ञान विभाग, लेडी इर्विन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।
- चोपड़ा, एस. (4-6 नवंबर,2023)। चौथे विश्व पर्यावरण शिखर सम्मेलन 2023 के दौरान ईएसडीए पर्यावरणविद् पुरस्कार 2023 से सम्मानित। एनवायर्नमेंट एंड सोशल डेवेलपमेंट एसोसिएशन और गलगोटिया यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा।

- चोपड़ा, एस. (4 अक्टूबर, 2023)। "जलवायु से संबंधित चुनौतियां और खादी: विज्ञान, परंपरा और स्थिरता की समर्थक " विषय पर संगोष्ठी में "केले के अपशिष्ट पत्तों (मूसा एक्युमिनटा) के साथ जूट और लिनन के कपड़ों की रंगाई के बारे में अध्ययन: स्थायी समाधान तलाशना" के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार। वस्त्र एवं परिधान विज्ञान विभाग, लेडी इर्विन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।
- निगम, एम. (14 मार्च, 2024)। "मिशन लाइफ के साथ स्थिरता को परस्पर संबद्ध करना : फैशन, उद्यमिता और सद्भाव में सांस्कृतिक एकीकरण" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ट्रैक 1 में "भारतीय वस्त्र क्षेत्र की जीवन चक्र सूची" के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार. निफ्ट गांधीनगर।
- निगम, एम. (15 मार्च, 2024)।"मिशन लाइफ के साथ स्थिरता को परस्पर संबद्ध करना : फैशन, उद्यमिता और सद्भाव में सांस्कृतिक एकीकरण" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ट्रैक 2 में "बांग्लादेशी वस्त्र उद्योग की जीवन चक्र सूची" के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार. निफ्ट गांधीनगर।

शोध प्रकाशन

- आनंद, ए. एंड सेखरी, एस. (जुलाई 2023)। अ न्यू लीज ऑफ़ लाइफ टू सिलेक्टेड इंडियन पेंटेड क्राफ्ट्स: सम इनिशिएटिव्ज. द इंडियन जर्नल ऑफ होम साइंस, द होम साइंस एसोसिएशन ऑफ इंडिया, केयर लिस्टेड, पीयर रिव्यूड, आईएसएसएन: 0970 2733 आईएचएमएसएफ-35 (1-433) 2023. 35 (2), 11-19
- आंदे, आर. (2024)। सीस्मो-टेक्टोनिक्स, क्रस्टल वेलोसिटी स्ट्रक्चर एंड मोहो डेप्थ बिनीथ द धारवाड़ क्रेटन इंडिया. करेंट रेस एनवायरनमेंट साइंस इको लेटर्स, 1(1), 01-12.
- चहल, एम. एंड मेघा. (2024)। ट्रेनिंग ऑफ़ पर्सन्स विद् विजुअल इम्पेयरमेंट इन मॉड्यूल पैकर अंडर अपैरल सेक्टर स्किल काउंसिल. द इंडियन जर्नल ऑफ होम साइंस, 36 (1), पृ. 24-34 [आईएसएसएन: 0970 2733 IHMSF-36 (1-538) 2024].
- कुमार, पी., वार्ष्णेय, आर., एंड निगम, एम. (एन.डी.-ए). एनवायर्नमेंटल इम्पैक्ट असेसमेंट (ईआईए) सिस्टम इन द इंडियन टेक्सटाइल इंडस्ट्री: अ फ्यू केस स्टडीज। जर्नल ऑफ एनर्जी रिसर्च एंड एनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजी (जेईआरईटी), 11(1), 12–18। http://www.krishisanskriti.org/Publication.html
- कुमार, पी., वार्ष्णेय, आर., एंड निगम, एम. (एन.डी.-बी). रोल ऑफ एनवायर्नमेंटल इम्पैक्ट असेसमेंट (ईआईए) सिस्टम इन एन्हान्सिंग एनवायर्नमेंटल सस्टेनेबिलिटी इन द इंडियन टेक्सटाइल इंडस्ट्री. जर्नल ऑफ बेसिक एंड एप्लाइड इंजीनियरिंग रिसर्च (खंड 11, अंक 1) में। http://www.krishisanskriti.org/Publication.html
- मलिक, जी. एंड सेठी, एस., रोल ऑफ़ इम्बुइंग इंटरैक्शंस ऑन द सोशल फैब्रिक ऑफ़ गोंड ट्राइब –अ कम्प्रेहैन्सिव रिव्यु, शोधकोश: जर्नल ऑफ विजुअल एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स, जुलाई-दिसंबर 2023, 4(2), 194–213। आईएसएसएन: 2582-7472.
- सेठी, एस., राणा, पी., एंड जैन, एस. (2023)। सीईटीपी इन जोधपुर: अ प्रैग्मैटिक व्यू ऑफ़ ग्राउंड रियलिटी. एनवायरनमेंट डेवेलपमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी, 26. https://doi.org/10.1007/s10668-023-03877-8
- शर्मा. एस. एंड सेठी. एस., ""अन्लैचिंग द रेटिकेंट क्लोथिंग डिमांड्स ऑफ़ ग्रोइंग एल्डर्ली सेगमेंट: प्रोब्लम्स नीड्स एंड सोलूशन्स"", द इंडियन जर्नल ऑफ होम साइंस, खंड 35, संख्या 2 जुलाई 2023, आईएसएसएन- 0970 2733,2023:35 (2)

पुस्तके/पुस्तकों में अध्याय

- अग्रवाल, एस. एंड सेठी, एस. (2024)। रिफाइनिंग सस्टेनेबल फाइबर एक्सट्रैक्शन टेक्निक्स फ्रॉम कुकुम्बर वाइन्स: अ मेथोडोलॉजिकल एक्सप्लोरेशन। आर. मालवीय, एम. बी. कालरा, एन. अस्थाना, आर. मेहता, एंड सी. अरोड़ा (संपा.), रिसर्च मेथडोलॉजी एक्रोस डिसिप्लिन्स (पृष्ठ 176-186)। कनिष्क पब्लिशर्स, वितरक।
- चहल. एम., (जुलाई 2023)। अपैरल प्रोडक्ट एनालिसिस. यूनिट 13, फैशन ट्रेंड्स प्रमोशन एंड एडवरटाइजमेंट (ब्लॉक 3) , कोर्स 1: बीएफडी-076: टेक्सटाइल एंड फैशन रिटेल, स्कूल ऑफ़ वोकेशनल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय।

- जैन, ए. एंड रस्तोगी, डी. (2024)। प्रोसेसिंग ऑफ लिनसीड क्रॉप फॉर टेक्सटाइल पर्पज इन लिनसीड: अ मल्टीपरपज-मल्टीसेक्टर क्रॉप ऑफ इंडस्ट्रीयल सिग्निफिकेंस. संपा. लैंग्यान, एस एंड कुमार, एस. एकेडमिक प्रेस पृ. 163-176, आईएसबीएन: 978044154393
- मलिक, जी., एंड सेठी, एस. (2023)। फ्रॉम सेक्रेड वॉल्स टू कंटेम्परेरी कैनवास: द इवोल्यूशन एंड सस्टेनेबिलिटी ऑफ गोंड मड वॉल आर्ट. बुक ऑफ कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग्स. आईएसबीएन: 978-93-95404-55-6. www.nift.ac.in/kangra/sites/kangra/files/202404/SUSTAINABLE%20DESIGN%20PRACTICES-final.pdf से लिया गया।
- रहेजा, आर. एंड भगत एस. (2023)। वर्क प्रिंटिंग ऑफ राजस्थान: डॉक्यूमेंटिंग द लैंग्विशिंग क्राफ्ट ऑफ लीफ प्रिंटेड टेक्सटाइल्स, बुक ऑफ एब्स्ट्रैक्ट्स, फोर्थ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिसेंट ट्रेंड्स एंड सस्टेनेबिलिटी इन क्राफ्ट्स एंड डिजाइन, खंड IV, आईआईसीडी, जयपुर, आईएसबीएन: 978-93-5980-780-5
- राणा, पी., एंड सेठी. एस. (21 दिसंबर, 2023). “लाइक फाइन वाइन” - एक्सट्रैक्टिंग सस्टेनेबल फाइबर्स फ्रॉम ग्रेपवाइन शूट वेस्ट . इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सस्टेनेबल डिजाइन प्रैक्टिसिज (आईसीओएन 2023), बुक ऑफ एब्स्ट्रैक्ट्स. इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सस्टेनेबल डिजाइन प्रैक्टिसिज (आईसीओएन 2023), आईएसबीएन : 978-93-95404-55-6, निफ्ट कांगड़ा।
- सेठी, एस., एंड राणा, पी., (2024). हार्वेस्टिंग सस्टेनेबिलिटी: अ नीड बेस्ड एप्रोच टुवर्ड्स वाइनयार्ड वेस्ट यूटिलाइजेशन. आर. मालवीय, एम. भसीन कालरा, एन. अस्थाना, आर. मेहता, एंड सी. अरोड़ा (संपा.), रिसर्च मेथडोलॉजी एक्रोस डिसिप्लिन्स (पृष्ठ 160-175)। कनिष्क पब्लिशर्स।
- सेठी, एस., पंवार, बी., एंड गोयल, एन. (2024). इन्फ्लुएंस ऑफ फैशन ब्लॉगर्स ऑन सेटिंग ट्रेंड्स एंड परचेज डिसिजन्स ऑफ यंग इंडियन मेट्रोपोलिटन वीमेन. एन. सिंह, पी. कंसारा, एंड एस. एल. गुप्ता (संपा.), नेविगेटिंग द डिजिटल लैंडस्केप (पृष्ठ 1-16)। एमराल्ड पब्लिशिंग। https://doi.org/10.1108/978-1-83549-272-720241001

संगोष्ठियों/ सम्मेलनों/ कार्यशालाओं/प्रशिक्षणों में प्रस्तुतियां

- अग्रवाल, आर., एंड रस्तोगी, डी. (17-19 जनवरी, 2024)। प्रतिक्रियाशील रंगों के साथ लो-सॉल्ट डाइंग के लिए रेशम के चिटोसन उपचार का अनुकूलन। होम साइंस एसोसिएशन ऑफ इंडिया का 35वां द्विवार्षिक सम्मेलन: सतत विकास के लिए गृह और सामुदायिक विज्ञान में बहु-विषयक दृष्टिकोण, कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस, सीएयू, तुरा, मेघालय, भारत।
- आंदे, आर. (21-22 अगस्त, 2023)। डिजाइन ऑफ ओब्जेक्टिव फंक्शन-बेस्ड सेगमेंटेशन टेक्नीक एंड सुपरवाइज्ड क्लासिफिकेशन स्कीम फॉर रिमोट सेंसिंग इमेजिस। पर्यावरण स्थिरता और जलवायु परिवर्तन पर 6वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कोलेस रिसर्च ग्रुप, फिलाडेल्फिया, अमेरिका
- आंदे, आर. (21-22 अगस्त, 2023)। कोडकांदला मंडल, वारंगल जिला, तेलंगाना, भारत में जलविज्ञानीय और भूभौतिकीय जांच. पर्यावरण स्थिरता और जलवायु परिवर्तन पर 6वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कोलेस रिसर्च ग्रुप, फिलाडेल्फिया, अमेरिका
- आंदे, आर. (22-24 नवंबर, 2023) ।चौथी आईएएचआर यंग प्रोफेशनल कांग्रेस में भागीदारी। चौथी आईएएचआर यंग प्रोफेशनल कांग्रेस, द इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर हाइड्रो-एनवायरनमेंट इंजीनियरिंग एंड रिसर्च (आईएएचआर), स्पेन
- चहल, एम. (अक्टूबर, 2023). ट्रेनिंग ऑफ़ पर्सन्स विद् विजुअल इम्पेयरमेंट इन मैक्रैम टेक्नीक यूजिंग डिस्कार्डेड क्लोथिंग: ऐन अटैम्प्ट टुवर्ड्स सोशल एंड एनवायर्नमेंटल सस्टेनेबिलिटी [पोस्टर प्रस्तुति]। खादी संगोष्ठी, वस्त्र एवं परिधान विज्ञान विभाग, लेडी इर्विन महाविद्यालय । भारत।
- छाबड़ा, के., माथुर, आर., एंड रस्तोगी, डी. (17-19 जनवरी, 2024)। टिकाऊ वस्त्रों के लिए इको-प्रिंटिंग। होम साइंस एसोसिएशन ऑफ इंडिया का 35वां द्विवार्षिक सम्मेलन: सतत विकास के लिए गृह और सामुदायिक विज्ञान में बहु-विषयक दृष्टिकोण, कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस, सीएयू, तुरा, मेघालय, भारत।
- चोपड़ा, एस., एंड बिष्ट, पी. (4-6 नवंबर, 2023)। केले के अपशिष्ट पत्तों का उपयोग करके चुनिंदा प्राकृतिक कपड़ों की पर्यावरण के अनुकूल रंगाई: स्थायी समाधान तलाशना [पोस्टर प्रस्तुति]। चौथा विश्व पर्यावरण शिखर सम्मेलन 2023, ईएसडीए और गलगोटिया यूनिवर्सिटी
- चोपड़ा, एस., एंड बिष्ट, पी. (4 अक्टूबर, 2023)। केले के अपशिष्ट पत्तों (मूसा एक्यूमिनटा) का उपयोग करके जूट और लिनन के कपड़ों की रंगाई के बारे में अध्ययन: स्थायी समाधान तलाशना [पोस्टर प्रस्तुति]। जलवायु से संबंधित चुनौतियां और खादी : विज्ञान, परंपरा और स्थिरता की समर्थक , विषय पर संगोष्ठी, डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली।

- चोपड़ा, एस., एंड जैन, एन. (2-3 नवंबर, 2023)। भारतीय कामकाजी महिलाओं में पावर ड्रेसिंग की अवधारणा का बदलता चेहरा. कॉर्पोरेट्स में निर्णयाक भूमिकाओं में महिलाएं विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, एनसीडब्ल्यूईबी, कॉन्फ्रेंस सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय।
- चोपड़ा, एस., एंड मोनिका. (4 अक्टूबर, 2023)। रंगाई के स्रोत के रूप में अपशिष्ट पिस्ता बीज के आवरण की पड़ताल : टिकाऊ रंगाई प्रथाओं की ओर एक कदम [पोस्टर प्रस्तुति]। जलवायु से संबंधित चुनौतियां और खादी: विज्ञान, परंपरा और स्थिरता की समर्थक " विषय पर संगोष्ठी, डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली।
- गौतम, पी., माथुर, आर., एंड रस्तोगी, डी. (17-19 जनवरी, 2024)। चरखा: कताई का टिकाऊ भविष्य होम साइंस एसोसिएशन ऑफ इंडिया का 35वां द्विवार्षिक सम्मेलन: सतत विकास के लिए गृह और सामुदायिक विज्ञान में बहुविषयक दृष्टिकोण, कॉलेज ऑफ कम्यूनिटी साइंस, सीएयू, तुरा, मेघालय, भारत।
- लालमुआंकिमी, एल., एंड माथुर, आर. (2-3 नवंबर, 2023)। बुनाई - मिजोरम का पारंपरिक शिल्प. शिल्प और अभिकल्प में हाल के रुझान और स्थिरता पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्राफ्ट्स एंड डिजाइन, जयपुर, भारत।
- माथुर, आर. (27 अक्टूबर, 2023)। खादी - अतीत और वर्तमान [विशेष व्याख्यान]। खादी महोत्सव, भगिनी निवेदिता महाविद्यालय , दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत।
- माथुर, आर., एंड खरसी, आर. (25-27 नवंबर, 2023)। मणिपुर नागाओं की बुनाई । सतत अभिकल्प प्रथाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, निफ्ट कांगड़ा, भारत।
- माथुर, आर., एंड रस्तोगी, डी. (4 अक्टूबर, 2023)। वस्त्र एवं परिधान विज्ञान विभाग में खादी पर शोध कार्य .खादी: विज्ञान, परंपरा और स्थिरता की समर्थक , विषय पर 18वीं संजम रंधावा स्मारक संगोष्ठी डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, भारत।
- निगम, एम. (9 दिसंबर, 2023)। एन्वायर्नमेंटल परफॉर्मेंस ऑफ यार्न मेड फ्रॉम वर्जिन कॉटन वर्सेज रिसाइकल्ड कॉटन: ऐन एलसीए केस स्टडी। स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए रासायनिक सुरक्षा और सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय, गांधीनगर, भारत।
- निगम, एम. (23-24 फरवरी, 2024)। भारतीय वस्त्र उद्योग में पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ाने में पर्यावरण के प्रभाव का आकलन (ईआईए) प्रणाली की भूमिका. कृषि और व्यवसाय प्रबंधन में अभिनव अनुसंधान पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पूसा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और दिल्ली स्किल एंड एंटरप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी फॉर सस्टेनेबल डेवेलपमेंट, भारत।
- निगम, एम. (16-17 मार्च, 2024)। भारतीय वस्त्र उद्योग में पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ाने में पर्यावरण के प्रभाव का आकलन (ईआईए) प्रणाली: कुछ केस स्टडी। सतत विकास के लिए कृषि, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, अनुप्रयुक्त विज्ञान, मानविकी और व्यवसाय प्रबंधन में अभिनव अनुसंधान पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सुख चंद्र मिश्रा इंडस्ट्रीयल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, दरभंगा, बिहार, भारत।
- निगम, एम. (22 मार्च, 2024)। फास्ट फैशन एंड सस्टेनेबल कंजम्पशन/लाइफस्टाइल एंड सस्टेनेबल फैशन/टेक्सटाइल इंडस्ट्री, फैशन, एंड सस्टेनेबिलिटी [विशेष व्याख्यान]। अपशिष्ट प्रबंधन और स्थिरता पर ऑनलाइन अल्पकालिक पाठ्यक्रम, रसायन विज्ञान विभाग, गार्गी महाविद्यालय , दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत।
- निगम, एम. (22 मार्च, 2024)। लाइफ साइकल इनवेंटरी फॉर इंडियन एंड बांगलादेश टेक्सटाइल सेक्टर: इनेबलिंग सस्टेनेबल फैशन । महामारी के बाद वस्त्र उद्योग के वैश्विक विजन पर 77वां अखिल भारतीय वस्त्र सम्मेलन, टेक्सटाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया और आईआईटी दिल्ली, भारत।
- राणा, पी., एंड सेठी, एस. (23 मार्च, 2024)। फाइन वाइन: एक्सट्रैक्टिंग सस्टेनेबल फाइबर्स फ्रॉम ग्रेप वाइन वेस्ट . सर्कल बैक सेमिनार ऑन प्रमोटिंग सर्कुलेरिटी एंड सस्टेनेबिलिटी इन द टेक्सटाइल एंड अपेरल सेक्टर इन इंडिया, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली, नई दिल्ली, भारत।
- राणा, पी., एंड सेठी, एस. (23 मार्च, 2024)। लाइक फाइन वाइन: एक्सट्रैक्टिंग सस्टेनेबल फाइबर्स फ्रॉम ग्रेपवाइन वेस्ट [पोस्टर प्रस्तुति]।सेमिनार ऑन प्रमोटिंग सर्कुलेरिटी एंड सस्टेनेबिलिटी इन द टेक्सटाइल एंड अपेरल सेक्टर इन इंडिया, सर्कल बैक कैम्पेन (वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार और डॉयचे गेसेलशाफ्ट फर इंटरनेशनेल ज़ुसामेनारबीट [जीआईजेड]), आईआईटी दिल्ली, नई दिल्ली, भारत।
- रस्तोगी, डी. (12-14 दिसंबर, 2023)। चिकित्सा वस्त्रों में बायोमिमिक्री के संबंध में परिप्रेक्ष्य. तकनीकी वस्त्र और नॉनवॉवन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीटीएन 2023), आईआईटी दिल्ली, नई दिल्ली, भारत।

- रस्तोगी, डी., एंड रस्तोगी, ए. (17-19 जनवरी, 2024)। शिशुओं के वस्त्र के लिए सूती कपड़े पर प्राकृतिक रंगों के स्थिरता गुणों पर अध्ययन. होम साइंस एसोसिएशन ऑफ इंडिया का 35वां द्विवार्षिक सम्मेलन: सतत विकास के लिए गृह और सामुदायिक विज्ञान में बहुविषयक दृष्टिकोण, कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस, सीएयू, तुरा, मेघालय, भारत।
- सेठी, एस., एंड राणा, पी. (4 अक्टूबर, 2023)। वस्त्र एवं परिधान उद्योग में कृषि-अपशिष्ट सर्कुलरिटी के माध्यम से स्थिरता और ग्रामीण सशक्तिकरण को बढ़ावा देना। जलवायु से संबंधित चुनौतियां और खादी: विज्ञान, परंपरा और स्थिरता की समर्थक , विषय पर संगोष्ठी, डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली, भारत।
- यादव, वी., सेठी, एस., एंड निगम, एम. (23 मार्च, 2024)। वस्त्र निर्माण इकाई के संगठनात्मक जीवन चक्र का मूल्यांकन: स्थिरता की ओर एक कदम [पोस्टर प्रस्तुति]। सर्कल बैक सेमिनार ऑन प्रमोटिंग सर्कुलेरिटी एंड सस्टेनेबिलिटी इन द टेक्सटाइल एंड अपेरल सेक्टर इन इंडिया, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली, नई दिल्ली, भारत।

छात्राओं को पीएचडी प्रदान की गई

- अंदलीब फातिमा (2016), "भारत के चार महानगरों में शहरी मुसलमानों के बीच वस्त्र की शैलियां और प्राथमिकताएं"। पर्यवेक्षक: प्रो. सिम्मी भगत
- जॉयमती थौदम (2016), "मणिपुर की चुनिंदा नागा जनजातियों के पारंपरिक वस्त्र और वेशभूषा"। पर्यवेक्षक: प्रो. रितु माथुर
- रुचिरा अग्रवाल (2016), "हेटेरोबायफंक्शनल रिएक्टिव डाइज़ के साथ रेशम की कम नमक वाली रंगाई के तरीके"। पर्यवेक्षक: प्रो. दीपाली रस्तोगी

पीएचडी कर रही छात्राएं

- अंकिता सिंह (2022), "हिमालयन नेटल फाइबर (गिरार्डिनिया डाइवर्सिफोलिया) के निष्कर्षण पर अध्ययन"। पर्यवेक्षक: प्रो. दीपाली रस्तोगी
- आशिमा आनंद (2018), "शहरी युवाओं (18-24 वर्ष) में चयनित भारतीय वस्त्रों के बारे में जागरूकता फैलाना"। पर्यवेक्षक: प्रो. सीमा सेखरी
- दर्शनिका आर्य (2025), "भारत में रफुगरों और मरम्मत करने वालों के शिल्प और सांस्कृतिक महत्व को तलाशना : एक व्यापक अध्ययन"। पर्यवेक्षक: प्रो. दीपाली रस्तोगी
- गरिमा मलिक (2019), "गोंड चित्रकला के क्षितिज का विस्तार: जनजातियों से अंतर्राष्ट्रीय बाजार तक"। पर्यवेक्षक: प्रो. सबीना सेठी
- मोनिका (2022), "गुजरात और राजस्थान के पारंपरिक वस्त्र बुनाई शिल्प के बारे में अन्वेषणपूर्ण शोध: क्षमता और संभावनाएं"। पर्यवेक्षक: डॉ. माधुरी निगम
- निहारिका जैन (2023), "जीवन चक्र मूल्यांकन दृष्टिकोण के माध्यम से हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग और रोटरी स्क्रीन प्रिंटिंग के पर्यावरणीय प्रभावों के बारे में तुलनात्मक अध्ययन"। पर्यवेक्षक: डॉ. माधुरी निगम
- नितिका जोशी (2021), "कलमकारी के विशेष संदर्भ में रंगाई और छपाई वाले वस्त्रों का निवारक संरक्षण"। पर्यवेक्षक: प्रो. सिम्मी भगत
- प्रिंस कुमार (2021), "पर्यावरण कानून के संदर्भ में पर्यावरण के प्रभाव का आकलन करने की पद्धतियां: भारतीय वस्त्र उद्योग का एक मामला"। पर्यवेक्षक: डॉ. माधुरी निगम
- प्रिंसी राणा (2021), "अंगूर की बेल की टहनियों से रेशों के निष्कर्षण के बारे में एक अन्वेषणपूर्ण अध्ययन"। पर्यवेक्षक: प्रो. सबीना सेठी
- प्रिया गौतम (2019), "ऊनी खादी: समस्याएं और संभावनाएं"। पर्यवेक्षक: प्रो. दीपाली रस्तोगी और प्रो. रितु माथुर
- राधाना रहेजा (2019), "राजस्थान के वर्क छपाई वाले वस्त्रों के क्षरण के पीछे की वैज्ञानिक घटना का अध्ययन तथा भंडारण और सफाई के लिए संरक्षण प्रक्रियाओं का निर्माण"। पर्यवेक्षक: प्रो. सिम्मी भगत
- साक्षी अग्रवाल (2022), "खीरे की बेल (कुकुमिस सैटिवस) से रेशों का निष्कर्षण"। पर्यवेक्षक: प्रो. सबीना सेठी
- शाइस्ता अतीक (2019), "कैलोट्रोपिस गिगेंटिया से निष्कर्षित आख फाइबर का अध्ययन"। पर्यवेक्षक: प्रो. सिम्मी भगत
- स्मृद्धि भदोला (2023), "हथकरघा बुनाई को बढ़ाना: जिंद, हरियाणा में क्लस्टर विकास पर केस स्टडी"। पर्यवेक्षक: प्रोफेसर सबीना सेठी

- विभा यादव (2021), "वस्त्र विनिर्माण इकाई का संगठनात्मक एलसीए"। पर्यवेक्षक: प्रो. सबीना सेठी, और डॉ. माधुरी निगम।

शोध परियोजनाएं/योजनाएं

- भगत, एस. - "राजस्थान के वारक छपाई वाले वस्त्रों के क्षरण और संरक्षण के पीछे की वैज्ञानिक घटना तथा भंडारण और सफाई के लिए संरक्षण प्रक्रियाओं का निर्माण

प्रशिक्षणों/ कार्यशालाओं का आयोजन या संचालन

- अग्रवाल, आर. एंड चहल, एम. (आयोजक)। (29 अप्रैल, 2024)। स्नातकोत्तर छात्राओं के लिए रिज्यूमे लेखन और लिंक्डइन में महारत हासिल करने पर कार्यशाला। वस्त्र एवं परिधान विज्ञान विभाग, लेडी इर्विन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
- अग्रवाल, आर., चोपड़ा एस., एंड पवार, पी. (आयोजन समिति के सदस्य)। (23 सितंबर, 2023)। "फ्यूचरिस्टिक अपैरल बिजनेस : अ पैराडाइम शिफ्ट" विषय पर अपैरल एंड होम टेक्सटाइल पर 18वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएएचटी-2023)
- आनंद, ए. (20 अक्टूबर, 2023)। लेट्स टॉक स्वदेशी: #प्रोदेसी [आमंत्रित वार्ता]। खादी महोत्सव 2023, लक्ष्मीबाई महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
- आनंद, ए. (20 अक्टूबर, 2023)। पहचान देसी - शैक्षणिक खेल [इंटरैक्टिव सत्र]। खादी महोत्सव 2023, लक्ष्मीबाई महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
- भगत, एस. (मार्च-सितंबर, 2024)। दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए हाथ की कढ़ाई के कौशल में छह महीने का प्रशिक्षण आयोजित किया
- भगत, एस. (समन्वयक), निगम, एम. (आयोजक), अग्रवाल, आर. (आयोजक), चहल, एम. (समन्वयक), एंड पवार, पी. (समन्वयक)। (12 अक्टूबर, 2023)। वस्त्र एवं परिधान विज्ञान विभाग, लेडी इर्विन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में "सेलिब्रेशन ऑफ द आइडियोलॉजीज ऑफ महात्मा गांधी" के तहत सुश्री रता कपूर चिश्ती द्वारा साड़ी के जादू को उद्घाटित करना : इतिहास और परंपरा पर कार्यशाला का संचालन किया गया। यह कार्यशाला पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित थी।
- चहल, एम. (आयोजक)। (6-7 मई, 2024)। एम.एससी. प्रीवियस की छात्राओं द्वारा क्रिएटिव ड्रेप्स का प्रदर्शन. वस्त्र एवं परिधान विज्ञान विभाग, लेडी इर्विन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
- माथुर, आर. (संयोजक)। (21 दिसंबर, 2023)। खेल आधारित परस्पर संवादात्मक सत्र आओ बात करें - मानसिक स्वास्थ्य साक्षरता कार्यशाला। लेडी इर्विन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।
- माथुर, आर. (संयोजक)। (14 सितंबर, 2023)। भूमंडलीकृत दौर में हिंदी की प्रासंगिकता, राजभाषा कार्यान्वयन कार्यशाला। लेडी इर्विन महाविद्यालय , दिल्ली विश्वविद्यालय।
- माथुर,आर. (संयोजक)। (18 सितम्बर, 2023)। हिंदी: भूत, वर्तमान, भविष्य, राजभाषा कार्यान्वयन कार्यशाला। लेडी इर्विन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।
- माथुर, आर. (संयोजक)। (22 मार्च, 2024)। युवा पीढ़ी में हिंदी की स्वीकार्यता एवं उपयोगिता, राजभाषा कार्यशाला।लेडी इर्विन महाविद्यालय , दिल्ली विश्वविद्यालय।
- माथुर, आर. (समन्वयक), निगम, एम. (आयोजक), अग्रवाल, आर. (आयोजक), एंड चोपड़ा, एस. (समन्वयक)। (12 अक्टूबर, 2023)। पद्मश्री श्री राम किशोर डेरावाला द्वारा सेलिब्रेशन ऑफ द आइडियोलॉजीज ऑफ महात्मा गांधी" के तहत प्राकृतिक रंगाई और छपाई पर कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला वस्त्र एवं परिधान विज्ञान विभाग, लेडी इर्विन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित थी ।
- निगम, एम. (आयोजक)। (12 दिसंबर, 2023)। वस्त्र और परिधान क्षेत्र में कार्बन फुटप्रिंट्स को मापना : श्री इंद्रनील सेठ, पीई, एलईईडी एपी बीडी+सी, पीएमपी द्वारा कार्यशाला का संचालन। वस्त्र एवं परिधान विज्ञान विभाग, लेडी इर्विन महाविद्यालय , दिल्ली विश्वविद्यालय
- निगम, एम. (आयोजक)। (16 अप्रैल, 2024)। लेडी इर्विन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, में फैशन रिवोल्यूशन इंडिया के सहयोग से श्री आशीष ढाका द्वारा मेंडिंग वर्कशॉप का संचालन किया गया।

- सेठी, एस. (समन्वयक), निगम, एम. (आयोजक), अग्रवाल, आर. (आयोजक), एंड आनंद, ए. (समन्वयक). (11 अक्टूबर, 2023)। सेलिब्रेशन ऑफ द आइडियोलॉजीज ऑफ महात्मा गांधी" के तहत श्री प्रवीण तिवारी (बुनाई विशेषज्ञ) द्वारा वस्त्र एवं परिधान विज्ञान विभाग, लेडी इर्विन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में बुनाई प्रदर्शन और कार्यशाला का आयोजन। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।

परामर्श

- भगत, एस. ने शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए बीकानेर टेक्नीकल यूनिवर्सिटी में बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस) के सदस्य के रूप में सेवाएं प्रदान कीं।
- माथुर, आर. ने फरवरी 2024 में राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में डॉक्टरेट थीसिस का मूल्यांकन किया।
- माथुर, आर. ने मार्च 2024 में भगिनी निवेदिता महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग में अतिथि आधार पर सहायक प्रोफेसर की नियुक्ति के लिए चयन समिति में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- माथुर, आर. ने मार्च 2024 में राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली में डॉक्टरेट अनुसंधान प्रगति के लिए बाहरी जूरी सदस्य के रूप में सेवाएं प्रदान कीं।

अन्य योगदान

- अग्रवाल, आर. ने सार्थक ग्लोबल रिसोर्स सेंटर में उत्तरी क्षेत्र की क्षेत्रीय एबिलिम्पिक्स कौशल प्रतियोगिताओं में कढ़ाई के कौशल की श्रेणी में जूरी सदस्य के रूप में सेवाएं प्रदान कीं।
- भगत, एस. ने 11-12 जनवरी, 2024 को गोवा में इंटरनेशनल पर्पल फेस्टिवल में कढ़ाई के कौशल की श्रेणी के लिए जूरी सदस्य के रूप में सेवाएं प्रदान कीं।
- भगत, एस. ने 22 जुलाई, 2023 को एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय में सत्यम फैशन इंस्टीट्यूट के प्रिंसिपल की नियुक्ति के लिए चयन समिति में विषय विशेषज्ञ के रूप में सेवाएं प्रदान कीं।
- चहल, एम. ने 8-9 दिसंबर, 2023 को उत्तरी क्षेत्र की क्षेत्रीय एबिलिम्पिक्स कौशल प्रतियोगिताओं में ड्रेस मेकिंग के कौशल की श्रेणी में जूरी सदस्य के रूप में सेवाएं प्रदान कीं।
- चहल, एम. ने अगस्त 2023 में नेशनल एबिलिम्पिक्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के लिए ड्रेस-मेकिंग एडवांस्ड के क्षेत्र में प्रशिक्षण सामग्री तैयार करने के लिए इस विषय की विशेषज्ञ और सलाहकार के रूप में सेवाएं प्रदान कीं।
- चहल, एम. जुलाई 2023 में जर्नल ऑफ टेक्सटाइल एसोसिएशन के लिए सहकर्मी समीक्षक ।
- चोपड़ा, एस. जुलाई 2021 से नेशनल जर्नल ऑफ एनवायरनमेंट एंड साइंटिफिक रिसर्च के संपादक मंडल की सदस्य।
- चोपड़ा, एस. दिसंबर 2021 से इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस एंड एप्लीकेशन (आईजेएमएसए) के संपादकीय बोर्ड की सदस्य।
- निगम, एम. ने लेडी इर्विन महाविद्यालय में 22 अप्रैल, 2024 को "विश्व पृथ्वी दिवस 2024: ग्रह बनाम प्लास्टिक" के लिए "संवाद: कन्वर्सेशन फॉर प्लेनेट" शीर्षक से पैनल चर्चा का आयोजन किया। इसे पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया।
- निगम, एम. ने लेडी इर्विन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में प्लास्टिक संग्रह अभियान का आयोजन किया। इसे पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित किया गया।
- निगम, एम. ने लेडी इर्विन महाविद्यालय , दिल्ली विश्वविद्यालय में 29 नवंबर, 2023 को वर्ल्ड रिसोस इंस्टीट्यूट, भारत के सहयोग से "थ्रेड्स ऑफ चेंज: वीविंग अ सस्टेनेबल टेक्सटाइल्स एंड अपैरल सेक्टर " शीर्षक से एक वेबिनार का आयोजन किया।

विकास संचार एवं विस्तार विभाग

पुरस्कार/पेटेंट/ कॉपीराइट

- दुआ, एस. (1 जुलाई, 2023)। एकीकृत पोषण सहायता कार्यक्रम के लिए स्टेट हब और डब्ल्यूसीडी, असम के अधिकारियों के लिए एसबीसी पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित करने की विशेषज्ञ होने के नाते महिला एवं बाल विकास निदेशालय, असम सरकार की ओर से प्रशंसा पत्र
- दुआ. एस. (8 सितंबर, 2023)। यूनेस्को प्रकाशन शीर्षक: स्पॉटलाइट रेड-मेंस्ट्रुअल हेल्थ एंड हाइजीन मैनेजमेंट: अ मॉड्यूल ऑन जेंडर एम्पावरमेंट में योगदान के लिए प्रशंसा पत्र।
- खन्ना, ए. (6 नवंबर, 2023)। संदर्भ संख्या L-135508/2023 के साथ 'फाइंड द हिडन वर्ड्स' नामक गेम पर कॉपीराइट प्रदान किया गया।
- खन्ना, ए. (6 नवंबर, 2023)। संदर्भ संख्या L-135509/2023 के साथ 'फाइंड द डिफरेंसेस' नामक गेम पर कॉपीराइट प्रदान किया गया।
- खन्ना, ए. (31 मार्च, 2024)। रिचमंड फेलोशिप सोसाइटी (इंडिया), दिल्ली शाखा द्वारा 'मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान' के लिए सम्मानित किया गया।

शोध प्रकाशन

- बानो, एन., यादव, बी. एंड कुमारी, एन. (2024)। लाइवलीहुड सिक्युरिटी ऑफ स्मॉल एंड मार्जिनल फार्म फैमिलीज, एडोप्टेड कन्वेंशनल एंड इंटीग्रेटिड फार्मिंग सिस्टम: अ कंपेरेटिव एनालिसिस. जर्नल ऑफ कम्युनिटी मोबिलाइजेशन एंड सस्टेनेबल डेवेलपमेंट खंड 19 (2), 187-197.
- बानो, एन., यादव, बी. एंड कुमारी, एन. (2024)। लाइवलीहुड सिक्युरिटी ओएफ स्मॉल एंड मार्जिनल फार्म फैमिलीज थ्रू इंटीग्रेटिड फार्मिंग सिस्टम: अ सस्टेनेबल एप्रोच इंडियन जर्नल ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन खंड 60 (3), 1-9
- बत्रा, पी एंड आनंद, एस. (2023)।इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग एंड द यंग एडल्ट्स: दिल्ली-एनसीआर में एक अध्ययन, द इंडियन जर्नल ऑफ होम साइंस, 35(2)
- बत्रा, पी एंड आनंद, एस. (2023)। डिकंस्ट्रक्टिंग द नोशन ऑफ फेमिनिज्म अमंग यंग अर्बन मेन: रोल ऑफ सोशल मीडिया. जर्नल ऑफ ग्लोबल कम्युनिकेशन, खंड 16 (1), 44-49.
- भारत, एच. एंड उपाध्याय, आर. (2023)। एस्पिरेशंस एंड बैरियर्स पर्सीव्ड बाई रुरल यूथ इन एंगेजिंग विथ एग्रीबिजनेस इन बागपत डिस्ट्रिक्ट ऑफ उत्तर प्रदेश । इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशनल रिसर्च, 12 (2), 31-36.
- भारत, एच. एंड उपाध्याय, आर. (2023)। अ स्टडी ऑन कंज्यूमर्स परचेज इंटेंशन टूवर्ड्स ओर्गेनिक फूड इन दिल्ली एनसीआर। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशनल रिसर्च, 12 (7), 90 - 97.
- दुबे, दि., शर्मा, म. (2024). भारत में कोविड-19 के दूसरे लहर से निपटने के लिए डिजिटल संचार रणनीतियाँ (विशेष ट्विटर के संबंध में).। द एशियन थिंकर, 21(1), 2582-1296.
- दुआ, एस. एंड आनंद, एस. (2023)। द नज्ड-बिलीफ: ट्रिगर टू प्रिवेन्टिव एसबीसीसी एक्शन अगैंस्ट कोविड-19. जीएयू रिसर्च जर्नल. आईएसएसएन 0250-5193, यूजीसी-केयर लिस्टेड। राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी (एनएएएस) रेटिंग: 3.37, आईएसएसएन 0250-5193.
- गुप्ता, वी., एंड आनंद, एस. (2023)। वाटर, सैनिटेशन, एंड हाइजीन फेसिलिटीज: इनेबलिंग ओर इम्पेडिंग हैंडवाशिंग? ऐन असेसमेंट ऑफ अ प्राइमरी स्कूल इंफ्रास्ट्रक्चर इन पलवल, भारत जर्नल ऑफ़ वाटर,सैनिटेशन एंड हाइजीन फ़ॉर डेवेलपमेंट, 13(9), 723-734. https://doi.org/10.2166/washdev.2023.136
- गुप्ता, वी., एंड आनंद, एस. (2023)। मेकिंग जर्म्स विजिबल – असेसिंग द इम्पैक्ट ऑफ अ स्कूल-बेस्ड, लो-कॉस्ट इंटरवेंशन ऑन हैंड हाइजीन नॉलेज, एटिट्यूड एंड प्रैक्टिस ऑफ चिल्ड्रेन इन रुरल इंडिया. जर्नल ऑफ हेल्थ कम्युनिकेशन, 28(2), 25-31. https://doi.org/10.1080/10810730.2023.2231869
- सेठ, एम., एंड खन्ना, ए. (2023)। एंगेजिंग चिल्ड्रेन ड्यूरिंग कोविड-19 फॉर फंक्शनल लिटरेसी ऑफ एडल्ट लर्नर्स: अ केस स्टडी। इंडियन जर्नल ऑफ एडल्ट एजुकेशन, 84(1), 153-162. आईएसएसएन नंबर 0019-5006.

पुस्तके / पुस्तकों में अध्याय

- आहूजा, ए., कौल, जी., दुआ, एस., अग्रवाल, ए., त्रिपाठी, ए.डी. (2024)। इम्पैक्ट ऑफ क्लाइमेट चेंज इन सस्टेनेबल फूड प्रोडक्शन । ठाकुर, एम. (संपा) सस्टेनेबल फूड सिस्टम्स (खंड I) वर्ल्ड सस्टेनेबिलिटी सीरीज स्प्रिंगर, चैम। स्कोपस इंडेक्स्ड https://doi.org/10.1007/978-3-031-47122-3_21
- अक्षय, पी., एंड आनंद, एस. (2024)। सोशियो कल्चरल प्रैक्टिस अराउंड फर्स्ट 1000 डेज ऑफ चिल्ड्रेन इन मेवात रीजन: अ मिक्स्ड मेथड्स एप्रोच टू इंटरवेंशन स्टडी.मालवीय, आर., एट अल. (संपा), रिसर्च मेथडोलॉजी एक्रोस डिसिप्लाइन्स में. कनिष्क पब्लिशर्स। आईएसबीएन 978-81-974682-7-8.
- गुप्ता, वी., एंड आनंद, एस. (2024)। चिल्ड्रेन एंड हैंडवाशिंग: अ मिक्स्ड-मेथड्स एप्रोच टू हैबिट चेंज. रिसर्च मेथडोलॉजी एक्रोस डिसिप्लाइन्स.मालवीय, आर., एट अल. (संपा), रिसर्च मेथडोलॉजी एक्रोस डिसिप्लाइन्स में. कनिष्क पब्लिशर्स । आईएसबीएन 978-81-974682-7-8.
- खन्ना, ए. ने 'ह्यूमन रिसोर्सेज' फॉर इग्नू कोर्स मैटीरियल फॉर एम.एससी. इन कम्यूनिटी डेवेलपमेंट एंड एक्सटेंशन मैनेजमेंट, ईयर 2, अंडर कोर्स 5 (प्रोग्राम प्लानिंग एंड इवैल्यूएशन) एंड ब्लॉक 3 (मोबिलाइजेशन ऑफ रिसोर्सेज) शीर्षक वाला अध्याय संपादित किया।
- खन्ना, ए. ने 'गवर्नमेंट एंड नॉन-गवर्नमेंट रिसोर्सेज' फॉर इग्नू कोर्स मैटीरियल फॉर एम.एससी. इन कम्यूनिटी डेवेलपमेंट एंड एक्सटेंशन मैनेजमेंट, ईयर 2, अंडर कोर्स 5 (प्रोग्राम प्लानिंग एंड इवैल्यूएशन) एंड ब्लॉक 3 (मोबिलाइजेशन ऑफ रिसोर्सेज) शीर्षक वाला अध्याय संपादित किया।
- खन्ना, ए. ने 'साइंस एंड टेक्नोलॉजी रिसोर्सेज' फॉर इग्नू कोर्स मैटीरियल फॉर एम.एससी. इन कम्यूनिटी डेवेलपमेंट एंड एक्सटेंशन मैनेजमेंट, ईयर 2, अंडर कोर्स 5 (प्रोग्राम प्लानिंग एंड इवैल्यूएशन) एंड ब्लॉक 3 (मोबिलाइजेशन ऑफ रिसोर्सेज)' शीर्षक वाला अध्याय संपादित किया।

विकसित की गई ई सामग्री

- दुआ, एस. इग्नू यूनिट अंडर ब्लॉक 5 ऑन रिसर्चिंग इन कम्यूनिटीज, फॉर एम.एससी. (होम साइंस) कम्यूनिटी डेवेलपमेंट एंड एक्सटेंशन मैनेजमेंट।
- दुआ, एस. इग्नू यूनिट अंडर ब्लॉक 6 ऑन पार्टिसिपेटरी कम्यूनिटी डेवेलपमेंट फोर एम.एससी. (होम साइंस)कम्यूनिटी डेवेलपमेंट एंड एक्सटेंशन मैनेजमेंट।
- दुआ, एस. मॉड्यूल ऑन जेंडर एंड एमएचएचएम फॉर यूनेस्को (https://unesdoc.unesco.org/ark:/48223/pf0000385604)।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों/ कार्यशालाओं/प्रशिक्षणों में प्रस्तुतियां

- आनंद, एस. (15 दिसंबर, 2023)। ग्रामीण समुदायों में पोषण और स्वास्थ्य परिणामों को अनुकूलित करने के लिए महिला समूहों की एसबीसी का उपयोग करने की क्षमता। (राष्ट्रीय परामर्श के लिए आमंत्रित पैनलिस्ट के रूप में व्याख्यान), यूनिसेफ, भारत द्वारा आयोजित।
- आनंद, एस. (17 नवंबर, 2023)। ओडिशा और मध्य प्रदेश पर ध्यान केंद्रित करते हुए आकांक्षी ब्लॉकों में पोषण और एसबीसी का निवेश से संबंधित मामला। (आमंत्रित वक्ता), यूनिसेफ, ओडिशा द्वारा आयोजित।
- आनंद, एस. (10, 16 और 24 दिसंबर, 2023)। व्यवहार परिवर्तन - हस्तक्षेप-आधारित शोध अध्ययनों के लिए दृष्टिकोण और तकनीक ।(व्याख्यान श्रृंखला के लिए व्याख्यान), सीसीएस विश्वविद्यालय, मेरठ।
- आनंद, एस. (19 मार्च, 2024)। व्यवहार परिवर्तन - हस्तक्षेप-आधारित शोध अध्ययनों के लिए दृष्टिकोण और तकनीक (व्याख्यान श्रृंखला के लिए व्याख्यान) एमएसयू बड़ौदा के लिए शैक्षणिक अखंडता और अनुसंधान नैतिकता, 19 मार्च, 2024.
- भल्ला, एस., एंड आनंद, एस. (2023)। एनसीआर में किशोरों के बीच जेंडर रोल से संबंधित गतिशीलता का पता लगाने के लिए मिश्रित पद्धति अनुसंधान दृष्टिकोण का उपयोग करना। इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन लर्निंग 2023 में। आईसीसीएसआर।
- भल्ला, एस., एंड आनंद, एस. (2024)। एनसीआर में किशोरों के बीच जेंडर से संबंधित पूर्वाग्रहों के बारे में जागरूकता के स्तर को मापना। ग्लोबल कॉन्क्लेव 2024: ग्लोबल साउथ में मानव विकास को आगे बढ़ाना में. इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन डेवलपमेंट (आईएचडी)।

- दुबे, डी. (27 मार्च, 2024) भारत की ज्ञान परंपरा और नव माध्यम (सोशल मीडिया) के रूप में जागरूकता हेतु स्वच्छ भारत मिशन शहरी फेसबुक पेज की भूमिका का अध्ययन."भारतीय ज्ञान प्रणाली और मीडिया" पर राष्ट्रीय सम्मेलन। तिलक स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, सी.सी.एस. यूनिवर्सिटी, मेरठ।
- खन्ना, पी. एंड उपाध्याय, आर. (17-19 दिसंबर, 2023)। पलवल हरियाणा में जलवायु के अनुकूल कृषि के लिए महिलाओं के नेतृत्व वाली ज्ञान पहल। सतत विकास के लिए गृह और सामुदायिक विज्ञान में बहु-विषयक दृष्टिकोण पर होम साइंस एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एचएसएआई) -2024 का 35वां द्विवार्षिक सम्मेलन, कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस, सीएयू, (इम्फाल) तुरा, मेघालय।
- ज़िंगखाई, एम., एंड आनंद, एस. (17-19 दिसंबर, 2023)। जनजातीय मणिपुर में घरेलू स्थिरता के लिए महिला खाद्य विक्रेताओं का सामाजिक आर्थिक प्रभाव । सतत विकास के लिए गृह और सामुदायिक विज्ञान में बहु-अनुशासनात्मक दृष्टिकोण पर होम साइंस एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एचएसएआई) -2024 का 35वां द्विवार्षिक सम्मेलन, कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस, सीएयू (इम्फाल) तुरा, मेघालय।
- खन्ना, ए. (30 जून, 2024)। कला संकुल द्वारा आयोजित 'पर्यावरण की रक्षा में कला का योगदान: सामाजिक और व्यवहारिक परिवर्तन के लिए कुछ नवीन प्रयोग" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान (30/6/2024)

छात्राओं को पीएचडी प्रदान की गई

- सोनिया सैन (2016)।मादक द्रव्यों के सेवन से मुक्ति और पुनर्वास के क्षेत्र में कार्यरत क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण की आवश्यकता का आकलन। पर्यवेक्षक: प्रो. अपर्णा खन्ना
- विभा गुप्ता (2017)। हैंड हाइजीन नॉलेज, एटिट्यूड एंड प्रैक्टिस (केएपी) अमंग रुरल प्राइमरी स्कूल चिल्ड्रेन - ऐन इंटरवेंशन स्टडी पर्यवेक्षक: प्रो. सरिता आनंद

पीएचडी कर रही छात्राएं

- अपराजिता शर्मा (2019)। युवाओं की मानसिक स्वास्थ्य साक्षरता को बढ़ावा देने वाले मोबाइल फोन एप्लीकेशन: दिल्ली में एक अध्ययन। पर्यवेक्षक: प्रो. अपर्णा खन्ना
- रूपांशी यादव (2023)। उत्तराखंड (जिला उधम सिंह नगर) में परिवारों के डिजिटल भुगतान के तरीकों के बारे में जागरूकता और उपयोग की परिपाटियां। पर्यवेक्षक: प्रो. अपर्णा खन्ना
- संचय मखीजा (2021)। जैविक भोजन का उपभोग करने वाले लोगों की जागरूकता और दृष्टिकोण को समझना। पर्यवेक्षक: प्रो. रूपा उपाध्याय
- सुरभि भल्ला (2018)। किशोरों में व्यवहार से निपटने में जेंडर की भूमिका की व्याख्यात्मक गतिशीलता को समझना। पर्यवेक्षक: प्रो. सरिता आनंद

शोध परियोजनाएं / योजनाएं

- आनंद, एस: पीआई, रोशनी सेंटर ऑफ वूमेन कलेक्टिव्स लेड सोशल एक्शन, तकनीकी सहायता इकाई, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, अनुदान सहायता -यूनिसेफ, (2018-2023) चरण-I संपन्न।
- आनंद, एस. पीआई, रोशनी सेंटर ऑफ वूमेन कलेक्टिव्स लेड सोशल एक्शन, तकनीकी सहायता इकाई, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, अनुदान सहायता -यूनिसेफ, (2024 से आगे जारी) चरण- 2
- खन्ना, ए. मानव-केंद्रित डिजाइन - कार्यान्वयन और अनुसंधान, 10 लाख के अनुदान के साथ यूनिसेफ इंडिया द्वारा वित्त पोषित, प्राप्त राशि 10 लाख, पीआई - प्रो. अर्चना कुमार और प्रो. अपर्णा खन्ना

कार्यशालाओं / प्रशिक्षण का आयोजन

- चौहान, के. (आयोजक)। (8 अप्रैल, 2024)। उत्कृष्टता को बढ़ावा देना : आत्म परिवर्तन की कला और विज्ञान पर कार्यशाला, राहत ट्रस्ट और रिचमंड फेलोशिप सोसाइटी (भारत) के सहयोग से डीसीई विभाग, लेडी इर्विन महाविद्यालय।
- दुआ. एस. (आयोजक)। (18 अक्टूबर,2023)। एसबीसी और सामुदायिक मीडिया पर गहन कार्यशाला। डीसीई विभाग, लेडी इर्विन महाविद्यालय।
- दुआ, एस. (संयोजक/आयोजक)। (25 नवंबर,2023)। वेबिनार: कॉर्पोरेट संचार और जनसंपर्क। डीसीई विभाग। लेडी इर्विन महाविद्यालय।

- दुआ, एस. (संयोजक)। (16 फरवरी,2024)। जागरूकता कार्यशाला: अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थ और पेय पदार्थ: एचएफएसएस प्री-पैकेज्ड और यूपीएफ लेबल और एफओपीएल को डिकोड करना। डीसीई विभाग। लेडी इर्विन महाविद्यालय।
- दुआ, एस. (संकाय संयोजक)। (23 जनवरी, 2024)। रोशनी के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय और लेडी इर्विन महाविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह। डीसीई विभाग। लेडी इर्विन महाविद्यालय द्वारा आयोजित।
- दुआ, एस. (संयोजक)। (4 दिसंबर, 2023)। छात्रों के लिए क्रिएटिव वॉल राइटिंग कार्यशाला। डीसीई विभाग। लेडी इर्विन महाविद्यालय।
- कौशिक, आर. (आयोजक)। (17 अक्टूबर, 2023)। ट्रायम्फ्स एंड ट्रिब्यूलेशंस - महिला हैरिटेज वॉकर्स की यात्रा को समझने पर चर्चा।
- कौशिक आर. (आयोजक)। (16 अगस्त, 2023)। छात्राओं के लिए पीवीआर प्लाजा, कनॉट प्लेस में घूमर की विशेष फिल्म स्क्रीनिंग। पीवीआर प्लाजा के सहयोग से डीसीई विभाग द्वारा आयोजित।
- कौशिक, आर., सुमन एस एंड सैनी, के. (आयोजक)। (13 अक्टूबर, 2023). तुम्बाड फिल्म की स्क्रीनिंग। डीसीई विभाग, लेडी इर्विन महाविद्यालय।
- कौशिक, आर. (आयोजक)। (7 मार्च, 2024)। पिक्सल्स एंड प्रोनाउन्स: एक्सप्लोरिंग जेंडर डायनामिक्स इन द डिजिटल स्पेस । डीसीई विभाग, लेडी इर्विन महाविद्यालय।
- खन्ना, ए. (आयोजक)। (25 जुलाई, 2023)। मानसिक स्वास्थ्य अभियान (सी4एमएच) के तहत सामुदायिक जागरूकता सामग्री तैयार करने के संबंध में एनआईपीसीसीडी, दिल्ली में प्रशिक्षुओं के लिए प्रशिक्षण का आयोजन और संचालन किया।
- खन्ना, ए. (संयोजक)। (4 अक्टूबर, 2023)। चैटथॉन 3.0 डीसीई विभाग, लेडी इर्विन महाविद्यालय।
- खन्ना, ए. (मॉडरेटर)। (9 अक्टूबर, 2023)। "स्वयंसेवक होने का आनंद" पर वेबिनार। रिचमंड फेलोशिप सोसाइटी (भारत) और राहत चैरिटेबल एंड मेडिकल रिसर्च ट्रस्ट के सहयोग से डीसीई विभाग।
- खन्ना, ए. और कुमार, ए. (संयोजक)। (18 अक्टूबर, 2023)। एसबीसी और सामुदायिक मीडिया पर कार्यशाला। डीसीई विभाग, लेडी इर्विन महाविद्यालय।
- खन्ना, ए. (आयोजक)। (11-12 दिसंबर, 2023)। मानसिक स्वास्थ्य अभियान (सी4एमएच) के तहत मानसिक स्वास्थ्य के लिए जागरूकता अभियान तैयार करने और चलाने के संबंध में एनजीओ के क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण का आयोजन और संचालन किया।
- खन्ना, ए. (आयोजक)। लेडी इर्विन महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) के विकास संचार और विस्तार विभाग में संगोष्ठियों, अतिथि व्याख्यानों, प्रशिक्षण सत्रों, कार्यशालाओं, वार्षिक व्याख्यानों (रौशनी देशपांडे मेमोरियल ओरेशन) का आयोजन किया।
- राउत, पी. पी. (संयोजक)। (21 मार्च, 2024)। एनजीओ पंजीकरण और एफसीआरए कानून पर ऑनलाइन व्याख्यान। डीसीई विभाग, लेडी इर्विन महाविद्यालय ।
- सचदेवा, एस. (संयोजक)। (31 दिसंबर, 2023)। फोटो जर्नलिज्म और ट्रैवल जर्नलिज्म पर कार्यशाला।
- सिंह, एस.के. एंड देवांगन, ए. (आयोजक)। (19 मार्च, 2024)। डीपफेक से निपटने के लिए तथ्य सत्यापन पर कार्यशाला। डीसीई विभाग, लेडी इर्विन महाविद्यालय ।
- ज़िंगखाई, एम और दुबे, डी. (आयोजक)। (12 अप्रैल, 2024)। डिजिटल सशक्तिकरण: साइबर सुरक्षा, ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी और डिजीलॉकर पर व्याख्यान। डीसीई विभाग, लेडी इर्विन महाविद्यालय ।

परामर्श

- आनंद, एस. पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए एनसीईआरटी और इग्नू के साथ सलाहकार।
- कौशिक, आर. तकनीकी सलाहकार, पीवीआर नेस्ट, पीवीआर आइनॉक्स समूह।
- खन्ना, ए. एसपीवाईएम, दिल्ली में मानद सलाहकार।
- खन्ना, ए. असीम्स लाइब्रेरी में मानद सलाहकार।
- सिंह, एस. वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार में परामर्श।

अन्य योगदान

- आनंद, एस. समीक्षक, जर्नल-मीडिया एशिया बाय रूटलेज, 2002 से ।
- आनंद, एस. सदस्य, विभाग सलाहकार बोर्ड, डिपार्टमेंट ऑफ जेंडर स्टडीज, एनसीईआरटी। 2020 से ।
- आनंद, एस. सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, विस्तार और संचार विभाग, गृह विज्ञान संकाय, एमएसयू, बड़ौदा। 2020 से ।
- आनंद, एस. सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, जनसंचार और विकास अध्ययन विभाग, एसवीटी महाविद्यालय , एसएनडीटीयू, मुंबई 2022 से।
- आनंद, एस. सदस्य, बोर्ड ऑफ रिसर्च स्टडीज, गृह विज्ञान विभाग, सीसीएस यूनिवर्सिटी, मेरठ। 2023 से।
- दुआ, एस. एमए विस्तार संचार शोध प्रबंध मौखिक परीक्षा के लिए एजेकेएमसीआरसी में बाहरी परीक्षक के रूप में आमंत्रित।
- दुबे, डी. एनजीओ समाधान अभियान के लिए तकनीकी सलाहकार (मानद)।
- कौशिक, आर. 22 फरवरी, 2024 को मूल्यांकन में युवाओं की सार्थक भागीदारी के लिए मानक -पर गोलमेज चर्चा, इवलफेस्ट 2024 में वक्ता के रूप में आमंत्रित।
- खन्ना, ए. यूनिसेफ इंडिया द्वारा 29-31 जनवरी, 2024 को कोलकाता, पश्चिम बंगाल में एसबीसी क्षमता विकास कार्यशाला के लिए रिसोर्स पर्सन और विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।
- खन्ना, ए. यूनिसेफ इंडिया द्वारा 28 नवंबर, 2023 को शिलांग, मेघालय में आयोजित एसबीसी क्षमता विकास कार्यशाला के लिए रिसोर्स पर्सन और विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।
- खन्ना, ए. यूनिसेफ इंडिया द्वारा 20-23 नवंबर, 2023 को इंदौर, मध्य प्रदेश में आयोजित एसबीसी क्षमता विकास कार्यशाला के लिए रिसोर्स पर्सन और विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।
- खन्ना, ए. यूनिसेफ इंडिया द्वारा आइजोल, मिजोरम में 15 सितंबर, 2023 को आयोजित एसबीसी क्षमता विकास कार्यशाला के लिए आमंत्रित रिसोर्स पर्सन और विशेषज्ञ।
- खन्ना, ए. होम साइंस एसोसिएशन ऑफ इंडिया की सदस्यता/फेलोशिप - होम साइंस एसोसिएशन ऑफ इंडिया
- खन्ना, ए. एआईडब्ल्यूईएफए की सदस्यता/फेलोशिप।
- खन्ना, ए. इवैल्यूएशन कम्युनिटी ऑफ इंडिया की सदस्यता/फेलोशिप।
- खन्ना, ए. रिचमंड फेलोशिप सोसाइटी (भारत) की सदस्यता/फेलोशिप।
- खन्ना, ए. इंडियन एडल्ट एजुकेशन एसोसिएशन की सदस्यता/फेलोशिप।
- खन्ना, ए. राहत चैरिटेबल एंड मेडिकल रिसर्च ट्रस्ट की सदस्यता/फेलोशिप।
- खन्ना, ए. सेंटर फॉर एजुकेशन ग्रोथ एंड रिसर्च, दिल्ली की सदस्यता/फेलोशिप।
- खन्ना, ए. एफएसीईएमआई, दिल्ली की सदस्यता/फेलोशिप।
- उपाध्याय, आर. 26 सितंबर, 2023 को टेरी, नई दिल्ली में सतत कृषि के लिए एसडीजी ब्लूप्रिंट पर विशेषज्ञ परामर्श कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किए गए।
- उपाध्याय, आर. 9 नवंबर, 2023 को टेरी, नई दिल्ली में सतत कृषि के लिए एसडीजी ब्लूप्रिंट पर संवाद के लिए आमंत्रित किए गए।

संसाधन प्रबंधन और अभिकल्प अनुप्रयोग विभाग

पुरस्कार/पेटेंट/ कॉपीराइट

- धस्माना, आर, रूपा, टी.जी., गोयल, एस एंड सभरवाल, एम, को 4 और 5 नवंबर 2023 को गलगोटिया यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा, उप्र और एनवायरोनमेंट एंड सोशल डेवेलपमेंट एसोसिएशन (ईएसडीए इंडिया) द्वारा आयोजित विश्व पर्यावरण शिखर सम्मेलन 2023 में पोस्टर पेपर प्रस्तुति के लिए वर्चुअल तकनीकी सत्र में "अ रिव्यू अल्टरनेटिव्स टू प्लास्टिक्स – आर देयर एनी रियल रिप्लेसमेंट्स फॉर कन्वेंशनल प्लास्टिक्स?" पेपर के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- गोयल, एस. एंड गुप्ता, एम. (अभिकल्प नवाचार केंद्र, लेडी इर्विन महाविद्यालय), "फ्रेमवर्क फॉर इवैल्यूएटिंग केयर इंस्टीट्यूशंस फॉर एल्डरली", कॉपीराइट कार्यालय, भारत सरकार के साथ 20 मार्च, 2024 को कॉपीराइट पंजीकृत किया गया।

- गुप्ता पी., वीमेन लीडर अवार्ड इन स्किल डेवेलपमेंट , वीमेन लीडर्स फोरम द्वारा प्रदान किया गया (22 दिसंबर, 2023)

शोध प्रकाशन

- चोपड़ा, एस., गुप्ता, पी., एंड मित्तल, एम. (2024)। अ स्टडी ऑफ इनडोर एयर क्वॉलिटी एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन हेल्थ । *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड होम साइंस*, *11*, 21-27.
- गुप्ता, एम., सिंह, एस. एंड केरकट्टा, एस. (2023)। ऐन एप्रेजल ऑफ क्लासरूम फर्नीचर डिजाइन ऑफ एलिमेंटरी क्लासेज इन स्कूल्स: यूजर परस्पेक्टिव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ चाइल्ड एंड एडोलसेंट हेल्थ, 16(3). (आईएसएसएन: 1939-5930)
- गुप्ता, एम. एंड मधोक, एम. (2023)। कस्टमर्स' सेटिस्फैक्शन विद् सेलेक्टेड थीम रेस्टोरेंट्स ऑफ दिल्ली. द इंडियन जर्नल ऑफ होम साइंस, 35 (2), 169-178, आईएसएसएन 0970 2733.
- जैन, एम., मितल, एम., एंड स्याल, एम. (2024)। बैरियर्स इन ऑफ-ग्रिड सोलर इंस्टॉलेशंस इन कमर्शियल बिल्डिंग्स इन इंडिया: परस्पेक्टिव ऑफ चैनल पार्टनर्स। ओआईडीए इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सस्टेनेबल डेवेलपमेंट , 17(1), 41-46. ओंटारियो इंटरनेशनल डेवेलपमेंट एजेंसी, ओंटारियो, कनाडा, आईएसएसएन: 1923:6654 (प्रिंट) और आईएसएसएन: 1923:6662 (ऑनलाइन) (इंडेक्सिंग: स्कोपस, डीओएजे, एसएसआरएन, ईबीएससीओ और एमिकस)।
- जैन, एम., मितल, एम., एंड स्याल, एम. (2023)। सोलर एनर्जी पॉलिसीज फॉर कमर्शियल बिल्डिंग्स इन इंडिया: एक्सपीरिएंस ऑफ बिल्डिंग ओनर्स एंड मैनेजर्स । ग्रीन बिल्डिंग और कंस्ट्रक्शन इकोनॉमिक्स, 4(2), 351-366. यूनिवर्सल वाइज़र पब्लिशर, आईएसएसएन: 2737-5013 (प्रिंट) 2737-5021 (ऑनलाइन)
- केरकेट्टा, एस. आर. (2023)। 'एलएसी - अ गुड सोर्स ऑफ लाइवलीहुड इन झारखंड' इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च (आईजेएफएमआर), ई- आईएसएसएन: 2582-2160
- केरकेट्टा, एस. आर. (2023)। 'ग्राउंडवॉटर डिप्लीशन एंड एग्रीकल्चर: अ स्टडी इन विलेज ऑफ हरियाणा' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड सोशल साइंस, खंड 10 (7 और 8), जुलाई और अगस्त (2023): 468-481
- केरकेट्टा, एस.आर. (2024)। "एंटरप्रेन्यूरियल डेवेलपमेंट फॉर द ट्राइबल वीमेन ऑफ झारखंड', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नोवेल रिसर्च एंड डेवेलपमेंट (आईजेएनआरडी), खंड 9, अंक 1 जनवरी 2024, आईएसएसएन: 2456-4184
- केरकेट्टा, एस. आर. (2023)। 'अंडरयूटिलाइज्ड कमर्शियली इंपोर्टेंट साल सीड इन झारखंड' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड सोशल साइंस, खंड 10, अंक 11 और 12 (नवंबर और दिसंबर, 2023), आईएसएसएन: 2394-1405 (स्कोपस 0.296)
- केरकेट्टा, एस. आर. (2023)। 'चिरौंजी - अ कमर्शियली इंपोर्टेंट एंड पोटेंशियल लाइवलीहुड प्रोवाइडर माइनर फॉरेस्ट प्रोडक्ट ओएफ ट्राइबल लैंड ऑफ झारखंड ।' इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च, खंड - 12, अंक - 12, दिसंबर - 2023, आईएसएसएन नंबर 2250 - 1991.
- केरकेट्टा, एस. आर. (2024)। "सस्टेनेबल यूज़ ऑफ अबैन्डन्ड ओपन कोल मिनिंग पिट्स फॉर पिसीकल्चर इन झारखंड", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज (आईजेआरएआर), खंड 11, अंक 3, ई- आईएसएसएन 2348-1269.
- माकोल, एन., गुप्ता, पी., मितल, एम., और स्याल, एम. (2024)। ग्रीन हाइड्रोजन: अंडरस्टेंडिंग टेक्नो-इकोनोमिक वायबिलिटी फॉर इंडस्ट्रीज। ओआईडीए इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सस्टेनेबल डेवेलपमेंट , 17(2), 33-42.

पुस्तके / पुस्तकों में अध्याय

- गौड़, एम., गोयल, एस., रूपा, टी. जी. एंड दीवान, ए. (2024)। ब्रॉडनिंग स्कोप ऑफ मिक्स्ड मेथड रिसर्च इन सोशल साइंस: रिव्यू स्टडी इन रिसर्च मेथडोलॉजी एक्रोस डिसिप्लिन्स, मालवीय, आर. एट अल (संपादक), नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स, आईएसबीएन-13: 978-8197468278 आईएसबीएन-10: 8197468273, पृष्ठ 25-33
- गुप्ता, एम. एंड गोयल, एस. (2023)। 'कंज्यूमर एजुकेशन'. होम साइंस एंड ह्यूमन इकोलॉजी, सीनियर सेकेंडरी, डेवेलपमेंट ऑफ द सेल्फ लर्निंग मैटीरियल (एसएलएम) फॉर द बोर्ड ऑफ ओपन स्कूलिंग एंड स्किल एजुकेशन (बीओएसएसई), सिक्किम ।
- गोयल, एस. एंड गुप्ता, एम. (2023)। 'एर्गोनॉमिक्स एंड स्पेस प्लानिंग'। होम साइंस एंड ह्यूमन इकोलॉजी, सीनियर सेकेंडरी, डेवेलपमेंट ऑफ द सेल्फ लर्निंग मैटीरियल (एसएलएम) फॉर द बोर्ड ऑफ ओपन स्कूलिंग एंड स्किल एजुकेशन (बीओएसएसई), सिक्किम। पुस्तक के अध्याय का अनुवाद(हिंदी में) गुप्ता, एम., (2023)। 'कंज्यूमर एजुकेशन'. होम साइंस

एंड ह्यूमन इकोलॉजी, सीनियर सेकेंडरी, डेवेलपमेंट ऑफ द सेल्फ लर्निंग मैटीरियल (एसएलएम) फॉर द बोर्ड ऑफ ओपन स्कूलिंग एंड स्किल एजुकेशन (बीओएसएसई), सिक्किम ।

- गुप्ता, एम., (2023)। होम साइंस एंड ह्यूमन इकोलॉजी, सीनियर सेकेंडरी, डेवेलपमेंट ऑफ द सेल्फ लर्निंग मैटीरियल (एसएलएम) फॉर द बोर्ड ऑफ ओपन स्कूलिंग एंड स्किल एजुकेशन (बीओएसएसई), सिक्किम।
- जैन, आर., एंड जैन, एम. (2024)। ग्रीन स्किल्स फॅार अ सस्टेनेबल फ्यूचर: असेसमेंट ऑफ द इंडियन सिनेरियो। आर. गर्ग, ए. कौर, एंड ए. सहगल (संपा.), फिनटेक, डिजिटलीकरण एंड सस्टेनेबिलिटी : इंडियाज विजन फॉर 2047 (पृष्ठ 113-125) में। नई दिल्ली, भारत: ब्लूम्सबरी पब्लिशिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड। आईएसबीएन: 978-81-96656-84-3
- खरासी, पी.ओ., मितल, एम., एंड जैन, एम. (2023)। वेस्ट वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट्स इन दिल्ली : प्रोस्पेक्ट्स एंड चैलेंजिस । डी. रंगास्वामी, जे. बरुआ, एंड सार्थक, ए. (संपा.), अंडरस्टेंडिंग द कॉम्प्लेक्सिटीज बिटवीन एनवायर्नमेंट प्रोटेक्शन एंड ह्यूमन डेवेलपमेंट: अ मल्टीडिसिप्लीनरी एप्रोच (पृष्ठ 76-87) में। भारत: एक्विटास विक्टोरिया फाउंडेशन। आईएसबीएन: 978-81-954439-4-4

संगोष्ठियों/ सम्मेलनों/ कार्यशालाओं / प्रशिक्षणों में प्रस्तुतियां

- धस्माना, आर, रूपा, टी.जी., गोयल, एस एंड सभरवाल, एम, गलगोटिया यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा, उप्र और एनवायरोनमेंट एंड सोशल डेवेलपमेंट एसोसिएशन (ईएसडीए इंडिया) द्वारा 4 और 5 नवंबर 2023 को आयोजित विश्व पर्यावरण शिखर सम्मेलन 2023 में पोस्टर पेपर प्रस्तुति के लिए वर्चुअल तकनीकी सत्र में "अ रिव्यू अल्टरनेटिव्स टू प्लास्टिक्स – आर देयर एनी रियल रिप्लेसमेंट्स फॉर कन्वेंशनल प्लास्टिक्स?"
- गुप्ता, एम., भारतीय स्वास्थ्य प्रबंधन अनुसंधान संस्थान (आईआईएचएमआर), दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान (एनआईएसडी) तथा सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के साथ साझेदारी में 16 मार्च, 2024 को आयोजित "उम्र बढ़ने के परिप्रेक्ष्य में संगोष्ठी: स्वस्थ कल के लिए नीतियों, स्वास्थ्य और अनुसंधान को दिशा देना" के लिए "वृद्धाश्रमों में रहने वाले बुजुर्गों के लिए जीवन की गुणवत्ता बढ़ाना: चुनौतियाँ, नवाचार और सर्वोत्तम पद्धतियां"।
- गुप्ता, एम., मंथन स्कूल, ग्रेटर नोएडा में 14 अगस्त 2023 को आयोजित, राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान (एनआईएसडी) तथा सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित 'युवा और वृद्धों के बीच अंतर-पीढ़ी संबंधों को बढ़ावा देना' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला।
- गुप्ता, एम., शहीद राजपाल डीएवी पब्लिक स्कूल, दयानंद विहार में 5 अगस्त 2023 को आयोजित राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान (एनआईएसडी) तथा सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित 'युवा और वृद्धों के बीच अंतर-पीढ़ी संबंधों को बढ़ावा देना' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला।
- जैन, आर., एंड जैन, एम. (2024)। रुक्मिणी देवी इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, नई दिल्ली, भारत द्वारा (19-20 जनवरी 2024) को आयोजित और आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित 'फिनटेक, डिजिटलीकरण एंड सस्टेनेबिलिटी : इंडियाज विजन फॉर 2047' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ग्रीन स्किल्स फॅार अ सस्टेनेबल फ्यूचर: असेसमेंट ऑफ द इंडियन सिनेरियो' पर मौखिक प्रस्तुति।
- जैन, एम., मितल, एम., एंड स्याल, एम. (2023)। मोंटक्लेयर स्टेट यूनिवर्सिटी, न्यू जर्सी, अमेरिका, में इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटरडिसिप्लीनरी रिसर्च इन लॉ (आईसीआईआरएल), सेंटर फोर रिसर्च इन सोशल जस्टिस एंड पॉलिसी (सीआरएसजेपी) लॉरेंटियन यूनिवर्सिटी और ओंटारियो इंटरनेशनल डेवेलपमेंट एजेंसी (ओआईडीए), कनाडा द्वारा (13-14 दिसंबर 2023) को आयोजित सतत विकास पर 18वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत में वाणिज्यिक भवनों में ऑफ-ग्रिड सौर प्रतिष्ठापनों के संबंध में चैनल भागीदारों का दृष्टिकोण, विषय पर मौखिक प्रस्तुति।
- केरकेट्टा एस.आर., एनटीआरआई, नई दिल्ली में 2 फरवरी 2024 को देश में जनजातीय विकास के लिए सरकारी योजनाओं पर चर्चा,रिसोर्स पर्सन ।
- माकोल, एन., गुप्ता, पी., मितल, एम., एंड स्याल, एम. (2023)। मोंटक्लेयर स्टेट यूनिवर्सिटी, न्यू जर्सी, अमेरिका, सेंटर फोर रिसर्च इन सोशल जस्टिस एंड पॉलिसी (सीआरएसजेपी) लॉरेंटियन यूनिवर्सिटी और ओंटारियो इंटरनेशनल डेवेलपमेंट एजेंसी (ओआईडीए), कनाडा द्वारा (13-14 दिसंबर 2023) को आयोजित सतत विकास पर 18वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ग्रीन हाइड्रोजन: भारत में उद्योगों के लिए तकनीकी-व्यावसायिक व्यवहार्यता को समझना, विषय पर मौखिक प्रस्तुति।

- संभव, वी., (2023)। डिजिटल युग में उद्यमिता शिक्षा और क्षमता विकास" अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईसीसीईटीबीएम, 2023, अंतर्राष्ट्रीय स्प्रिंगर सम्मेलन।
- यादव, एम., गुप्ता, जे. एंड गुप्ता, पी. (2023)। जैविक और अजैविक मापदंडों पर ई-कचरे का पर्यावरणीय प्रभाव: सीलमपुर, दिल्ली में एक अध्ययन, जैव प्रौद्योगिकी में नए क्षितिज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एनएचबीटी 2023), त्रिवेंद्रम, भारत, सीएसआईआर-एनआईआईएसटी (राष्ट्रीय अंतःविषय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान), भारतीय जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान सोसायटी (बीआरएसआई), (26-29 नवंबर 2023)।

पीएचडी कर रही छात्राएं

- चेतना सिंह (पंजीकृत 2018) सौर कौशल विकास कार्यक्रमों का मूल्यांकन – एक बहु-हितधारक परिप्रेक्ष्य। पर्यवेक्षक: प्रो. मीनाक्षी मितल और प्रो. पूजा गुप्ता
- गीतिका मिश्रा (पंजीकृत 2021) प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन के लिए विस्तारित उत्पादक जिम्मेदारी (ईपीआर): एक हितधारक परिप्रेक्ष्य। पर्यवेक्षक: प्रो. पूजा गुप्ता
- मदीहा ज़ईम (22-3-2022 को पंजीकृत) सामाजिक लाभ के लिए शुरू किए गए स्टार्ट-अप पर एक अध्ययन। पर्यवेक्षक: प्रो. टी. जी. रूपा
- मिताली यादव (पंजीकृत 2021) इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट के पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन और टिकाऊ ई-अपशिष्ट प्रबंधन के लिए अनौपचारिक पुनर्चक्रणकर्ताओं का क्षमता निर्माण: एक बहुआयामी अध्ययन"। पर्यवेक्षक: प्रो. पूजा गुप्ता
- मोनिका (पंजीकृत 2021) गुजरात और राजस्थान के पारंपरिक वस्त्र बुनाई शिल्प: क्षमता और संभावनाएं। पर्यवेक्षक: प्रो. शांता रानी केरकेट्टा
- नेहा माकोल (पंजीकृत 2018) भारत के आवासीय क्षेत्रों में सौर छत पहल का मूल्यांकन। पर्यवेक्षक: प्रो. पूजा गुप्ता और प्रो. मीनाक्षी मितल
- ओनिया कृषि (पंजीकृत 2023) जनजातीय महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए एमजीएनआरईजीएस का योगदान। पर्यवेक्षक: प्रो. शांता रानी केरकेट्टा
- रश्मि धस्माना (14-11-2018 को पंजीकृत) प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन में शहरी स्थानीय निकायों की भूमिका: दिल्ली के चयनित क्षेत्रों में अध्ययन। पर्यवेक्षक: प्रो. टी. जी. रूपा
- शेफाली चोपड़ा (पंजीकृत 2018) आंतरिक वायु गुणवत्ता के प्रति युवाओं का क्षमता निर्माण: दिल्ली के स्कूलों में एक अध्ययन। पर्यवेक्षक: प्रो. पूजा गुप्ता और प्रो. मीनाक्षी मितल
- सुप्रिया (पंजीकृत 2024) झारखंड के जनजातीय परिधानों का दस्तावेजीकरण इतिहास। पर्यवेक्षक: प्रो. शांता रानी केरकेट्टा
- वैशाली नागर (28 दिसंबर, 2023 को पंजीकृत) भारत के चुनिंदा राज्यों में सौर मिनी ग्रिड नीति का मूल्यांकन: हितधारकों का दृष्टिकोण। पर्यवेक्षक: प्रो. मीनाक्षी मितल और डॉ. मीनल जैन
- विमिता सोलंकी (पंजीकृत 2023) सतत विकास के लिए शिक्षा के प्रति सेवा-पूर्व शिक्षकों का क्षमता निर्माण। पर्यवेक्षक: प्रो. पूजा गुप्ता
- विशाखा संभव (पंजीकृत 2021) उच्च शिक्षा संस्थानों में युवाओं के बीच उद्यमिता शिक्षा का मूल्यांकन। पर्यवेक्षक: प्रो. पूजा गुप्ता

शोध परियोजनाएं / योजनाएं

- रूपा, टी. जी., समन्वयक, डीआईसीडीयू का स्पोक अभिकल्प नवाचार केंद्र, जो पहले एमएचआरडी मंत्रालय के अधीन था, अब एमई के अधीन है।
- गुप्ता, पी. एंड मितल, एम. (संयोजक), यादव, एम. (समन्वयक), जैन एम., संभव, वी. और चोपड़ा, एस. (सदस्य) एसओआरटी परियोजना (बगीचे और रसोई अपशिष्ट से खाद बनाना) आईपीसीए के सहयोग से लेडी इर्विन महाविद्यालय में ।
- गुप्ता, पी. एंड मितल, एम. (संयोजक), चोपड़ा, एस. और जैन एम. (समन्वयक) पेपर रीसाइक्लिंग परियोजना, जागृति के सहयोग से लेडी इर्विन महाविद्यालय में ।

प्रशिक्षणों/ कार्यशालाओं का आयोजन या संचालन

- चोपड़ा, एस., समन्वयक, प्रोफेसर सोना विकास, प्रबंधन और वाणिज्य विभाग, द नॉर्थ कैप यूनिवर्सिटी द्वारा कौशल और प्रतिभा अधिग्रहण पर 12 अक्टूबर, 2023 को कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- चोपड़ा, एस., समन्वयक, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सहयोग से 17 अक्टूबर 2023 को वायु प्रदूषण पर जागरूकता फैलाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- चोपड़ा, एस., समन्वयक, 19 अक्टूबर 2023 को एनएसईएम और सेबी के सहयोग से वित्तीय नियोजन और निवेश के अवसरों पर सत्र का आयोजन किया गया।
- चोपड़ा, एस., समन्वयक, 2 नवंबर 2023 को गुजरात हस्तकला उत्सव का दौरा किया गया।
- चोपड़ा, एस. और मार्तोलिया, डी., (समन्वयक), 19 मार्च 2024 को एटीटीईआरओ रीसाइक्लिंग प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से ई-अपशिष्ट पर जागरूकता सत्र का आयोजन।
- चोपड़ा, एस., प्रतिभागी, पर्यावरण,वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा 16 सितंबर 2023 को इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित 29वां ओजोन दिवस।
- चोपड़ा, एस., प्रतिभागी, टेरी द्वारा 23-24 नवंबर 2023 तक आयोजित 15वां गृह शिखर सम्मेलन
- गुप्ता, एम., आयोजन समन्वयक, वर्चुअल साइड इवेंट, महिलाओं की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र आयोग (सीएसडब्ल्यू 68), अखिल भारतीय महिला शिक्षा कोष संघ (एआईडब्ल्यूईएफए) द्वारा संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के साथ साझेदारी में 14 मार्च, 2024 को न्यूयॉर्क में 'वित्तीय स्वतंत्रता के माध्यम से लैंगिक समानता' विषय पर आयोजित किया गया।
- जैन, एम., सदस्य, आयोजन समिति राजभाषा कार्यान्वयन कार्यशाला- '' भारत सरकार की राजभाषा नीति एवं हिंदी टूल्स का प्रयोग'' रिसोर्स पर्सन : डॉ. व्योमकेश शर्मा शर्मा (उप प्रबंधक एवं राजभाषा प्रभारी, रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार) 4 जून, 2024
- जैन, एम., सदस्य, आयोजन समिति, राजभाषा कार्यान्वयन कार्यशाला- युवा पीढ़ी में हिंदी की स्वीकार्यता एवं उपयोगिता रिसोर्स पर्सन: श्री अकु श्रीवास्तव, संपादक, नवोदय टाइम्स/पंजाब केसरी (22 मार्च, 2024)।
- गुप्ता पी., जैन, एम. एंड यादव एम., संकाय सलाहकार, डब्ल्यूएजीएएनजेडए – उद्यम संबंधी वार्षिक उत्सव, ई-सेल, लेडी इर्विन महाविद्यालय , 6-7 मार्च 2024.
- जैन, एम., संकाय सलाहकार, महफ़िल-ए-समा, वार्षिक साहित्यिक कार्यक्रम, इटरनल फ़्रेज़ेस, द लिटरेरी सोसाइटी, लेडी इर्विन महाविद्यालय 15 फरवरी 2024 को।
- जैन एम., मास्टर ऑफ सेरेमनीज और सदस्य, आयोजन समिति, राजभाषा परस्पर संवादात्मक सत्र आओ बात करें- ''मानसिक स्वास्थ्य साक्षरता कार्यशाला'' रिसोर्स पर्सन: डॉ. सुजाता डी. शर्मा, डॉ. मृदुला सेठ, प्रो. अपर्णा खन्ना (21 दिसंबर, 2023).
- जैन एम., तनाव प्रबंधन पर कार्यशाला का आयोजन एवं समन्वयन, रिसोर्स पर्सन: सुश्री दिशी जैन, लाइफ कोच, 18 अक्टूबर 2023.
- जैन एम., सदस्य, आयोजन समिति,हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह रिसोर्स पर्सन: वंदना झा, प्रोफेसर, वसंता महिला महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी (30 सितंबर, 2023).
- जैन एम., सदस्य, आयोजन समिति, हिंदी: भूत,वर्तमान और भविष्य पर संगोष्ठी रिसोर्स पर्सन: प्रो.निरंजन कुमार, प्रोफेसर और डीन योजना,हिंदी विभाग, कला संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय (18 सितंबर, 2023).
- जैन एम., सदस्य, आयोजन समिति, हिंदी पखवाड़ा उद्घाटन एवं हिंदी दिवस समारोह- भूमंडलीकृत दौर में हिंदी की प्रासंगिकता पर कार्यशाला, रिसोर्स पर्सन: प्रो. कुसुम लता मलिक, प्रोफेसर, हिंदी विभाग, कला संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय (14 सितंबर, 2023)।
- मितल, एम., गुप्ता, पी. एंड जैन, एम., समन्वयक, "जलवायु परिवर्तन का मिलकर मुकाबला करना पृथ्वी दिवस 2024: हमारे ग्रह के भविष्य के लिए एकजुट होना" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, संसाधन प्रबंधन और अभिकल्प अनुप्रयोग विभाग, लेडी इर्विन महाविद्यालय द्वारा 22 अप्रैल 2024 को आयोजित किया गया।
- मितल, एम., गुप्ता, पी. एंड जैन, एम., आयोजक और समन्वयक, 5 जून 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस, के अवसर पर छात्राओं और पेशेवरों के लिए ग्रीन फोटोग्राफी प्रतियोगिता।

- मितल, एम., जैन एम., यादव एम., संकाय सलाहकार, 'विश्व ई-अपशिष्ट दिवस 2023' के अवसर पर आयोजित 'रीसायकल रियल्म्स', प्रतियोगिताएं, संसाधन प्रबंधन और अभिकल्प अनुप्रयोग विभाग, लेडी इर्विन महाविद्यालय द्वारा 18 अक्टूबर 2023 को बी.एससी. पास (एसईसी) तृतीय वर्ष की छात्राओं द्वारा आयोजित की गई।
- रूपा, टी. जी., संकाय समन्वयक, 31 अक्टूबर, 2023 को बिसलेरी टीम द्वारा "बॉटल्स फॉर चेंज पर एक परिचयात्मक सत्र"
- रूपा, टी. जी., संकाय समन्वयक, 14 दिसंबर, 2023 को बिसलेरी टीम द्वारा प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन पर कार्यशाला
- रूपा, टी. जी., समन्वयक, 14 दिसंबर, 2023 को ग्रेटर नोएडा में प्लास्टिक रीसाइक्लिंग केंद्र का दौरा आयोजित किया गया
- रूपा, टी. जी., संकाय समन्वयक, महाविद्यालय में प्लास्टिक संग्रह अभियान और 1 दिसंबर, 2023 को बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के साथ एलओए पर हस्ताक्षर
- रूपा, टी. जी., संयोजक, संसाधन प्रबंधन और अभिकल्प अनुप्रयोग विभाग, लेडी इर्विन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 12 फरवरी, 2024 को "अपशिष्ट के उपयोग से लैंडस्केपिंग करने पर कार्यशाला: कोको प्लांटर्स" का आयोजन किया गया।
- रूपा, टी. जी., संकाय समन्वयक, आरएमडीए विभाग की स्नातकोत्तर छात्राओं का18 अप्रैल, 2024 को आत्मनिर्भर भारत केंद्र दिल्ली का दौरा।
- रूपा, टी. जी., संयोजक, इनोवेशन सीरीज, 2024, संसाधन प्रबंधन और अभिकल्प अनुप्रयोग विभाग, लेडी इर्विन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 5-13 मार्च, 2024 तक आयोजित
- रूपा, टी. जी., समन्वयक, "ब्लूमिंग बॉटल्स: रीइमेजिन, रीप्लांट, रिवाइंड"-पृथ्वी दिवस समारोह का आयोजन 22 अप्रैल, 2024 को आरएमडीए विभाग, लेडी इर्विन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा इको-क्लब,लेडी इर्विन महाविद्यालय और बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से किया गया।
- रूपा, टी. जी., संयोजक, रिज्यूमे लेखन और पोर्टफोलियो डिजाइनिंग पर सत्र रिसोर्स पर्सन - सुश्री अनिका पाहवा, इंटीरियर डिजाइनर और स्टाइलिस्ट, अल्टस अल्टस लग्जरी लिविंग द्वारा 27 अप्रैल, 2024 को आरएमडीए विभाग, लेडी इर्विन महाविद्यालय , दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आभासी मंच (गूगल मीट) पर आयोजित किया गया।
- रूपा, टी. जी., संयोजक, गूगल स्केचअप पर सत्र, आर्किटेक्ट सुरभि भट्ट के साथ 5-7 जून, 2024 को आरएमडीए विभाग, लेडी इर्विन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आभासी मंच (गूगल मीट) पर आयोजित किया गया।

परामर्श

- केरकेट्टा, एस. आर., जनजातीय उद्यमिता, निजी, सीबीसीआई, नई दिल्ली, 50,000 रुपये।
- मितल, एम., विशेषज्ञ, स्कूल बोर्ड, सतत शिक्षा विद्यालय, इग्नू।
- मितल, एम., विशेषज्ञ, अनुसंधान समिति, सतत शिक्षा विद्यालय, इग्नू।
- रूपा, टी. जी., जूरी, गोवा में 10-12 जनवरी, 2024 को पश्चिमी क्षेत्र, भारत के लिए क्षेत्रीय एबिलिम्पिक्स में आयोजित अपशिष्ट पुन: उपयोग और चित्रकला प्रतियोगिताएं ।

अन्य योगदान

- गुप्ता पी., रिसोर्स पर्सन, प्रवेश-सह-डॉक्टोरल अनुसंधान समिति, डॉक्टरेट अनुसंधान समिति, गृह विज्ञान कार्यक्रम में पीएचडी के लिए उम्मीदवारों का चयन। सतत शिक्षा विद्यालय, इग्नू।
- गुप्ता पी., विशेषज्ञ, लीलावती पुरस्कार, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई)।
- गुप्ता पी., सदस्य, संस्थागत आचार समिति, टेरी, नई दिल्ली।
- गुप्ता, एम., जूरी सदस्य और आयोजन समिति सदस्य, 2 अगस्त 2023 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित, अखिल भारतीय महिला शिक्षा कोष संघ द्वारा आयोजित XXI वार्षिक नीना सिब्बल मेमोरियल पुरस्कार।
- रूपा, टी. जी. संयोजक, विवरणिका समिति, 2023-24
- रूपा, टी. जी. सदस्य, सलाहकार समिति, डीआईसी-एलआईसी स्पोक सेंटर, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार।
- रूपा, टी. जी. लेडी इर्विन महाविद्यालय में मानव विकास एवं बाल्यावस्था अध्ययन, खाद्य एवं पोषण, समाजशास्त्र विभाग के लिए स्थायी पदों पर शिक्षक भर्ती के लिए स्क्रीनिंग समिति की सदस्य।

- रूपा, टी. जी. लेडी इर्विन महाविद्यालय में मानव विकास एवं बाल्यावस्था अध्ययन, खाद्य एवं पोषण, समाजशास्त्र विभाग के लिए स्थायी पदों पर गैर-शिक्षण भर्ती (लैब अटेंडेंट) के लिए स्क्रीनिंग समिति की सदस्य।
- रूपा, टी. जी. समन्वयक, इंटर्नशिप कार्यक्रम, स्पेस एंड प्रोडक्ट डिजाइन विशेषज्ञ, संसाधन प्रबंधन एवं अभिकल्प अनुप्रयोग विभाग, लेडी इर्विन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।
- रूपा, टी. जी., संकाय समन्वयक, उद्योग इंटरफेस के तहत बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड में फरवरी से अप्रैल 2024 तक एम.एससी. अंतिम वर्ष की छात्राओं के लिए इंटर्नशिप।
- रूपा, टी. जी. विशेषज्ञ, बी.एससी. ऑनर्स, सी.एस., द्वितीय वर्ष, सेमेस्टर II की फाइनल परीक्षा के लिए पेपर सेटर, विषय एर्गोनॉमिक्स और उपयुक्त प्रौद्योगिकी, कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, तुरा, मेघालय।
- रूपा, टी. जी., संसाधन प्रबंधन और उपभोक्ता विज्ञान विभाग, सीओसीएस, सीसीएस एचएयू, हिसार में 8 अगस्त 2023 को आयोजित मौखिक परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक।

विज्ञान विभाग

पुरस्कार/पेटेंट/ कॉपीराइट

- उपाध्याय, आर., (2023) टेरी में 26 सितंबर, 2023 और 09 नवंबर, 2023 को सतत कृषि के लिए एसडीजी ब्लूप्रिंट पर संवाद के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।
- श्री, पी., (2024) डिजाइन पेटेंट स्वीकृत और प्रकाशित किया गया। जर्नल नंबर 16/2024 जर्नल दिनांक- 19/04/24, आलेख का शीर्षक - अल्ट्रासाउंड डायग्नोस्टिक मशीन

शोध प्रकाशन

- आमिर, एम., सिंह, एन., एंड उपाध्याय, आर. (2024), सोलराइज्ड आईपीएम मॉड्यूल फॉर बायोकंट्रोल ऑफ रूट-क्नोट नेमाटोड ऑन टोमेटो एट नर्सरी लेवल इन डिस्ट्रिक्ट जीबी नगर, उत्तर प्रदेश. एग्रीकल्चरल साइंस डाइजेस्ट, 44(3), 518-522.
- मौर्य. वी. एंड घोष पी. (2023), एनर्जी लेबल्स इन इंडिया: डू वी यूज़ इट?, जर्नल ऑफ एनर्जी एनवायरनमेंट एंड कार्बन क्रेडिट्स, खंड.13 (2), 48-67, 2249-8621.
- माइलस्वामी, एम., प्रकाश, डी., भट्टाचार्य, ए., द्विवेदी, आर., मायस्वामी, पी., एंड अज़ीज़, पी. ए. (2024), पॉलिसी डॉक्यूमेंट फॉर बर्ड कंज़रवेशन इन द अर्बन लैंडस्केप ऑफ द नेशनल कैपिटल रीजन, इंडिया ओरिक्स, 58(3), 289-289.
- पांडे, आर., सिंह, पी., उपाध्याय, ए. एन., नोखवाल, आर., यादव, ए. के., शाहिद, आर., एंड सिंह, पी. (2024), स्ट्रक्चरल इम्प्लीकेशंस ऑन ट्रांसपोर्ट डायनामिक्स इन के-डोप्ड मोनोमेरिक SrSiO3 सिस्टम। इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री कम्युनिकेशंस, 168, 112923.
- रमन, एस., सेहरावत, ए., उपाध्याय, आर., एट अल. (2023), डिफरेंट मेथड्स यूज्ड फॉर डिटर्मिनेशन ऑफ विटामिन सी: अ रिव्यू। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेज, 12(9), 56-66.
- सिंह, सी. के., सोढ़ी, के. के., श्री, पी., एंड नितिन, वी. (2024), हेवी मेटल्स एज कैटेलिस्ट्स इन द इवोल्यूशन ऑफ एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस एंड द मेकानिज्म्स अंडरपिनिंग को-सिलेक्शन करंट माइक्रोबायोलॉजी, 81(6), 148.

पुस्तके / पुस्तकों में अध्याय

- चंद्रा, ए., गुप्ता, वाई., दिनाकरन, जे., रैना, एन., हनीफ, एम., मीना, ए., एंड राव, के.एस. (2024), क्लाइमेट चेंज एंड बायोडायवर्सिटी इन द हिमालय: ट्रेंड्स एंड परसेप्शन. टी. पुल्लैया (संपा.), बायोडायवर्सिटी हॉटस्पॉट ऑफ द हिमालय (पृष्ठ 439-478) में। एएपी इंक. एंड सीआरसी प्रेस। https://doi.org/978-1-77491-458-8
- द्विवेदी आर. एंड ज़ेम्पिला एम. (2023), यूजिंग एसआरजीबी इमेज टेक्नोलॉजी फॉर फील्ड-बेस्ड बायोमोनिटरिंग ऑफ एग्रीकल्चरल फौना. फिफ्थ एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑन इनोवेशन फॉर स्मार्ट, सस्टेनेबल एंड सेफ फूड सिस्टम्स, यूनिवर्सिटी ऑफ यॉर्क, यूनाइटेड किंगडम, 3-4 जुलाई, 2023.

- मौर्य, वी., घोष, पी., एंड गुनावत, ए., (2023), एसटीआई पॉलिसी पुश टुवर्ड्स हाइड्रोजन एनर्जी इन इंडिया. गोयल, एम., एंड सेन, जी., क्लाइमेट एक्शन एंड हाइड्रोजन इकोनॉमी: टेक्नोलॉजीज शेपिंग द एनर्जी ट्रांजिशन्स, 107-118 में, 1865-3529.

पीएचडी कर रहे विद्यार्थी

- मोहम्मद आमिर, (2016), रूट नॉट नेमाटोड के प्रबंधन के लिए स्वदेशी आईपीएम टेक्नोपैकेज। पर्यवेक्षक: प्रो. रूपा उपाध्याय
- श्री मनमोहन (2019), पारंपरिक और जैविक प्रणालियों के तहत चयनित सब्जियों की गुणवत्ता और भौतिक-रासायनिक विशेषताओं का तुलनात्मक मूल्यांकन। पर्यवेक्षक: प्रो. रूपा उपाध्याय

प्रशिक्षणों/कार्यशालाओं का आयोजन या संचालन

- विज्ञान और पर्यावरण पर डॉ कलाम श्रृंखला की छठी वार्षिक वाद-विवाद प्रतियोगिता "**जलवायु परिवर्तन के लिए निर्वधता कोई रामबाण ईलाज नहीं है**" विषय पर 3 अप्रैल, 2024 को आयोजित की गई। संयोजक: प्रो. रूपा उपाध्याय, समन्वयक: डॉ. ओकराम जेनिता देवी और डॉ. स्वाति रमन। आयोजन समिति: डॉ. आदित्य एन. उपाध्याय, डॉ. नैन्सी रैना, डॉ. पल्ली श्री, डॉ. रजनीश द्विवेदी, डॉ. वंदना मौर्य और डॉ. विजय कुमार।
- 7 मई, 2024 को "प्लास्टिक वेस्ट एंड सर्कुलर इकॉनमी" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया। संयोजक: प्रो. रूपा उपाध्याय, समन्वयक: डॉ. वंदना मौर्य और डॉ. विजय कुमार। आयोजन समिति: डॉ. आदित्य एन. उपाध्याय, डॉ. नैन्सी रैना, डॉ. ओकराम जेनिता देवी, डॉ. पल्ली श्री, डॉ. रजनीश द्विवेदी और डॉ. स्वाति रमन।
- 9 अक्टूबर, 2023 को "प्रकृति संरक्षण अंतर्विषयक है" विषय पर वन्यजीव सप्ताह, 2023 मनाने के लिए डॉ. शिवांगी मिश्रा द्वारा आमंत्रित व्याख्यान। संयोजक: प्रो. रूपा उपाध्याय। आयोजन समिति: डॉ. अंजलि सहरावत, डॉ. नैन्सी रैना, डॉ. रजनीश द्विवेदी, डॉ. स्वाति रमन और श्री विनय कृष्ण।
- 5 जून, 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर "आवर लैंड. आवर फ्यूचर. वी आर #जेनरेशन रिस्टोरेशन" थीम के साथ वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया। संयोजक: प्रो. रूपा उपाध्याय, समन्वयक: डॉ. आदित्य एन. उपाध्याय और डॉ. नैन्सी रैना। आयोजन समिति: डॉ. ओकराम जेनिता देवी, डॉ. पल्ली श्री, डॉ. रजनीश द्विवेदी , डॉ. स्वाति रमन, डॉ. वंदना मौर्य और डॉ. विजय कुमार।
- हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत 22 सितंबर, 2023 को पारिस्थितिकी और विज्ञान विषय पर प्रश्नोत्तरी "**दैनिक जीवन और विज्ञान**" आयोजित की गई। संयोजक: प्रो. रूपा उपाध्याय, समन्वयक: डॉ. नैन्सी रैना और श्री विनय कृष्णा। आयोजन समिति: डॉ. अंजलि सहरावत, डॉ. रजनीश द्विवेदी और डॉ. स्वाति रमन।
- 28 फरवरी, 2024 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर "स्वास्थ्य, पर्यावरण और मानव विकास में नवीनतम तकनीकें और नवाचार" विषय पर डॉ. रोहित कुमार द्वारा संगोष्ठी। संयोजक: प्रो. रूपा उपाध्याय, समन्वयक: डॉ. पल्ली श्री और डॉ. रजनीश द्विवेदी। आयोजन समिति: डॉ. आदित्य एन. उपाध्याय, डॉ. नैन्सी रैना, डॉ. ओकराम जेनिता देवी, डॉ. स्वाति रमन, डॉ. वंदना मौर्य और डॉ. विजय कुमार।
- 19 मार्च, 2024 को स्टेशनरी, आभूषण, कपड़े, सजावटी और अन्य वस्तुओं के वहनीय आदान-प्रदान पर केंद्रित स्वैप शॉप का आयोजन किया गया। संयोजक: प्रो. रूपा उपाध्याय, समन्वयक: डॉ. रजनीश द्विवेदी और वंदना मौर्य। आयोजन समिति: डॉ. आदित्य एन. उपाध्याय, डॉ. नैन्सी रैना, डॉ. ओकराम जेनिता देवी, डॉ. पल्ली श्री, डॉ. स्वाति रमन और डॉ. विजय कुमार।
- 6 मई 2024 को लक्ष्मी बाई महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की छात्राओं के लिए "वनस्पति विज्ञान में कौशल बढ़ाना" पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। संयोजक: प्रो. रूपा उपाध्याय, समन्वयक: डॉ. नैन्सी रैना। आयोजन समिति: डॉ. आदित्य एन. उपाध्याय, डॉ. ओकराम जेनिता देवी, डॉ. पल्ली श्री, डॉ. रजनीश द्विवेदी , डॉ. स्वाति रमन, डॉ. वंदना मौर्य और डॉ. विजय कुमार

LADY IRWIN COLLEGE

कर्मचारी परिषद की समितियां

लेडी इर्विन महाविद्यालय कर्मचारी परिषद की समितियां (2023-24)

(निदेशक सभी समितियों की वास्तविक अध्यक्ष हैं)

महाविद्यालय में प्रशासनिक, शैक्षणिक और सह-पाठयक्रम गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने के लिए संकाय सदस्य कर्मचारी परिषद की विभिन्न समितियों में काम करते हैं। कर्मचारी परिषद की समितियों की सूची निम्नलिखित है, जिन्होंने शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के दौरान इन गतिविधियाँ सुचारू संचालन सुनिश्चित किया है।

उद्धृत पदेन

उप प्राचार्य	प्रोफेसर सुषमा गोयल
बर्सर	प्रो. मणि भसीन कालरा
स्टाफ काउंसिल सचिव	प्रो. दीपाली रस्तोगी
सामाजिक सचिव	डॉ. मयंका गुप्ता
स्टाफ एसोसिएशन अध्यक्ष	प्रो. मणि भसीन
स्टाफ एसोसिएशन सचिव	डॉ. प्राची शुक्ला
हॉस्टल वार्डन	डॉ. डॉली फ्लोरेंस
छात्र सलाहकार	सुश्री विशाखा संभव और डॉ. दिव्या मर्तोलिया
सार्वजनिक सूचना अधिकारी	प्रो. सुषमा गोयल
संपर्क अधिकारी एससी/एसटी/ओबीसी	डॉ ललिता वर्मा
ई.डब्ल्यू.एस नोडल अधिकारी	प्रो. नीलिमा अस्थाना
पीडब्ल्यूडी नोडल अधिकारी	डॉ. प्राची शुक्ला

स्नातकोत्तर विभागों के प्रभारी

संसाधन प्रबंधन और अभिकल्प अनुप्रयोग	प्रो. मीनाक्षी मित्तल
विकास संचार एवं विस्तार	प्रो. सरिता आनंद
खाद्य एवं पोषण और खाद्य प्रौद्योगिकी	प्रो. पुलकित माथुर
वस्त्र एवं परिधान विज्ञान	सुश्री रुचिरा अग्रवाल
मानव विकास एवं बाल्यावस्था अध्ययन	डॉ इंद्रा चंदर
शिक्षा	प्रो. नीलिमा अस्थाना
आहार विज्ञान और सार्वजनिक स्वास्थ्य पोषण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	डॉ. प्राची शुक्ला

एनईपी विभाग

विभागाध्यक्ष	प्रो. अर्चना कुमार
विकल्प समिति	डॉ. पूज़ा रायज़ादा
अनुभाग समिति	डॉ. ललिता वर्मा, डॉ. सुनैना दुआ
एईसीसी नोडल अधिकारी	डॉ. रजनीश द्विवेदी
एसईसी नोडल अधिकारी	डॉ. मयंका गुप्ता
वीएसी नोडल अधिकारी	डॉ. रुचि कौशिक
जीई नोडल अधिकारी	डॉ. मनप्रीत चहल

कार्यकारी समिति	प्रो. दीपाली रस्तोगी (संयोजक-सचिव, कर्मचारी परिषद)
समय-सारणी समिति एवं स्थान आवंटन समिति	डॉ. मनप्रीत चहल (संयोजक)
उपस्थिति समिति	डॉ. पूजा रायज़ादा (संयोजक)
शैक्षणिक समिति	प्रो . संगीता गूमर
आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ एवं नैक	प्रो. सुषमा गोयल(संयोजक)
परीक्षा	प्रो. सुषमा गोयल (नोडल अधिकारी)
आंतरिक मूल्यांकन मॉडरेशन समिति	प्रो. सुषमा गोयल(संयोजक)
क्रय समिति एवं फर्नीचर	प्रो. मनीषा सभरवाल (संयोजक)
पुस्तकालय सलाहकार एवं स्वचालन समिति	डॉ. सिम्मी भगत(संयोजक)
कंप्यूटर संसाधन केंद्र	प्रो. पूजा गुप्ता (संयोजक)
वेबसाइट समिति	प्रो. अपर्णा खन्ना (संयोजक)
आंतरिक शिकायत समिति	प्रो. श्रद्धा कपूर (अध्यक्ष)
संयुक्त परामर्शदात्री समिति	सुश्री विशाखा संभव और डॉ. दिव्या मर्तोलिया (संयोजक-छात्र सलाहकार)
सह-पाठ्यचर्या समितियां	सुश्री विशाखा संभव और डॉ. दिव्या मर्तोलिया (संयोजक-छात्र सलाहकार)
पूर्वस्नातक प्रवेश समिति 2023-24	प्रो. नीना भाटिया (संयोजक)
स्नातकोत्तर प्रवेश समिति 2023-24	डॉ. मीनल जैन (नोडल अधिकारी)
प्रथम वर्ष अनुभाग समिति	प्रो. सीमा सेखरी (स्नातक प्रवेश संयोजक)
द्वितीय एवं तृतीय वर्ष अनुभाग समिति	डॉ. ललिता वर्मा (संयोजक)
विवरणिका समिति (2024-25)	प्रो. टी जी रूपा (संयोजक)
ओरिएंटेशन समिति (2024-25)	डॉ. अर्पित यादव
भवन एवं रखरखाव समिति	प्रो. सुषमा गोयल(संयोजक)
शैक्षणिक कैलेंडर समिति	प्रो. सुषमा गोयल(संयोजक)
पुरस्कार एवं छात्रवृत्ति समिति	प्रो. श्रद्धा कपूर (संयोजक)
योग्यता प्रमाण पत्र समिति और परिणाम विश्लेषण	डॉ. शीतल चोपड़ा (संयोजक)
कैंटीन समिति	डॉ. सूरज कुमार (संयोजक)
छात्रावास समिति	डॉ. डॉली फ्लोरेंस (वार्डन)
संकाय आवास समिति	प्रो. मणि भसीन कालरा (संयोजक)
गार्डन समिति	प्रो. रूपा उपाध्याय (संयोजक)
पीआर और सोशल मीडिया समिति	सुश्री श्वेता सुमन (संयोजक)
प्लेसमेंट सेल	पुलकित माथुर (संयोजक)
भविष्य निधि समिति	प्रो. दीपाली रस्तोगी (संयोजक)
रॉयल्टी समिति	डॉ. ऋचा मेहता (संयोजक)
महिला विकास प्रकोष्ठ	डॉ. ऋचा मेहता (संयोजक)
समान अवसर सेल	डॉ. प्राची शुक्ला (नोडल अधिकारी)
मेडिकल हेल्प डेस्क	प्रो. सबीना सेठी (संयोजक)

संस्थागत आचार समिति	प्रो. रविंदर चड्ढा (संयोजक)
रैगिंग विरोधी समिति	विशाखा संभव डॉ. दिव्या मार्तोलिया (छात्र सलाहकार)
पूर्वस्नातक प्रवेश शिकायत समिति	प्रो. नीना भाटिया (पूर्वस्नातक प्रवेश संयोजक)
एससी/एसटी प्रकोष्ठ: (महाविद्यालय की एससी/एसटी शिकायत समिति)	डॉ. सविता सागर (संपर्क अधिकारी)
महाविद्यालय की शिकायत समिति	प्रो. अपर्णा खन्ना और डॉ. माधुरी निगम (जीबी शिक्षक प्रतिनिधि)
सार्वजनिक सूचना अधिकारी	प्रो. सुषमा गोयल
उद्यमिता एवं कौशल विकास (यूरेका)	प्रो. पूजा गुप्ता (संयोजक)
अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ (महाविद्यालय अनुसंधान समिति)	प्रोफेसर मनीषा सभरवाल (संयोजक)
एनआईआरएफ/एआईएसएचई समिति	सुश्री रुचिरा अग्रवाल (नोडल अधिकारी)
मेंटरशिप समन्वय समिति	प्रो. रेणु मालवीय (संयोजक)
केंद्रीय कार्यबल और आपदा प्रबंधन समिति	डॉ पूजा रायजादा (संयोजक)
पशु एवं मानवाधिकार समिति	प्रो. रूपा उपाध्याय (संयोजक)
राजभाषा समिति	प्रो. सुषमा गोयल (संयोजक)
छात्र शिकायत निवारण समिति	डॉ. सुषमा गोयल (संयोजक)

महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाएं

पुस्तकालय

लेडी इर्विन महाविद्यालय का पुस्तकालय उपयुक्त सामग्री को उपलब्ध और सुगम बनाते हुए महाविद्यालय द्वारा संचालित सभी स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए सहायता प्रदान करता है। यह छात्राओं, संकाय सदस्यों और शोध छात्रों को प्रोत्साहित करता है।

मिशन

लेडी इर्विन महाविद्यालय के पुस्तकालय का मिशन महाविद्यालय की छात्राओं, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के शैक्षणिक संवर्धन के साथ-साथ सामाजिक और व्यक्तिगत विकास के अनुकूल अत्याधुनिक पुस्तकालय और सूचना सेवाएं प्रदान करना है;

संग्रह

उपहार में मिली कुछ पुस्तकों के साथ 1930 के दशक में स्थापित इस पुस्तकालय में आज 57,900 से अधिक दस्तावेज हैं, जिनमें 2,900 से अधिक एम.एस.सी. शोध प्रबंध, पी.एच.डी. थीसिस और रिपोर्टें तथा लगभग 8,000 पत्रिकाओं के सजिल्द संस्करण शामिल हैं।

पुस्तकालय का वाचनालय

प्रौद्योगिकी

पुस्तकालय 1958 में निर्मित एक पृथक डेढ़ मंजिला भवन में स्थित है। वर्ष 2009-10 में पुस्तकालय भवन के परंपरागत संरचनात्मक परिवेश को बरकरार रखते हुए और उसे ऊर्जा दक्ष बनाते हुए नवीनतम आईसीटी आवश्यकताओं के साथ उसका पुनर्निर्माण किया गया।

- 120 लोगों के बैठने की क्षमता
- वातानुकूलित सम्मेलन कक्ष
- फाइबर ऑप्टिक 24x7 कनेक्टिविटी
- वाई फाई सक्षम भवन
- लेडी इर्विन महाविद्यालय का पुस्तकालय आधुनिक तकनीक के साथ तालमेल बरकरार रखे हुए है। 2004-5 से, यह पुस्तकालय अपनी सभी उप प्रणालियों के साथ पूरी तरह से स्वचालित है और जून 2022 से क्लाउड पर नवीनतम पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ़्टवेयर यानी **लिबसिस** 10 का उपयोग करता है। पुस्तकालय का संग्रह (पुस्तकें, पत्रिकाएं और शोध कार्य) लेखक, शीर्षक और कीवर्ड द्वारा तलाशे जाने के लिए कहीं से भी कभी भी ओपीएसी (ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग) पर ऑनलाइन उपलब्ध हैं।
- पुस्तकालय **डेलनेट** और **एन-लिस्ट** का सदस्य है, जो असंख्य ई-संसाधनों तक दूरस्थ पहुंच प्रदान करता है।

सेवाएं

पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं को अनेक सेवाएं प्रदान करता है:

- प्रसार (जारी/वापसी) सेवाएं;
- आरक्षण सेवाएं;
- पुस्तकालय के संग्रह की ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) सेवाएं;
- संदर्भ सेवाएं;
- मांग और आवश्यकता के अनुसार ग्रंथसूची सेवाएं प्रदान करना;
- विश्वविद्यालय द्वारा सदस्यता लिए गए डेटाबेस और ई-जर्नल जैसे सेज; स्कोपस; जे-स्टोर; स्प्रिंगर, एल्सेवियर, ब्लैकवेल, टेलर एंड फ्रांसिस आदि की सुविधा और सहायता;
- डेलनेट, डीयूएलएस और एन-लिस्ट डेटाबेस तक दूरस्थ पहुँच;
- पुस्तकों के स्थान और पता लगाने के लिए उपयोगकर्ताओं की सहायता और मार्गदर्शन करना;

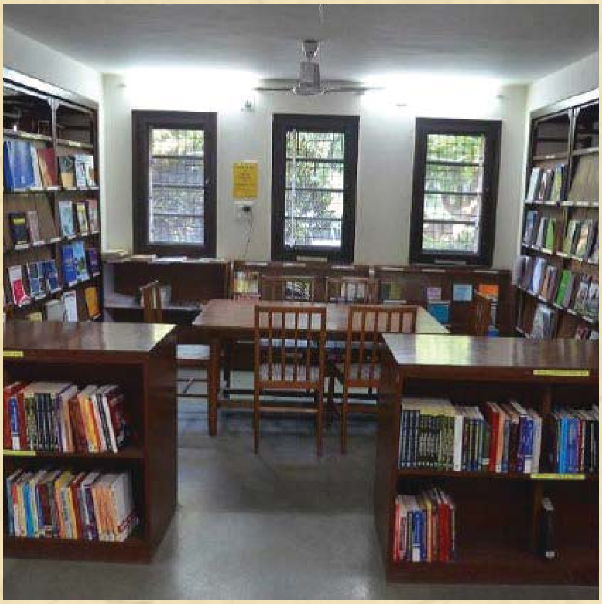

पत्रिका खंड

2023-24 के दौरान कार्यकलाप

- वित्तीय वर्ष 2023-2024 के दौरान 3,37,515/- रुपये की लागत से 255 पुस्तकें खरीदी गईं तथा 5,62,981/- रुपये की लागत से 49 पत्रिकाओं की सदस्यता का नवीनीकरण किया गया।
- पुस्तकालय के स्वचालन पर 7,43,624/- रुपये तथा पुस्तकालय के रखरखाव पर 1,16,238/- रुपये व्यय किए गए।
- ड्रिल बिट सॉफ्टवेयर का उपयोग करके संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों और विद्वानों से प्राप्त विभिन्न दस्तावेजों की साहित्यिक चोरी की दृष्टि से जांच की गई।
- संकाय सदस्यों और विद्वानों/ विद्यार्थियों को दिल्ली विश्वविद्यालय ई-संसाधनों और एन-लिस्ट तक दूरस्थ पहुँच प्रदान की गई।
- अनुरोध प्राप्त होने पर संकाय सदस्यों को पत्रिका लेख उपलब्ध कराए गए।
- अक्टूबर 2023 में लाइब्रेरी कम रीडिंग हॉल में तीन नए कैसेट एसी लगाए गए।
- जून-अगस्त 2023 में स्टॉक सत्यापन कार्य किया गया।
- नवंबर/दिसंबर 2023 में एन-लिस्ट और डेलनेट की सदस्यता का नवीनीकरण किया गया।
- सभी स्नातकोत्तर छात्राओं को डीयू प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध ई-संसाधनों और उन्हें दूरस्थ स्थान से कैसे एक्सेस किया जाए, के बारे में उन्मुखीकरण दिया गया।

कंप्यूटर संसाधन केंद्र

कंप्यूटर संसाधन केंद्र (सीआरसी) महाविद्यालय के समस्त नेटवर्क, हार्डवेयर और सॉफ़्टवेयर संसाधनों को प्रबंधित करने के लिए केंद्रीय हब के रूप में कार्य करता है। यह केंद्र डेस्कटॉप, लैपटॉप और सर्वर से युक्त तीन समर्पित प्रयोगशालाओं की निगरानी करता है और अपने कुशल कर्मचारियों के माध्यम से निर्बाध तकनीकी सहायता सुनिश्चित करता है। सीआरसी अपने

प्रशिक्षित और समर्पित कर्मचारियों के माध्यम से तकनीकी सहायता प्रदान करता है। सीआरसी परिसर में **दिल्ली यूनिवर्सिटी नेटवर्क** के अंतर्गत **25 एक्सेस पॉइंट** के साथ आईटी हब के माध्यम से **24×7 इंटरनेट कनेक्टिविटी** बनाए रखता है। यह फाइबर ऑप्टिक केबल के माध्यम से हाई स्पीड इंटरनेट सुनिश्चित करते हुए वायर्ड और वाई-फाई दोनों ही प्रकार के कनेक्शन प्रदान करता है। महाविद्यालय और विश्वविद्यालय के साथ संपर्क के लिए प्रत्येक उपयोगकर्ता को एक आधिकारिक ईमेल आईडी और पासवर्ड प्रदान किया जाता है। शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए छात्राओं और संकाय सदस्यों को लैपटॉप तक पहुंच भी उपलब्ध है।

यह केंद्र **छात्राओं, पी.एचडी. स्कॉलर्स और संकाय सदस्यों** को पाठ्यचर्या से संबद्ध कार्य, अनुसंधान और परियोजनाओं में सहायता करता है। यह प्रवेश, परीक्षा, रिपोर्ट लेखन, डेटा प्रबंधन, आईटी उपकरणों के रखरखाव में भी सहायता प्रदान करते हुए **प्रिंटिंग, स्कैनिंग, प्रोजेक्शन और कॉन्फ्रेंसिंग** सेवाएं उपलब्ध कराता है। इसके अलावा, सीआरसी **महाविद्यालय की वेबसाइट, ईपीएबीएक्स टेलीफोन सिस्टम, सीसीटीवी निगरानी** का प्रबंधन करता है, जिससे पूरे परिसर में सुचारू डिजिटल परिचालन सुनिश्चित होता है।

छात्रावास

"घर से दूर एक घर" लेडी इर्विन महाविद्यालय के छात्रावास में भारत के विभिन्न राज्यों और विदेश से आने वाली लगभग 200 स्नातक और स्नातकोत्तर छात्राएं रहती हैं। लाल ईंट की दीवारों वाली दो ऐतिहासिक इमारतों -हिल्ला फरीदूंजी हॉल (1934 में उद्घाटन) और पीजी हॉस्टल (1954) के संयोजन से बना यह छात्रावास परंपरा और आधुनिकता का मिश्रण है, जो हरे-भरे परिदृश्य से घिरा हुआ है। छात्रावास में कुदरती रोशनी और हवा का संचरण सुनिश्चित करने वाले हवादार कमरे उपलब्ध हैं। सुंदर परिसर में टहलने, जॉगिंग करने और मनोरंजक गतिविधियों के लिए खुली जगह उपलब्ध है। छात्राएं व्यायाम, समूह गतिविधियों और अध्ययन सत्रों के लिए बास्केटबॉल कोर्ट का सक्रिय रूप से उपयोग करती हैं।

आधुनिक सुविधाओं से युक्त छात्रावास वाई-फाई सक्षम है और इसमें पूरी तरह से वातानुकूलित कॉमन रूम है। टेलीविजन और मनोरंजन का स्थान -त्रावणकोर त्योहारों और कार्यक्रमों के दौरान पार्टी कक्ष और परीक्षा के दौरान अध्ययन कक्ष की भूमिका निभाता है। छात्रावास में जीरो-रैगिंग और नो-स्मोकिंग नीति का पालन किया जाता है और दिव्यांग छात्राओं के लिए सुलभता सुनिश्चित की जाती है। छात्रावास में एनडीएमसी डिस्पेंसरी, आरएमएल अस्पताल और महाविद्यालय की मेडिकल नर्स के माध्यम से हर समय चिकित्सा सहायता उपलब्ध है।

जनवरी 2025 तक, 153 छात्राएं (स्नातक : 129, स्नातकोत्तर : 24) छात्रावास में रह रही हैं। कर्मचारी परिषद द्वारा गठित छात्रावास

समिति दैनिक कार्यों का प्रबंधन करती है। इसमें महाविद्यालय की निदेशक, छात्रावास वार्डन, तीन संकाय सदस्य और एक 24/7 छात्रावास अधीक्षक शामिल हैं।

छात्रावास छात्र संघ- फ्रेशर्स पार्टी और विदाई पार्टी, तिमाही जन्मदिन समारोहों और लोहड़ी, ईद, दिवाली और क्रिसमस जैसे त्योहारों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करके समुदाय को जीवंत बनाए रखता है। छात्र संघ अनुशासन बनाए रखने और छात्राओं की चिंताओं को दूर करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे सहयोगपूर्ण और समृद्ध आवासीय अनुभव सुनिश्चित होता है।

राजकुमारी अमृत कौर बाल अध्ययन केंद्र

राजकुमारी अमृत कौर बाल अध्ययन केंद्र लेडी इर्विन महाविद्यालय के मानव विकास एवं बाल्यावस्था अध्ययन विभाग (एचडीसीएस) का अभिन्न अंग रहा है। वर्ष 1955 में स्थापित यह केंद्र यह विद्यार्थियों के लिए एक शिक्षण प्रयोगशाला और विभाग के लिए एक तकनीकी सहायता इकाई दोनों के रूप में कार्य करता है। यह केंद्र दिव्यांग बच्चों सहित जन्म से लेकर 12 वर्ष तक की आयु वाले बच्चों की शैक्षिक और विकास संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता है।

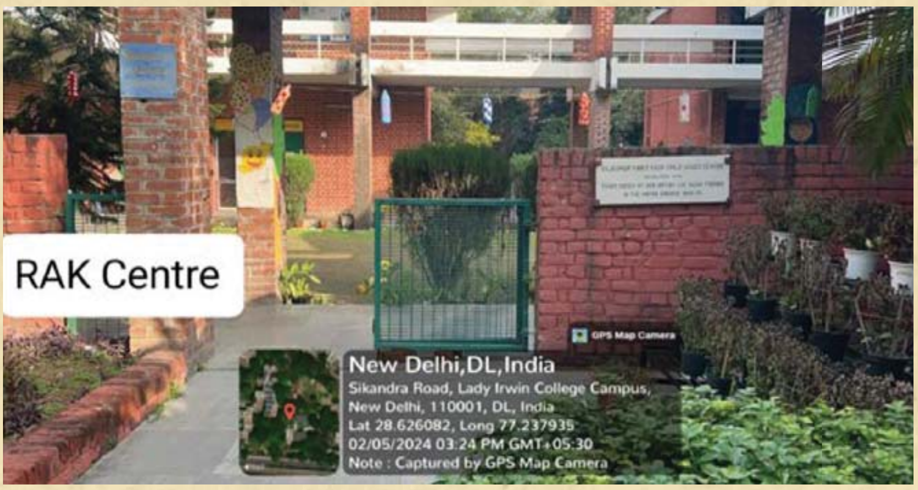

खेल-आधारित दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए यह केंद्र विभिन्न गतिविधियों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान कर सीखने की प्रक्रिया को रोचक और आनंददायक बनाता है। यहां बच्चों के लिए नवीन और उनकी आयु के उपयुक्त गतिविधियों को शामिल करने के लिए निरंतर प्रयास किया

जाता है, ताकि उनकी इष्टतम क्षमता प्राप्त करने और उनमें आत्मविश्वास, जिज्ञासा और सीखने की इच्छा उत्पन्न करने में मदद की जा सके। क्लासरूम की प्रक्रियाएं व्यक्तिगत सीखने की गति को समायोजित करने के लिए डिज़ाइन की गई हैं, ताकि प्रत्येक बच्चे को आवश्यक संसाधन, मार्गदर्शन और सहायता मिलना सुनिश्चित हो सके।

समावेशन के अपने दर्शन के अनुरूप यह केंद्र, समुदाय को दिव्यांग बच्चों की जरूरतों और अधिकारों के प्रति संवेदनशील बनाने के साथ-साथ उन बच्चों को मुख्यधारा में लाने पर ध्यान केंद्रित करता है। यहां साथियों के साथ बातचीत तथा विशिष्ट जानकारी प्रदान के लिए व्यक्तिगत शिक्षा योजना (आईईपी) के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया को समृद्ध बनाया जाता है। इसके अतिरिक्त, केंद्र इग्नू और मोबाइल क्रेच जैसे संस्थानों से प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) प्रशिक्षुओं के लिए पर्यवेक्षण और प्रशिक्षण प्रदान करता है।

केंद्र निम्नलिखित मुख्य कार्यक्रम प्रस्तुत करता है:

1. किलकारी- छोटे बच्चों का क्लब (6 महीने- 2 वर्ष)
2. शिशु देखभाल केंद्र/क्रेच (6 महीने- 2 वर्ष)
3. प्ले सेंटर (2-3 वर्ष)
4. नर्सरी स्कूल (3-4 वर्ष)
5. स्कूल के बाद की देखभाल (2-12 वर्ष)
6. व्यावसायिक और स्पीच थेरेपी
7. सेतु- सिस्टेमेटिक अर्ली ट्रेनिंग यूनिट (जन्म- 3 वर्ष)
8. दिव्यांग बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा (3-8 वर्ष)
9. दिव्यांग बच्चों के लिए उपचारात्मक शिक्षा (3-12 वर्ष)
10. स्कूल के बाद दिव्यांग बच्चों के लिए विस्तारित चिकित्सा सत्र।

चेरिश कैंटीन

महाविद्यालय की कैंटीन को '**स्वस्थ चुनें-सही खाएं-दूसरों को प्रेरित करें-स्वस्थ रहें**' के आदर्श वाक्य के साथ उपयुक्त रूप से चेरिश कैंटीन का नाम दिया गया है। यह कैंटीन अपने संचालन के माध्यम से स्वस्थ खान-पान को प्रोत्साहित करने की जिम्मेदारी निभाने का प्रयास करती है। यह कैंटीन विविध संस्कृतियों से आयी महाविद्यालय की छात्राओं और कर्मचारियों की क्षुधा को शांत करने के लिए महाविद्यालय खुले रहने के समय के दौरान सुरक्षित, किफायती, विविधतापूर्ण, ताज़ा और स्वस्थ स्नैक्स, नाश्ता, दोपहर का भोजन और पेय पदार्थ उपलब्ध कराती है। यह कैंटीन हरे-भरे वातावरण में स्थित है, जहां चिरस्थायी

लैंडस्केपिंग को बरकरार रखा गया है। यहां अंदर और बाहर दोनों ही स्थानों पर बैठने की व्यवस्था है, जो स्वच्छ, अनौपचारिक सामाजिक मेलजोल; स्वस्थ चर्चा तथा अध्यापन और अध्ययन से संबंधित बातचीत के एक केंद्र के रूप में छात्राओं के-अनुकूल क्षेत्र उपलब्ध कराती है; तथा सूखे और गीले कचरे को अलग करने और पुनर्चक्रण के लिए प्लास्टिक कचरे को वहां रखे गए बड़े कूड़ेदानों के माध्यम से इकट्ठा करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

चेरिश कैंटीन

स्वच्छता और साफ-सफाई के सख्त, उच्च मानकों का पालन करते हुए इसके कर्मचारी नियमित चिकित्सा जांच से गुजरते हैं, एप्रन, दस्ताने और हेडगियर पहनते हैं। शिक्षा सत्रों में उन्हें खाद्य सुरक्षा के बारे में जानकारी दी जाती है। कैंटीन समिति के सदस्यों और छात्र ब्रिगेड द्वारा इसके कामकाज की उचित निगरानी और नियंत्रण किया जाता है।

कैंटीन और छात्रावास के कर्मचारियों के लिए खाद्य सुरक्षा और स्वस्थ भोजन के विकल्पों के महत्व पर शिक्षा सत्र का आयोजन

अन्य सुविधाएं

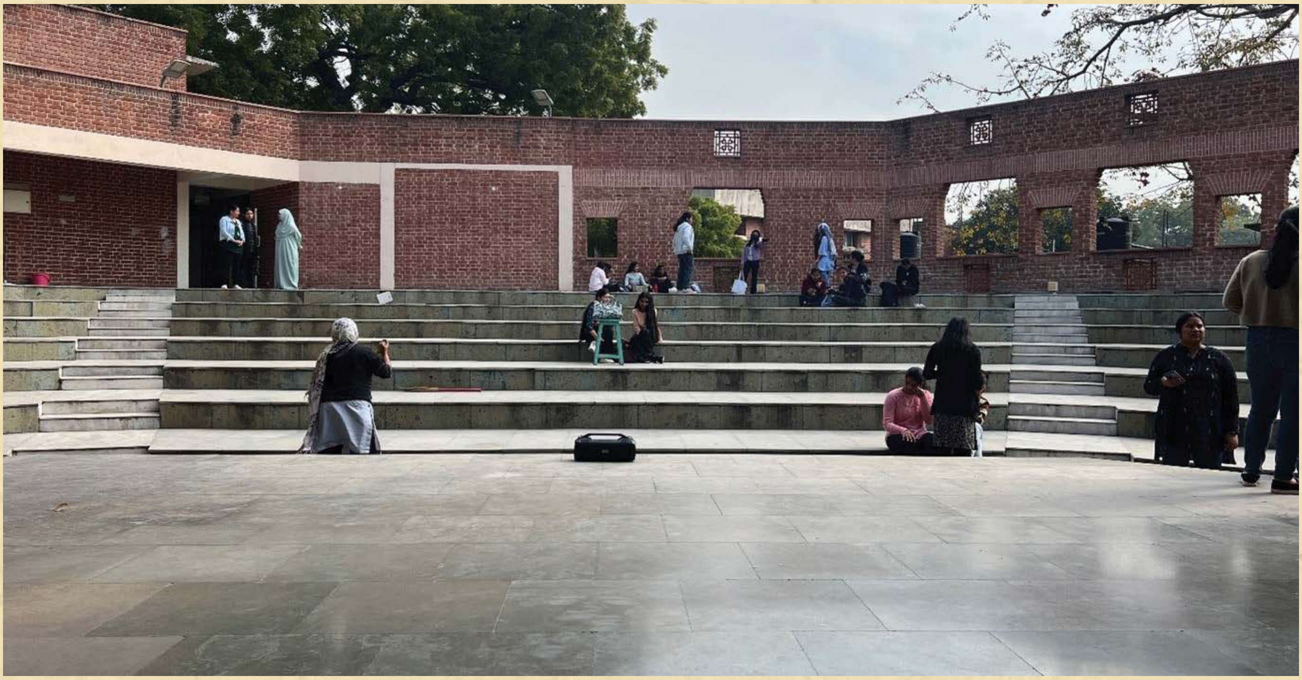

एम्फीथिएटर

बास्केटबॉल कोर्ट

प्रमुख परियोजनाएं एवं कार्यकलाप

रोशनी-सीडब्ल्यूसीएसए

रोशनी – सेंटर ऑफ वीमेन कलेक्टिव्स लेड सोशल एक्शन, भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय (एमओआरडी) के अधीन एक तकनीकी सहायता इकाई है, जो महिला संगठनों को भोजन, पोषण, स्वास्थ्य, जल, साफ-सफाई और स्वच्छता (एफएनएचडब्ल्यू) के क्षेत्रों में सामाजिक कार्रवाई करने में समर्थ बनाती है। हम यह दीनदयाल अंत्योदय योजना- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (गरीबी उन्मूलन से संबंधित भारत का प्रमुख कार्यक्रम) दशासूत्र रणनीति के अनुरूप एफएनएचडब्ल्यू और जेंडर से संबंधित हस्तक्षेप बढ़ाने के लिए तकनीकी और क्षमता निर्माण केंद्र के रूप में कार्य करते हैं। यह केंद्र लेडी इर्विन महाविद्यालय, नई दिल्ली के विकास संचार एवं विस्तार विभाग के तहत स्थापित है। हमारी मुख्य गतिविधियों के अलावा, रोशनी सीडब्ल्यूसीएसए ने घरेलू आय, खाद्य सुरक्षा और पोषण सुनिश्चित करने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका का समर्थन करने के लिए एक राष्ट्रीय स्तरीय विशेषज्ञ परामर्श में सहायता प्रदान की है। इस परामर्श में स्व-सहायता समूह (एसएचजी) परिवारों के बीच आहार विविधता को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत और कार्यक्रम संबंधी हस्तक्षेप की आवश्यकता पर जोर दिया गया। इसने बहुआयामी चुनौतियों की पहचान और उनके समाधान के लिए एक सहयोगपूर्ण दृष्टिकोण को बढ़ावा देने हेतु विविध संगठनों के विशेषज्ञों को बुलाया। चर्चा में सामुदायिक स्तर पर पोषण परिणामों में सुधार के लिए महिलाओं के प्रति संवेदनशील, वर्षभर लागू होने वाले कृषि-पोषण मॉडल को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

भारत में समुदाय-आधारित पोषण कार्यक्रम

रोशनी-सीडब्ल्यूसीएसए ने अपने समर्थन के प्रयासों के तहत 18-20 सितंबर, 2023 को काठमांडू में यूनिसेफ क्षेत्रीय पोषण सम्मेलन (नरिशिंग साउथ एशिया) में भाग लिया, जिसमें महिलाओं के प्रति संवेदनशील पोषण नीतियों की वकालत की गई। यूनिसेफ रोसा द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में लड़कियों और महिलाओं के लिए पोषण संबंधी देखभाल पर ध्यान देने के लिए सार्क सरकार के प्रतिनिधि, संयुक्त राष्ट्र एजेंसियां, शोधकर्ता और सामाजिक संगठन एकत्रित हुए। इसका समापन कार्रवाई के लिए आह्वान या कॉल टू एक्शन के साथ हुआ, जिसमें समान पोषण पहुंच में तेजी लाने के लिए 32 प्रमुख रणनीतियों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। रोशनी-सीडब्ल्यूसीएसए भारत में समुदाय-आधारित पोषण कार्यक्रमों में इन रणनीतियों को सम्मिलित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

रोशनी द्वारा असम के महिला एवं बाल विकास निदेशालय के कर्मियों को एसबीसी का प्रशिक्षण प्रदान किया गया

साझेदारों की बैठक: रोशनी-सीडब्ल्यूसीएसए ने एफएनएचडब्ल्यू को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) में एकीकृत करने के लिए सीएसओ, सीएसआर, शिक्षाविदों, विकास साझेदारों और सरकारी हितधारकों के साथ एक उच्च स्तरीय

बहु-हितधारक बैठक आयोजित करने में सहायता प्रदान की। चर्चा समुदाय स्तर पर पोषण और स्वास्थ्य परिणामों को संवर्धित करने के लिए महिलाओं के नेतृत्व वाली पहल और सहयोगपूर्ण रणनीतियों पर केंद्रित रही।

डीएवाई-एनआरएलएम के साथ समझौता ज्ञापन का नवीनीकरण: लेडी इर्विन महाविद्यालय , दिल्ली विश्वविद्यालय और ग्रामीण विकास मंत्रालय (एमओआरडी) के सहयोग से, रोशनी-सीडब्ल्यूसीएसए ने यूनिसेफ द्वारा समर्थित डीएवाई-एनआरएलएम के साथ अपने समझौता ज्ञापन (एमओयू) का नवीनीकरण किया। यह साझेदारी ग्रामीण समुदायों के लिए एफएनएचडब्ल्यू हस्तक्षेपों को मजबूत करने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करने में रोशनी की भूमिका की पुष्टि करती है।

क्षेत्रीय क्षमता निर्माण कार्यशालाएं (जनवरी 2024): रोशनी ने एनआरएलएम के भीतर एफएनएचडब्ल्यू को सम्मिलित करने को बढ़ावा देने के लिए राज्य स्तरीय कार्यशालाओं में सहायता प्रदान की:

- लखनऊ - हिंदी भाषी राज्यों को शामिल किया, 300 सामुदायिक लाभार्थियों तक पहुंच बनाई।
- बेंगलुरु - अंग्रेजी भाषी राज्यों पर ध्यान केंद्रित किया, राज्य स्तरीय एफएनएचडब्ल्यू रणनीतियों को मजबूत किया।

एफएनएचडब्ल्यू पर विशेषज्ञ परामर्श: सीएसओ, एसआरएलएम प्रतिनिधियों और एफएनएचडब्ल्यू विशेषज्ञों को एक साथ लाए जाने से 350 सामुदायिक लाभार्थियों तक पहुंच कायम की जा सकी। चर्चा सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ाने, निगरानी ढांचे को मजबूत बनाने और बहु-क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित रही।

राज्य और जिला कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी): 34 एसआरएलएम के राज्य और जिला स्तर के कर्मचारियों को एफएनएचडब्ल्यू रणनीतियों पर ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे 500 सामुदायिक लाभार्थियों तक पहुंच कायम की जा सकी। रोशनी टीम ने छह राज्यों - उत्तर प्रदेश, राजस्थान, असम, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और गुजरात के लिए हैदराबाद में आयोजित प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यक्रम के दौरान जेंडर से संबंधित एकीकरण और एफएनएचडब्ल्यू एमआईएस पर ऑनलाइन प्रशिक्षण सहायता प्रदान की, जिससे 50 सामुदायिक लाभार्थियों तक पहुंच कायम की जा सकी।

अभिकल्प नवाचार केंद्र

एमएचआरडी की नवाचारों के विकास और उपयोग के लिए राष्ट्रीय पहल (निधि) योजना के तहत लेडी इर्विन महाविद्यालय में 2019 में स्थापित अभिकल्प नवाचार केंद्र (डीआईसी) रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देने के एक केंद्र के रूप में कार्य करता है। यह केंद्र छात्राओं, शिक्षकों और नागरिकों को स्थिरता और उद्यमिता में योगदान देने वाले अभिनव उत्पाद और प्रक्रियाएं विकसित करने का मंच प्रदान करता है। 2024 में, डीआईसी ने 5 से 18 मार्च तक नवाचार सप्ताह मनाया जिसके तहत विविध सत्र और कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इस आयोजन की शुरुआत 5 मार्च को उद्घाटन सत्र के साथ हुई, जिसमें दीप प्रज्ज्वलित किया गया और प्रो. अनूपा सिद्धू, प्रो. सुषमा गोयल, डॉ. सुषमा शर्मा और श्री बायजू कुरियन सहित प्रतिष्ठित अतिथियों के भाषण हुए, जिन्होंने नवाचार, स्थिरता और सीएसआर से संबंधित पहलों पर जोर दिया। पहला सत्र डिज़ाइन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर केंद्रित रहा, जिसमें डॉ. सौरभ तिवारी ने एआई की परिवर्तनकारी भूमिका पर चर्चा की, उसके बाद इसके अनुप्रयोगों और नैतिक महत्व के बारे में एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। सुश्री पल्लवी धीर और सुश्री आयुषी द्वारा लीफ प्लेट मेकिंग पर एक व्यावहारिक कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा दिया गया। इसके बाद की कार्यशालाओं में अपशिष्ट पदार्थों से उत्पाद विकास (6 मार्च), खाद बनाना (7 मार्च) और वर्मीकंपोस्टिंग और जैविक खेती के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए हौज रानी नर्सरी (15 मार्च) का दौरा शामिल था। इसके अतिरिक्त, खिलाड़ियों को पर्यावरणीय स्थिरता और सामाजिक कौशल के बारे में शिक्षित करने के लिए "रामायण बोर्ड गेम" विकसित की गई । डिजाइन पंजीकरण के संदर्भ में, "वर्शिप लैम्प" को 4 सितंबर, 2023 को सफलतापूर्वक पंजीकृत किया गया। डीआईसी पारंपरिक शिल्प और समावेशी अभिकल्प के बारे में छात्राओं की समझ को व्यापक बनाने के लिए संवेदीकरण कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से सहभागी रहा।

16 जनवरी, 2024 को छात्राओं ने लाल किले में आत्मनिर्भर भारत सेंटर फॉर डिजाइन का दौरा किया, जहां उन्होंने वस्त्र, लकड़ी

लाल किले स्थित आत्मनिर्भर भारत सेंटर फॉर डिजाइन में भारतीय शिल्प की प्रदर्शनी

के काम, धातु के काम और जीआई-टैग वाले उत्पादों सहित स्वदेशी शिल्प पर प्रदर्शनियों का अवलोकन किया। एक और महत्वपूर्ण दौरा 13 फरवरी, 2024 को मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में आदि महोत्सव का रहा। ट्राइफेड द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम ने छात्राओं को लकड़ी, बांस, आभूषण, धातु के काम, मिट्टी के बर्तनों और वारली, गोंड और मधुबनी जैसी पेंटिंग में आदिवासी शिल्प कौशल से परिचित कराया, जिससे उनके डिजाइन प्रोजेक्ट के लिए प्रेरणा मिली।

28 जनवरी, 2024 को। 26 फरवरी, 2024 को, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा राष्ट्रपति भवन में आयोजित पर्पल फेस्ट में छात्राओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूडी) की रचनात्मक प्रतिभा का कीर्तिगान किया गया, जिसमें कलाकृतियां, हस्तशिल्प और अभिनव उत्पाद प्रदर्शित किए गए। इस उत्सव में समावेशी डिज़ाइन और रचनात्मक उद्योगों में पीडब्ल्यूडी के योगदान को पहचानने के महत्व पर जोर दिया गया। अंत में, 2023-2024 में डीआईसी की गतिविधियों ने व्यावहारिक कार्यशालाओं, बौद्धिक संपदा उन्नति तथा पारंपरिक और समावेशी डिज़ाइन प्रथाओं के संपर्क के माध्यम से नवाचार, स्थिरता और सामाजिक जिम्मेदारी को सफलतापूर्वक बढ़ावा दिया। इन पहलों ने न केवल छात्राओं के सीखने के अनुभवों को समृद्ध किया बल्कि आत्मनिर्भरता, सांस्कृतिक संरक्षण और सतत विकास के व्यापक दृष्टिकोण में भी योगदान दिया।

महाविद्यालय की वेबसाइट

लेडी इर्विन महाविद्यालय की वेबसाइट www.ladyirwin.edu.in पर उपलब्ध है, जो इस संस्थान के विभिन्न पहलुओं के बारे में समग्र जानकारी प्रदान करती है। यह वेबसाइट द्विभाषी है, जो अंग्रेजी और हिंदी दोनों में विषय सामग्री प्रदान करती है, साथ ही इस पर दोनों भाषाओं के बीच रूपांतरण का फीचर मौजूद है।

यह वेबसाइट महाविद्यालय की रूपरेखा, प्रशासन, उपलब्ध पाठ्यक्रम और पाठ्यचर्या, प्रवेश, शुल्क संरचना, पुस्तकालय सेवाओं, छात्रावास की सुविधा, छात्र केंद्र और अन्य सुविधाओं के बारे में व्यापक जानकारी प्रदान करती है। इनमें नोटिस, अध्यादेश, शिक्षण और गैर-शिक्षण रोस्टर, समय सारिणी, विभागीय जानकारी, शोध के अवसर, वार्षिक और आगामी कार्यक्रम और छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति जैसी जैसी विस्तृत जानकारी भी शामिल है।

नोटिस खंड के अंतर्गत, वेबसाइट पर विजिट करने वालों को संकाय, वर्तमान छात्राओं, एलुमनाई एसोसिएशन और विज्ञापनों से संबंधित सूचनाएं मिलती हैं, जो प्रत्येक समूह की रुचियों और आवश्यकताओं के अनुरूप उपयुक्त अद्यतन जानकारी प्रदान करती हैं। नौकरी संबंधी रिक्तियों, नियुक्तियों, निविदाओं और आगामी अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के बारे में नियमित अपडेट प्रदान किए जाते हैं। वेबसाइट पर महाविद्यालय समुदाय को सूचित करने के लिए छात्राओं,शिक्षकों और कर्मचारियों से संबंधित नोटिस लगातार अपलोड किए जाते हैं। वेबसाइट हितधारकों के हितों की पूर्ति करते हुए नैक और एनआईआरएफ के प्रत्यायन जैसी सूचनाओं के लिए महत्वपूर्ण स्रोत का कार्य करती है। पारदर्शिता और उपयुक्त जानकारी तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए वेबसाइट पर फीडबैक रिपोर्ट और शिकायत निवारण समिति से संबंधित जानकारी के बारे में नियमित अपडेट प्रदान किए जाते हैं।

यह वेबसाइट छात्राओं के लिए कंप्यूटर संसाधन केंद्र, राजकुमारी अमृत कौर बाल अध्ययन केंद्र, छात्रावास की सुविधा, पुस्तकालय के संसाधनों, कैंटीन सेवाओं और चिकित्सा सहायता डेस्क सहित परिसर पर उपलब्ध सुविधाओं का अधिकतम उपयोग करने के प्रवेश द्वार का कार्य करती है। यह छात्राओं को सुगम पहुंच प्रदान करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट का लिंक भी प्रदान करती है।

महिला विकास प्रकोष्ठ

दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी इर्विन महाविद्यालय में बेहद सक्रिय और उत्साहपूर्ण महिला विकास प्रकोष्ठ (डब्ल्यूडीसी) है। दिल्ली उच्च न्यायालय में प्रैक्टिस करने वाले अधिवक्ता श्री रजत नागर द्वारा 11 मार्च 2024 को "भारत में बाल अधिकार और महिला सशक्तिकरण: अवधारणाएं और कार्य प्रणाली" विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई।

इनोवेशन फॉर चेंज के संस्थापक और अध्यक्ष, सामाजिक कार्यकर्ता श्री हर्षित सिंह द्वारा 19 मार्च, 2024 को "बाल अधिकार और जेंडर सशक्तिकरण" पर वेबिनार। यूनिसेफ के सार्वजनिक वित्त विशेषज्ञ डॉ. कौशिक भद्र द्वारा 20 मार्च 2024 को महिला और बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित 'भारत में महिलाओं और बच्चों के लिए कानून और नीतियां' पर कार्यशाला। भारत अम्बेसेडर नारी शक्ति इवेंट (7 मार्च, 2024, कॉन्फ्रेंस हॉल, दिल्ली विश्वविद्यालय), इस कार्यक्रम में महिला नेतृत्व और लैंगिक समानता पर ध्यान केंद्रित किया गया। चर्चा का नेतृत्व माननीय मंत्री स्मृति ईरानी ने किया। छात्राओं ने चुनौतियों, सफलता की कहानियों और सशक्तिकरण के मार्गों पर विचारोत्तेजक बातचीत में भाग लेते हुए राष्ट्र निर्माण, उद्यमिता और नीति-निर्माण में महिलाओं की भूमिका पर गौर किया। महाविद्यालय में नियमित रूप से आत्मरक्षा कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं और छात्राएं इसमें बढ़-चढ़कर भाग लेती हैं। छात्राओं को केवल पुरुष और महिला नहीं, बल्कि जेंडर के सभी पहलुओं के बारे में बेहतर ढंग से अवगत कराने के बारे में रिसोर्स पर्सन ने भी चर्चा की। किसी समस्या के उत्पन्न होने पर छात्राएं शिक्षकों से संपर्क करती हैं और छात्राओं का सशक्तिकरण प्रणाली का एक नियमित भाग है, ताकि छात्राओं को सहायता मिल सके और उन्हें अपने सर्वश्रेष्ठ हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। छात्राओं को ऐसा प्रतीत होता है कि शिक्षक और महाविद्यालय हमेशा उन्हें प्रेरित करने, सहायता देने, प्रोत्साहित करने और भविष्य में सफलता और उपलब्धि की संभावनाओं को दिखाने के लिए मौजूद रहते हैं।

समान अवसर प्रकोष्ठ

समान अवसर प्रकोष्ठ (ईओसी) महाविद्यालय में समावेशी और बाधा मुक्त वातावरण का निर्माण करने की दिशा में काम करता है और समस्त दिव्यांग छात्राओं को मानवीय सहायता प्रदान करता है। संस्थान लिखने वाले की आवश्यकता वाली छात्राओं को यह सुविधा प्रदान करता है। इस वर्ष ईओसी समिति ने दिव्यांग छात्राओं को आभासी रूप से पढ़ाने वाली छात्राओं और शिक्षकों के साथ समय-समय पर विभिन्न बैठकें कीं, ताकि शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया और परीक्षाओं आदि में उनकी समस्याओं की पहचान की जा सके और तदनुसार अनुवर्ती कार्रवाई की जा सके। प्रवेश और परीक्षाओं (सिद्धांत और व्यावहारिक) के दौरान समिति दिव्यांग छात्राओं के लिए विधायी प्रावधानों और नीतियों के कार्यान्वयन का ध्यान रखती है, जबकि इस वर्ष भी विश्वविद्यालय की ओर से जारी सभी परिपत्र और नोटिस संबंधित छात्राओं के लिए प्रसारित किए गए। उनकी समस्याओं पर अक्सर गौर किया गया और तदनुसार समाधान के लिए संबंधित शिक्षकों और विभागों को अवगत कराया गया।

ईओसी समिति ने सभी दिव्यांग छात्राओं को परिस्थिति के अनुसार सहायता प्रदान करने के लिए निरंतर अतिरिक्त प्रयास किए। सभी संकाय सदस्यों से सिद्धांत और व्यावहारिक शिक्षण के दौरान आवश्यकतानुसार अतिरिक्त सहायता और प्रयास करने का अनुरोध किया गया। परीक्षा से पहले छात्राओं के सरोकारों ओर समस्याओं को जानने के लिए उनके साथ एक विशेष बैठक बुलाई गई, ताकि उनकी सैद्धांतिक और व्यावहारिक परीक्षा के दौरान हम उनकी सभी ज़रूरतों को पूरा कर सकें। वर्तमान में 25 दिव्यांग छात्राएं वहां मौजूद रहीं। उन छात्राओं से संबंधित शिक्षकों को प्रायोगिक परीक्षाओं के बारे में उनकी आवश्यकताओं की

जानकारी दी गई। इस वर्ष हम उनके परामर्श और संवेदीकरण सत्रों के माध्यम से लिखने वालों की संख्या 06 से बढ़ाकर 15 तक बढ़ाने में सक्षम हुए। लिखने की जिम्मेदारी सीआरसी, विभिन्न प्रयोगशालाओं, शिक्षा विभाग और पुस्तकालय सहित विभिन्न विभागों के 15 कर्मचारियों को सौंपी गई है। सभी छात्राओं और लिखने वालों को पहचान पत्र भी जारी किए जा रहे हैं। इस वर्ष समिति ने दृष्टिबाधित और अन्य प्रकार की दिव्यांगता वाली छात्राओं के लिए शैक्षिक संसाधनों के विकास पर काम करना शुरू कर दिया है। इसके अलावा समिति दिव्यांग छात्राओं, अभिभावकों, सहकर्मी समूह, शिक्षकों और सहायक कर्मचारियों के लिए विभिन्न संवेदीकरण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित करने की योजना बना रही है।

संस्थागत आचार समिति

वर्ष 2023-24 के लिए लेडी इर्विन महाविद्यालय की संस्थागत आचार समिति (आईईसी) के अध्यक्ष डॉ. पीयूष जैन रहे और सदस्य सचिव प्रो. रविंदर चड्ढा रहीं। इनके अलावा छह बाहरी और छह आंतरिक सदस्य सम्मिलित रहे । बाहरी सदस्यों में डॉ. अमिता जोसेफ, सुश्री बिंदु डोगरा, प्रो. हृदयानंद मलिक, प्रो. नवल के. विक्रम, डॉ. सोना खान और डॉ. विजय तन्खा शामिल थे। आंतरिक सदस्यों में प्रो. अपर्णा खन्ना (डीसीई), प्रो. प्रीति जोशी (एचडीसीएस), प्रो. रेणु मालवीय (शिक्षा), प्रो. संगीता गूमर (एफएनएफटी), प्रो. सीमा सेखरी (एफएएस) और प्रो. टी.जी. रूपा (आरएमडीए) शामिल रहीं।

शैक्षणिक वर्ष में अक्टूबर, 2023 से दिसंबर, 2023 के बीच संस्थागत आचार समिति की चार बैठकें हुईं। पहली बैठक लेडी इर्विन महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण तथा खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग में ऑफ़लाइन मोड में हुई, जबकि शेष तीन बैठके ऑनलाइन माध्यम से संपन्न हुईं। डॉ. पीयूष जैन और समिति के सभी विशेषज्ञ सदस्यों द्वारा पांच स्नातकोत्तर विभागों के एम.एससी. शोध प्रबंध प्रस्तावों और पी.एचडी. विद्वानों के आठ शोध प्रस्तावों की समीक्षा की गई। प्रस्तुति और शोध प्रस्तावों के आईईसी द्वारा अनुमोदन के बाद, प्रत्येक शोध अध्ययन के लिए विशिष्ट अध्ययन संदर्भ संख्या वाला अनुमोदन प्रमाण पत्र जारी किया गया।

बैठकों का विवरण निम्नलिखित है:

क्रम संख्या	आईईसी बैठक की तारीख	स्नातकोत्तर विभाग	विभाग के प्रतिनिधि	शोध प्रस्ताव
1	18 नवंबर	पी.एचडी. #	लागू नहीं	6
2.	25 नवंबर 2023	विकास संचार एवं विस्तार (डीसीई) वस्त्र एवं परिधान विज्ञान(एफएएस)	प्रो. अपर्णा खन्ना प्रो. सीमा सेखरी	16 16
3	2 दिसंबर, 2023	मानव विकास एवं बाल्यावस्था अध्ययन (एचडीसीएस) संसाधन प्रबंधन और अभिकल्प अनुप्रयोग आरएमडीए)	प्रो प्रीति जोशी प्रो. टी.जी.रूपा	22 15
4	23 दिसंबर, 2023	खाद्य एवं पोषण और खाद्य प्रौद्योगिकी	प्रो. मनीषा सभरवाल	31
		पी.एचडी. #	लागू नहीं	2

प्रत्येक पी.एचडी. प्रस्ताव को शोधार्थी द्वारा अपने पर्यवेक्षक की उपस्थिति में आईईसी के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

आईईसी ने वर्ष 2023-24 के दौरान कुल 100 एम.एससी. शोध प्रबंध प्रस्तावों और 8 पी.एचडी. प्रस्तावों को नैतिक मंजूरी दी।

छात्राओं की गतिविधियां

छात्र संघ 2023-24

छात्र संघ ने छात्राओं के समग्र विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों और पहलों के माध्यम से परिसर के वातावरण को उत्साहपूर्ण बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के दौरान आयोजित प्रमुख गतिविधियों का व्यापक विवरण निम्नलिखित है।

प्रमुख गतिविधियां एवं कार्यक्रम

1. **समितियों में सहभागिताएं** : छात्र संघ ने महाविद्यालय की आईसीसी, एंटी-रैगिंग, एंटी-स्मोकिंग, अभिविन्यास और प्रवेश दस्तावेज़ सत्यापन जैसी विभिन्न समितियों में सक्रिय रूप से भाग लिया ।
2. **चुनाव:** जेसीसी और सोसाइटी के सलाहकारों के अनुमोदन से मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन करते हुए पारदर्शी ढंग से ऑफ़लाइन माध्यम से सफलतापूर्वक चुनाव संपन्न कराए।
3. **स्क्रिबल डे** (8 **मई** 2023): एक मनोरंजक कार्यक्रम, जिसमें अंतिम वर्ष की छात्राओं ने सफेद कपड़ों पर लिखकर, नृत्य करके तथा स्थायी यादें संजोते हुए जश्न मनाया।
4. **विदाई समारोह** (13 **जुलाई** 2023): 2023-24 छात्र संघ का परिचय, बैज वितरण, निवर्तमान बैच के लिए पुरस्कार, शपथ ग्रहण समारोह के साथ समापन।
5. **स्वतंत्रता दिवस** (16 **अगस्त** 2023): ध्वजारोहण, राष्ट्रगान, निदेशक के संबोधन और मिठाई के वितरण के साथ मनाया गया।
6. **सशक्तीकरण ओरिएंटेशन** (16-18 **अगस्त** 2023): दो चरणों वाला कार्यक्रम जिसमें नई छात्राओं को पाठ्यक्रमों, महाविद्यालय सोसाइटियों और कैंपस सुविधाओं से परिचित कराते हुए उनका स्वागत किया गया ।
7. **महफ़िल-ए-मुलाकात** (25 **अगस्त** 2023): नई छात्राओं के लिए एक जीवंत कार्यक्रम जिसमें फ्लैश मॉब, खेल, नृत्य और मनोरंजन शामिल रहे।
8. **शिक्षक दिवस** (15 **सितंबर** 2023): शिक्षकों के सम्मान में एक भावपूर्ण उत्सव जिसमें प्रस्तुतियां पेश की गईं, यादें साझा की गईं और केक काटने की रस्म अदा की गई।
9. **गांधी जयंती** (3 **अक्टूबर** 2023): महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके अंतर्गत भजन गायन और मोनो एक्टिंग जैसी प्रस्तुतियां और प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।
10. **शुद्ध देसी शाम** (19 **अक्टूबर** 2023): जीवंत सजावट, खाने-पीने की वस्तुओं के स्टाल, डीजे और नृत्य से भरपूर एक सांस्कृतिक संध्या, जिसने उत्सव का माहौल बना दिया।
11. **स्पर्श बिजनेस ग्लोबल स्कूल सेमिनार** (30 **अक्टूबर** 2023): एमबीए के अवसरों और करियर की संभावनाओं पर एक जानकारीपूर्ण सत्र।
12. **विकसित भारत** @2047 **पहल**: भारत के भविष्य के दृष्टिकोण के बारे में चर्चा में छात्राओं को शामिल करने के लिए युवा साक्षात्कार, एक फोटो बूथ और एक पैराग्राफ लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई।
13. **स्थापना दिवस समारोह** (12 **मार्च** 2024): सांस्कृतिक कार्यक्रमों, पुरस्कारों और निदेशक एवं मुख्य अतिथि के संबोधन के साथ 91वां स्थापना दिवस मनाया गया।

14. **क्विंटेसेंस** 2024 **: (4-5 अप्रैल 2024):**

- **पहला दिन:** उद्घाटन, सोसाइटी प्रतियोगिताएं, खेल और प्रस्तुतियां, स्वैटरेक्स द्वारा एक शानदार डीजे नाइट के साथ समापन।
- **दूसरा दिन:** नृत्य और नाटक की प्रस्तुतियों के बाद आदित्य रिखारी द्वारा एक शानदार लाइव कॉन्सर्ट, जो इस कार्यक्रम की शानदार सफलता को दर्शाता है।

छात्र संघ ने पूरे शैक्षणिक वर्ष में सौहार्द, सहभागिता और सांस्कृतिक जीवंतता को बढ़ावा देकर कॉलेजिएट अनुभव को सफलतापूर्वक समृद्ध किया है।

लेडी इर्विन महाविद्यालय सांस्कृतिक, शैक्षणिक, समाज सेवा और नेतृत्व क्षेत्रों में फैली विभिन्न प्रकार की सोसाइटी की मेजबानी करता है। उन्हें नीचे सूचीबद्ध किया गया है:

1. वाणी- द डिबेटिंग सोसाइटी
2. मुखौटा-द स्टेज प्ले सोसाइटी
3. नृत्यांजलि- द डांस सोसाइटी
4. प्रोफेसी-द फैशन सोसाइटी
5. तूलिका – द फाइन आर्ट्स सोसाइटी
6. ध्वनि-द म्यूजिक सोसाइटी
7. इटरनल फ़्रेज़ेस : द लिटरेरी सोसाइटी
8. ऐस- स्पोर्ट्स सोसाइटी
9. आकार -द स्ट्रीट प्ले सोसाइटी
10. राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई
11. स्पिक मैके चैप्टर
12. इको क्लब
13. चित्रिका - द फोटोग्राफी एंड फिल्म सोसाइटी
14. उद्यमिता प्रकोष्ठ
15. गांधी स्टडी सर्कल

छात्र संघ सलाहकार:
सुश्री विशाखा संभव
डॉ. दिव्या मार्तोलिया

वाणी- द डिबेटिंग सोसाइटी

सोसाइटी अध्यक्ष: सुश्री तन्वी जैन

स्टाफ सलाहकार: डॉ. साक्षी खुराना

"यह सही अवसरों के होने से नहीं, अवसरों के सही उपयोग से संबंधित है।"

वाणी, लेडी इर्विन महाविद्यालय की आवाज़, छात्राओं को वाद-विवाद और चर्चा के माध्यम से आलोचनात्मक चिंतन और सार्वजनिक भाषण कौशल विकसित करने का मंच प्रदान करती है।

संचालित गतिविधियां

वाद-विवाद का आयोजन करने वाली इस सोसाइटी ने पूरे शैक्षणिक वर्ष में कई आकर्षक कार्यक्रम आयोजित किए, जिनकी शुरुआत 12 सितंबर 2023 को **सोसाइटी ओरिएंटेशन** से हुई, जिसके तहत एक इंटरैक्टिव सत्र के माध्यम से नए सदस्यों का स्वागत करते हुए उन्हें वाद-विवाद की कला और सोसाइटी के विज़न से परिचित कराया गया। इसके बाद 19 सितंबर को **फ्रेशर्स टैलेंट कॉन्टेस्ट** का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत समसामयिक विषयों, मनोरंजन और सामाजिक मुद्दों से संबंधित स्वाभाविक विषयों पर द्विभाषी **एक्सटेम्पोर कॉन्टेस्ट** के साथ-साथ एक **ओपन माइक प्रतियोगिता** भी आयोजित की गई, जिसमें नई छात्राओं को अपनी कविता, कहानी सुनाने और स्पोकन वर्ड के लिए मंच प्रदान किया गया। नेतृत्व के ढांचे को मजबूत करने के लिए, 20 अक्टूबर को **कोर टीम भर्ती** की गई, जिससे भविष्य के कार्यक्रमों के लिए समर्पित सदस्यों का चयन सुनिश्चित हुआ।

सोसाइटी के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक-**एग्री टू डिसएग्री: ओटीटी-प्रेरित वाद-विवाद प्रतियोगिता** 18 मार्च 2024 को आयोजित की गई। इसमें पॉप संस्कृति का वाद-विवाद के साथ मेल कराया गया, क्योंकि प्रतिभागियों ने फिल्मों, वेब सीरीज और डिजिटल मीडिया से प्रेरित अपरंपरागत गतिविधियों में भाग लिया, जिसमें विजेताओं को नेटफ्लिक्स की सदस्यता प्राप्त हुई। वर्ष का मुख्य आकर्षण **सलिलक्वी** 24 रहा , जिसे क्विंटसेंस के बैनर तले 4-5 मार्च 2024 को आयोजित किया गया। पहले दिन **अकीदा - ओपन माइक प्रतियोगिता** हुई, जिसमें कविता, स्पोकन वर्ड और कहानी कहने के लिए रचनात्मक स्थान प्रदान किया गया। कार्यक्रम का समापन प्रतिष्ठित हन्ना सेन मेमोरियल डिबेट के साथ हुआ, जहां प्रतिभागियों ने समालोचनात्मक रूप से **"**क्या राम मंदिर का निर्माण मुख्य रूप से सत्ता को मजबूत करने की दिशा में उठाया गया राजनीतिक कदम है**?"** विषय के ऐतिहासिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक निहितार्थों के बारे में गहन चर्चा की।

मुखौटा-द स्टेज प्ले सोसाइटी

सोसाइटी अध्यक्ष: सुश्री दीपाक्षी राज राही
सोसाइटी सचिव: सुश्री छवि अनेजा
स्टाफ सलाहकार: डॉ. करण सचदेवा

दिल्ली विश्वविद्यालय के थिएटर सर्किट की सबसे पुरानी और सबसे प्रतिष्ठित थिएटर सोसाइटियों में से शुमार - मुखौटा प्रतिभाओं के अभिनय,तकनीकी कौशल, निर्देशन और रचनात्मकता को प्रोत्साहन देती है। सभी को समान पहुंच प्रदान करने वाली नीति से युक्त यह सोसाइटी बिना ऑडिशन के ही सभी इच्छुक उम्मीदवारों का स्वागत करती है।

संचालित गतिविधियां

इस थिएटर सोसाइटी ने साल भर विभिन्न प्रस्तुतियों और प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लिया। इन प्रस्तुतियों की शुरुआत ओरिएंटेशन डे-1 और 2 के दौरान सशक्तीकरण और मोटे अनाज के महत्व से संबंधित प्रभावशाली नाटकों से हुई। फ्रेशर्स टैलेंट कॉन्टेस्ट ने छात्राओं को अपने अभिनय और लेखन कौशल की झलक दिखाने का मंच प्रदान किया, जबकि सोसाइटी ओरिएंटेशन ने नवागंतुकों को सोसाइटी की कार्यशैली से अवगत कराया। एनएसएस यूनिट के सहयोग से ऑनलाइन मोनोएक्ट प्रतियोगिता आयोजित की गई, जो भ्रष्टाचार के विषय पर केंद्रित थी। इस सोसाइटी ने थिएटर के माध्यम से शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रदर्शित करते हुए शिक्षक दिवस पर एक भावपूर्ण प्रस्तुति पेश की। वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव क्विंटेसेंस के तहत 'डॉ. दुर्गा देउलकर वन एक्ट प्ले कॉम्पिटिशन-अलोमोरा' का आयोजन इस सोसाइटी के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक रहा। वर्ष का समापन बड़े पैमाने पर प्रशंसित वार्षिक प्रस्तुति - ये आदमी ये चूहे के साथ हुआ। दिहाड़ी मजदूरों के संघर्षों को चित्रित करने वाले इस शक्तिशाली नाटक ने व्यापक सराहना बटोरी।

उपलब्धियां

1. आईआईटी बॉम्बे के मूड इंडिगो के नेशनवाइड एलिमिनेशन में क्वालीफाई किया।
2. क्रिएट थिएटर फेस्टिवल, क्रिएट स्टूडियो घिटोरनी में पूर्ण नाटक का प्रदर्शन किया।
3. आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय में प्रीलिम्स में क्वालीफाई किया।
4. एलएनएमआईआईटी जयपुर के विवासिटी'24 में भाग लिया।
5. सर्वश्रेष्ठ सामूहिक प्रदर्शन – ब्लैक बॉक्स थिएटर फेस्टिवल, क्रिएट स्टूडियो।
6. सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार – सुश्री दीपाक्षी राज राही, ब्लैक बॉक्स थिएटर फेस्टिवल।
7. सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पुरस्कार – इम्प्रोव थिएटर फेस्टिवल, क्रिएट स्टूडियो।
8. तृतीय स्थान – रंगमंच, सिम्फिस्टा'24, सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, नोएडा

नृत्यांजलि- द डांस सोसाइटी

सोसाइटी अध्यक्ष: सुश्री सिमर चोपड़ा

स्टाफ सलाहकार: डॉ. सुनैना दुआ

लेडी इर्विन महाविद्यालय की नृत्य से संबंधित सोसाइटी नृत्यांजलि, छात्राओं को लय और गति के प्रति अपने जुनून को अपनाने का मंच प्रदान करती है। यह सोसाइटी शास्त्रीय, लोक, कॉन्टेम्परेरी और फ्यूज़न शैलियों सहित विभिन्न नृत्य शैलियों का अन्वेषण करते हुए टीमवर्क, रचनात्मकता और समर्पण को बढ़ावा देती है।

संचालित गतिविधियां

टीम ने दो दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम-**सशक्तिकरण** में जीवंत प्रस्तुतियां पेश कीं। इसके अंतर्गत लोक नृत्यों के माध्यम से सशक्तिकरण और मोटे अनाजों की खेती का कीर्तिगान किया गया। शिक्षक दिवस पर दिल को छू लेने वाली प्रस्तुतियों के साथ शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रकट किया गया, जबकि फ्रेशर्स टैलेंट कॉन्टेस्ट और ऑडिशन में नए सदस्यों का स्वागत किया गया। हाल ही में प्रारंभ किए गए इंडियन क्लासिकल एंड फोक विंग ने स्थापना दिवस पर (विकसित भारत) से मजबूत शुरुआत की, जिसमें विविध नृत्य शैलियों को बढ़ावा दिया गया। वर्तमान में, टीम अंतर-महाविद्यालयी नृत्य प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से प्रतिस्पर्धा करते हुए अपनी वार्षिक प्रस्तुति की तैयारी कर रही है।

उपलब्धियां

सामूहिक उपलब्धियां

- प्रथम स्थान – जी.डी. गोयनका यूनिवर्सिटी
- द्वितीय स्थान – यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी
- द्वितीय स्थान – जयपुरिया स्कूल ऑफ बिजनेस

व्यक्तिगत उपलब्धियां

कीवी कछवा (भरतनाट्यम नर्तक) ने कई पुरस्कार प्राप्त किए, जिनमें महाराजा अग्रसेन कॉलेज एंड टेक्निया इंस्टीट्यूट, रोहिणी में प्रथम स्थान और मैत्री महाविद्यालय में विशेष पुरस्कार शामिल हैं। उल्लेखनीय प्रदर्शनों में आईसीसीआर, गणतंत्र दिवस परेड, लाल किले में भारत पर्व और नाट्यंजलि और विरासत कमलादेवी महोत्सव जैसे प्रतिष्ठित सांस्कृतिक उत्सव शामिल हैं।

सारा सैयद (कथक नर्तक) ने विदेश मंत्रालय के तहत सूरीनाम और त्रिनिदाद और टोबैगो में भारत का प्रतिनिधित्व किया, जहां उन्होंने गणमान्य व्यक्तियों के समक्ष प्रस्तुति दी। अन्य महत्वपूर्ण प्रस्तुतियों में नोएडा स्टेडियम में एससीआई दिवस, इंडिया हैबिटेट सेंटर में स्पाइन20 समिट, एनटीपीसी दादरी में रामायण नृत्य नाटिका और मुंबई में डॉ. बत्राज़ पॉजिटिव हेल्थ अवार्ड्स शामिल हैं।

प्रोफेसी-द फैशन सोसाइटी

सोसाइटी अध्यक्ष: सुश्री प्राची भाटी
सोसाइटी सचिव: सुश्री कनिष्का
स्टाफ सलाहकार: सुश्री प्रियंका पवार

लेडी इर्विन महाविद्यालय की प्रोफेसी-द फैशन सोसाइटी, रचनात्मकता को संस्कृति के साथ जोड़ते हुए स्थिरता, समावेशिता और विवेकपूर्ण उपयोग के माध्यम से फैशन को नए सिरे से परिभाषित करती है। कपड़ों से परे, यह कार्यशालाओं, रनवे शो और सहयोग के माध्यम से पहचान और सशक्तिकरण की कहानियां गढ़ती है। प्रोफेसी द्वारा आयोजित वार्षिक कार्यक्रम निम्नलिखित हैं:

संचालित गतिविधियां

प्रोफेसी ने वर्ष की शुरुआत स्वतंत्रता दिवस पर प्रदर्शन के साथ की, उसके बाद ओरिएंटेशन डे के अवसर पर मोटे अनाजों पर प्रस्तुति दी गई। फैशन क्रॉनिकल्स में डिजाइनरों की प्रतिभा को प्रदर्शित किया गया, जबकि बार्बी थीम पर आधारित फोटोशूट ने इसमें रचनात्मकता जोड़ दी। फ्रेशर्स टैलेंट कॉन्टेस्ट ने आत्मविश्वास और रचनात्मकता को परखा, और शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को सम्मानित किया गया। ऑडिशनों में नई प्रतिभाओं का स्वागत किया, जिसके बाद भव्य -ए ला मोड सालाना फैशन आयोजन हुआ, जहां 2024 की थीम, 'ह्यूमन वर्सिज एआई – अ ट्रैप बियोंड इमेजिनेशन' के तहत मानवता पर एआई के प्रभाव की पड़ताल की गई।

उपलब्धियां

- आईएमआई, दिल्ली में आयोजित फ्लैम्बॉयंस'24 में – द्वितीय स्थान
- कालिंदी महाविद्यालय में आयोजित रेवोग में – द्वितीय स्थान
- जिम्स में आयोजित फैशन शो में – द्वितीय स्थान
- फोर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में आयोजित आह्वान में – द्वितीय स्थान
- आईएमएस गाजियाबाद में आयोजित वोग में – द्वितीय स्थान
- आईआईएलएम में आयोजित नूरानियत में–द्वितीय स्थान
- एनडीएमसी में आयोजित अर्थ्यमान में – तृतीय स्थान
- आईबीएस गुड़गांव में आयोजित ब्लिट्जक्रेग'23 में – प्रथम स्थान (प्राची भाटी, कनिष्का और आकृति)
- आईआईआईटी दिल्ली में आयोजित कलर्ड टोर्सो में – तृतीय स्थान (प्राची भाटी, मनसा और कीर्ति)

व्यक्तिगत उपलब्धियां

- रुक्मिणी देवी महाविद्यालय में आयोजित पनाश में - बेस्ट मॉडल (आकृति)
- रुक्मिणी देवी महाविद्यालय में आयोजित पनाश में - बेस्ट ड्रेस्ड (मनसा रावत)
- आईएमएस गाजियाबाद में आयोजित वोग में - बेस्ट ड्रेस्ड (सना बाबू)

तूलिका – द फाइन आर्ट्स सोसाइटी

सोसाइटी अध्यक्ष: सुश्री प्राची सोनी
सोसायटी सचिव: सुश्री अनन्या सिंह
स्टाफ सलाहकार: डॉ. चंदा रावत

लेडी इर्विन महाविद्यालय की तूलिका- द फाइन आर्ट्स सोसाइटी, परंपरागत से लेकर समकालीन तक विभिन्न कलात्मक तकनीकों के माध्यम से रचनात्मकता को प्रोत्साहन देती है। यह सोसाइटी सौंदर्यपरक प्रशंसा और कौशल विकास को बढ़ावा देते हुए छात्राओं को कलात्मक रूप से खुद को अभिव्यक्त करने का एक मंच प्रदान करती है।

संचालित गतिविधियां

तूलिका ने पूरे साल विविध गतिविधियों का आयोजन करते हुए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह के आयोजनों के माध्यम से रचनात्मकता को बढ़ावा दिया। इसके आयोजनों की शुरुआत स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अंतर-महाविद्यालय पेंटिंग प्रतियोगिता नेशन ऑफ कलर्स से हुई। फ्रेशर्स टैलेंट कॉन्टेस्ट (एफटीसी) ने पोस्टकार्ड और बुकमार्क मेकिंग जैसी प्रतियोगिताओं के साथ नई छात्राओं का स्वागत किया। सुलेख और कॉफी पेंटिंग से संबंधित कार्यशालाओं ने कलात्मक प्रशिक्षण प्रदान किया, जबकि एनचांटेड शैडोज़ ने थीम्ड डेकोर, टैटू आर्ट और फेस पेंटिंग के साथ हैलोवीन को जीवंत कर दिया। सोसाइटी ने ऑनलाइन क्ले मॉडलिंग प्रतियोगिता क्ले फॉर्मा और नेशनल क्राफ्ट्स म्यूजियम में एक आर्ट वॉक का भी आयोजन किया। तूलिका ने महाविद्यालय के कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से सहयोग किया, स्थापना दिवस, डॉ. कलाम सीरीज, ओरिएंटेशन, शिक्षक दिवस और क्विंटेसेंस में योगदान दिया। ब्रश्ड होराइजन्स और लाइव स्केचिंग जैसी प्रतियोगिताओं वाला वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव वर्चुओसिटी 2024 और अंतर-महाविद्यालय कलस प्रदर्शनी वर्ष के मुख्य आकर्षण रहे, जिन्होंने छात्राओं की रचनात्मक उत्कृष्टता को प्रदर्शित किया।

उपलब्धियां

2023 में, **प्राची सोनी, प्रांजल भागचंदानी, महक बंसल और निहारिका कपूर** ने शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज में **रंगोली मेकिंग (ग्रुप) में तृतीय स्थान** हासिल किया। **अनन्या सिंह ने** लेडी इर्विन महाविद्यालय की इटरनल फ्रेज़ेस : द लिटरेरी सोसाइटी द्वारा आयोजित **पैलेट ऑफ फ्रेज़ेस** में द्वितीय स्थान हासिल किया और तूलिका द्वारा आयोजित ऑनलाइन अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिता **नेशन ऑफ कलर्स** में **तृतीय स्थान** हासिल किया।

ध्वनि-द म्यूजिक सोसाइटी

सोसायटी अध्यक्ष: सुश्री वीना चौधरी
सोसायटी सचिव: सुश्री लावण्या पुनियानी
स्टाफ सलाहकार: सुश्री शेफाली चोपड़ा

“संगीत जब एक बार आत्मा में समा जाता है, तो वह आत्मा के सदृश बन जाता है और कभी नहीं मरता।”
ध्वनि - द म्यूजिक सोसाइटी ने पूरी अवधि के दौरान कई आकर्षक कार्यक्रमों की मेजबानी की, जिसमें विविध संगीत प्रतिभाओं ने प्रस्तुति दी और जीवंत सामुदायिक भावना को बढ़ावा दिया। इस वर्ष, हमारे कार्यक्रम सद्भाव और उत्साह से भरपूर थे, जो भावुक गायकों और संगीतकारों को एक साथ लाए।

संचालित गतिविधियां

ध्वनि ने अपने कार्यकाल की शुरुआत एक इंटरेक्टिव ओरिएंटेशन डे से की, उसके बाद म्यूजिफेस्टा, फ्रेशर्स टैलेंट कॉन्टेस्ट और नई आवाज़ों का स्वागत करने के लिए ऑडिशन हुए। ऑम्ब्रे के साथ सहयोग से एक अंतर-महाविद्यालय संगीत प्रतियोगिता आयोजित की गई, जबकि गांधी जयंती, गणतंत्र दिवस और बसंत पंचमी पर हुई प्रस्तुतियों ने सांस्कृतिक महत्व बढ़ा दिया। सोसाइटी के वार्षिक कम्पोजिशन सेशन की परिणति महाविद्यालयों के उत्सवों में राग मालकौंस की प्रस्तुति में हुई, साथ ही जामिया हमदर्द में महिला दिवस के अवसर पर प्रस्तुति पेश की गई। नियमित रूप से स्व-रचित गीत और जैमिंग सत्रों ने रचनात्मकता को बढ़ावा दिया। वर्ष का मुख्य आकर्षण, रिथार 24, संगम, स्वरागिनी, सेलेस्टे और कैंटाबिले ने दिल्ली विश्वविद्यालय की शीर्ष संगीत प्रतिभाओं को प्रदर्शित किया।

उपलब्धियां

- ध्वनि ने 9 मार्च 2024 को न्यू दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (एनडीआईएम) में समूह गायन प्रतियोगिता - मंथन में भाग लिया।
- लावण्या पुनियानी ने 25 अक्टूबर को मैत्रेयी महाविद्यालय में सुरों का सवाल प्रतियोगिता में भाग लिया।
- लावण्या पुनियानी ने पीजीडीएवी महाविद्यालय में लोकगीत एकल गायन प्रतियोगिता में भाग लिया।
- ध्रुवी ने शारदा यूनिवर्सिटी (23 - 25 मार्च) में कोरस में भाग लिया।
- ध्रुवी ने 23 मार्च को दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन महाविद्यालय में हसल में भाग लिया।

इटरनल फ्रेज़ेस : द लिटरेरी सोसाइटी

सोसाइटी अध्यक्ष: सुश्री वृतिका अग्रवाल
सोसाइटी सचिव: सुश्री ज़बिया नाज़
स्टाफ़ सलाहकार: डॉ. डिंपल रंगीला और डॉ. मीनल जैन

इटरनल फ्रेज़ेस साहित्य प्रेमियों के लिए आश्रय स्थल है, एक ऐसा स्थान जहां रचनात्मकता और कल्पनाशीलता साकार होती है। यह सोसाइटी साहित्यिक जुनून को पोषित करने, छात्राओं को उनकी छिपी प्रतिभा को तलाशने में मदद करने तथा स्याही और कैनवास के साथ अपनी कहानियों को बुनने का एक मंच प्रदान करने के लिए समर्पित है।

संचालित गतिविधियां

इटरनल फ्रेज़ेस द्वारा तैयार की गई आकर्षक कार्यक्रमों की श्रृंखला के साथ यह सत्र रचनात्मकता, अध्ययन और साहित्यिक उत्कृष्टता का एक गतिशील मिश्रण रहा। इसकी शुरुआत ओरिएंटेशन डे के अवसर पर बुकमार्क वितरण कार्यक्रम से हुई, अंतर्राष्ट्रीय मोटे अनाज वर्ष मनाया गया, इसके बाद हिंदी दिवस कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें भाषा की सुंदरता और समृद्धि को बढ़ावा दिया गया। फ्रेशर्स टैलेंट कॉन्टेस्ट (एफटीसी) के तहत कलात्मक और साहित्यिक अभिव्यक्ति के लिए मंच प्रदान करते हुए पेन माई डूडल और कैप्शन दिस आयोजन के साथ नवागंतुकों का स्वागत किया गया। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर सुश्री सोनाक्षी भार्गव के नेतृत्व में एक मानसिक कल्याण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसके

तहत मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता के बारे में खुली बातचीत को प्रोत्साहित किया गया और सामान्य भ्रांतियों को दूर किया गया। एनएसएस के सहयोग से, सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान एक रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता और सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा के जरिए नैतिक मूल्यों और जिम्मेदार प्रथाओं पर जोर दिया गया। मूवी नाइट स्क्रीनिंग के तहत द परस्यूट ऑफ हैप्पीनेस के प्रदर्शन ने छात्राओं को दृढ़ता और दृढ़ संकल्प के प्रति प्रेरित किया। पुस्तक विनिमय कार्यक्रम 'आर शेयर्ड शेल्फ' ने पढ़ने और साहित्यिक चर्चाओं की संस्कृति को बढ़ावा दिया

सोसाइटी के प्रमुख कार्यक्रम महफ़िल-ए-समाह का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें विशिष्ट वक्ताओं और कलाकारों ने भाग लेकर साहित्य, कविता और कहानी सुनाने की कला का अनूठा अनुभव प्रदान लिया। स्टॉल, प्रस्तुतियों और इंटरैक्टिव सत्रों ने इस कार्यक्रम को शानदार सफलता प्रदान की। वार्षिक साहित्यिक उत्सव लेक्सिकॉन' '24 में रचनात्मक लेखन, सिनेमा क्विज़िंग और स्लैम पोएट्री जैसी प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में भागीदारी रही, जिसमें छात्राओं की बौद्धिक और कलात्मक प्रतिभा को उजागर किया गया। सोसाइटी ने कॉलेज-व्यापी कार्यक्रमों में भी सक्रिय रूप से योगदान दिया और अधिक समृद्ध परिसर वातावरण बनाने के लिए अन्य सोसाइटी के साथ सहयोग किया। वर्ष का समापन वार्षिक पत्रिका जागृति के लॉन्च के साथ हुआ, जिसमें छात्राओं, शिक्षकों और सोसाइटी की उपलब्धियों को शामिल किया गया और साथ ही सोसाइटी की साहित्यिक और सांस्कृतिक जीवंतता को दर्शाया गया।

इटरनल फ्रेज़ेस साहित्य और रचनात्मकता के प्रति प्रेम को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध रहते हुए एक ऐसा स्थान प्रदान करती है, जहां छात्राएं खुद को स्वतंत्र रूप से व्यक्त कर सकती हैं और कहानी सुनाने, कविता और कलात्मक अभिव्यक्ति की गहराई का पता लगा सकती हैं। कार्यशालाओं, प्रतियोगिताओं और सहयोगपूर्ण कार्यक्रमों के माध्यम से, सोसाइटी साहित्यिक उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में फलना-फूलना बरकरार रखे हुए है।

ऐस- द स्पोर्ट्स सोसाइटी

सोसाइटी अध्यक्ष: सुश्री सौम्या शर्मा
सोसाइटी सचिव: सुश्री महक अरोड़ा
स्टाफ सलाहकार: डॉ. ऋचा मेहता और डॉ. सूरज कुमार

लेडी इर्विन महाविद्यालय की ऐस - द स्पोर्ट्स सोसाइटी हमेशा से दृढ़ संकल्प, अनुशासन और खेल भावना को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध रही है। यह सोसाइटी विभिन्न खेल आयोजनों, प्रशिक्षण सत्रों और प्रतियोगिताओं का आयोजन करके छात्राओं को उनकी एथलेटिक क्षमता को तलाशने और बढ़ाने में मदद करने के लिए उन्हें सक्रिय रूप से संलग्न करती है। पूरे 2023-24 सत्र के दौरान, ऐस ने अनेक कार्यक्रम आयोजित किए, जिससे छात्राओं को खेलों में प्रतिस्पर्धा करने, सीखने और उत्कृष्टता प्राप्त करने के अवसर मिले।

संचालित गतिविधियां

ऐस – द स्पोर्ट्स सोसाइटी ने साल भर शानदार रूप से फिटनेस, खेल भावना और समावेशिता को बढ़ावा दिया। वर्ष की शुरुआत राष्ट्रीय खेल दिवस (29 अगस्त 2023) के अवसर पर कैंपस रन के आयोजन के साथ हुई, जिसमें छात्राओं को सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर एसपीयूडब्ल्यूएसी के सहयोग से 10 दिवसीय आत्मरक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं को आवश्यक आत्मरक्षा कौशल से लैस किया गया। इंट्राम्यूरल - अंतर-विभागीय खेल प्रतियोगिताओं में छात्राओं, शिक्षकों और कर्मचारियों को योग, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, एथलेटिक्स और हाल ही में शुरू किए गए खो-खो सहित विभिन्न खेलों में शामिल किया गया। ओरिएंटेशन और फ्रेशर्स टैलेंट कॉन्टेस्ट (एफटीसी) ने प्रथम वर्ष की छात्राओं का स्वागत टीम बॉन्डिंग को बढ़ावा देने वाली इंटरैक्टिव गतिविधियों के साथ किया। महत्वाकांक्षी एथलीटों के लिए पेशेवर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए, जिसमें विशेषज्ञ कोचिंग और व्यवस्थित अभ्यास शामिल थे।

सबसे प्रत्याशित कार्यक्रम, वार्षिक खेल दिवस 2024 (4 मार्च) में दिल्ली की पूर्व मेयर प्रोफेसर रजनी अब्बी की गरिमापूर्ण उपस्थिति रही, और इसमें शॉट पुट, बास्केटबॉल, रस्साकशी और मार्च पास्ट के साथ-साथ योग, ज़ुम्बा, आत्मरक्षा और पारंपरिक नृत्यों की प्रस्तुति की रोमांचक प्रतियोगिताएं शामिल थीं। समावेशिता को संवर्धित करते हुए ईओसी छात्राओं के लिए एक विशेष थ्रोबॉल श्रेणी शुरू की गई। सोसाइटी ने प्रतियोगिताओं में भी महत्वपूर्ण सफलता हासिल की- सौम्या शर्मा ने एमएएमसी में ई-स्पोर्ट्स गेमिंग (कॉल ऑफ़ ड्यूटी) में प्रथम स्थान प्राप्त किया, प्रिया त्रेगोत्रा ने एलएसआर में शॉट पुट और डिस्कस थ्रो में तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि ज्योति सरना और नंदिनी ने श्री गुरु नानक देव खालसा महाविद्यालय में महिला रिद्मिक योग में तृतीय स्थान प्राप्त किया । कई कार्यक्रमों और उपलब्धियों के साथ, ऐस खेल उत्कृष्टता और समग्र विकास को बढ़ावा देने की अपनी विरासत को जारी रखे हुए है।

आकार -द स्ट्रीट प्ले सोसाइटी

सोसाइटी अध्यक्ष: सुश्री चारू सैन

सोसाइटी सलाहकार: डॉ. रुचि कौशिक और डॉ. दिवाकर दुबे

लेडी इर्विन महाविद्यालय की आकार-द स्ट्रीट प्ले सोसाइटी का उद्देश्य नुक्कड़ नाटक के नाम से विख्यात प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से समाज को नया आकार देना है। नुक्कड़ नाटक सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और संवाद को बढ़ावा देने के एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में काम करते हैं।

संचालित गतिविधियां

- ओरिएंटेशन 2023 के अवसर पर प्रस्तुति (कमानी ऑडिटोरियम) – महिला सशक्तिकरण पर एक नाटक के साथ 2023 के बैच का स्वागत किया गया।
- नाट्य यात्रा' 23 – सोसाइटी ओरिएंटेशन और नई छात्राओं का प्रवेश ।
- गांधी जयंती के अवसर पर प्रस्तुति – छात्र संघ द्वारा इन-हाउस कार्यक्रम में विशेष नाटक।
- फ्रेशर्स टैलेंट कॉन्टेस्ट – नवागंतुक छात्राओं को अपने नाट्य कौशल दर्शाने का एक मंच प्रदान किया गया।
- वार्षिक कार्यक्रम – यथार्थ '24 (महाविद्यालय के सांस्कृतिक समारोह द क्विंटेसेंस –के अंतर्गत)
  - ♦ दिल्ली थिएटर सर्किट से 50+ पंजीकरण
  - ♦ निर्णायक गण:श्री दीपक कुमार और डॉ. दिवाकर दुबे।
  - ♦ विजेता:
    - प्रथम स्थान: नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी
    - द्वितीय स्थान: जीसस एंड मैरी महाविद्यालय
    - तृतीय स्थान: रुक्मिणी देवी इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज
  - ♦ सर्वश्रेष्ठ अभिनेता: देव (एनएसयूटी)
  - ♦ सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री: शिरीन (एसजीजीएससीसी)

उपलब्धियां

- वार्षिक प्रस्तुति : "ऐट योर ओन रिस्क" – यौन शिक्षा पर एक नुक्कड़ नाटक।
- प्रतिष्ठित मंचों पर प्रदर्शन:
  - ♦ राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी)
  - ♦ इबारत नुक्कड़ महोत्सव

- इंडिया हेबिटाट सेंटर
- श्याम प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय (प्रारंभिक दौर)
- सहयोग और प्रतियोगिताएं:
  - भाजपा जागरूकता अभियान
  - दिल्ली थिएटर सर्किट कॉलेज: एमएसआईटी, डीटीयू, मैत्रेयी, मदारी (कला संकाय), श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, माता सुंदरी कॉलेज, एनएसयूटी, और भी बहुत कुछ।

आकार सार्थक रूप से कहानी सुनाने और प्रस्तुतियों के साथ, सीमाओं को पार करते हुए और दर्शकों को आकर्षित करते हुए थिएटर का उपयोग सामाजिक परिवर्तन के एक माध्यम के रूप में जारी रखे हुए है।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई(एनएसएस) इकाई

सोसाइटी अध्यक्ष: सुश्री देवांशी गुप्ता
सोसाइटी सचिव: सुश्री आकृति चौहान
सोसाइटी स्टाफ़ सलाहकार: प्रो. अपर्णा खन्ना
कार्यक्रम अधिकारी: डॉ. पार्बोती प्रसाद राउत

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत लेडी इर्विन महाविद्यालय की एनएसएस इकाई छात्राओं में समाज सेवा और स्वयंसेवा की भावना जगाने के लिए प्रतिबद्ध है। "मैं नहीं, बल्कि आप" के आदर्श वाक्य का पालन करते हुए, यह इकाई सामुदायिक सहभागिता, जागरूकता और विकास को बढ़ावा देने वाली विभिन्न पहलों का आयोजन करती है।

संचालित गतिविधियां

सोसाइटी ने विभिन्न कदमों के माध्यम से जागरूकता और सहभागिता को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया। अंगदान प्रतिज्ञा, सतर्कता जागरूकता सप्ताह प्रतियोगिताएं और मतदाता जागरूकता सामूहिक शपथ ने सामाजिक जिम्मेदारी पर जोर दिया। स्वास्थ्य-केंद्रित कार्यक्रमों में आर्ट ऑफ लिविंग के साथ मानसिक स्वास्थ्य सत्र, सीएपीईडी के साथ कैंसर जागरूकता वॉक और एक एचआईवी/एड्स जागरूकता अभियान शामिल थे। पर्यावरण से संबंधित प्रयासों में स्वच्छता ही सेवा अभियान और प्लॉगिंग, जुम्बा और योग के साथ फिट इंडिया फ्रीडम रन 4.0 शामिल थे। दान उत्सव और स्प्रेडिंग स्माइल्स डोनेशन ड्राइव के माध्यम से सामुदायिक सेवा को मजबूत किया गया। नागरिक सहभागिता में ईवीएम और वीवीपैट प्रदर्शन और सड़क सुरक्षा सप्ताह प्रश्नोत्तरी शामिल थी। वर्ष का मुख्य आकर्षण उद्गम 2024 था, जिसकी थीम मीडिया मिराज: अनवेलिंग इल्यूज़न्स थी, जिसमें मीडिया मेज, डिसाइफरिंग डिसेप्शन और एनिग्मा एक्सपीडिशन जैसी प्रतियोगिताएं शामिल थीं, जो मीडिया साक्षरता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देती हैं।

लेडी इर्विन महाविद्यालय की एनएसएस इकाई समाज सेवा, जागरूकता अभियानों और समुदाय-संचालित पहलों के माध्यम से छात्राओं को सशक्त बनाने, जिम्मेदार नागरिकता और समग्र विकास को बढ़ावा देने का काम जारी रखे हुए है।

स्पिक मैके चैप्टर

सोसाइटी अध्यक्ष: पार्वती एम मोहन
सोसाइटी सचिव: मानवी जैन
स्टाफ सलाहकार: प्रो. श्रद्धा कपूर और डॉ. सिद्धार्थ सुमन

स्पिक मैके का आशय सोसाइटी फॉर द प्रमोशन ऑफ इंडियन क्लासिकल म्यूजिक एंड कल्चर अमंगस्ट यूथ (यानी युवाओं के बीच भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति का प्रचार करने वाली सोसाइटी) है। स्पिक मैके एक गैर-राजनीतिक, स्वैच्छिक आंदोलन है जिसकी स्थापना 1977 में डॉ. किरण सेठ ने की थी। स्पिक मैके का उद्देश्य भारतीय विरासत के विभिन्न पहलुओं के बारे में जागरूकता बढ़ाकर औपचारिक शिक्षा की गुणवत्ता को समृद्ध करना है।

संचालित गतिविधियां

स्पिक मैके चैप्टर हर साल व्याख्यान प्रदर्शन, लोक और शिल्प कार्यशालाएं, हेरिटेज वॉक, सिनेमा क्लासिक्स और प्रख्यात कलाकारों द्वारा प्रस्तुतियां आयोजित करता है।

- कव्वाली कार्यक्रम, कव्वाली’24 - **दौर ए ज़ोहर**, जिसमें विख्यात निज़ामी सुल्तान जी ब्रदर्स ने प्रस्तुति देकर अपनी भावपूर्ण धुनों और आध्यात्मिक गहराई से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह शाम सद्भाव, भक्ति और कालातीत संगीत परंपरा का उत्सव रही, जिसने उपस्थित लोगों को कव्वाली के समृद्ध मूलतत्व में सराबोर कर दिया। प्रभावशाली स्वरों और मंत्रमुग्ध कर देने वाली लय के जरिए इस कार्यक्रम ने एकता और चिंतन को बढ़ावा देते हुए इसे सही मायनों में एक यादगार अनुभव बना दिया।
- स्पिक मैके चैप्टर द्वारा आयोजित हुमायूं के मकबरे में हेरिटेज वॉक ने प्रतिभागियों को इतिहास और संस्कृति के माध्यम से समृद्ध यात्रा का अवसर प्रदान किया। प्रतिष्ठित इतिहासकार सुश्री आराधना सिन्हा द्वारा निर्देशित इस वॉक के माध्यम से उपस्थित लोगों ने इस यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल की वास्तुकला की भव्यता और ऐतिहासिक महत्व को जाना। यह कार्यक्रम भारत की समृद्ध विरासत का उत्सव था, जिसने अतीत के प्रति प्रशंसा, जिज्ञासा और जुड़ाव की गहरी भावना को बढ़ावा दिया। व्यावहारिक आख्यानों गहन अनुभवों से युक्त इस वॉक ने प्रतिभागियों को प्रेरित और तल्लीन कर दिया।

इस प्रकार युवाओं में भारतीय विरासत और संस्कृति को बढ़ावा देने में सफलता को रेखांकित करते हुए लेडी इर्विन महाविद्यालय के स्पिक मैके चैप्टर में विद्यार्थियों की भागीदारी और स्वयंसेवा में वृद्धि देखी गई।

इको क्लब

सोसाइटी अध्यक्ष: सुश्री लक्षिता चौहान
सोसाइटी सचिव: सुश्री स्नेहा नागर
स्टाफ सलाहकार: प्रो. सुषमा गोयल, प्रो. टी.जी. रूपा,डॉ. रजनीश द्विवेदी

लेडी इर्विन महाविद्यालय में 2004 में स्थापित इको-क्लब पर्यावरण जागरूकता, स्थिरता और कार्रवाई के लिए समर्पित है। यह क्लब सार्थक पहलों के माध्यम से, पर्यावरणीय चेतना को प्रोत्साहन और टिकाऊ जीवन शैली को बढ़ावा देता है।

संचालित गतिविधियां

लेडी इर्विन महाविद्यालय के इको-क्लब ने 2023-24 में विभिन्न पहलों के माध्यम से पर्यावरणीय जागरूकता और स्थिरता का सक्रिय रूप से समर्थन किया। आहार विकल्प और जलवायु परिवर्तन पर वेबिनार ने खाद्य उपभोग के पर्यावरणीय प्रभाव पर प्रकाश डाला, जबकि शून्य उत्सर्जन दिवस के अवसर पर वॉक फॉर द प्लैनेट ने पूरे परिसर में जागरूकता रैली के माध्यम से कार्बन तटस्थता को प्रोत्साहित किया। बॉटल फॉर चेंज और इको प्लास्टिक मिशन जैसी पहलों ने टिकाऊ जीवन के महत्व पर बल देते हुए जिम्मेदार ढंग से अपशिष्ट निपटान और रीसाइक्लिंग को बढ़ावा दिया। बिसलेरी और अभिकल्प नवाचार केंद्र के सहयोग से इनोवेशन सीरीज़ 2024 ने छात्राओं को डिज़ाइन, खाद बनाने और अपशिष्ट पदार्थों से उत्पाद विकास में एआई से संबंधित व्यावहारिक कार्यशालाओं के साथ सशक्त बनाया। नेचुरलेज़ा'24 उत्सव प्रतियोगिताओं और फिल्म स्क्रीनिंग के माध्यम से रचनात्मक स्थिरता के प्रयासों को एक साथ लाया, जबकि पृथ्वी दिवस समारोह में पैनल चर्चा, संग्रह अभियान और अपसाइक्लिंग प्रतियोगिताएं शामिल थीं, जिसने छात्राओं को प्लास्टिक के उपयोग पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित किया। इको-क्लब ने इन प्रयासों के माध्यम से पर्यावरणीय चेतना को बढ़ावा देने और टिकाऊ परिवर्तन के लिए प्रेरित करने में महाविद्यालय समुदाय के साथ सफलतापूर्वक सहभागिता की।

इको-क्लब के प्रभावशाली वर्ष ने स्थिरता, छात्र भागीदारी और हरित ग्रह के लिए जागरूकता अभियान को बढ़ावा दिया।

चित्रिका - द फोटोग्राफी एंड फिल्म सोसाइटी

सोसाइटी अध्यक्ष: सुश्री ख़ुशी भूषण
सोसाइटी सचिव: सुश्री सांझी दक
स्टाफ सलाहकार: डॉ. रजनीश द्विवेदी, डॉ. तरूण कुमार, श्री आकाश देवांगन

चित्रिका फोटोग्राफी, फिल्म निर्माण और फ़िल्म मूल्यांकन में रचनात्मकता को बढ़ावा देती है। प्रतियोगिताओं, कार्यशालाओं और फोटोवॉक के माध्यम से, सोसाइटी सदस्यों के तकनीकी और कलात्मक कौशल को बढ़ाती है।

संचालित गतिविधियां

- ओरिएंटेशन '23 और फ्रेशर्स टैलेंट कॉन्टेस्ट: नए सदस्यों के लिए अपनी फोटोग्राफी और फिल्म निर्माण प्रतिभा दर्शाने का एक मंच।
- साप्ताहिक विषयगत फोटोग्राफी चुनौतियां: लगातार अभ्यास के माध्यम से तकनीकी कौशल को बढ़ाना।
- फोटोवॉक: फोटोग्राफी के विविध विषयों के अन्वेषण के लिए कुम्हार ग्राम, सी.आर. पार्क, पुरानी दिल्ली (तस्वीर आईआईआईटी के साथ), संजय वन (परछाई डीटीयू के साथ) का दौरा आयोजित किया।
- वार्षिक उत्सव- विज़न '23: फोटोग्राफी और फिल्म निर्माण प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

उपलब्धियां

- प्रतियोगिता जीती
  - ख़ुशी भूषण - प्रथम स्थान (वीडियोग्राफी, आकृति, दयाल सिंह सांध्य महाविद्यालय)।
  - पूर्वा बलहारा - प्रथम स्थान (फोटोग्राफी, रिफ्लेक्ट डीटीयू) और पोलरॉइड (डीडीयू महाविद्यालय) द्वारा वॉयड पत्रिका में प्रदर्शित।
  - ख़ुशी भूषण - मानद उल्लेख (अघोर्न'24, परछायी डीटीयू)।
- प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता
  - एराया (गार्गी महाविद्यालय, डीयू)
  - नवरस (पीजीडीएवी, डीयू)
  - दिल्ली दर्पण (किरोड़ीमल महाविद्यालय, डीयू)

उद्यमिता प्रकोष्ठ

सोसाइटी अध्यक्ष: सुश्री अनुष्का बैसोया
सोसाइटी सचिव: सुश्री कृतिका पाराशर
स्टाफ सलाहकार: प्रो.पूजा गुप्ता, डॉ. मीनल जैन, सुश्री मिताली यादव

उद्यमिता प्रकोष्ठ नवाचार, व्यावसायिक कौशल और नेतृत्व कौशल को बढ़ावा देता है तथा उद्यमिता में सफलता पाने की दिशा में छात्राओं का मार्गदर्शन करता है।

संचालित गतिविधियां

लेडी इर्विन महाविद्यालय के उद्यमिता प्रकोष्ठ ने 2023-24 में विविध पहलों के माध्यम से नवाचार और व्यावसायिक कौशल को बढ़ावा दिया। वेन्ज़्डे विज़नरीज़ ने रणनीतिक ब्रांड सहयोग और उद्यमशीलता की सफलता की कहानियों की खोज की, जबकि एनट्रिविया ने व्यावसायिक रुझानों और वित्त में साप्ताहिक अंतर्दृष्टि प्रदान की। विश्व उद्यमी दिवस पर कैंपस चर्चा, एक ऑनलाइन क्विज़ और पूर्व छात्रा उद्यमियों के साथ एक वेबिनार का आयोजन किया गया। डिज़ाइन थिंकिंग वर्कशॉप ने समस्या-समाधान कौशल को निखारा और स्टार्ट अप एक्सपीओ ने शार्क टैंक इंडिया स्टार्टअप के लाइव डिस्प्ले के साथ-साथ प्रमुख उद्योगपतियों की अंतर्दृष्टि को प्रदर्शित किया। करियर फेयर 2024 ने छात्राओं को विश्वविद्यालयों और विभिन्न क्षेत्रों के उद्योग विशेषज्ञों से जोड़ा। प्रमुख वार्षिक आयोजन भव्य WAGANZA,में 4000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें प्रमुख वक्ताओं के साथ एक ई-समिट और ई-स्त्री व्यवसाय प्रतियोगिता शामिल थी, जिसके निर्णायकगण उद्योग जगत के पेशेवर थे। इन आयोजनों ने भविष्य के उद्यमियों को प्रोत्साहन देने में प्रकोष्ठ की भूमिका को मजबूत किया।

उपलब्धियां

- 'मिलेट ग्रब्स' स्टार्टअप एक्सेलेरेटर प्रोग्राम: उद्यमोदय फाउंडेशन द्वारा 400 से अधिक राष्ट्रीय व्यावसायिक योजनाओं में से सीड फंडिंग और मेंटरशिप के लिए चुना गया।
- द्वितीय स्थान – 'साहस' व्यावसायिक योजना प्रतियोगिता (विवेकानंद महाविद्यालय, डीयू)।

उद्यमिता प्रकोष्ठ छात्राओं को उनके उद्यमशीलता के सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करना जारी रखे हुए है, जिससे नवाचार का एक गतिशील इकोसिस्टम तैयार होता है।

गांधी स्टडी सर्कल

सोसाइटी अध्यक्ष: सुश्री कुशल वर्मा
सोसाइटी सचिव: सुश्री अनन्या मेहता
स्टाफ सलाहकार: डॉ. नीलिमा अस्थाना

लेडी इर्विन महाविद्यालय में गांधी स्टडी सर्किल आधुनिक विश्व में महात्मा गांधी की शिक्षाओं को बढ़ावा देते हुए "गाँधी, विचार से चरित्र तक" के विजन का समर्थन करता है। यह सोसाइटी छात्राओं को अहिंसा, सविनय अवज्ञा और सामाजिक न्याय का पता लगाने, रचनात्मकता, नेतृत्व और सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए एक अंतःविषयक मंच प्रदान करती है।

संचालित गतिविधियां

- ओरिएंटेशन – "उन्मुक्त" (29 अगस्त, 2023): नए सदस्यों का स्वागत किया गया और उन्हें सोसाइटी के विजन से अवगत कराया गया।
- फ्रेशर्स टैलेंट कॉन्टेस्ट (26 सितंबर, 2023): प्रथम वर्ष की छात्राओं को कलात्मक कौशल दिखाने का मंच प्रदान किया गया।
- गांधी जयंती समारोह (3 अक्टूबर, 2023): भजन गायन, मोनो एक्टिंग और थ्रू गांधीजी लेन्सिज विषय पर पोस्टर और नारा लेखन प्रतियोगिताएं शामिल रहीं।
- गांधी स्मृति की फील्ड दौरा (17 अक्टूबर, 2023): गांधीवादी मूल्यों और दर्शन की समझ गहरी हुई।
- शहीद दिवस इंस्टाग्राम सत्र (30 जनवरी, 2024): आज के विश्व में गांधी के प्रभाव के विषय में छात्राओं के लिए विचार साझा करने के लिए इंटरैक्टिव प्लेटफ़ॉर्म।
- सौम्यता'24 (4-5 अप्रैल, 2024): क्विंटेसेंस के तहत वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम, जिसमें स्वदेशी कहानियां, टाइमलेस इकोज़, चरखे की डोर और भाव मुद्रा जैसी प्रतियोगिताएं शामिल हैं।

उपलब्धियां

- वार्तालाप (मिरांडा हाउस महाविद्यालय) में तृतीय स्थान: अनन्या मेहता और कशिश चौधरी ने यूथ्स गारंटी फॉर पीस - प्रस्तुति प्रतियोगिता में प्राप्त किया ।
- संवाद लेखन एवं लेख लेखन (मिरांडा हाउस) और रिमेम्ब्रिंग गांधी-ऐन इंटरनेशनल डायलॉग (द पीस गोंग) जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में सक्रिय भागीदारी।

गांधी स्टडी सर्कल अपनी गतिविधियों के माध्यम से गांधीवादी सिद्धांतों का प्रसार करना, युवाओं को प्रेरित करना और सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन को प्रोत्साहित करना जारी रखे हुए है।

लेडी इर्विन महाविद्यालय की यशस्वी निदेशक

सुश्री हन्ना सेन
1932-1947

सुश्री तारा बाई
1947- 1961

डॉ. दुर्गा देउलकर
1961-1978

डॉ. एस. मुदाम्बी
1978-1979

सुश्री रौशनी देशपांडे
1980-1983

डॉ. एस. आनंद लक्ष्मी
1983-1990

डॉ सतिंदर बजाज
1990-2004

डॉ. अनूपा सिद्धू
2004 **- 2024**

कुलगीत

दिल्ली विश्वविद्यालय

जयति जय जय-जयति जय जय
ज्ञान का आलोक अनुपम
श्रेष्ठ सुन्दर दिव्य दिल्ली
विश्व विद्यालय विहंगम

सकल वसुधा निज कुटुंब की
भावना संस्कृति सनातन
आधुनिक शिक्षा पुरातन
ज्ञान धाराओं का संगम
देश की स्वाधीनता हित
भूमिका शत कोटि वंदन
निष्ठा धृति सत्यम के मंगल
दिव्य भावों का समागम
जयति जय जय-जयति जय जय
ज्ञान का आलोक अनुपम

भव्य महाविद्यालयों के
परिसरों से चिर सुशोभित
श्रेष्ठ गुरुजन कर रहे नित
छात्र और छात्राएँ दीक्षित
सद्चरित्राचार पावन
साधना संकल्प संयम
नवल वैश्विक चेतना
नव क्रान्ति संस्कारों का उद्गम
जयति जय जय जयति जय जय
ज्ञान का आलोक अनुपम
श्रेष्ठ सुन्दर दिव्य दिल्ली
विश्वविद्यालय विहंगम

रचनाकार
गजेन्द्र सोलंकी
अंतरराष्ट्रीय कवि, गीतकार

Lady Irwin College » Sikandra Road, New Delhi 110001
Tel/Fax : +91 11 23711222 » www.ladyirwin.edu.in

SSCREATION71@GMAIL.COM | 9810721628